रजिस्ट्री सं० डी० (डी)-73

REGISTERED No. D(D)-73

सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 22] नई दिल्ली, शनिवार, मई 29, 1976/ज्येष्ठ 8, 1898

No. 22] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 29, 1976/JYAISTHA 8, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 10 मई, 1976

का० आ० 1713—केन्द्रीय सरकार, विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1973 (1973 का 46) की धारा 3 के खण्ड (ङ) के साथ पठित धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंधों को प्रवृत्त करने के प्रयोजनार्थ श्री एम०डी० दीक्षित को प्रवर्तन अधिकारी नियुक्त करती है जिनका पदाभिधान विशेष प्रवर्तन निदेशक होगा और उक्त अधिनियम की धारा 50 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उन्हें तद्धीन बनाए गए किसी नियम, निदेशक या आदेश या उसके उपबंध (धारा 13, धारा 18 की उपधारा (1) के खण्ड (क) और धारा 19 की उपधारा (1) के खण्ड (क) से भिन्न) के किसी उल्लंघन के मामलों का अधिनिर्णय करने के लिए सशक्त करती है।

[संख्या 19/2/76-एवीडी-4]

टी० के० सुब्रह्मण्यियन, अवर सचिव

CABINET SECRETARIAT

(Department of Personnel & Administrative Reforms)

New Delhi, the 10th May, 1976

S.O.1713.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4, read with clause (e) of section 3 of the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (46 of 1973), the Central Government hereby appoints Shri M. D. Dikshit to be an officer of Enforcement, with the designation of Special Director of Enforcement for the purpose of enforcing the provisions of the said Act; and in exercise of the powers conferred by section 50 of the said Act hereby empowers him to adjudicate cases of contravention of any of the provisions thereof [other than section 13, clause (a) of sub-section (1) of section 18 and clause (a) of sub-section (1) of section 19] or of any rule, direction or order made thereunder.

[No. 19/2/76-AVD. IV]

T. K. SUBRAMANIAN, Under Secy.

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 11 मई, 1976

का० आ० 1714—भारत के दिनांक 23 मार्च, 1976 के असाधारण राजपत्र भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) के पृष्ठ 662-663 पर प्रका-

भारत सरकार मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) के दिनांक 23 मार्च, 1976 के अधिसूचना सं० का०आ० 226(अ) की पंक्ति 5 में "रावपुरा पोलिस स्टेशन केस नंबर II/98/76" के स्थान पर "रावपुरा पुलिस स्टेशन वडोदरा II सी०आर० नंबर 98/76" तथा पंक्ति 6 और पंक्ति 7 में प्रयुक्त "विस्फोट" शब्द के स्थान पर "विस्फोटक" शब्द पढ़े।

[संख्या 228/1/76-एवीडी-2]

बी० सी० वंजानी, अवर सचिव

ERRATUM

New Delhi, the 11th May, 1976

S.O. 1714. In the Order of the Government of India in the Cabinet Secretariate (Department of Personnel & Administrative Reforms) No. S.O. 226(E) dated the 23rd March, 1976, published at page 662 of the Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii) in lines 12 and 13, for "Raopura Police Station case No. II/98/76" read "Ravpura Police Station, Vadodra II C R. No. 98/76".

[No. 228/4/76-AVD II]

B. C. VANJANI, Under Secy.

विधि न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(न्याय विभाग)

सक्षम प्राधिकारी का कार्यालय

नोटिस

नई दिल्ली, 3 मई, 1976

का० आ० 1715.—इसके द्वारा लेख्य प्रमाणक नियम (नोटेरीज रूल्स), 1956 के नियम 6 के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्राधिकारी को श्री बि०वि० कुमार गौदा एडवोकेट बंगलौर (करनाटक स्टेट) ने उक्त नियमों के नियम 4 के अधीन बंगलौर में लेख्य प्रमाणक (नोटेरी) का काम करने की नियुक्ति के लिए आवेदन-पत्र भेजा है।

उक्त व्यक्ति की लेख्य प्रमाणक के रूप में नियुक्ति के बारे में यदि कोई आपत्तियां हों तो वे इस नोटिस के प्रकाशित होने के चौदह दिन के अन्दर नीचे हस्ताक्षर करने वाले को लिख कर भेज दिये जायें।

[सं० 22/19/76-न्याय]

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Justice)

NOTICE

New Delhi, the 3rd May, 1976

S.O. 1715.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said rules, by Shri B. V. Kumbhargouda, Advocate, Bangalore for appointment as a Notary to practise in Bangalore (Karnataka).

Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No F. 22/19/76-Jus]

नोटिस

का० आ० 1716.—इसके द्वारा, लेख्य प्रमाणक नियम (नोटेरीज रूल्स), 1956 के नियम 6 के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्राधिकारी को बी० कृष्ण भट्ट एडवोकेट उडुपी करनाटक स्टेट ने उक्त नियमों के नियम 4 के अधीन करनाटक में लेख्य प्रमाणक (नोटेरी) का काम करने की नियुक्ति के लिए आवेदन-पत्र भेजा है।

उक्त व्यक्ति की लेख्य प्रमाणक के रूप में नियुक्ति के बारे में यदि कोई आपत्तियां हों तो वे इस नोटिस के प्रकाशित होने के चौदह दिन के अन्दर नीचे हस्ताक्षर करने वाले को लिख कर भेज दिये जायें।

[सं० 22/22/76-न्याय]

NOTICE

S.O. 1716.—Notice hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri B. Krishna Bhatt, Advocate, Court Back Road, Udupi District (Karnataka) for appointment as a Notary to practise in the State of Karnataka.

2. Any objection to the appointment of the said person as a notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. [redacted]/22/76-Jus]

नोटिस

नई दिल्ली, 5 मई, 1976

का० आ० 1717.—इसके द्वारा, लेख्य प्रमाणक नियम (नोटेरीज रूल्स), 1956 के नियम 6 के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्राधिकारी को श्री उदाई राज गुलेचा, एडवोकेट 60, लॉ चैम्बर्स, हाई कोर्ट मद्रास ने उक्त नियमों के नियम 4 के अधीन, मद्रास में लेख्य प्रमाणक (नोटेरी) का काम करने की नियुक्ति के लिए आवेदन पत्र भेजा है।

उक्त व्यक्ति की लेख्य प्रमाणक के रूप में नियुक्ति के बारे में यदि कोई आपत्तियां हों तो वे इस नोटिस के प्रकाशित होने के चौदह दिन के अंदर नीचे हस्ताक्षर करने वाले को लिखकर भेज दिये जायें।

[संख्या 22/34/75-न्यायिक]

आर० एल० परदीप, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 5th May, 1976

S.O. 1717.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Udai Raj Gulecha, Advocate, 60, Law Chambers High Court, Madras for appointment as a Notary to practise in Madras.

Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 22/34/75-Jus.]

R. L. PARDEEP, Dy. Secy.

(विधायी विभाग)

नई दिल्ली, 4 मई, 1976

का०आ० 1718.—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय वक्फ परिषद् नियम, 1965 के नियम 4 के साथ पठित, वक्फ अधिनियम, 1954 (1954 का 29) की धारा 8क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए,

(i) श्री मोइनुल हक चौधरी की मृत्यु के कारण हुई रिक्ति में, न्यायाधीश श्री एस० अनवार अहमद; और

(ii) श्री ए० ए० रहीम,

को केन्द्रीय वक्फ परिषद् के सदस्य के रूप में नियुक्त करती है,

और भारत सरकार के विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय (विधायी विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 673 (अ) तारीख 22 नवम्बर 1975 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् —

उक्त अधिसूचना में,—

(क) मद 8 के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जाएगी, अर्थात् —

"8. न्यायाधीश श्री एस० अनवार अहमद, रोड 8, राजेन्द्र नगर, पटना-16";

(ख) मद 19 के पश्चात् निम्नलिखित मद अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात् —

"20. श्री ए० ए० रहीम, एम०एल०ए०, मलिककानडु, क्विलान"।

[सं० 8 (15)/74-वक्फ]

हसनुद्दीन अहमद, उप सचिव

(Legislative Department)

New Delhi, the 4th May 1976

S.O. 1718.—In exercise of the powers conferred by section 8A of the Wakf Act 1954 (29 of 1954), read with rule 4 of the Central Wakf Council Rules, 1965 the Central Government hereby appoints as members of the Central Wakf Council,

(i) Shri Justice S Anwar Ahmed in the vacancy caused by the death of Shri Moinul Haque Choudhury, and

(ii) Shri A A Rahim,

and makes the following amendments in the notification of the Government of India, in the Ministry of Law, Justice & Company Affairs (Legislative Department) No. S.O. 673 (E), dated the 22nd November 1975 namely :—

In the said notification,—

(a) for item 8, the following item shall be substituted namely :—

"8. Shri Justice S Anwar Ahmed, Road 8, Rajinder Nagar Patna 16.";

(b) after item 19, the following item shall be inserted, namely :—

"20. Shri A A Rahim, M L A., Malikanedu, Quilon."

[No 8(15)/74-Wakf]

HASANUDDIN AHMED, Dy Secy

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 5 मई, 1976

का०आ० 1719.—एकाधिकार एवं निर्बन्धकारी व्यापार प्रथा अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा मैसर्स सेन्ट्रल इण्डिया मशीनरी मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी लिमिटेड के उक्त अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण-पत्र संख्या 545/70 दिनांक 12-11-1970 के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है।

[संख्या 2/5/75 एम-2]

एम० सी० वर्मा, उप सचिव

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 5th May, 1976

S.O. 1719.—In pursuance of sub-section (3) of section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969, (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the Registration of M/s. Central India Machinery Manufacturing Co. Ltd under the said Act (Certificate of Registration No 545/70 dated 12-11-1970)

[F. No. 2/5/75-M II]

M C. VARMA, Dy Secy.

सोडाक्षार के विनिर्माण में लगी हुई कम्पनियों के प्रकार के लागत लेखा अभिलेख नियम

लागत लेखा अभिलेख (सोडाक्षार) नियम, 1976

का०आ० 1720.—कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात् —

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का नाम लागत लेखा अभिलेख (सोडाक्षार) नियम, 1976 है।

(2) ये 1 जून, 1976 को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना.—ये उन सभी कम्पनियों को लागू होंगे जो किसी भी प्रकार के अर्थात् हल्के, सघन या साधारण सघन सोडाक्षार, जो भा० मा० सं० विनिर्देशों को पूरा करते हों, के उत्पादन, प्रसंस्करण या विनिर्माण में लगी हैं।

3. अभिलेखों का रखा जाना—(1) हर कम्पनी, जिसे ये नियम लागू होते हैं, 1 जून 1976 को या उसके पश्चात् अपने प्रत्येक वित्तीय वर्ष की बाबत उचित लेखा पुस्तकें रखेगी, जिनमें अन्य बातों के साथ सामग्री, श्रम और लागत की अन्य मदों के उपयोग से सम्बन्धित इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची 1 और 2 में विनिर्दिष्ट विशिष्टियां, जहां तक वह नियम 2 में निर्दिष्ट सोडाक्षार से सम्बन्धित है, होंगी

परन्तु यदि उक्त कम्पनी किन्हीं अन्य उत्पादों का विनिर्माण कर रही है या सोडाक्षार के उत्पादन, प्रसंस्करण या विनिर्माण के अतिरिक्त अन्य क्रियाकलापों में लगी हुई है तो सामग्री, श्रम और लागत की अन्य मदों के उपयोग के सम्बन्ध में विशिष्टियां, जहां तक वह ऐसे अन्य उत्पादों या क्रियाकलापों को लागू हों, नियम 2 में निर्दिष्ट किसी भी प्रकार के सोडाक्षार की लागत में सम्मिलित नहीं की जाएंगी।

(2) उप-नियम (1) में निर्दिष्ट लेखा पुस्तकें ऐसी रीति से रखी जाएंगी जिससे कि किसी वित्तीय वर्ष (जिसे इसमें इसके पश्चात् सुसंगत अवधि कहा गया है) के दौरान नियम 2 में निर्दिष्ट किसी भी प्रकार के सोडाक्षार के उत्पादन लागत और विक्रय लागत की संगणना उसमें प्रदर्शित की गई विशिष्टियों में सम्भव हो और ऐसी प्रत्येक लेखा पुस्तकें और अनुसूची 2 में विनिर्दिष्ट प्ररूप कम्पनी के उस वित्तीय वर्ष की, जिससे उसका सम्बन्ध है, समाप्ति से 90 दिन के भीतर पूरे कर लिए जाएंगे।

(3) कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (6) और उपधारा (7) में निर्दिष्ट प्रत्येक व्यक्ति का यह

कर्तव्य होगा कि वह कम्पनी द्वारा उपनियम (1) और (2) के उपबन्धों का उसी रूप में अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए हर युक्तियुक्त कदम उठाए जिस रूप में वह उक्त अधिनियम की धारा 209 की उपधारा (1) के अधीन अपेक्षित वित्तीय लेखों को रखने के लिए उत्तरदायी है।

4. शास्ति—यदि कोई कम्पनी नियम 3 के उपबन्धों का उल्लंघन करती है तो कम्पनी और उसका प्रत्येक अधिकारी जो व्यतिक्रमी है, जिसमें वह व्यक्ति भी सम्मिलित है जो उस नियम के उपनियम (3) में निर्विष्ट है, जुर्माने से जो 500 रुपए तक हो सकेगा दण्डनीय होगा और जहां उल्लंघन जारी रहता है वहां अतिरिक्त जुर्माने से जो प्रथम दिन के पश्चात् प्रत्येक ऐसे दिन के लिए, जिसके दौरान ऐसा उल्लघंन होता रहता है, 50 रुपए तक हो सकेगा, दण्डनीय होगा।

अनुसूची 1

(नियम 3 देखिए)

I.—**सामग्री** :

(क) कच्ची सामग्री : किसी भी प्रकार के सोडाक्षार के उत्पादन, प्रसंस्करण या विनिर्माण में अपेक्षित और वास्तव में प्रयुक्त कच्ची सामग्री की प्रत्येक मद की प्राप्तियों निर्गमों, और अतिशेषों की मात्रा और लागत दोनों को दर्शित करते हुए उचित अभिलेख रखे जायेंगे। कच्ची सामग्री के इन अभिलेखों में ऐसे विवरण होंगे जिससे कम्पनी कच्ची सामग्री की प्रत्येक मद की प्रतियों (जिसके अन्तर्गत संकर्म पर्यन्त उपगत सभी प्रत्यक्ष प्रभार सम्मिलित है), निर्गमों और अतिशेषों की मात्रा और लागत अवधारित कर सके। वह आधार जिस पर उक्त मात्राओं और लागत की संगणना की गई हो लागत अभिलेखों में स्पष्टतः उपदर्शित किया जाएगा।

(ख) लवण और चूना पत्थर—जहां लवण का उत्पादन कम्पनी द्वारा अपने स्वयं के लवण संकर्म में किया जाता है वह उसके विनिर्माण की लागत को दर्शित करते हुए पृथक अभिलेख ऐसे ब्यौरेवार रखे जाएंगे जिससे कम्पनी उपाबन्ध 1 में या उससे यथाशक्य मिलते जुलते प्ररूप में विशिष्टियां भर सके। जहां चूना पत्थर कम्पनी के या उसके पूर्णतः स्वामित्वाधीन समनुसंगी के स्वामित्वाधीन या उनके द्वारा पट्टे पर दी गई खान से निकाला जाता है वहां चूना पत्थर को निकालने की लागत को दर्शित करते हुए पृथक अभिलेख ऐसे ब्यौरेवार रखे जाएंगे जिससे कि कम्पनी उपाबन्ध V में या उससे यथाशक्य मिलते जुलते प्ररूप में विशिष्टियां भर सके।

(ग) प्रसंस्करण सामग्री—प्रसंस्करण सामग्री, जैसे कि अमोनिया हाइड्रोजन सल्फाइड, कार्बन डायोक्साइड या अन्ययग्री की प्रत्येक मद की प्राप्तियों निर्गमों और अवशेषों की मात्रा और लागत दोनो को दर्शित करते हुए उचित अभिलेख रखे जाएंगे। लागत में संकर्म पर्यन्त ऐसे सभी प्रत्यक्ष प्रभार सम्मिलित होंगे जहां वह विनिर्दिष्टत : उपगत किए गए हों। निर्गमों का सम्बन्ध समुचित रूप से विभागों, लागत केन्द्रों और विनिर्मित उत्पादों के साथ होगा।

ऐसे मामले में जहां अन्य प्रसंस्करण रसायन/सोडाक्षार के उत्पादन में अपेक्षित प्रसंस्करण सामग्रियों/रसायनों का विनिर्माण कम्पनी द्वारा किया जाता वहां ऐसी मदों के विनिर्माण की लागत को दर्शित करते हुए पृथक अभिलेख जिसमें उसके उत्पादन के लिए उपभुक्त कच्ची सामग्री तथा उपान्तरण लागत के ब्यौरों को उपदर्शित किया जायेगा, प्ररूप 'क' में या उससे मिलते जुलते किसी अन्य प्ररूप में रखे जाएंगे, जिससे कम्पनी उत्पादित ऐसी प्रसंस्करण सामग्री/रसायनों की लागत का अवधारण कर सके।

ऐसे मामले में जहां कास्टिक सोडा जैसी प्रसंस्करण सामग्रियों का विनिर्माण किया जाता है जो पहले से ही विहित लागत लेखा अभिलेख नियमों के अधीन आती हैं उन नियमों के अनुसार उचित अभिलेख रखे जाएंगे जिससे उन मदों की लागत निकाली जा सके।

(घ) प्रसंस्करण रसायन की प्राप्तियां—विभिन्न प्रसंस्करणों से प्राप्त रसायन की मात्रा और लागत को दर्शित करते हुए उचित अभिलेख रखे जाएंगे। इस प्रकार प्राप्त कतिपय रसायनों के मामले में, जिनका पुनः—प्रसंस्करण में उपयोग न किया जा सके या प्रसंस्करण के बिना जिनका व्ययन न किया जा सके, ऐसे आगे प्रसंस्करण में लगी लागत का पर्याप्त अभिलेख रखा जाएगा। ऐसी मदों के व्ययन के कारण हुई विक्रय वसूलियों को, यदि कोई हो, अभिलेखों में दर्शित किया जाएगा और सुसंगत रसायनों/प्रसंस्करण की लागत में आवश्यक समायोजन किया जाएगा।

(ङ) उपभोज्य भंडार, छोटे औजार, मशीनों के फालतू पुर्जे आदि :—

(i) उपभोज्य भंडार, छोटे औजारों और मशीनों का फालतू पुर्जे की प्रत्येक मद की प्राप्तियों, निर्गमों, अतिशेषों की मात्रा और लागत, दोनों को दर्शित करते हुए उचित अभिलेख रखे जाएंगे। लागत में संकर्म पर्यन्त उपगत सभी प्रत्यक्ष प्रभार, जहां कहीं वे विनिर्दिष्टतः उपगत किए गए हों, सम्मलित होंगे।

(ii) ऐसे उपभोज्य भंडारों और छोटे औजारों की दशा में, जिनकी लागत नगण्य हो कम्पनी, यदि वह ऐसा करना चाहे, ऐसी मदों के मुख्य समूहों के लिए ऐसे अभिलेख रख सकती हैं।

(ii) उपभोज्य भंडारों, छोटे औजारों और मशीनों के फालतू पुर्जों की निर्गम लागत सुसंगत लेखा शीर्षों जैसे कि उत्पादन, संयंत्र और मशीनरी की मरम्मत, भवनों की मरम्मत पर प्रभारित किया जाएगा: पूंजी संकर्मों जैसे कि भवनों, संयंत्रों और मशीनरी में वृद्धि पर उपभुक्त सामग्री और अन्य आस्तियों को सुसंगत पूंजी शीर्षों के अन्तर्गत दर्शित किया जाएगा।

(च) सामग्री का बरबाद होना, खराब होना, अस्वीकृत किया जाना, हानि आदि :—कच्ची सामग्री, प्रसंस्करण सामग्री, उपभोज्य भंडार छोटे औजारों और मशीनों के फालतू पुर्जे की चाहे अभिवहन के दौरान या भंडारकरण या विनिर्माण के दौरान या किसी अन्य कारण से हुई बरबादी, उनकी खराबी, उनके अस्वीकृत किये जाने और नुकसान होने की मात्रा और लागत दर्शित करने वाले उचित अभिलेख रखे जाएंगे। उत्पादन की लागत का अवधारण करने में अपरोक्त हानियों तथा अस्वीकृत या बरबाद सामग्रियों जिसमें खराब सामग्री भी है के व्ययन से हुई आय, यदि कोई हो, के समायोजन के लिए अपनाई पद्धति को लागत अभिलेखों में दर्शित किया जाएगा।

II. **वेतन और मजदूरी** :

(क) सभी कर्मचारियों की उपस्थिति और उनके उपार्जनों तथा उन विभागों, लागत केन्द्रों तथा कार्यों को, जिन पर उन्हें नियोजित किया गया हो, दर्शित करने वाले उचित अभिलेख रखे जाएंगे। अभिलेखों में निम्नलिखित तथ्य भी पृथक दर्शित किए जाएंगे।

(i) उपार्जित अतिकाल मजदूरी;

(ii) उपार्जित मात्रानुमाती दर मजदूरी;

(iii) उपार्जित प्रोत्साहन मजदूरी, जो चाहे व्यष्टितः या सामूहिक रूप में उत्पादन बोनस के रूप में या उत्पादन पर आधारित किसी अन्य स्कीम के अन्तर्गत उपार्जित की गई हो;

(iv) नैमित्तिक कार्य में लगाए गए श्रमिकों के उपार्जन।

(ख) निष्कार्य समय की प्रविष्टिया, उसके कारणों का उल्लेख करते हुए, वर्गीकृत शीर्षों के अन्तर्गत पृथक लेखबद्ध की जाएगी । उत्पादन लागत अवधारित करने मे निष्कार्य समय के लिए गए संदायो की गणना करने मे अपनाई गई पद्धति को लागत अभिलेखो मे स्पष्ट किया जाएगा ।

(ग) पूजी संकर्मों, जैसे सयत्रो और मशीनो, भवनों की वृद्धियां या अन्य स्थायी आस्तियों को आबटन योग्य मजदूरी और वेतन सुसगत पूंजी शीर्षों के अन्तर्गत सम्मिलित किए जाएगे ।

III. **सेवा विभाग के खर्च :**

प्रत्येक सेवा विभाग या लागत केन्द्र के व्ययो को उपदर्शित करते हुए विस्तृत अभिलेख रखे जाएंगे । वे खर्च साम्यपूर्ण आधार पर अन्य सेवा और उत्पादन विभाग को प्रभारित किए जाएंगे और निरन्तर वही रहेगे ।

IV. **उपयोगी वस्तुएं :**

(क) जल : विभिन्न विभागो या लागत केन्द्रों मे सोडाक्षार के विनिर्माण के लिए अभिक्रियित और उपभुक्त जल की मात्रा और लागत दर्शित करते हुए उचित अभिलेख ऐसे ब्योरेवार रखे जाएंगे जिससे कपनी इस अनुसूची के उपाबन्ध 1 मे आवश्यक विशिष्टियां दे सके । आबटित अभिक्रियित जल की लागत युक्तियुक्त आधार पर होगी और निरन्तर वही रहेगी ।

(ख) भाप : जहां कंपनी द्वारा भाप तैयार की जाती है वहां तैयार की गई और विभिन्न विभागो या लागत केन्द्रो मे सोडाक्षार के उत्पादन के लिए उपभुक्त भाप की मात्रा और लागत को दर्शित करते हुए समुचित अभिलेख ऐसे ब्योरेवार रखे जाएंगे जिससे कंपनी उपबन्ध 2 मे आवश्यक विशिष्टियां दे सके । सोडाक्षार और कपनी के अन्य एककों द्वारा उपभुक्त भाप की लागत की संगणना युक्तियुक्त आधार पर होगी और निरन्तर वही रहेगी । जहा कपनी के किसी अन्य एकक द्वारा सोडाक्षार संयंत्र के लिए भाप तैयार की जाती है और उसकी आपूर्ति की जाती है वहां इस प्रकार आपूर्ति की गई भाप की लागत युक्तियुक्त आधार पर सोडाक्षार क्रियाकलापों पर प्रभारित की जाएगी और निरन्तर वही रहेगी ।

(ग) विद्युत . क्रय की गई विद्युत की मात्रा और लागत के लिए उचित अभिलेख रखे जाएंगे । जहां कंपनी द्वारा स्वयं विद्युत उत्पादित की जाती है वहां उत्पादित और विभिन्न विभागो या लागत केन्द्रों में सोडाक्षार के उत्पादन के लिए उपभुक्त विद्युत की लागत को दर्शित करने वाले पर्याप्त अभिलेख ऐसे ब्योरेवार रखे जाएंगे जिससे कि कंपनी उपबन्ध 3 मे आवश्यक विशिष्टिया दे सके ।

जहां कंपनी के किसी अन्य एकक द्वारा सोडाक्षार संयत्र के लिए विद्युत उत्पादित की जाती है और उसकी आपूर्ति की जाती है वहां इस प्रकार आपूर्ति की गई विद्युत की मात्रा और लागत के निर्धारण के लिए पर्याप्त अभिलेख रखे जाएंगे । उस एकक द्वारा प्रभारित दर युक्तियुक्त आधार पर होगी और निरन्तर वही रहेगी । सोडाक्षार के उत्पादन के लिए आबंटित विद्युत की लागत युक्ति युक्त आधार पर होगी और निरन्तर वही रहेगी ।

(घ) प्रशीतन : ऐसे मामले में, जहां प्रशीतन सेवा की व्यवस्था की गयी हो, वहा ऐसी सेवा की लागत दर्शित करने वाला पर्याप्त अभिलेख रखा जाएगा । विभिन्न प्रसंस्करण/उत्पादो पर आबंटन के आधार युक्तियुक्त होगे और निरन्तर वही रहेगे ।

V. **कर्मशाला मरम्मत और रखरखाव :**

विभिन्न शीर्षों के अन्तर्गत और विभिन्न विभागों और लागत केन्द्रों द्वारा मरम्मत और रखरखाव पर कर्मशाला द्वारा उपगत खर्चों को दर्शित करने वाले उचित अभिलेख रखे जाएंगे । अभिलेखो मे वह आधार भी दर्शित किया जाएगा जिस पर कर्मशाला व्यय को विभिन्न विभागो और लागत केन्द्रो पर प्रभारित किया जाएगा । ऐसे प्रमुख मरम्मत सकर्मों पर खर्चे, जिनसे एक से अधिक वित्तीय वर्ष तक फायदा होना हो, लागत अभिलेखों में सुसंगत अवधि के दौरान विनिर्मित सोडाक्षार की लागत अवधारित करने में उसकी गणना की रीति उपदर्शित करते हुए, पृथक उपदर्शित किए जाएंगे ।

पूजीगत संकर्मों पर उपगत खर्चे पूंजीकृत किए जाएंगे । ऐसे कार्य की लागत में सामग्री, श्रम और अपरिव्यय के अंश (शेयर) सम्मिलित होगे । सोडाक्षार एकक की कर्मशाला द्वारा कंपनी के किसी अन्य एकक के लिए तथा इसके विपरीत किए गए कार्य को युक्तियुक्त आधार पर प्रभारित किया गया जाएगा और निरन्तर वही रहेगा ।

VI. **अवक्षयण :**

(क) जिन स्थायी आस्थियो की बाबत अवक्षयण की व्यवस्था की जानी है उसकी लागत और अन्य विशिष्टियां दर्शित करने वाले उचित अभिलेख रखे जाएंगे । इन अभिलेखों मे अन्य बातों के साथ-साथ आस्तियों के प्रत्येक मद की लागत, जिसके अन्तर्गत संस्थापन प्रभार, यदि कोई हो भी है, संस्थापन की तारीख और अवक्षयण की दर भी उपदर्शित की जाएगी । उन आस्तियों के सबध में जिनके अर्जन की मूल लागत बहुत व्यय करने पर या विलम्ब से ही निश्चित की जा सकती हो, इन नियमो के आरंभ होने या उसके पश्चात् वित्तीय वर्ष के आरंभ के प्रथम दिन पुस्तिकाओ में दर्शित मूल्याकन को ही आदि अतिशेष माना जाएगा ।

(ख) जिस आधार पर अवक्षयण की संगणना की जाए और विभिन्न विभागो, लागत केन्द्रो तथा उत्पादों पर उसे प्रभारित किया जाए उसका स्पष्ट उल्लेख अभिलेखो में किया जाएगा । विभिन्न विभागो और लागत केन्द्रों पर प्रभारित अवक्षयण, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 205 की उपधारा (2) के उपबन्धो के अनुसरण में प्रभार्य अवक्षयण की रकम से कम नही होगा और वह ऐसे विभागों और लागत केन्द्रों में उपयोग में लाए गए संयंत्रो, मशीनो तथा अन्य स्थायी आस्तियो से सम्बद्ध होगा । ऐसी दशा में, जब किसी वित्तीय वर्ष मे लागत अभिलेखों मे प्रभारित अवक्षयण की राशि कंपनी अधिनियम 1956 के उपरोक्त उपबन्धों के अधीन प्रभार्य अवक्षयण की राशि से अधिक हो तो इस प्रकार प्रभार्य अधिक राशि तथा उत्पादन की एकक लागत पर ऐसे अधिक अवक्षयण का आपतन लागत अभिलेखों में स्पष्टतः दिखाया जाएगा । किन्तु आस्तियो की किसी एकल मद के प्रति लागत अभिलेखो में प्रभारित सम्पूर्ण अवक्षयण संबंधी प्रभार अपनी-अपनी आस्तियों के मूल लागत से अधिक नही होगा ।

VII. **उपरि व्यय :**

उपरि व्यय से युक्त खर्च की विभिन्न मदो को दर्शित करने वाले समुचित अभिलेख रखे जाऐगे । इन व्ययों को संकर्म, प्रशासन और विक्रय तथा वितरण उपरि व्ययों के रूप मे विश्लेषित, वर्गीकृत, और श्रेणीकृत किया जाएगा । जहां कंपनी सोडाक्षार के अतिरिक्त किसी अन्य उत्पाद के विनिर्माण में भी लगी हो वहां अभिलेखो में वह आधार स्पष्ट, रूप से उपदर्शित किया जाएगा, जिसके अनुसार सामान्य उपरि व्ययों को जिसके अंतर्गत कंपनी के मुख्यालय व्यय भी है, सोडाक्षार क्रियाकलाप और अन्य क्रियाकलापों पर प्रभारित किया जाएगा । उन मामलो में, जिसमें उपरि व्ययों के उपरोक्त प्रवर्गों में सम्मलित किसी व्यय का संबंध किसी विशिष्ट क्रियाकलाप या उत्पाद से स्थिर किया जा सके ऐसे व्यय को पृथक कर दिया जाएगा और प्रथम दृष्टया सुसंगत क्रियाकलाप या उत्पाद पर प्रभारित किया जाएगा और तत्पश्चात् उपरि व्ययों के उपरोक्त प्रवर्गों के अधीन सामान्य व्ययो को साम्यापूर्ण आधार पर आबंटित किया जाएगा

और निन्तर वही रहेगा । पूंजीकृत संकर्मों को आवंटनीय उपरि व्ययों को लागत अभिलेखों में पृथक दर्शित किया जाएगा । उपरोक्त प्रवर्ग के उपरि व्ययों को उत्पादों के प्रति उद्ग्रहीत करने और उपयोग करने के लिए अनुसरण की गई पद्धति लागत अभिलेखों में दर्शित की जाएगी । उपरि व्ययों के उद्ग्रहण और उपयोग के लिए अनुसरण किया जाने वाला आधार साम्यापूर्ण होगा और निरन्तर वही रहेगा ।

(ख) विक्रय उपरि व्ययों को जिसमें नियम 2 में निर्दिष्ट विभिन्न प्रकार के सोडाक्षारों में से सोडाक्षार की बाबत विक्रय और वितरण उपरि व्यय सम्मिलित हैं, विभिन्न उत्पादों से संबंधित लागत विवरणी में दर्शित किए जाएंगे । सामान्य विक्रय व्ययों के मामले में वह आधार जिस पर ऐसे व्ययों को विभिन्न उत्पादों पर आवंटित किया गया हो लागत अभिलेखों में दर्शित किया जाएगा ।

VIII. अनुसंधान और विकास व्यय :

कंपनी द्वारा प्रकृति, अर्थात् विद्यमान उत्पादों और नए उत्पादों का विकास, विद्यमान उत्पाद और नए उत्पाद का प्रसंस्करण, संयंत्र प्रसुविधाओं की अभिकल्पना और विकास, विद्यमान उत्पादों और नए उत्पादों के लिए बाजार अनुसंधान, के अनुसार सोडाक्षार के अनुसंधान और विकास के लिए उपगत व्ययों, यदि कोई हों, के ब्यौरों को दर्शित करते हुए उचित अभिलेख पृथक रखे जाएंगे । जहां भी ऐसे अनुसंधान व्ययों का उपयोग एक से अधिक वित्तीय वर्षों तक विस्तारित होता है, वहां ऐसे व्ययों को अस्थगित व्ययों के रूप में माना जाएगा और उन्हें उत्पादों की लागत पर साम्यापूर्ण आधार पर प्रभारित किया जाएगा; जिसका निरन्तर अनुसरण किया जाएगा । वर्ष के दौरान उत्पादन की चालू लागत पर इन व्ययों को प्रभारित किए जाने में अनुसरण की गई पद्धति सुसंगत लागत अभिलेखों में उपदर्शित की जाएगी और ऐसा व्यय सोडाक्षार और अन्य उत्पाद पर साम्यापूर्ण आधार पर प्रभारित किया जाएगा और निरन्तर वही अपनाया जाएगा ।

IX. निर्यात पर खर्चे :

सोडाक्षार के निर्यात, यदि कोई हो, पर उपगत व्ययों को दर्शित करने वाले अभिलेख पृथक रूप से रखे जाएंगे ताकि निर्यात व्ययों की लागत सही सही अवधारित की जा सके । निर्यात पर उपगत व्यय तथा अपार्जित निर्यात प्रोत्साहन निर्यात विक्रय से संबंधित लागत विवरणियों से स्पष्टतः प्रगट होना चाहिए ।

X. उपोत्पादन :

उत्पादित उपोत्पाद, यदि कोई हो, की प्रत्येक मद के लिए प्राप्तियों निर्गमों और अतिशेषों की मात्रा और मूल्य दोनों को दर्शित करते हुए उचित अभिलेख रखे जाएंगे । उपोत्पादों के उनकी अपने-अपने प्रसंस्करणों के जमाखाते करने के लिए मूल्यांकन के लिए अपनाए गए आधार साम्यापूर्ण होंगे और निरन्तर वही रहेंगे । आगे प्रसंस्करण, यदि कोई हो, पर उपगत व्ययों तथा उपोत्पादों के वास्तविक विक्रय वसूलियों को दर्शित करते हुए अभिलेख रखे जाएंगे ।

XI. स्वउपभोग के लिए सोडाक्षार का अन्तरण :

स्वउपभोग के लिए कंपनी के अन्य विभाग या एकक को अन्तरित सोडाक्षार की मात्रा और लागत को दर्शित करने वाले समुचित अभिलेख रखे जाएंगे । ऐसे अन्तरण लागत पर किए जाएंगे और उन्हें लागत अभिलेखों में स्पष्ट किया जाएगा ।

XII. पैकिंग :

विभिन्न प्रकार के पैकिंग सामग्रियों, जैसे कि लोहियों, पोलिथिन के थैले, की मात्रा और लागत और सोडाक्षार को बाजार में भेजने के लिए उपयोग में लाए गए पैकों के विभिन्न आकारों की बाबत उपगत मजदूरी और अन्य व्ययों के समुचित अभिलेख रखे जाएंगे । जहां ऐसा व्यय अन्य उत्पादों, जिसमें सोडाक्षार सम्मिलित है के लिए भी सामूहिक रूप से उपगत किया जाता है वहां सुसंगत उत्पादों के बीच व्ययों के प्रभाजन का आधार लागत अभिलेखों में स्पष्टतः उपदर्शित किया जाएगा और निरन्तर उसे ही अपनाया जाएगा । निर्यात पैकिंग पर उपगत व्ययों का ब्यौरेवार अभिलेख भी पृथक रखा जाएगा और निर्यात के सुसंगत लागत विवरणियों में दिखाया जाएगा ।

XIII. चालू कार्य और तैयार माल स्टाक :

चालू कार्य और तैयार माल स्टाक की लागत के अवधारण के लिए अनुसरण की गई पद्धति लागत अभिलेखों में उपदर्शित की जाएगी ताकि लागत के उन उपादानों को परिलक्षित किया जा सके जो ऐसी संगणना में सम्मिलित किए गए हैं । अपनाई गई पद्धति का निरन्तर अनुसरण किया जाएगा ।

XIV. लागत विवरणी :

(क) यदि कम्पनी विक्रय के लिए या अपने स्वयं के उपयोग के लिए किसी भी प्रकार के सोडाक्षार का विनिर्माण करती है तो प्रत्येक प्रकार के लिए लागत अनुसूची 2 के प्ररूप 'ख' में पृथक रूप में दर्शित की जाएगी ।

(ख) जहां एक प्रसंस्करण(णों) से एक से अधिक उत्पाद उद्भूत होती है, जैसे कि क्लोरीनेशन, वहां लागत संयुक्त उत्पाद पर किसी युक्तियुक्त आधार पर आवंटित की जाएगी और सुसंगत अवधि के दौरान निरन्तर वही अपनाया जाएगा । वह आधार जिस पर ऐसी संयुक्त लागत को प्रसंस्करण(णों) से उद्भूत विभिन्न उत्पादों पर आवंटित की जाएगी लागत अभिलेखों में दर्शित किया जाएगा और लागतों को अनुसूची 2 के प्ररूप 'ख' में दर्शित किया जाएगा ।

(ग) किसी प्रसंस्करण से उद्भूत ऐसी सामग्री, जो पश्चात्वर्ती प्रसंस्करण के लिए कच्ची सामग्री का काम करती है, की लागत का मूल्यांकन अनुसूची 2 के प्ररूप 'क' में तथा विनिर्दिष्ट रूप में पूर्ववर्ती प्रक्रम तक उत्पादन की लागत पर किया जाएगा ,

(घ) सोडाक्षार के निर्यात को अनुसूची 2 के प्ररूप 'ग' में पृथक लागत विवरणी में वर्णित किया जाएगा और उसे घरेलू बाजार में विक्रय के लिए आशयित लागत विवरणी में सम्मिलित नहीं किया जाएगा ।

XV. उत्पादन अभिलेख :

कम्पनी द्वारा विक्रय के लिए जारी किए गए सभी तैयार और पैक किए गए उत्पादनों तथा कम्पनी द्वारा उत्पादित विभिन्न सोडाक्षार के प्रतिशेषों का मात्रात्मक अभिलेख रखा जाएगा । प्रत्येक प्रकार के उत्पाद के लिए सभी तैयार और पैक किए गए उत्पादनों की लागत ब्यौरेवार रखी जाएगी ।

XVI. लागत और वित्तीय लेखाओं का समाधान :

शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए लागत अभिलेखों का समाधान समय समय पर वित्तीय लेखा पुस्तिकाओं से किया जाएगा । यदि कोई परिवर्तन किए गए हों तो उन्हें स्पष्ट रूप से दर्शाया या स्पष्ट किया जाएगा । जिस अवधि के लिए ऐसा समाधान किया जाना है वह कम्पनी के वित्तीय वर्ष की अवधि से अधिक नहीं होगा । समाधान ऐसी रीति से किया जाएगा

कि वित्तीय लेखाओं की आवश्यकता ठीक ढंग से आंकी जा सके और कम्पनी के अन्य लेखाओं से उसका तालमेल बैठाया जा सके। कम्पनी द्वारा उपगत कुल व्यय, उसके द्वारा प्राप्त आय और सोडाक्षार क्रियाकलापों से संबद्ध शीर्षों (मदों) को दर्शाने वाली एक विवरणी वित्तीय लेखाओं के साथ समुचित समाधान के पश्चात् अनुसूची 2 के प्रारूप के रूप में रखी जाएगी।

17. लागत अन्तरों का समायोजन :

जहां कम्पनी लागत अभिलेखों को वास्तविक से भिन्न किसी आधार, जैसे कि मानक लागत पर रखती है वहां अभिलेखों में कम्पनी द्वारा उस पद्धति के अन्तर्गत उत्पादों की लागत की संगणना के लिए अपनाई गई प्रक्रिया प्रकट होनी चाहिए। उत्पादों की वास्तविक लागत के अवधारण में लागत अन्तरों के समायोजन के लिए अपनाई गई पद्धति लागत अभिलेखों में स्पष्टतः दर्शित की जाएगी। लागत अन्तरों को अनुसूची 2 के संबन्धित प्ररूप में पुर्णांक शीर्षों के सामने दर्शित किया जाएगा। अन्तर होने के कारणों को लागत अभिलेखों में बताया जाएगा।

18. वास्तविक सत्यापन के अभिलेख :

स्टाक में रखे गए समस्त मदों, जैसे कि कच्ची सामग्री रसायन, पैकिंग सामग्री, उपभोज्य भंडार, मशीनों के फालतू पुर्जे, ईंधन, तैयार माल और नियत आस्तियों, के संबन्ध में वास्तविक सत्यापन के अभिलेख रखे जाएंगे। ऐसे सत्यापन से प्रगट होने वाली कमियों या बढ़ोत्तरियों के कारण और उत्पादन की लागत में उनके समायोजन के लिए अपनाई गई पद्धति अभिलेखों में उपदर्शित की जाएगी।

19. अन्तर कम्पनी स्वव्यवहार :

कम्पनी द्वारा अपनी नियंत्री कम्पनी या समनुषंगी या उसी के प्रबन्ध के अधीन कम्पनी, जैसा कि कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 370(1)-ख में परिभाषित किया गया है या ऐसी कम्पनी जिसमें कम्पनी का निदेशक ऐसी कम्पनी में भी निदेशक है तथा उसके विपरीत की गई आपूर्तियों या सेवाओं के संबन्ध में अभिलेख रखे जाएंगे जिनमें निम्नलिखित के संबन्ध में की गई संविदाओं, किए गए करारों तथा समझौतों को वर्णित किया जाएगा:--

(क) कच्ची सामग्री, प्रसंस्करण सामग्री, तैयार उत्पाद, नियत आस्तियों तथा उपोत्पाद् का क्रय और विक्रय ;

(ख) संयंत्र सुविधाओं का प्रयोग ;

(ग) उपयोगी वस्तुओं की आपूर्ति , और

(घ) प्रशासनिक, तकनीकी प्रबन्ध संबन्धी तथा कोई अन्य परामर्शी सेवा।

इन अभिलेखों में वह आधार उपदर्शित किया जाएगा जिसका अनुसरण पक्षों के बीच प्रभारित की गई दरों की संगणना के लिए किया गया हो, जिससे ऐसी सेवाओं के लिए प्रभारित या संदत्त दरों के औचित्य का अवधारण किया जा सके।

20. सांख्यिकीय अभिलेख :

उपलभ्य मशीन घंटे, कार्य किए गए वास्तविक मशीन घंटे, उनके नष्ट होने के कारणों को वर्गीकृत शीर्षों के अधीन दर्शित करते हुए, लक्ष्य की विनिर्दिष्टि की अपेक्षा से सोडाक्षार की उपलब्धि का प्रतिशत, प्रति मशीन घंटे उत्पादन, सोडाक्षार के प्रति टन भट्ठी तेल की खपत, सोडाक्षार के प्रति टन जल और शीतल जल की खपत, सोडाक्षार उत्पाद के प्रति टन मुख्य रसायनों की खपत जैसे सांख्यिकीय आंकड़े रखे जाएंगे। ऐसे अभिलेख भी रखे जाएंगे जिससे कि कम्पनी सोडाक्षार निर्माण क्रियाकलापों में पृथक रूप से लगाई गई पूंजी को यथा संभव जान सके। अभिलेख में नियत आस्तियों में ऐसे नए विनिधान को भी वर्णित किया जाएगा जिससे सुसंगत अवधि के दौरान उत्पादन में कोई मदद न मिली हो। अभिलेख में इसके अतिरिक्त पुनर्स्थापन (रिप्लेसमेंट) के रूप में तथा विद्यमान क्षमता में वृद्धि के लिए जोड़ी गई आस्तियों को पृथक दिखाया जाएगा।

इस अनुसूची और अनुसूची 2 के अनुसरण में रखे गए सांख्यकीय और अन्य अभिलेख ऐसे होंगे जिससे कि कम्पनी, जहां तक संभव हो, प्रचालन और लागत पर नियंत्रण रख सकें और लागत संपरीक्षक द्वारा अपेक्षित आंकड़े दे सकें जिससे कि वह समय समय पर लागत संपरीक्षा (रिपोर्ट) नियम, 1968 में निर्दिष्ट सभी विषयों पर उचित रिपोर्ट दे सकें। लागत अभिलेख 1968 में निर्दिष्ट सभी विषयों पर उचित रिपोर्ट दे सकें। लागत अभिलेख में रखे गए आंकड़ों का समायोजन कम्पनी द्वारा उत्पाद शुल्क और अन्य प्राधिकारियों को दिए गए लागत अभिलेखों के साथ किया जाएगा।

उपाबन्ध-- 1

कम्पनी का नाम ....

रसायन कारखाने (सोडाक्षार एकक) का नाम और पता............

............को समाप्त होने वाले वर्ष के दौरान जब भी अभिक्रिया शीत मृदुलन/ऊष्म मृदुलन/उपभोग जल की लागत दर्शाने वाला विवरण

अभिक्रियित जल की मात्रा............................ ।

क्रम संख्या	विशिष्टियां	मात्रा (यूनिटें)	दर (रु०)	रकम (रु०)	अभिक्रियित शीत मृदुलित उष्म मृदुलित जल की प्रत्येक किलो लीटर लागत
1	2	3	4	5	6
1. जल रायल्टी					
2. रसायन					
(क)					
(ख)					
(ग)					
3. भंडार					
4. विद्युत					
5. वेतन और मजदूरी					
6. मरम्मत और रखरखाव					
7. उपरि व्यय					
8. अवक्षयण					
योग					
9. घटाएं : जमाखाते की गई रकम, यदि कोई हो					
10. शुद्ध योग					

निम्नलिखित के लिए उपभोग	यूनिटों की संख्या	रकम (रु०)
(1) भाप		
(2) विद्युत		
(3) अन्य सेवा विभाग		
(4) डी मैंग संयंत्र		
(5) सोडाक्षार लवण जल परिस्करणी		
(6) कार्बनेटिंग टावर		
(7) सोडाक्षार फिल्टर		
(8) एच 2 एस संयंत्र		
(9) सोडाक्षार बेट		
(10) अन्य		

टिप्पण :

(1) यदि अभिक्रियित जल किसी अन्य बाहरी पक्षकार को प्रदत्त किया जाए तो की गई वसूलियों के लिए आवश्यक जमा खाते की रकमें मद 9 के सामने की जाएंगी ।

(2) जहां मीटर नही लगे हों वहां अभिक्रियित जल का उपयोग युक्तियुक्त आधार पर निर्धारित किया जाएगा और निरन्तर उसे ही अपनाया जाएगा ।

(3) कर्मचारियों को, प्रोत्साहन बोनस से भिन्न, बोनस, कानूनी उपदान की व्यवस्था और ब्याज प्रभार केवल प्ररूप 'ग' और 'घ' में दर्शित किए जाएंगें ।

उपाबन्ध-2

कम्पनी का नाम----------

रसायन कारखाने (सोडाक्षार एकक) का नाम और पता----------

----------को समाप्त होने वाले वर्ष के दौरान तैयार की गई/उपयुक्त भाप की लागत को दर्शाने वाला विवरण।

तैयार की गई भाप की मात्रा----------।

क्रम सं०	विशिष्टियां	मात्रा (यूनिटें)	दर (रु०)	रकम (रु०)	तैयार की गई भाप की प्रति टन लागत
1	2	3	4	5	6
1.	जल (उपाबन्ध 1 के अनुसार)				
2	ईंधन।				
	(क) कोयला				
	(ख) ईंधन तेल				
	(ग) बिजली				
	(घ) अन्य ईंधन, यदि कोई हो, (विनिर्दिष्ट करें)				
3	अन्य प्रत्यक्ष व्यय (जैस व्यालयर निरीक्षण फीस आदि)				
4.	उपभोज्य भण्डार				
5.	वेतन और मजदूरी				
6	मरम्मत और रखरखाव				
7.	उपरिव्यय				
8.	अवक्षयण				
9.	योग				
10.	घटाएं :--(क) बिजली के उत्पादन के लिए विद्युत गृहों द्वारा उपयोग में लाई गई सशक्त भाप की लागत				
	(ख) कम्पनी की अन्य यूनिटें				
	(ग) बाहरी पक्षकार				
11.	सशक्त भाप की मात्रा और लागत				

	यूनिटें	रकम (रु०)
निम्नलिखित में उपभुक्त ।		
(i) विद्युत उत्पादन		
(ii) कम्पनी के अन्य एकक		
(iii)		
(iv)		

टिप्पण :-- (1) यदि भाप किसी अन्य बाहरी पक्षकार को प्रदत्त की जाए तो की गई वसूलियों के लिए आवश्यक जमाखाते की रकम मद 10 (ग) के सामने दी जाएगी।

(2) जहां मीटर नहीं लगे हो वहां भाप का उपभोग युक्ति-युक्त आधार पर निर्धारित किया जाएगा और निरन्तर उसे ही अपनाया जाएगा ।

(3) कर्मचारियों को, प्रोत्साहन बोनस से भिन्न, बोनस, कानूनी उपदान की व्यवस्था और ब्याज प्रभार केवल अनुसूची 2 में प्ररूप 'ग', 'घ' में दर्शित किए जाएंगे।

उपाबन्ध- 3

कम्पनी का नाम----------

रसायन कारखाने (सोडाक्षार एकक) का नाम और पता----------

----------को समाप्त होने वाले वर्ष के दौरान उत्पादित/खरीदी गई और उपभुक्त विद्युत की लागत को दर्शाने वाला विवरण

उत्पादित यूनिटों की संख्या	किलोवाट
खरीदी गई यूनिटो की संख्या	किलोवाट
विद्युत गृहों में उपभोग, जिसमें अन्य हानियां सम्मिलित हैं	किलोवाट
शुद्ध उपभुक्त यूनिट	किलोवाट

क्रम संख्या	विशिष्टियां	मात्रा (यूनिट)	दर (रु०)	रकम (रु०)
1	2	3	4	5
क. 1.	(क) भाप (उपाबन्ध 2 के अनुसार या खरीदी गई)			
	(ख) अन्य सामग्री (यदि कोई हो विनिर्दिष्ट करें)			
2.	उपभोज्य भण्डार			
3.	अन्य प्रत्यक्ष प्रभार (जैसे कि विद्युत शुल्क इत्यादि)			
4.	वेतन और मजदूरी			
5.	मरम्मत और रखरखाव			
6.	उपरिव्यय			
7.	अवक्षयण			
8.	योग (1 से 7)			
9.	घटाएं :--निम्नलिखित के जमाखाते की गई रकमें			
	(क) कम्पनी की अन्य यूनिटें			
	(ख) बाहरी पक्षकार			
10.	उत्पादित विद्युत की शुद्ध लागत			
ख.	खरीदी गई विद्युत			
	योग (क+ख)			
	घटाएं : वसूली, यदि कोई हो,			

निम्नलिखित में उपभुक्त	मात्रा	रकम (रु०)
(i) जल अभिक्रियण		
(ii) भाप उत्पादन		
(iii)		
(iv)		

टिप्पण :--(1) प्रति यूनिट लागत, विद्युत गृह में उपभुक्त और अन्य हानियों की कटौती करने के पश्चात् उपयोग के लिए उपलब्ध विद्युत की शुद्ध यूनिटों के प्रति निर्देश से निकाली जाएगी।

(2) जहां मीटर नहीं लगाए गए हों वहां विद्युत के उपभोग को युक्तियुक्त आधार पर निर्धारित किया जाएगा और निरन्तर उसे ही अपनाया जाएगा।

(3) कर्मचारियों को, प्रोत्साहन बोनस से भिन्न बोनस, कानूनी उपदान की व्यवस्था और ब्याज प्रभार केवल अनुसूची 2 के प्ररूप 'ग' और 'घ' में ही दर्शित किया जाएगा किसी अन्य प्ररूप में नहीं।

(4) बाहर के पक्षकारों आदि को विद्युत के विक्रय से हुई वसूली, यदि कोई हो, मद 9 के सामने पृथक रूप से दर्शित की जाएगी।

उपाबन्ध-4

कम्पनी का नाम .....

रसायन कारखाने (सोडाक्षार एकक) का नाम और पता.....

.....को समाप्त होने वाले वर्ष के दौरान उत्पादित और सोडाक्षार के उत्पादन में प्रयुक्त लवण की लागत को दर्शाने वाला विवरण।

क्रम संख्या	विशिष्टियां	मात्रा (मीटर टन)	रकम (रु०)
1	2	3	4
1.	लवण का आदि अतिशेष		
2.	उत्पादित लवण की मात्रा और निम्नानुसार सम्बन्धित व्यय :		
	(i) मजदूरी और वेतन		
	(ii) रायलटी		
	(iii) परिवहन प्रभार		
	(iv) मरम्मत और रखरखाव		
	(v) अवक्षयण		
	(vi) अन्य उपरि व्यय		
	योग		

टिप्पण :--(1) यह प्ररूप वहां भरा जाएगा जहां लवण कम्पनी द्वारा विनिर्मित किया जाता है।

(2) कर्मचारियों को, प्रोत्साहन बोनस से भिन्न, बोनस, कानूनी उपदान की व्यवस्था और ब्याज प्रभार केवल प्ररूप 'ग' और 'घ' में दर्शित किए जाएंगे।

उपाबन्ध-5

कम्पनी का नाम.....

रसायन कारखाने (सोडाक्षार एकक) का नाम और पता.....को समाप्त होने वाले वर्ष के दौरान कम्पनी की खदानों से निकाला गया और सोडाक्षार के उत्पादन में प्रयुक्त चूना पत्थर की लागत को दर्शाने वाला विवरण ।

1. निकाली गई मात्रा — मीटरी टन
2. अस्वीकृतियों को घटाएं
3. निकाली गई शुद्ध मात्रा
4. संकर्म तक परिवहन की गई शुद्ध मात्रा
5. हटाई गई उपरी मलबे की मात्रा

क्रम संख्या	विशिष्टियां	मात्रा (मीटरी टन)	दर (रु०)	रकम (रु०)	प्रति मीटर टन लागत	
					चालू वर्ष (रु०)	पूर्ववर्ती वर्ष (रु०)
1	2	3	4	5	6	7
1.	खदान पर चूना पत्थर का आदि अतिशेष					
2.	निकाली गई मात्रा और निम्नानुसार संबंधित व्यय :					
	(i) मजदूरी और वेतन					
	(ii) भण्डार					
	(iii) रायल्टी, डूबन्त भाटक (डेड रेंट) आदि					
	(iv) विद्युत और ईंधन					
	(v) मरम्मत और रखरखाव					
	(vi) अवक्षयण					
	(vii) अन्य उपरि व्यय					
3.	योग 2(i) से 2(vii)					

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
4. योग ऊपरी (1) और (3)						
5. घटाएं : अन्त अतिशेष						
6. संकर्म के लिए अन्तरित मात्रा						
7. संकर्म के लिए परिवहन प्रभार						
8. संकर्म पर कुल लागत (मात्रा और लागत)						
9. संकर्म पर स्टाक के आदि और अन्त अतिशेष के लिए समायोजन						
10. सोडाक्षार के लिए अन्तरित						
11. अन्य क्रियाकलापों के लिए अन्तरित						

टिप्पण : (1) मद संख्या 2(i) से 2(vii) तक की बाबत प्रति टन लागत निकाली गई मात्रा के आधार पर होगी और मद संख्या 7 की बाबत संकर्म के लिए परिवहन की गई मात्रा के आधार पर होगी।

(2) यह प्ररूप वहां भरा जाएगा जहां कम्पनी चूना पत्थर खादान का, वह चाहे उसके स्वामीत्वाधीन को या पट्टे पर हो, संचालन करती है।

(3) प्रोत्साहन बोनस से भिन्न, बोनस, कानूनी उपदान की व्यवस्था और ब्याज प्रभार केवल प्ररूप 'ग' और 'घ' में ही दर्शित किए जाएंगे।

प्ररूप 'क'

अनुसूची-II

(नियम 3 देखिए)

कम्पनी का नाम...

रसायन कारखाने (सोडाक्षार एकक) का नाम और पता...को समाप्त होने वाले वर्ष के दौरान विनिर्मित और अन्य रसायनों या सोडाक्षार के उत्पादन में उपयोग में लाई गई प्रसंस्करण सामग्री/रसायन की लागत को दर्शाने वाला विवरण।

क्रम सं०	विशिष्टियां	मात्रा (यूनिटें)	दर (रु०)	कुल लागत (रु०)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. स्टाक का आदि अतिशेष				
2. उत्पादित मात्रा और निम्नानुसार संबंधित व्यय :				
(i) (क) कच्ची सामग्री (विनिर्दिष्ट करें)				
(ख) विनिर्मित प्रसंस्करण रसायन, यदि कोई हों (विनिर्दिष्ट करें)				
(ii) उपभोज्य भण्डार (उनसे भिन्न जिन्हें मरम्मत और रखरखाव के लिए आबंटित किया गया हो)				
(iii) वेतन और मजदूरी				
(iv) उपयोगी वस्तुएं :				
(क) जल				
(ख) भाप				
(ग) विद्युत				
(घ) प्रशीतन				
(v) मरम्मत और रखरखाव				
(vi) अन्य संकर्म उपरि व्यय				
(vii) अवक्षयण				
(viii) प्रशासन ऊपरि व्यय				
3. 2(i) से 2(viii) का योग				
4. लागत अन्तरों का समायोजन (जहां मानक लागत पद्धति अपनाई गई हो) :				
(क) सामग्री				
(ख) श्रम				
(ग) ऊपरि व्यय				
5. (3) और (4) का योग				

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)

6. घटाएं : उपोत्पादों/बरबादियों, यदि कोई हो, का वसूलनीय मूल्य
7. योग
8. चालू कार्य के आरंभिक और अन्तिम स्टाक का समायोजन
9. योग
10. योग (1) और (9)
11. घटाएं : स्टाक का अन्त अतिशेष
12. अन्तरण के लिए उपलब्ध प्रसंस्करण रसायन की कुल लागत

निम्नलिखित के लिए अन्तरित	मात्रा	मूल्य
(i) अन्य प्रसंस्करण रसायन, यदि कोई हो,		
(ii) सोडाक्षार (प्ररूप 'ख'/ख 1)		
(iii) अन्य विभाग		

टिप्पण : (1) इस प्ररूप का उपयोग कम्पनी द्वारा विनिर्मित और सोडाक्षार और अन्य प्रसंस्करण रसायन के उत्पादन में प्रयुक्त प्रत्येक प्रसंस्करण रसायन, जैसे कि शोधित लवण जल, दूधिया चूना, अमोनिया, अमोनियम क्लोराइड, सल्फरेटेड हाइड्रोजन आदि के लिए किया जाएगा।

(2) वह आधार जिस पर अस्वीकृतियों और बरबादियों का वसूलनीय मूल्य निर्धारित किया जाएगा स्पष्टतः उपदर्शित किया जाएगा। ऐसी मदों के व्ययन के लिए उपगत व्यय, यदि कोई हो, मद 6 के अंकों को निकालने के लिए व्ययन मूल्य से काट लिया जाएगा।

(3) कर्मचारियों को, प्रोत्साहन बोनस से भिन्न, बोनस, कानूनी उपदान की व्यवस्था और ब्याज प्रभार प्ररूप 'ग' और 'घ' में ही दिखाये जाएंगे।

प्ररूप 'ख'

कम्पनी का नाम.....

रसायन कारखाने (सोडाक्षार एकक) का नाम और पता.....को समाप्त होने वाले वर्ष के दौरान सोडाक्षार.....(प्रकार हल्का/साधारण सघंन/सघंन और पैकिंग के लिए अन्तरित) की लागत को दर्शाने वाला विवरण।

क्रम सं०	विशिष्टियां	उत्पादित मात्रा	चालू वर्ष			पूर्ववर्ती वर्ष	
			मात्रा	दर	रकम	प्रति टन लागत	
						चालू वर्ष	पूर्ववर्ती वर्ष
			(यूनिटें)	(रु०)	(रु०)	(रु०)	(रु०)
(1)	(2)		(3)	(4)	(5)	(6)	(7)

1. स्टाक का आदि अतिशेष
2. उत्पादित मात्रा और निम्नानुसार संबंधित व्यय :
   (i) कच्ची सामग्री (खरीदी गई) (मदों को विनिर्दिष्ट करें)
   (ii) प्ररूप 'क' के अनुसार संकर्म के भीतर विनिर्मित प्रसंस्करण रसायन (मदों को विनिर्दिष्ट करें)
   (iii) उपभोज्य भण्डार (उससे भिन्न जो मरम्मत और रखरखाव के लिए आबंटित है)
   (iv) वेतन और मजदूरी
   (v) उपयोगी सामग्री :
      (क) जल
      (ख) भाप
      (ग) विद्युत्
      (घ) प्रशीतन
   (vi) मरम्मत और रखरखाव
   (vii) अन्य संकर्म उपरि व्यय
   (viii) अवक्षयण
   (ix) प्रशासन उपरि व्यय
   (x) (+)लागत अन्तरों के लिए समायोजन, यदि कोई हो
      (क) सामग्री
      (ख) श्रम
      (ग) उपरि व्यय

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)

3. योग 2(i) से (2) (x).
4. घटाएं : वसूलियों के जमाखाते, यदि कोई हों (विनिर्दिष्ट करें)
5. योग
6. चालू कार्य के प्रारंभ और अन्य के लिए समायोजन
7. स्वउपभोग के लिए समायोजन
8. योग
9. योग (1) और (8)
10. घटाएं : स्टाक का अन्त अतिशेष
11. पैकिंग के लिए खुले सोडाक्षार की कुल लागत (प्ररूप 'ग' में अन्तरित)

(+) केवल मानक लागत पद्धति पर अभिलेख रखने वाली कम्पनियों को लागू।

टिप्पण : (1) इस प्ररूप में समुचित मदों को उचित रूप से भरते हुए विनिर्मित विभिन्न प्रकार के सोडाक्षार की बाबत पृथक लागत विवरणियां रखी जाएंगी।

(2) बहु उत्पाद एककों के मामले के निर्देशाधीन उत्पाद के लिए मुख्य कार्यालय व्यय और अन्य सामान्य उपरि व्ययों का प्रभाजन साम्यपूर्ण होगा।

(3) वह आधार, जिन पर अस्वीकृतियों और बरबादियों के वसूलनीय मूल्य का अवधारण किया जाए, स्पष्टतः उपदर्शित किया जाएगा। ऐसी मदों के व्ययन के लिए उपगत खर्चे, यदि कोई हो, मद 4 के अंकों को निकालने के लिए व्ययन मूल्य से काट लिए जाएंगे।

(4) कर्मचारियों को, प्रोत्साहन बोनस से भिन्न, बोनस, कानूनी उपबंध की व्यवस्था और ब्याज प्रभार केवल प्ररूप 'ग' और 'घ' में दर्शित किए जाएंगे।

प्ररूप 'ख 1'

कम्पनी का नाम .....

रसायन कारखाने (सोडाक्षार एकक) का नाम और पता .....

समाप्त होने वाले वर्ष के दौरान उत्पादित संयुक्त उत्पादों के रूप में सोडाक्षार ..... (प्रकार—हल्का/साधारण सघं/सघंन) की लागत को दर्शाने वाला विवरण।

	चालू वर्ष (मीटर टन)	पूर्ववर्ती वर्ष (मीटर टन)
सोडाक्षार की मात्रा		
अमोनियम क्लोराइड की मात्रा		

क्रम सं०	विशिष्टियां	मात्रा	दर	रकम	प्रति टन लागत	
					चालू वर्ष (रु०)	पूर्ववर्ती वर्ष (रु०)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)

1. सोडाक्षार का आदि अतिशेष
2. उत्पादित मात्रा और निम्नानुसार संबंधित व्यय :
   (i) कच्ची सामग्री (खरीदी गई) (मदों को विनिर्दिष्ट करें)
   (ii) विनिर्मित प्रसंस्करण रसायन
   (प्ररूप 'क' के अनुसार)
   (मदों को विनिर्दिष्ट करें)
   (iii) उपभोज्य भण्डार उनसे भिन्न जिन्हें मरम्मत और रखरखाव के लिए आवंटित किया गया हो)
   (iv) वेतन और मजदूरी
   (v) उपयोगी वस्तुएं
      (क) जल
      (ख) भाप
      (ग) विद्युत्
      (घ) प्रशीतन

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
	(vi) मरम्मत और रख-रखाव					
	(vii) अन्य सकर्म उपरि व्यय					
	(viii) अवक्षयण					
	(ix) प्रशासन उपरि व्यय					
	(x) (+) लागत अन्तरोज के लिए समायोजन, यदि कोई हो					
	(क) सामग्री					
	(ख) श्रम					
	(ग) उपरि व्यय					
3.	योग 2(i) से !(x)					
4.	घटाएं : वसूलियों के लिए जमाखाते, यदि कोई हों					
5.	योग					
6.	चालू कार्य के आदि और अन्त के लिए समायोजन					
7.	योग					
8	घटाएं : उत्पादित अमोनियम क्लोराइड या किसी अन्य उत्पाद की मात्रा या उससे संबंधित व्ययों का अंश					
9	उत्पादित सोडागार की मात्रा और लागत					
10.	सोडाक्षार के स्वउपभोग्य के लिए समायोजन					
11.	साडाक्षार के उत्पादन की शुद्ध लागत					
12.	(1(और (2) का योग					
13.	घटाएं : सोडाक्षार का अन्त अतिशेष					
14.	पैकिंग के लिए खुले सोडाक्षार की कुल लागत (प्ररुप 'ग' में अन्तरित)					

(+) उन कम्पनियों को लागू जो केवल मानक लागत पद्धति पर अभिलेख रखती हैं।

टिप्पण: (1) विनिमित विभिन्न प्रकार के सोडाक्षार की बाबत पृथक लागत विवरणियां रखी जाएंगी।

(2) बहु उत्पाद एककों के मामले में निर्देशाधीन उत्पाद पर मुख्य कार्यालय व्ययों और अन्य सामान्य उपरि व्ययो का प्रभाजन साम्यापूर्ण होगा।

(3) सोडाक्षार और अमोनियम क्लोराइड/अन्य संयुक्त उत्पादों के बीच व्ययों के आबंटन का आधार स्पष्टतः दिखाया जाएगा।

(4) वह आधार जिस पर अस्वीकृतियों, बरबादियों के लिए वसूलनीय मूल्य अवधारित किया जाता है स्पष्टतः उपदर्शित किया जाएगा। ऐसी मदों के व्ययन के लिए उपगत व्यय को, यदि कोई हो, मद 4 के अंकों को निकालने में व्ययन मूल्य से काट लिया जाएगा।

(5) कर्मचारियों को, प्रोत्साहन बोनस से भिन्न, बोनस, कानूनी उपदान की व्यवस्था और ब्याज प्रभार केवल प्ररुप 'ग' और 'घ' में दर्शित किया जाएगा।

प्ररूप 'ग'

कम्पनी का नाम——————————————

रसायन कारखाने (सोडाक्षार एकक) का नाम और पता ——————————————

को समाप्त होने वाले वर्ष के दौरान पैक किए गए ——————————————(सोडाक्षार का प्रकार विनिर्दिष्ट करें) के विक्रय की लागत को दर्शाने वाला विवरण।

	चालू वर्ष	पूर्ववर्ती वर्ष
(क) पैक की गई मात्रा		
(ख) विक्रय की गई मात्रा		

क्रम संख्या	विशिष्टियां	मात्रा (कि० ग्रा०)	दर (रु०)	रकम (रु०)	प्रति टन लागत	
					चालू वर्ष (रु०)	पूर्ववर्ती वर्ष (रु०)
1	2	3	4	5	6	7
1.	प्ररुप 'ख' 'ख1' से अन्तरित खुले सोडाक्षार की लागत					
2.	पैकिंग लागत					
	(क) पैकिंग सामग्री (मदें विनिर्दिष्ट करें)					
	(ख) वेतन और मजदूरी					

1	2	3	4	5	6	7

(ग) मरम्मत और रखरखाव
(घ) अन्य उपरि व्यय
(ङ) अवक्षयण
योग

3. स्टाक समायोजन
(केवल पैक किया गया माल)
जोड़ें : आरम्भिक स्टाक
घटाएं : अन्तिम स्टाक
विक्रय के लिए अन्तरित पैक की गई मात्रा की लागत

4. विक्रय और वितरण व्यय
(केवल विक्रय की गई मात्रा के लिए)
(i) वेतन और मजदूरी
(ii) विक्रय अभिकर्ता का कमीशन
(iii) ढुलाई और परिवहन प्रभार
(iv) गोदाम भाड़ा
(v) अन्य प्रभार
(vi) प्रशासन का अंश

5 कुल लागत जिसमें विक्रय और वितरण व्यय सम्मिलित है

6. ब्याज प्रभार

7. कर्मचारियों को वार्षिक बोनस

8. कानूनी उपबंध के लिए व्यवस्था

9. अन्य व्यय, जिसे लागत में सम्मिलित न किया गया हो, (मदों को विनिर्दिष्ट करें)

10. घटाएं : अन्य आय, जिस पर लागत में विचार न किया गया हो, (मदों को विनिर्दिष्ट करें)

11. कुल व्यय, जिसमें देश के भीतर बेची गई मात्रा के लिए उत्पाद शुल्क सम्मिलित नहीं है।

12. कुल विक्रय वसूली, जिसमें देश के भीतर बेची गई मात्रा के लिए उत्पाद शुल्क सम्मिलित नहीं है

13. अन्तर (मार्जिन)

टिप्पण : (1) पैक किए गए और बेचे गए प्रत्येक प्रकार के सोडाक्षार के लिए पृथक लागत विवरणी रखी जाएगी।

(2) बहुउत्पाद एककों के मामले में विभिन्न उत्पादों पर सामान्य विक्रय और वितरण व्ययों का प्रभाजन साम्यापूर्ण होगा और निरन्तर यही रखेगा।

(3) कर्मचारियों को, प्रोत्साहन बोनस से भिन्न, बोनस, कानूनी उपबंध की व्यवस्था और ब्याज प्रभार केवल प्ररूप 'ग' और 'घ' में पृथक रूप में वर्णित किए जायेंगे

(4) निर्यात किए गए सोडाक्षार की बाबत (सम्यक रूप से कपालारि) उस प्ररूप में पृथक लागत विवरणी रखी जाएगी, जिसमे निर्यात पर उपगत व्यय और उस पर अर्जित, प्रोत्साहन भी दिखाए जाएंगे।

प्ररूप 'घ'

कम्पनी का नाम ———— रसायन कारखाने (सोडाक्षार एकक) का नाम और पता ————

को समाप्त होने वाले वर्ष के दौरान कम्पनी द्वारा उपगत कुल व्ययो और प्राप्त आय का सोडाक्षार और अन्य क्रियाकलाप के बीच आबंटन को दर्शाने वाला विवरण।

क्रम सं०	विशिष्टियां	कुल व्यय	निम्नलिखित से सम्बन्धित अंश	
			सोडाक्षार	अन्य क्रियाकलाप
		(रु०)	(रु०)	(रु०)
1	2	3	4	5
1.	उपभुक्त कच्ची सामग्री			
2.	उपभुक्त प्रसंस्करण सामग्री			

1	2	3	4	5

3. उपभोज्य भण्डार
4. वेतन और मजदूरी
5. बिजली, ईंधन और अन्य सेवाएं
6. मरम्मत और रखरखाव
7. अन्य संकर्म उपरि व्यय
8. अवक्षयण
9. प्रशासन उपरि व्यय
10. चालू कार्य के आदि और अन्य अतिशेष के बीच अन्तरों का समायोजन
11. घटाएं : वसूलियों के जमाखाते
    (i) उपोत्पाद/संयुक्त उत्पाद
    (ii) अन्य
12. घटाएं : स्वउपभोग
13. तैयार माल के आरम्भिक और अन्तिम स्टाक के बीच अन्तरों का स्टाक समायोजन
14. पैकिंग व्यय
15. विक्रय और वितरण व्यय
16. ब्याज प्रभार
17. कर्मचारियों को प्रोत्साहन बोनस से भिन्न वार्षिक बोनस
18. कानूनी उपदान के लिए व्यवस्था
19. कोई अन्य व्यय, जिसे लागत में सम्मिलित न किया गया हो (मदों को विनिर्दिष्ट करें)
20. घटाएं : कोई अन्य आय, जिन पर लागत में विचार न किया गया हो (मदों का विनिर्दिष्ट करें)
21. योग, जिसमें उत्पाद शुल्क सम्मिलित नहीं है
22. निर्यात फायदों की, यदि कोई हो, कटौती करें
23. शुद्ध विक्रय वसूली, जिसमें उत्पाद शुल्क सम्मिलित नहीं है।
24. अन्तर (आजिन)

टिप्पण : इस प्ररूप में के व्ययों और आय की सभी मदों का समाधान सुसंगत अवधि के वित्तीय लेखा के साथ किया जाएगा।

[52/131/74-सी ए डी]

अपठित, अवर सचिव

Cost Accounting Records Rules for the Class of Companies Manufacturing Soda Ash

COST ACCOUNTING RECORDS (SODA ASH) RULES, 1976

S.O. 1720.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of sub-section (1) of section 209, of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government makes hereby the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Cost Accounting Records (Soda Ash) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on 1st day of June 1976.

2. Application.—They shall apply to every company engaged in the production, processing or manufacture of soda ash in any form that is to say, light, dense and medium dense and conforming to I.S.I. Specifications.

3. Maintenance of records.—(1) Every company to which these rules apply shall in respect of each of its financial year on or after the 1st day of June, 1976, keep proper books of accounts containing inter alia the particulars specified in Schedules I and II annexed to these rules relating to utilisation of materials, labour and other items of cost in so far as these are applicable to the soda ash referred to in 2:

Provided that if the aid company is manufacturing any other products or is engaged in other activities in addition to soda ash, the particulars relating to the utilisation of materials, labour and other items of cost in so far as they are applicable to such other products or activities shall not be included in the cost of any of the forms of soda ash referred to in rule 2.

(2) The books of account referred to in sub-rule (1) shall be kept in such a way as to make it possible to calculate the cost of production and cost of sale of any of the forms of soda ash referred to in rule 2 during a financial year (hereinafter referred to as the relevant period) from the particulars entered therein and every such books of account and the proformae specified in Schedule II shall be completed within ninety days from the end of the financial year of the company to which they relate.

(3) It shall be the duty of every person referred to in sub-section (6) and sub-section (7) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) to take all reasonable steps to secure compliance by the company with the provisions of sub-rules (1) and (2) in the same manner as they are liable to maintain financial accounts required under sub-section (1) of section 209 of the said Act.

4. Penalty.—If a company contravenes the provisions of rule 3, the company and every officer thereof who is in default, including the persons referred to in sub-rule (3) of that rule, shall be punishable with fine which may extend to five hundred rupees and, where the contravention is a continuing one, with a further fine which may extend to fifty

rupees for every day after the first during which such contravention continues.

SCHEDULE I

(See rule 37)

I Materials :

(a) Raw Materials.—Proper records shall be maintained showing all receipts, issues and balances both in quantities and cost of each item of raw material required and actually used in the production, processing of manufacturing of soda ash in any form. These records for raw materials shall contain such details as to enable the company to determine the quantity, cost of receipts (including all direct charges upto the works), issues and balances of each item of raw material. The basis on which the said quantities and costs have been calculated shall be indicated in the cost records.

(b) Salt and Limestone.—Where salt is manufactured by the company in its own salt works, separate records showing the cost of manufacture of the same shall be maintained in such details as may enable the company to fill up the particulars in Annexure IV or in any form as near thereto as practicable. Where limestone is raised from mines owned or leased by the company or by its wholly owned subsidiary, separate records showing the cost of raising the limestone shall be maintained in such details as may enable the company to fill up the particulars in Annexure V or in any other form as near thereto as practicable.

(c) Process materials.—Proper records shall be maintained to show the receipts, issues and balances, both in quantities and costs of each item of process materials such as Ammonia, Hydrogen Sulphide, Carbon Dioxide or other materials. The costs shall include all direct charges upto works, wherever specifically incurred. The issues shall be properly identified with the departments, cost centres and products manufactured.

In case process materials/chemicals required in the production of other process chemicals/soda ash are manufactured by the company separate records showing the cost of manufacture of such items indicating the break-up of raw materials consumed for the production as well as conversion costs shall be maintained in proforma 'A' of schedule II or in any other proforma as near thereto as may enable the company to determine the cost of such process materials/chemicals produced.

In case any process chemical like Caustic Soda which is already covered under the Cost Accounting Records Rules prescribed is manufactured by the company, proper records shall be maintained as per those rules so as to arrive at the cost of such item.

(d) Recoveries of Process chemicals.—Proper records shall be maintained indicating the quantity and cost of the chemicals recovered in the different processes. In the case of certain chemicals thus recovered which cannot be used back in the process or disposed of without processing adequate records of cost involved for such further processing shall be maintained. Sales realisation, if any, on account of disposal of such items may be indicated in the records and necessary adjustment carried out in the cost of relevant chemicals/process.

(e) Consumable stores, small tools, machinery squares, etc.

(i) Proper records shall be maintained to show the receipts, issues and balances, both in quantities and cost of each item of consumable stores, small tools and machinery spares. The costs shall include all direct charges upto works wherever specifically incurred.

(ii) In the case of consumable stores, and small tools, the costs of which are insignificant, the company may, if it so desires, maintain such records for the main group of such items.

(iii) The cost of issues of consumable stores, small tools and machinery spares shall be charged to the relevant heads of each item of consumable stores, small tools and machinery repairs to buildings, materials consumed on capital works such as additions to buildings, plant and machinery and other assets shall be shown under relevant capital heads.

(f) Wastage, spoilages, rejections, losses etc. of materials.—Proper records shall be maintained showing the quantity and cost of wastages, spoilages, rejections, and losses of raw materials process materials, consumable stores, small tools and machinery spares, whether in transit, storage, manufacture or for any other reason. The method followed for adjusting the above losses as well as the income derived from the disposal of rejected and waste materials including spoilages, if any, in determining the cost of the product shall be indicated in the cost records.

II. Salaries and wages :

(a) Proper records shall be maintained to show the attendance and earnings of all employees and the departments or cost centres and the work on which they are employed.

The records shall also indicate separately :—

(i) Overtime wages earned;

(ii) Piece-rate wages earned;

(iii) incentive wages earned either individually or collectively as production bonus or under any other scheme based on output; and

(iv) earnings of casual labour.

(d) Idle time shall be separately recorded under classified headings indicating the reasons therefor. The method followed for accounting of idle time payments in determining the cost of the products shall be disclosed in the cost records.

(c) Any wages and salaries allocable to capital works such as additions to plant and machinery, buildings or other fixed assets shall be accounted for under the relevant capital heads.

III. Service department expenses :

Detailed records shall be maintained to indicate expenses incurred for each service department or cost centre. These expenses shall be apportioned to other service and production departments on an equitable basis and applied consistently.

IV. Utilities :

(a) Water.—Proper records showing the quantity and cost of water treated and consumed for the manufacture of soda ash in different departments or cost centres shall be maintained in such detail as may enable the company to furnish the necessary particulars in Annexure I. The cost of treated water allocated shall be on a reasonable basis and applied consistently.

(b) Steam.—Where steam is raised by the company, proper records showing the quantity and cost of steam raised and consumed for the production of soda ash in different departments or cost centres shall be maintained in such details as may enable the company to furnish the necessary particulars in Annexure II. The cost of steam consumed by the soda ash and other units of the company shall be calculated on a reasonable basis and applied consistently. Where steam is raised and supplied by any other unit of the company to the soda ash plant, the cost of steam so supplied shall be charged to the soda ash activity on a reasonable basis and applied consistently.

(c) Power.—Proper records shall be maintained for the quantity and cost of power purchased. Where power is generated by the company itself, adequate records shall be maintained to show the cost of power generated and consumed for the production of soda ash in different departments and cost centres in such details as may enable the company to furnish the necessary particulars in Annexure III.

Where power is generated and supplied by any other unit of the company to the soda ash plant, adequate records shall be maintained to assess the quantity and cost of power so supplied. The rate charged by that unit shall be on a reasonable basis and applied consistently. The cost of power allo-

cated to production of soda ash shall be on a reasonable basis and applied consistently.

(d) Refrigeration.—In case refrigeration service is provided, adequate records showing the cost of such service shall be maintained The basis of allocation to different process/ products shall be reasonable and consistent.

V. Workshop/repairs and maintenance :

Proper records showing the expenditure incurred by the workshop under different heads and on repairs and maintenance by the various departments and cost centres shall be maintained. The records shall also indicate the basis of charging the workshop expenses to different departments and cost centres. Expenditure on major repair works from which benefit is likely to accrue for more than one financial year shall be shown separately in the cost records indicating the method of accounting in determining the cost of soda ash manufactured during the relevant period.

Expenditure incurred on works of a capital nature shall be capitalised. The cost of such jobs shall include the expenditure on material, labour and a share of the overheads. These jobs carried out by the workshop of soda ash unit for other units of the company and vice-versa shall be charged on a reasonable basis and applied consistently.

VI. Depreciation :

(a) Proper records shall be maintained showing the cost and other particulars of fixed assets in respect of which depreciation is to be provided. These records shall inter alia indicate the cost of each item of asset including installation charges, if any, the date of installation and rate of depreciation. In respect of those assets, the original cost of acquisition of which cannot be ascertained without an unreasonable expenditure of delay, the valuation shown in the books on the first day of the financial year beginning on or after the commencement of these rules shall be taken as the opening balance.

(b) The basis on which depreciation is calculated and allocated to the various departments, cost centres and to products shall be clearly indicated in the records. Depreciation chargeable to the different departments and cost centres shall not be less than the amount of depreciation chargeable in acordance with the provisions of sub-section (2) of section 205 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and shall relate to plant, machinery and other fixed assets utilised in such departments and cost centres. In case the amount of depreciation charged in the cost records in any financial year is higher than the amount of depreciation chargeable under the aforesaid provisions of the Companies Act, 1956, the amount so charged in excess and the incidence of such excess depreciation on the unit cost of production shall be indicated clearly in the cost records. The cumulative depreciation charged in the records against any individual item of asset shall not, however, excess the original cost of the respective assets.

VII. Overheads :

(a) Proper record shall be maintained showing the various items of expenses comprising overheads. These expenses shall be analysed, classified, and grouped into works administration and selling and distribution overheads. Where the company is engaged in the manufacture of any other products in addition to soda ash, the records shall clearly indicate the basis followed for apportionment of common overheads including head office expenses of the company to the soda ash activity and other activities. In case any expense included in the above categories of overheads can be identified with a particular activity on product, such expenses shall be segregated and charged to the relevant activity or product at the first instance and thereafter the common expenses under the above categories of overheads shall be allocated on a equitable basis and applied consistenly. Overheads allocable to capital works shall be indicated separately in the cost records. The method followed for the levy and absorption of the above categories of overheads to the product shall be indicated in the cost records. The basis followed for levy and absorption of the overheads shall be equitable and applied consistently.

(b) Selling overheads comprising selling and distribution heads in respect of soda ash in different forms of soda ash referred to in rule 2 shall be shown in the cost statements relating to the different products. In the case of common selling expenses, the basis on which such expenses have been allocated to the different product shall be shown in the cost records.

VIII. Research and development expenses :

Proper records showing the details of expenses, if any, incurred by the company for the research and development or soda ash according to the nature, namely, development of products existing and new, processes existing and new; design and development of plant facilities, market research for the existing and new products, shall be maintained separately. Wherever the utility of such research expense extends over more than one financial year such expenses shall be treated as deferred expenses and charged to the cost of the products on an equitable basis which is to be followed consistently. The method of charging these expenses to the current cost of production during the year shall be indicated in the relevant cost records and such expenses shall be charged to the soda ash and other products on a reasonable basis and applied consistently.

IX. Expenses on export :

Proper records showing the expenses incurred on the export of soda ash, if any, shall be separately maintained, so that the cost of export sales can be determined correctly. The expenses incurred on exports as well as on any export incentives earned shall be reflected in the cost statement relating to export sales.

X. By-products :

Proper records shall be maintained for each item of by-product, if any, produced showing the receipts, issues and balances both in quantity and value. The basis adopted for valuation of by-products for giving credit to the respective process shall be equitable and consistent. Records indicating the expenses incurred on further processes, if any, as well as the actual sales realisation of by-products shall be maintained.

XI. Soda ash transferred for captive consumption :

Proper records shall be maintained showing the quantity and cost of soda ash transferred to other departments or units of the company for captive consumption. Such transfers shall be effected at cost and shall be disclosed in the cost records.

XII. Packing :

Proper records shall be maintained showing the quantity and cost of various packing materials such as gunny/polythene bags and for wages and other expenses incurred for packing the finished product for the marketing of soda ash. Where such expenses are incurred in common for other products including soda ash, the basis of apportioning the expenses between the relevant products shall be clearly indicated in the cost records and applied consistently. Detailed records of the expenses incurred on export packing shall also be kept separately and exhibited in the relevant cost statements for exports.

XIII. Work-in-progress and financial goods stocks :

The method followed for determining the cost of work-in-progress and finished goods stocks shall be indicated in the cost records so as to reveal the cost elements that have been taken into account in such computation. The method adopted shall be followed consistently.

XIV. Cost statement :

(a) If the company manufactures for sale or for its own use soda ash in any form, the costs shall be shown separately for each type in proforma 'B' of Schedule II.

(b) Where more than one product arises from a process(es) as for example Ammonium Chloride, the costs shall be allocated to the joint products on some reasonable basis and shall be consistently applied during the relevant period. The basis on which such joint costs are allocated to the different products arising from the process(es) shall be indicated in the cost records and the costs shall be shown in Proforma 'B' of Schedule II.

(c) The cost of material arising from a process which forms the raw material for a subsequent process shall be valued at cost of production upto the previous stage as specified in proforma 'A' of Schedule II.

(d) Exports of soda ash shall be exhibited in separate cost statement in Proforma 'C' of Schedule II and the same excluded from the cost statements meant for sales in internal market.

XV. Production records :

Quantitative records of all finished and packed production, issues for sales and business of different types of soda ash produced by the company shall be maintained. The cost of all finished and packed production shall be kept in detail for each type of product.

XVI. Reconciliation of cost and financial accounts :

The cost records shall be reconciled periodically with the financial books of account so as to ensure accuracy. Variations, if any, shall be clearly indicated and explained. The period for which such reconciliation is effected shall not exceed the period of the financial year of the company. The reconciliation shall be done in such a manner that the profitability of the product under reference can be correctly adjudged and reconciled with the overall profits of the company. A statement showing the total expenses incurred and the income received by the company and the share applicable to the soda ash activity shall be maintained in Proforma 'D' of Schedule II duly reconciled with the financial accounts.

XVII. Adjustment of cost variances :

Where the company maintains cost records on any basis other than actuals, such as standard costing, the records shall indicate the procedure followed by the company in working out the cost of the products under such procedures. The method followed for adjusting the cost variances in determining the actual cost of the product shall be indicated clearly in the cost records. The cost variances shall be shown against the relevant heads in the respective proformae of Schedule II. The reasons for variances shall be indicated in the cost records.

XVIII. Records of physical verification :

Records of physical verification shall be maintained in respect of all items held in stock such as raw materials, chemicals, packing materials, consumable stores, machinery spares, fuels, finished goods and fixed assets. Reasons for shortages or surpluses arising out of such verification and the method followed for adjusting the same in the costs of the product shall be indicated in the records.

XIX. Inter-company transactions :

In respect of supplies made or services rendered by the company to its holding company or subsidiary or a company in the same management as defined in section 370(1-B) of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), or a company in which a director of the company is also a director in such companies and vice-versa, records shall be maintained showing contacts entered into, agreements or understandings reached in respect of :—

(a) purchase and sale of raw materials, process materials, finished products, fixed assets and by-products;

(b) utilisation of plant facilities;

(c) supply of utilities;

(d) administrative, technical, managerial and any other consultancy services.

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged between them so as to enable the determination of the reasonable of the rates charged or paid for such services.

XX. Statistical rcords :

Statistical data such as available machine hours, actual machine hours worked with reasons for stoppages, under classified headings, yeild percentage of soda ash to the input of salt, production per machine hour, furnace oil consumption per tonne of soda ash steam, water and cooling water consumption per tonne of soda ash consumption of major chemicals per tonne of output of soda ash shall be kept.

Such records as will enable the company to identify, as far as possible, the capital employed for the soda ash activity shall also be maintained The records shall also show fresh investments on fixed assets that have not contributed to the production during the relevant period. The records shall in addition show assets added as replacement and that added for increasing the existing capacity.

Statistical and other records maintained in compliance with the provisions of this Schedule and Schedule II shall be such as to enable the company to exercise, as far as possible, control over operations and costs and to provide the necessary data required by the Cost Auditor to suitably report on all the point referred to in the Cost Audit (Report) Rules, 1968. The data maintained in the cost records shall be reconciled with the periodical returns submitted by the company to the excise and other authorities.

ANNEXURE I

Name of the Company ....

Name and address of the Chemical Factory (Soda Ash Unit) ....

Statement showing the cost of water treated/Cold softening/
Hot softening/consumed during the year ending ....

Quantity of water treated———

Sl. No.	Particulars	Quantity (Units)	Rate (Rs.)	Amount (Rs.)	Cost per kilolitre of treated (Cold Softened/Hot softened)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	Water Royalty				
2.	Chemicals :				
	(a)				

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
	(b)				
	(c)				
3.	Stores				
4.	Power				
5.	Salaries and wages				
6.	Repairs and maintenance				
7.	Overheads				
8.	Depreciation				
	TOTAL				
9.	Less : Credits, if any				
10.	Net Total				

No. of Units	Amount
	Rs.

Consumption for :

(i) Steam.....
(ii) Power.....
(iii) Other Service Departments
(iv) De Mag Plant
(v) Soda Ash Brine Refinery
(vi) Corbonating Tower
(vii) Soda Ash Filter
(viii) H2. S. Plant
(ix) Soda Ash Wet
(x) Others

NOTES : (1) If treated water is supplied to any other outside party, necessary credits for recoveries made shall be given against item 9.

(2) Where meters are not installed, consumption of treated water shall be assessed on a reasonable basis and applied consistently.

(3) Bonus to employees other than incentive bonus, provision for statutory gratuity and interest charges shall be shown in Proformae 'C' and 'D' of Schedule II only.

ANNEXURE II

Name of the Company .....

Name and address of the Chemical Factory (Soda Ash Unit) .....

.....

Statement showing the cost of steam raised/consumed during the year ending .....

Quantity of steam raised.....

Sl. No.	Particulars	Quantity (Units)	Rate (Rs.)	Amount (Rs.)	Cost per tonne of steam raised
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	Water (as per Annexure I)				
2.	Fuels				
	(a) Coal				
	(b) Fuel oil				
	(c) Electricity				
	(d) Other fuels, if any (to be specified)				
3.	Other Direct Expenses (Such as Boiler inspection fees etc.)				
4.	Consumable Stores				
5.	Salaries and Wages				
6.	Repairs and Maintenance				

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
7.	Overheads				
8.	Depreciation				
9.	TOTAL				
10.	Less :				
	(a) Cost of live steam used by Power House for generating electricity				
	(b) Other units of the company				
	(c) Outside party				
11.	Quantity and cost of live steam........................... Consumed in.	Units	Amount (Rs.)		
	(i) Electricity Generation				
	(ii) Other units of the company				
	(iii)				
	(iv)				

NOTES : (1) If steam is supplied to any other outside party, necessary credit for recoveries shall be given against item 10(c).

(2) Where meters are not installed, consumption of steam shall be assessed on a reasonable basis and applied consistently.

(3) Bonus to employees other than incentive bonus, provision for statutory gratuity and interest charges shall be shown in Proform 'C' and 'D' of Schedule II only.

ANNEXURE III

Name of the Company ....

Name and address of the Chemical Factory (Soda Ash Unit) ....

Statement showing the cost of power generated/purchased and consumed during the year ending ....

No. of units generated KWH

No. of units purchased KWH

Consumption in Power House including other losses KWH

Net units consumed KWH

Sl. No.	Particulars	Quantity (units)	Rate (Rs.)	Amount (Rs.)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
A. 1.	(a) Steam (As per Annexure II or purchased)			
	(b) Other materials (to be specified, if any)			
2.	Consumable Stores			
3.	Other Direct charges (such as electricity duty etc.)			
4.	Salaries and wages			
5.	Repairs and Maintenance			
6.	Overheads			
7.	Depreciation			
8.	Total (1 to 7)			
9.	Less :			
	(a) Credits for other units of the company			
	(b) Outside parties			
10.	Net cost of power generated			
B.	Power purchased			
	TOTAL (A+B)			
	Less: Recoveries, if any			
	Consumed in :		Quantity	Amount (Rs.)
	(i) Water treatment			
	(ii) Steam generation			
	(iii)			
	(iv)			

NOTES : (1) Cost per unit shall be worked out with reference to the net units of power available for use after deducting consumption in the power house and other losses.

(2) Where meters are not installed, consumption of power shall be assessed on a reasonable basis and applied consistently.

(3) Bonus to employees other than incentive bonus provision for statuory gratuity and interest charges shown in Proformae 'C' and 'D' of Schedule II only and not in any other Proforma.

(4) Realisation, if any, by sale of power to outside parties etc. shall be shown separately against item 9(b).

ANNEXURE IV

Name of the Company.....

Name and address of the Chemical Factory (Soda Ash Unit) .....

.....

Statement showing the cost of salt manufactured and used in the production of Soda Ash during the year ending.....

Sl. No.	Particulars	Quantity (Metric Tonne)	Amount (Rs.)
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	Opening Balance of Salt		
2.	Quantity of Salt produced and the related expenses as under :		
	(i) Wages and Salaries		
	(ii) Royalty		
	(iii) Transportation charges		
	(iv) Repairs and Maintenance		
	(v) Depreciation		
	(vi) Other Overheads		
	Total (i) to (vi)		
3.	Total (1) and (2)		
4.	Less : Closing Balance of salt		
5.	Net quantity and cost of salt available for distribution as under :		
	(i) Brine process		
	(ii) Other Departments		
	(iii) Sales		
	TOTAL		

NOTES : (1) This proforma is to be filled where salt is manufactured by the company.

(2) Bonus to employees other than incentive bonus provision for statutory gratuity and interest charges shall be shown in Profromae 'C' and 'D' only.

ANNEXURE V

Name of the Company .....

Name and address of the Chemical Factory (Soda Ash Unit) .....

Statement showing the cost of limestone raised from the quarry of the Company and used in the production of soda ash during the year ending. .....

Metric Tonne

1. Quantity raised
2. Less rejections
3. Net quantity raised
4. Quantity transported to Works
5. Quantity of overburden removed.

Sl. No.	Particulars	Quantity (Metric Tonne)	Rate (Rs.)	Amount (Rs.)	Cost per Metric Tonne: Current year (Rs)	Cost per Metric Tonne: Previous year (Rs.)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	Opening Balance of limestone at the Quarry					
2.	Quantity raised and related expenses as under :					
	(i) Wages and Salaries					
	(ii) Stores					
	(iii) Royalty, Dead Rent, etc.					
	(iv) Power and fuel					
	(v) Repairs and Maintenance					
	(vi) Depreciation					
	(vii) Other overheads					
3.	Total 2(i) to 2(vii)					
4.	Total (1) and (3) above					
5.	Less : Closing Balance					

1	2	3	4	5	6	7
6. Quantity transferred to works						
7. Transport charges to works						
8. Total cost at works (Quantity and cost)						
9. Adjustment for opening and closing stock at works						
10. Transferred to Soda Ash						
11. Transferred to other activities						

NOTES : (1) Cost per tonne in regard to Item No. 2(i) to 2(vii) shall be based on quantity raised and in regard to item No. 7 on quantity transported to works.

(2) This proforma is to be filled in where the company operates limestone quarry whether owned or leased.

(3) Bonus other than incentive bonus, provision for statutory gratuity and interest charges shall be shown in Proformae 'C' and 'D' only.

PROFORMA 'A'

SCHEDULE II

(*See* rule 3)

Name of the Company.....

Name and address of the Chemical Factory (Soda Ash Unit).....

.....

Statement showing the cost of processed Materials/Chemicals manufactured and used either in production of other chemicals or soda ash during the year ending.....

Sl. No.	Particulars	Quantity	Rate (Rs.)	Total Cost (Rs.)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. Opening Balance of stock				
2. Quantity produced and the related expenses as under :				
(i) (a) Raw materials (to be specified)				
(b) Process chemicals manufactured, if any (to be specified)				
(ii) Consumable Stores (Other than those allocated to repairs and maintenance)				
(iii) Salaries and Wages				
(iv) Utilities :				
(a) Water				
(b) Steam				
(c) Power				
(d) Refrigeration				
(v) Repairs and Maintenance				
(vi) Other Works Overheads				
(vii) Depreciation				
(viii) Administration overheads				
3. Total of 2(i) to 2(viii)				
4. Adjustment for cost variances (Where standard costing system is adopted)				
(a) Materials				
(b) Labour				
(c) Overheads				
5. Total of (3) and (4)				
6. Less : Realisable value of by-products/wastages, if any				
7. Total				
8. Adjustment for opening and closing stock of work-in-progress				
9. Total				
10. Total (1 and 9)				
11. Loss : Closing Balance of Stock				
12. Total cost of processed chemicals available for transfer				

Transferred to :	Quantity	Amount (Rs.)
(i) Other process chemicals, if any		
(ii) Soda Ash (Proforma 'B'/B1)		
(iii) Other Departments		

NOTES : (1) This proforma may be used for each Process Chemical such as purified brine, milk of lime, Ammonia, Ammonium Chloride, Sulphurated Hydrogen, etc. manufactured by the company and used in the production of Soda Ash/Other process chemicals.

(2) The basis on which the realisable value for rejection, waste is determined shall be clearly indicated. Expenditure if any, incurred for the disposal of such item shall be deducted from disposal value to arrive at the figure ast item 6.

(3) Bonus to employees other than incentive bonus, provision for statutory gratuity and interest charges shall be shown in Proformae 'C' and 'D' only.

PROFORMA 'B'

Name of the Company..

Name and address of the Chemical Factory (Soda Ash Unit)..

....

Statement showing the cost of production of Soda Ash..

....

(Type—Light/Medium Dense/Dense and transferred for packing)

during the year ending....................

	Current year	Previous year
Quantity produced	(Metric Tonne)	(Metric Tonne)

Sl. No.	Particulars	Quantity	Rate (Rs.)	Amount (Rs.)	Cost per tonne Current year (Rs.)	Cost per tonne Previous year (Rs.)
1	2	3	4	5	6	7
1.	Opening Balance of Stock					
2.	Quantity produced and related expenses as under :					
	(i) Raw Materials (Purchased) (Items to be specified)					
	(ii) Process chemicals manufactured as per proforma 'A' (Items to be specified)					
	(iii) Consumable Stores (Other than those allocated to repairs and maintenance)					
	(iv) Salaries and wages					
	(v) Utilities					
	(a) Water					
	(b) Steam					
	(c) Power					
	(d) Refrigeration					
	(vi) Repairs and Maintenance					
	(vii) Other Works Overheads					
	(viii) Depreciation					
	(ix) Administration Overheads					
	(x) (*) Adjustment for cost variances, if any					
	(a) Materials					
	(b) Labour					
	(c) Overheads					
3.	Total 2(i) to 2(x)					
4.	Less : Credits for recoveries, if any (To be specified)	....				
5.	Total					
6.	Adjustment for opening and closing work-in-progress					
7.	Adjustment for captive consumption	....	....	....	....	....
8.	Total	....	....	....	....	....
9.	Total (1) and (8)					
10.	Less : Closing Balance of stock					
11.	Total cost of naked Soda Ash for packing (transferred to Proforma 'C')					

(*) Applicable to companies maintaining records on standard costing system only.

Notes (1) Separate cost statements shall be maintained in respect of different types of Soda Ash manufactured suitably filling in the appropriate items in this Proforma.

(2) The apportionment of head office expenses and other common overheads to the product under reference in the case of multi-product units shall be equitable.

(3) The basis on which the realisable value for rejections, waste is determined shall be clearly indicated. Expenditure, if any, incurred for the disposal of such item shall be deducted from disposal value to arrive at figures at item 1.

(4) Bonus to employees other than incentive bonus, provision for statutory gratuity and interest charges shall be shown in Proformae "C' and 'D' only.

PROFORMA 'B1'

Name of the Company.....

Name and address of the Chemical Factory (Soda Ash Unit).....

.....

Statement showing the cost of Soda Ash as Joint Products.....

.....

(Type—Light/Medium Dense/Dense)

produced during the year ending.....

	Current year (Metric Tonne)	Previous year (Metric Tonne)
Quantity of Soda Ash		
Quantity of Ammonium Chloride		

Sl. No.	Particulars	Quantity (Tonnes)	Rate Rs.	Amount Rs.	Cost per Tonne: Current year (Rs.)	Cost per Tonne: Previous year (Rs.)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	Opening Balance of Soda Ash					
2.	Quantity produced and related expenses as under :					
	(i) Raw Materials (Purchased) (Items to be specified)					
	(ii) Process chemicals manufactured (as per Proforma 'A') (Items to be specified)					
	(iii) Consumable Stores (Other than those allocated to repairs and maintenance)					
	(iv) Salaries and Wages					
	(v) Utilities					
	(a) Water					
	(b) Steam					
	(c) Power					
	(d) Refrigeration					
	(vi) Repairs and maintenance					
	(vii) Other Works Overheads					
	(viii) Depreciation					
	(ix) Administration overheads					
	(x) (*) Adjustment for cost variances, if any					
	(a) Materials					
	(b) Labour					
	(c) Overheads					
		.....				
3.	Total 2(i) to 2(x)					
4.	Less : Credits for recoveries, if any					
5.	Total	.....				
6.	Adjustment for opening and closing work-in-progress					
7.	Total					
8.	Less : Quantity of Ammonium Chloride or any other product produced and share of expenses related thereto.	.....				
9.	Quantity and cost of Soda Ash produced					
10.	Adjustment for self-consumption of Soda Ash					
11.	Net cost of production of Soda Ash	.....				
12.	Total of (1) and (11)					
13.	Less : Closing Balance of Soda Ash	.....				
14.	Total cost of naked Soda Ash for packing (Transferred to Proforma 'C')					

(*) Applicable to companies maintaining records on standard costing system only.

Notes : (1) Separate cost statement shall be maintained in respect of different types of Soda Ash manufactured.

(2) The apportionment of head office expenses and other common overheads to the product under reference in the case of multi product units shall be equitable.

(3) The basis of allocation of expenses between soda Ash and Ammonium Chloride/other Joint Products is to be clearly stated.

(4) The basis on which the realisable value for rejections, waste is determined shall be clearly indicated. Expenditure, if any, incurred for the disposal of such item shall be deducted from disposal value in arriving at figures at item 4.

(5) Bonus to employees other than incentive bonus, provision for statutory gratuity and interest charges shall be shown in Proformae 'C' & 'D' only.

PROFORMA 'C'

Name of the Company.....
Name and address of the Chemical Factory (Soda Ash Unit).....
.....

Statement showing the cost of sales of.....
(Types of Soda Ash to be specified)
packed and sold during the year ending.....

	Current year	Previous year
	(Quantity) Tonnes	(Quantity) Tonnes
(a) Quantity packed		
(b) Quantity sold		

Sl. No.	Particulars	Quantity	Rate (Rs.)	Total Cost (Rs.)	Cost per tonne: Currnt year (Rs.)	Cost per tonne: Previous year (Rs.)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	Cost of naked Soda Ash transferred from Proforma B/B1.					
2.	Packing Cost					
	(a) Packing materials (Items to be specified)					
	(b) Wages and salaries					
	(c) Repairs and maintenance					
	(d) Other overheads					
	(e) Depreciation					
	Total					
3.	Stock Adjustment (Packed goods only)					
	Add : Opening Stock					
	Less : Closing Stock					
	Cost of packed quantity transferred to sales					
4.	Selling and Distribution Expenses (for quantities sold only)					
	(i) Salaries and Wages					
	(ii) Commission to Selling Agents					
	(iii) Freight and transport charges					
	(iv) Godown rent					
	(v) Other expenses					
	(vi) Share of Administration					
5.	Total cost including selling and distribution expenses					
6.	Insterest charges					
7.	Annual Bonus to employees					
8.	Provision for statutory gratuity					
9.	Other expenses not included in cost (to be specified)					
10.	Less other income not considered in cost (Items to be specified)					
11.	Total expenses excluding excise duty for quantity sold within the country					
12.	Total sales realisation excluding excise duty for quantity sold within the country					
13.	Margin					

Notes : (1) Separate cost statements shall be maintained in resepct of each type of Soda Ash packed and sold.

(2) The apportionment of common selling and distribution expenses to the product under reference in the case of multi-product units shall be equitable and consistent.

(3) Bonus to employees other than incentive bonus, provision for statutory gratuity and interest charges shall be shown separately in Proformae 'C' and 'D' only.

(4) Separate cost statement under this Proforma (suitably modified) shall be maintained in respect of Soda Ash exported wherein expenses incurred on exports and incentives earned thereon shall also be shown.

PROFORMA 'D'

Name of the Company.....
Name and address of the Chemical Factory (Soda Ash Unit).....
.....

Statement showing the allocation of total expenses and income received by the company between Soda Ash and other activities during the year ending.....

Sl. No.	Particulars	Total Expenses (Rs.)	Share applicable to	
			Soda Ash (Rs.)	Other Activities (Rs.)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	Raw materials consumed			
2.	Process materials consumed			
3.	Consumable Stores			
4.	Salaries and Wages			
5.	Power, fuel and other services			
6.	Repairs and Maintenance			
7.	Other Works Overheads			
8.	Depreciation			
9.	Administration Overheads			
10.	Adjustment for difference between opening and closing balances of work-in-progress	.....		
11.	Less : Credits for recoveries			
	(i) By-products/Govt.-products			
	(ii) Others			
12.	Less : Self Consumption	.....		
13.	Stock adjustment for difference between opening and closing stock of finished goods			
14.	Packing expenses			
15.	Selling and Distribution expenses	.....		
16.	Interest charges			
17.	Annual bonus to employees other than incentive bonus			
18.	Provision for statutory gratuity			
19.	Any other expenses not included in cost (Items to be specified)	.....		
20.	Less : Any other income not considered in cost (Items to be specified)			
21.	Total excluding excise duty			
22.	Deduct export benefits, if any	.....		
23.	Not sales realisation excluding excise duty	.....		
24.	Margin	.....		

Note : (1) All items of income and expenditure in this Proforma shall be reconciled with the financial accounts for the relevant period.

[52/131/74-CAB]
Sd. Illegible
Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 4 मई, 1976

का० आ० 1721.—कायनेज ऐक्ट 1906 (1906 का 3) की धारा 7 और इसी ऐक्ट की धारा 21 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने निम्नलिखित नियम बनाए है, अर्थात् :—

1. नाम और लागू होने की तारीख :

(1) इन नियमों को इंडियन कायनेज रूल्स 1976 (विकास प्रतीक सिक्के 1976) कहा जाएगा।

(2) यह नियम 15 अगस्त, 1976 से लागू होगे।

2. मानक वजन और दी गई छूट :

कायनेज ऐक्ट 1906 (1906 का 3) की धारा 6 के उपबंधों के अधीन निर्मित निम्नलिखित सिक्को का मानक वजन और इन सिक्को के निर्माण मे धातु की मानक शुद्धता व वजन मे होने वाली घट-बढ़ के लिए दी गई छूट नीचे की सारणी मे दिए गए ब्यौरे के अनुसार होगी :—

सारणी

मूल्य	वजन	दी गई छूट	
		बनाने में	वजन मे
1	2	3	4
50 रुपए	35 ग्राम	चांदी के लिए दो हजारवां हिस्सा कम या ज्यादा अर्थात् चांदी का हिस्सा प्रति हजार 498 से 502 तक हो सकता है।	1/100वा हिस्सा कम या ज्यादा अर्थात् वजन 34.650 ग्राम से 35.350 ग्राम तक हो सकता है।
10 रुपए	25 ग्राम	तांबे और निकल दोनों में 1/100वा हिस्सा कम या ज्यादा अर्थात् तांबा 74 प्रतिशत से 75 प्रतिशत तक और निकल 24 प्रतिशत से 26 प्रतिशत तक	1/40 वां हिस्सा कम या ज्यादा अर्थात् वजन 24.375 से 25.625 तक हो सकता है।
10 पैसे	2.30 ग्राम	3.5 प्रतिशत से 4 प्रतिशत तक मैगनिशियम, बाकी ऐल्यूमीनियम	1/40 वा हिस्सा कम या ज्यादा
5 पैसे	1.50 ग्राम	3.5 प्रतिशत से 4 प्रतिशत तक मैगनिशियम, बाकी ऐल्यूमीनियम	1/40 वा हिस्सा कम या ज्यादा

[संख्या 1/14/75-कायन]

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 4th May, 1976

S.O. 1721.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 21 read with section 7 of the Coinage Act, 1906 (3 of 1906), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short Title and commencement : (1) These rules may be called the Indian Coinage Rules, 1976 (Development Oriented Coins 1976).

(2) They shall come into force on the 15th day of August, 1976.

2. Standard weight and remedy allowed : The Standard weight of the following coins, coined under the provisions of section 6 of the Coinage Act, 1906 (3 of 1906), and the remedy allowed in the making of such coins shall be as specified in the Table below :—

TABLE

Denomination	Weight	Remedy allowed	
		In composition	In weight
1	2	3	4
50 Rupees	35 gms.	Two thousandth plus or minus for silver i.e. the silver contents could vary from 498 to 502 per thousand.	1/100th plus or minus i.e. the weight could vary from 34.650 grammes to 35.350 gms.
10 Rupees	25 gms.	1/100th plus or minus both for copper and nickel i.e. copper could vary from 74% to 75% and nickel from 24% to 26%.	1/40th plus or minus i.e. the weight could vary from 24.375 to 25.625.
10 Paise	2.30 gms.	Magnesium 3.5—4% Remainder Aluminium.	1/40th plus or minus.
5 Paise	1.50 gms.	Magnesium 3.5—4% Remainder Aluminium.	1/40th plus or minus.

[No. 1/14/75-Coin]

का० आ० 1722.—इंडिया कायनेज ऐक्ट, 1906 (1906 का 3) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार यह निश्चय करती है कि उसके अधिकार से जारी किए जाने के लिए टकसाल

में निम्नलिखित मूल्यों के सिक्कों का निर्माण किया जाएगा और इन सिक्कों का आकार, डिजाइन और बनावट इस प्रकार होगी :—

सिक्के का मूल्य	आकार और बाहरी व्यास	दानों की संख्या	धातु
1	2	3	4
पचास रुपए	44 मि० मी०	200	इसमें चार धातुएं मिली हैं :— 50 प्रतिशत चांदी 40 प्रतिशत ताम्बा 5 प्रतिशत निकल 5 प्रतिशत जिंक
दस रुपए	39 मि० मी०	180	ताम्बा मिला निकल : 75 प्रतिशत ताम्बा 25 प्रतिशत निकल
दस पैसे	कटाव (12 कटाव)	कटावों में आरपार 26 मि० मी०	एल्यूमिनियम मेगनिशियम : 3.5 से 4 प्रतिशत तक मैगनिशियम शेष ऐल्यूमिनियम
पांच पैसे	वर्गाकार 22 मि० मी० गोल कोणों के साथ कोणों के बीच का अन्तर 19 मि० मी० एक्रोस फ्लेट		ऐल्यूमिनियम मेगनिशियम : 3.5 से 4 प्रतिशत तक मेगनिशियम शेष ऐल्यूमिनियम

डिजाइन

50 रुपए

सीधी तरफ — सिक्के पर सीधी तरफ अशोक स्तम्भ वाले सिंह बने होंगे और इनकी बाईं ओर ऊपर हिंदी में "भारत" तथा दाईं ओर ऊपर अंग्रेजी में "इंडिया" शब्द अंकित होंगे। इस पर अन्तर्राष्ट्रीय अंकों में सिक्के का मूल्य "50" अंकित होगा और हिंदी में "रुपए" तथा दाईं ओर अंग्रेजी में " Rupees "शब्द लिखा होगा।

उलटी तरफ — सिक्के के इस तरफ विकास संबंधी डिजाइन बनी होगी और सिक्के के बीच के निचले भाग में एक ट्रैक्टर बना होगा तथा ऊपरी भाग में एक विद्युत् पारेषण स्तम्भ होगा जिसकी एक ओर कार्यालय की इमारत तथा दूसरी ओर कारखाने की इमारत होगी और इनके अगल-बगल में अर्ध वृत्ताकार गेहूं की दो बालियां होंगी। सिक्के की परिधि पर अन्दर बाईं ओर हिंदी में "सबके लिए अनाज और काम" तथा दाईं ओर अंग्रेजी में " Food & Work For All " और ट्रैक्टर के नीचे "1976" लिखा होगा।

10 रुपए :

सीधी तरफ : सिक्के पर सीधी तरफ अशोक स्तम्भ वाले सिंह बने होंगे और उनकी बाईं ओर ऊपर हिंदी में "भारत" तथा दाईं ओर अंग्रेजी में "INDIA" शब्द अंकित होंगे। इस पर अंतरराष्ट्रीय अंकों में सिक्के का मूल्य "10" अंकित होगा जिसकी बाईं ओर नीचे हिंदी में "रुपए" और दाईं ओर अंग्रेजी में "Rupees" शब्द लिखा होगा।

उलटी तरफ — सिक्के के इस तरफ विकास संबंधी डिजाइन बनी होगी और सिक्के के बीच के निचले भाग में एक ट्रैक्टर बना होगा तथा ऊपरी भाग में एक विद्युत पारेषण स्तम्भ होगा जिसकी एक ओर कार्यालय की इमारत तथा दूसरी ओर कारखाने की इमारत होगी और इनके अगल-बगल में अर्ध वृत्ताकार गेहूं की दो बालियां होंगी। सिक्के की परिधि पर अन्दर बाईं ओर हिंदी में "सबके लिए अनाज और काम" तथा दाईं ओर अंग्रेजी में "Food & Work For All" तथा ट्रैक्टर के नीचे "1976" लिखा होगा।

दस पैसे

सीधी तरफ : सिक्के पर सीधी तरफ अशोक स्तम्भ वाले सिंह बने होंगे और इसकी बाईं ओर ऊपर हिंदी में "भारत" तथा दाईं ओर ऊपर अंग्रेजी में "INDIA" शब्द अंकित होंगे। इस पर अंतरराष्ट्रीय अंकों में सिक्के का मूल्य "10" अंकित होगा जिसकी बाईं ओर नीचे हिंदी में "पैसे" और दाईं ओर अंग्रेजी में " Paise " शब्द लिखा होगा।

उलटी तरफ : सिक्के के इस तरफ विकास संबंधी डिजाइन बनी होंगी और सिक्के के बीच के निचले भाग में एक ट्रैक्टर बना होगा तथा ऊपरी भाग में एक विद्युत पारेषण स्तम्भ होगा जिसकी एक ओर कार्यालय की इमारत तथा दूसरी ओर कारखाने की इमारत होगी और इनके अगल-बगल में अर्ध वृत्ताकार गेहूं की दो बालियां होंगी। सिक्के की परिधि पर अन्दर बाईं ओर हिन्दी में "सबके लिए अनाज और काम" तथा दाईं ओर अंग्रेजी में "Food & Work For All" तथा ट्रैक्टर के नीचे "1976" लिखा होगा।

पांच पैसे :

सीधी तरफ : सिक्के पर सीधी तरफ अशोक स्तम्भ वाले सिंह बने होंगे और इनकी बाईं ओर ऊपर हिंदी में "भारत" तथा दाईं ओर ऊपर अंग्रेजी में " INDIA " शब्द अंकित होंगे। पर अन्तर्राष्ट्रीय अंको में सिक्के का मूल्य "5" अंकित होगा जिसकी बाईं ओर नीचे हिन्दी में "पैसे" और दाईं ओर अंग्रेजी मे " PAISE " शब्द लिखा होगा।

उलटी तरफ : सिक्के के इस तरफ विकास संबंधी डिजाइन बनी होगी और सिक्के के बीच के निचले भाग में एक ट्रैक्टर बना होगा तथा ऊपरी भाग में एक विद्युत पारेषण स्तम्भ होगा जिसकी एक ओर कार्यालय की इमारत तथा दूसरी ओर कारखाने की इमारत होगी और इनके अगल-बगल में अर्धे वृत्ताकार गेहूं की दो बालियां होगी। सिक्के की परिधि पर अन्दर बाईं ओर हिंदी में "सबके लिए अनाज और काम" तथा दाईं ओर अंग्रेजी में "Food & Work For All" तथा ट्रैक्टर के नीचे "1976" लिखा होगा।

2. यह अधिसूचना 15 अगस्त 1976 से लागू होगी।

[सं० 1/14/75—कवायन]

एस० एल० वस्त, अवर सचिव

S.O.1722.—In exercise of the powers conferred by section 6 of the Coinage Act, 1906 (3 of 1906), the Central Government hereby determines that the coins of the following denominations shall also be coined at the Mint for issue under the authority of the Central Government and that such coins shall conform to the following dimensions, designs and compositions, namely:

Denomination	Shape and diameter	No. of serrations	Metal composition
Fifty Rupees	Circular 44 millimeters	200	Quaternary alloy: 50% Silver, 40% copper, 5% Nickel, 5% Zinc.
Ten Rupees	Circular 39 millimeters	180	Cupro-nickel : Copper 75%, Nickel 25%.
Ten Paise	Scalloped (12 scallops) 26 millimetes across scallops	4	Aluminium Magnesium : Magnesium 3.5 to 4%. Aluminium remainder.
Five Paise	Square with rounded corners 22 millimeters across corners 19 millimeters across Flats.		Aluminium Magnesium : Magnesium 3.5 to 4%. Aluminium remainder.

Designs:

50 Rupees :

Obverse: This face of the coin shall bear the Lion Capital of Ashoka Pillar flanked on the left upper periphery with the word "भारत" and on the right upper periphery with the word "INDIA". It shall also bear the denominational value "50" in international numerals flanked on the left lower periphery with the word "रुपये" in Hindi and on the right lower periphery with the word "Rupees" in English.

Reverse: This face of the coin shall have a development oriented design consisting of a tractor in the centre of the lower foreground and a power transmission tower with an office building and a factory building on either side in the upper background flanked by two semi-circular ears of corn. Around the periphery will be inscribed the theme "सबके लिए अनाज और काम" in Hindi on the left and "Food & Work For All" in English on the right with the year 1976 below the tractor.

10 Rupees :

Obverse: This face of the coin shall bear the Lion Capital of Ashoka Pillar flanked on the left upper periphery with the word "भारत" and on the right upper periphery with the word "INDIA". It shall also bear the denominational value "10" in international numerals flanked on the left lower periphery with the word "रुपये" in Hindi and on the right lower periphery with the word "RUPEES" in English.

Reverse: This face of the coin shall have a development oriented design consisting of a tractor in the centre of the lower foreground and a power transmission tower with an office building and a factory building on either side in the upper background flanked by two semi-circular ears of corn. Around the periphery will be inscribed the theme "सबके लिए अनाज और काम" in Hindi on the left and "Food & Work For All" in English on the right with the year 1976 below the tractor.

10 Paise:

Obverse: This face of the coin shall bear the Lion Capital of Ashoka Pillar flanked on the left upper periphery with the word "भारत" and on the right upper periphery with the word "INDIA". It shall also bear the denominational value "10" in international numerals flanked on the left lower periphery with the word "पैसे" in Hindi and on the right lower periphery with the word "PAISE" in English.

Reverse: This face of the coin shall have a development oriented design consisting of a tractor in the centre of the lower foreground and a power transmission tower with an office building and a factory building on either side in the upper background flanked by two semi-circular ears of corn. Around the periphery, will be inscribed the theme "सबके लिए अनाज और काम" in Hindi on the left and "Food & Work For All" in English on the right with the year 1976 below the tractor.

5 Paise:

Obverse: This face of the coin shall bear the Lion Capital of the Ashoka Pillar flanked on the left upper periphery with the word "भारत" and on the right upper periphery with the word "INDIA". It shall also bear the denominational value "5" in international numerals flanked on the left lower pheriphery with the word "पैसे" in Hindi and on the right lower periphery with the word "PAISE" in English.

Reverse: This face of the coin shall have a development oriented design consisting of a tractor in the centre of the lower foreground and a power transmission tower with an office building and a factory building on either side in the upper background flanked by two semi-circular ears of corn. Around the periphery, will be inscribed the theme "सबके लिए अनाज और काम" "in Hindi on the left and "Food & Work For All' in English on the right with the year 1976 below the tractor.

2. This notification shall come into force on the 15th day of August, 1976.

[No. 1/14/75-Coin]

S. L. DUTT, Under Secy.

(राजस्व और बैंकिंग विभाग)

नई दिल्ली, 31 जनवरी, 1976

आयकर

फा० आ० 1723—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) (ii) के अधीन, बी० वाई० एल० नायर अस्पताल और टी० एन० चिकित्सकीय महाविद्यालय अनुसंधान सोसाइटी, मुम्बई को अधिसूचना सं० 149 (फा० सं० 10/57/67—आयकर अधिनियम I) तारीख 6 नवम्बर, 1967 द्वारा दिया गया अनुमोदन, विहित प्राधिकारी, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली की सिफारिश पर वापस लिया जाता है।

[सं० 1212/फा० सं० 203/131/75) आ० क० अ० II]

(Department of Revenue & Banking)

New Delhi, the 31st January, 1976

INCOME TAX

S.O. 1723.—It is hereby notified for general information that the approval given under section 35(1)(ii) of the Income-tax Act, 1961 to B. Y. L. Nair Hospital and T. N.

Medical College Research Society, Bombay, by notification No. 149 (F. No. 10/57/67-ITA. 1) dated the 6th November, 1967 is withdrawn with effect from 31st January, 1967 on the recommendation of the prescribed authority, the Indian Council of Medical Research, New Delhi.

[No. 1212/F. No. 203/131/75-ITA. II]

नई दिल्ली, 8 मार्च, 1976

का० आ० 1724.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसंधान कार्यक्रम को विहित प्राधिकारी, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (2क) के प्रयोजनों के लिए अनुमोदित किया गया है। यह अनुमोदन इस शर्त के अधीन दिया जा रहा है कि यह संस्था, अनुसंधान परियोजना के लिए प्राप्त दान और केवल इस अनुसंधान कार्यक्रम के लिए उपगत व्यय की बाबत वार्षिक रिपोर्टें और विवरणियां वार्षिक पुनर्विलोकन के लिए प्रस्तुत करेगी :

अनुसंधान कार्यक्रम का नाम :	ग्रामीण शारीरिक रूप से असुविधाग्रस्त भारतीय बालकों की उनकी पर्यावरण दशाओं के प्रति विशेष निर्देश से, पुनरावास देने के लिए नवीनतर पद्धतियों का विकास और उन पर अनुसंधान ।
प्रायोजक :	1. अग्रवाल इंजीनियरी कॉरपोरेशन, कल्याण भवन, पांचवीं मंजिल, 35, कालबादेवी मार्ग, मुम्बई-2 2. ग्रेट ईस्टर्न शिपिंग कम्पनी मरकन्टाइल बैंक बिल्डिंग, फ्लोरा फाउण्टेन, फोर्ट, मुम्बई-1 3 बजाज टैम्पो लिमिटेड, अकुर्दी, पुणे-29 4. बजाज ऑटो लिमिटेड, अकुर्दी, पुणे-29 5. पी० टी० सी० संघवी एण्ड कम्पनी, 110-शिवाजीनगर, पुणे-5 6. कामधेनु कैमिकल एण्ड फर्टीलाइजर इण्डस्ट्रीज, कृषि भवन, 1379, भवानी पेठ, पुणे-2
प्रायोजना का स्थान :	हस्तीमल संचेती स्मारक न्यास, पुणे ।
अनुसंधान कार्यक्रम की अवधि :	1 जनवरी, 1976 से पांच वर्ष ।
अनुसंधान कार्यक्रम की प्राक्कलित लागत :	47.14 लाख रुपए ।

हस्तीमल संचेती स्मारक न्यास पुणे को, जहां उपर्युक्त कार्यक्रम प्रायोजित किया गया है, धारा 35(1)(ii) के प्रयोजनार्थ अधिसूचना सं० 1164 (फा० सं० 203/31/75-आ० क० अ० II) तारीख 15-12-1975 द्वारा अनुमोदित किया गया है।

[सं० 1250/फा सं० 203/27/76-आ क II]

टी० पी० झुनझुनवाला, उप सचिव

New Delhi, the 8th March, 1976

S.O. 1724.—It is hereby notified for general information that the following research programme has been approved by the prescribed authority, the Indian Council of Medical Research, New Delhi for the purposes of sub-section (2A) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961. The approval is being granted subject to the condition that the institution will submit annual reports and returns to the prescribed authority for annual review in respect of donations received for research project and expenditure incurred exclusively for this research programme :

Name of the research programme.—Development and research on newer methods for rehabilitating rural physically handicapped Indian children with special reference to their environment conditions.

Sponsored.— By 1. Agarwal Engineering Corporation, Kalyan Bhavan, 4th Floor, 35, Kalbhadevi Road, Bombay-2.

2. Great Eastern Shipping Company, Mercantile Bank Building, Flora Fountain, Fort, Bombay-1.

3. Bajaj Tempo Limited, Akurdi, Poona-29.

4. Bajaj Auto Ltd., Akurdi, Poona-29.

5. P. T. C. Sanghvi & Co., 110, Shivajinagar, Poona-5.

6. Kamdehnu Chemical and Fertilizer, Industries, Krishi Bhavan, 1379, Bhawani Peth, Poona-2.

Sponsored at.—Hastimal Sancheti Memorial Trust, Poona.

Duration of the research programme.—Five years with effect from 1st January, 1976.

Estimated cost of the research programme.—Rs. 47.14 lakhs.

Hastimal Sancheti Memorial Trust, Poona, where the above programme has been sponsored, has been approved for the purpose of Section 35(1)(ii) by Notification No. 1164 (F. No. 203/31/75-ITA. II) dated 15-12-1975.

[No. 1250/F. No. 203/27/76-ITA. II]

T. P. JHUNJHUNWALA, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 17 फरवरी, 1976

का० आ० 1725.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1)(ii) के अधीन, हृदय रोग निवारण और पुनर्वासन सोसाइटी, मुम्बई को, अधिसूचना सं० 197 (फा० सं० 203/35/72—आयकर अधिनियम II) तारीख 26 सितम्बर, 1972 द्वारा दिया गया अनुमोदन, विहित प्राधिकारी, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली की सिफारिश पर वापस लिया जाता है।

[सं० 1233/फा० स० 203/148/75—आयकर अधिनियम II]

के० आर० राघवन, निदेशक

New Delhi, the 17th February, 1976

S.O. 1725.—It is hereby notified for general information that the approval given under section 35(1)(ii) of the Income-tax Act, 1961 to Society for Prevention of Heart Disease and Rehabilitation, Bombay by notification No. 197 (F. No. 203/35/72-ITA. II) dated the 26th September, 1972 is withdrawn with effect from 1-4-76 on the recommendation of the prescribed authority, the Indian Council of Medical Research, New Delhi.

[No. 1233/F. No. 203/148/75-ITA. II]

K. B. RAGHAVAN, Director

(राजस्व और बैंकिंग विभाग)

(बैंकिंग पक्ष)

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 1976

का० आ० 1726.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिज़र्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्द्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (2) के उपबन्ध यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया, कलकत्ता, पर इस अधिसूचना की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए उस सीमा तक लागू नहीं होंगे, जहां तक कि उनका संबंध 'दी पूर्वांचल बैंक लिमिटेड' में इस बैंक की शेयरधारिता से है।

[सं० 15(12)-बी० ओ० III/76]

मे० भा० उसगांवकर, अवर सचिव

(Department of Revenue and Banking)

(Banking Wing)

New Delhi, the 28th April, 1976

S.O. 1726.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (2) of section 19 of the said Act shall not apply to United Bank of India, Calcutta, for a period of one year from the date of this notification, in so far as they relate to its holding in the shares of the Purbanchal Bank Ltd.

[No. 15(12)-B.O. III/76]

M. B. USGAONKAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 4 मई, 1976

का० आ० 1727.—कृषि पुनर्वित्त और विकास निगम अधिनियम, 1963 (1963 का 10) की धारा 20 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा, 10 वर्षों में परिपक्व होने वाले 25 करोड़ रुपये (पचीस करोड़ रुपये) के उन बाण्डों पर देय ब्याज की दर 6 प्रतिशत (छः प्रतिशत) वार्षिक निर्धारित करती है, जो कृषि पुनर्वित्त और विकास निगम द्वारा 17 से 19 मई, 1976 की अवधि में 99.00 रु० प्रतिशत पर जारी किये जायेंगे तथा उक्त रकम से 10 प्रतिशत अधिक तक प्राप्त अंशदान रख लेने का अधिकार निगम को होगा।

[सं० एफ० 14-24/76-ए० सी०]

सी० आर० बिश्वास, अवर सचिव

New Delhi, the 4th May, 1976

S.O. 1727.—In pursuance of clause (a) of sub-section (1) of section 20 of the Agricultural Refinance and Development Corporation Act, 1963 (10 of 1963), the Central Government hereby fixes 6 per cent (Six per cent) per annum as the rate of interest payable on the bonds of Rs. 25 crores (Rupees twenty-five crores) to be issued at Rs. 99.00 per cent during the period 17th to 19th May, 1976 with the right to retain subscription received up to 10 per cent in excess of the said amount, with a maturity period of 10 years by the Agricultural Refinance and Development Corporation.

[No. F. 14-24/76-AC]

C. R. BISWAS, Under Secy.

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई, 1976

का० आ० 1728.—बैंककारी विनियमन अधिनियम 1949 (1949 का 10) (जिसे इससे आगे उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और 21 जुलाई, 1973 के, भारत राजपत्र के, भाग 2 खण्ड 3 उप-खण्ड (2) में पृष्ठ 2485 पर प्रकाशित, 3 जुलाई, 1973 की, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, बैंकिंग विभाग की अधिसूचना सं० एफ० 8/4/75-ए सी के अनुक्रम में, भारतीय रिज़र्व बैंक की सिफारिश पर, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 18 और 24 के उपबन्ध 21 जुलाई, 1976 से तीन वर्ष की और अवधि के लिए, किसी सहकारी बैंक पर वहां तक लागू नहीं होंगे, जहां तक कि वह यह अपेक्षा करते हैं कि वह सहकारी बैंक, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय सहकारिता विकास निगम अधिनियम, 1962 (1962 का 26) के अधीन स्थापित राष्ट्रीय सहकारिता विकास निगम से, इस बैंक द्वारा लिये गये अग्रिमों या ऋणों से उत्पन्न होने वाले दायित्वों के संबंध में क्रमशः नकद आरक्षित और परिसम्पत्तियों की प्रतिशतता बनाये रखेगा :

परन्तु शर्त यह है कि उक्त अधिनियम की धारा 18 के अधीन नकद आरक्षित और धारा 24 की उपधारा (2क) के खण्ड (क) के अधीन उक्त बैंक द्वारा सभी अन्य मांग और सावधिक दायित्वों के संबंध में रखी गयी परिसम्पत्तियों की गणना करते समय, उक्त निगम से लिये गये ऋण का असवितरित अंश और उक्त निगम से लिये गये ऋणों के खाते की गयी, किन्तु उक्त निगम को अप्रेषित वसूलियां शामिल नहीं की जायेंगी।

[सं० एफ० 8/12/76 ए०सी०]

हृषीकेश गुहा, अवर सचिव

New Delhi, the 5th May, 1976

S.O. 1728.—In exercise of the powers conferred by section 53 read with section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) (hereafter referred to as the said Act), and in continuation of the notification of the Government of India, Ministry of Finance, Department of Banking No. F. 8/4/72-AC dated the 3rd July, 1973 published at page 2485 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 21st July, 1973, the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sections 18 and 24 of the said Act shall not, for a further period of three years from 21st July, 1976, apply to a Co-operative bank in so far they require the Co-operative Bank to maintain the percentage of cash reserve and assets respectively mentioned therein in respect of liabilities arising out of the loans or advances availed of such bank from the National Co-operative Development Corporation established by Government of India under the National Co-operative Development Corporation Act, 1962 (26 of 1962):

Provided that in computing the cash reserve under section 18 and the assets which the said bank maintains under clause (a) of sub-section (2A) of section 24 respectively of the said Act, in respect of all other demand and time liabilities, the undisbursed portion of the loan availed of from the Corporation and the unremitted recoveries to the Corporation on account of the borrowing from the Corporation shall be excluded.

[No. F. 8/12/76-AC]

H. K. GUHA, Under Secy.

DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING (BANKING WING)

New Delhi, the 6th May, 1976

का० आ० 1729—9 अप्रैल 1976 को भारतीय रिज़र्व बैंक के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप का विवरण

S.O. 1729.—Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 9th April 1976

देयताएं LIABILITIES	रुपये Rs.	आस्तियां ASSETS	रुपये Rs.
चुकता पूंजी Capital Paid up	5,00,00,000	नोट Notes	31,02,23,000
आरक्षित निधि Reserve Fund	150,00,00,000	रुपये का सिक्का Rupee Coin	2,68,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण		छोटा सिक्का Small Coin	5,83,000
(दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि		खरीदे और भुनाये गये बिल	
National agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	334,00,00,000	Bills Purchased and Discounted :—	
		(क) देशी (a) Internal	138,47,38,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि		(ख) विदेशी	
National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	140,00,00,000	(b) External	..
		(ग) सरकारी खजाना बिल (c) Government Treasury Bills	424,90,09,000
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	390,00,00,000		
		विदेशों में रखा हुआ बकाया Balances Held Abroad	1140,69,20,000
जमाराशियां Deposits :—		निवेश Investments	163,62,85,000
(क) सरकारी (a) Government		ऋण और अग्रिम : Loans and Advances to :—	
(i) केन्द्रीय सरकार Central Government	133,22,57,000	(i) केन्द्रीय सरकार को Central Government	..
(ii) राज्य सरकारें State Governments	4,23,56,000	(ii) राज्य सरकारों को State Governments	320,18,76,000
(ख) बैंक (b) Banks		ऋण और अग्रिम :— Loans and Advances to :—	
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक Scheduled Commercial Banks	578,37,55,000	(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को Scheduled Commercial Banks	677,59,90,000
(ii) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक Scheduled State Co-operative Banks	37,79,55,000	(ii) राज्य सहकारी बैंकों को State Co-operative Banks	269,72,85,000
(iii) गैर-अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक Non-Scheduled State Co-operative Banks	1,88,26,000	(iii) दूसरों को Others	14,93,47,000

देयताएँ LIABILITIES	रुपये Rs.	आस्तियाँ ASSETS	रुपये Rs.
अन्य बैंक		राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश	
(iv) Other Banks.	66,50,000	Loans Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	
		(क) ऋण और अग्रिम :—	
		(a) Loans and Advances to :—	
		राज्य सरकारों को	
		(i) State Governments	76,08,21,000
		राज्य सहकारी बैंकों को	
		(ii) State Co-operative Banks . . .	14,67,22,000
		केन्द्रीय भूमिबंधक बैंकों को	
		(iii) Central Land Mortgage Banks . .	..
		कृषि पुनर्वित्त और विकास निगम को	
		(iv) Agricultural Refinance & Development Corporation	113,90,00,000
(ग) अन्य		(ख) केन्द्रीय भूमिबंधक बैंकों के डिबेंचरों में निवेश	
(c) Others	1708,55,18,000	(b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures	10,11,46,000
देय बिल		राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अग्रिम	
Bills Payable	139,74,63,000	Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund . .	
अन्य देयताएँ		राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अग्रिम	
Other Liabilities	810,93,71,000	Loans and advances to State Co-operative Banks	80,65,57,000
		राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश	
		Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	
		(क) विकास बैंक को ऋण और अग्रिम	
		(a) Loans and Advances to the Development Bank	386,65,06,000
		(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांडों/डिबेंचरों में निवेश	
		(b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank . . .	..
		अन्य आस्तियाँ	
		Other Assets	571,08,75,000
रुपये		रुपये	
Rupees	4434,41,51,000	Rupees . . .	4434,41,51,000

आर० के० शेषाद्रि, उप गवर्नर
R.S. SESHADRI, Dy. Governor

दिनांक 14 अप्रैल 1976
Dated the 14th day of April 1976

भारतीय रिजर्व बैंक

RESERVE BANK OF INDIA

भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के अनुसरण में अप्रैल, 1976 के दिनांक 9 को समाप्त हुए सप्ताह के लिए लेखा

An account pursuant to the RESERVE BANK OF INDIA ACT, 1939, for the week ended the 9th day of April 1976

निर्गम विभाग

ISSUE DEPARTMENT

देयताएं LIABILITIES	रुपये Rs.	रुपये Rs.	आस्तियां ASSETS	रुपये Rs.	रुपये Rs.
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट			सोने का सिक्का और बुलियन —		
Notes held in the Banking Department	31,02,23,000		Gold Coin and Bullion :—		
संचलन में नोट			(क) भारत में रखा हुआ		
Notes in circulation	6849,34,60,000		(a) Held in India	182,52,51,000	
जारी किये गये कुल नोट			(ख) भारत के बाहर रखा हुआ		
Total notes issued		6880,36,83,000	(b) Held outside India	..	
			विदेशी प्रतिभूतियां		
			Foreign Securities	371,73,97,000	
			जोड़		
			Total		554,26,48,000
			रुपये का सिक्का		
			Rupee Coin		10,66,96,000
			भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां		
			Government of India Rupee Securities		6315,43,39,000
			विदेशी विनिमय बिल और दूसरे वाणिज्य-पत्र		
			Internal Bills of Exchange and other commercial paper		..
कुल देयताएं			कुल आस्तियां		
Total Liabilities		6880,36,83,000	Total Assets		6880,36,83,000

आर० के० शेषाद्रि, उप गवर्नर

R. K. SESHADRI, Dy. Governor

दिनांक : 14 अप्रैल, 1976

Dated : the 14th April 1976.

[No. F. 10/1/76. BO-I]

C. W. MIRCHANDANI, Under Secy.

का० आ० 1730—16 अप्रैल, 1976 को भारतीय रिजर्व बैंक के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप के विवरण

S.O. 1730—Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 16th April 1976.

देयताएं LIABILITIES	रुपये Rs.	आस्तियां ASSETS	रुपये Rs.
चुकता पूंजी		नोट	
Capital Paid up —	15,00,00,000	Notes	46,72,63,000
आरक्षित निधि		रुपये का सिक्का	
Reserve Fund	150,00,00,000	Rupee Coin	6,56,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रचालन) निधि		छोटा सिक्का	
		खरीदे और भुनाये गये बिल	
National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	334,00,00,000	Small Coin	14,71,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि		Bills Purchased and Discounted :—	
National Agricultural Credit Stabilisation) Fund.	140,00,00,000	(क) देशी	
		(a) Internal	132,37,09,000

देयताएं LIABILITIES	रुपये Rs.	आस्तियां ASSETS	रुपये Rs.
		(ख) विदेशी (b) External	..
		(ग) सरकारी खजाना बिल (c) Government Treasury Bills	429,61,82,000
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	390,00,00,000	विदेशों में रखा हुआ बकाया Balances Held Abroad	1185,49,18,000
जमाराशियां :— Deposits :		निवेश Investments	161,67,71,000
(क) सरकारी (a) Government		ऋण और अग्रिम :— Loans and advances to :—	
(i) केन्द्रीय सरकार Central Government	74,31,85,000	(i) केन्द्रीय सरकार को Central Government	..
(ii) राज्य सरकारें State Governments	6,09,10,000	(ii) राज्य सरकारों को State Governments	245,85,26,000
(ख) बैंक (b) Banks		ऋण और अग्रिम :— Loans and Advances to :—	
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक Scheduled Commercial Banks	564,26,15,000	(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को Scheduled Commercial Banks	690,23,11,000
(ii) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक Scheduled State Co-operative Banks	42,44,77,000	(ii) राज्य सहकारी बैंकों को State Co-opacrative Banks	249,55,78,000
(iii) गैर अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक Non-Scheduled State Co-operative Banks	1,81,90,000	(iii) दूसरों को Others	18,58,77,000
(iv) अन्य बैंक Other Banks	54,42,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	
		(क) ऋण और अग्रिम :— (a) Loans and Advances to :—	
		(i) राज्य सरकारों को State Governments	76,08,22,000
		(ii) राज्य सहकारी बैंकों को State Co-operative Banks	14,54,47,000
		(iii) केन्द्रीय भूमिबंधक बैंकों को Central Land Mortagage Banks	..
		(iv) कृषि पुनर्वित्त और विकास निगम को Agricultural Refinance & Development Corporation	113,90,00,000
(ग) अन्य (c) Others	1724,83,74,000	(ख) केन्द्रीय भूमिबंधक बैंकों के डिबेंचरों में निवेश (b) Investment in Central Land Mortage Bank Debentures	10,11,46,000
देय बिल Bills Payable	134,16,18,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अग्रिम Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	
अन्य देयताएं Other Liabilities	819,69,47,000	राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अग्रिम Loans and Advances to State Co-operative Banks	79,75,51,000
		राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	

देयताएं LIABILITIES	रुपये Rs.	आस्तियां Assests	रुपये Rs.
		(क) विकास बैंक को ऋण और अग्रिम (a) Loans and Advances to the Development Bank	386,77,56,000
		(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांडों/डिबेंचरों में निवेश (b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank	..
		अन्य आस्तियां Other Assets	545,77,74,000
रुपये Rupees .	4387,17,58,000	रुपये Rupees	4387,17,58,000

भारतीय रिजर्व बैंक

RESERVE BANK OF INDIA

भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के अनुसरण में अप्रैल, 1976 के दिनांक 16 को समाप्त हुए सप्ताह के लिए लेखा

An Account pursuant to the RESERVE BANK OF INDIA ACT, 1934, for the week ended the 16th day of April, 1976.

इशू विभाग

ISSUE DEPARTMENT

देयताएं LIABILITIES	रुपये Rs.	रुपये Rs.	आस्तियां ASSETS	रुपये Rs.	रुपये Rs.
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट Notes held in the Banking Department . . .	46,72,63,000		सोने का सिक्का और बुलियन :— Gold Coin and Bullion :—		
सचलन में नोट Notes in circulation . .	6914,08,77,000		(क) भारत में रखा हुआ (a) Held in India	182,52,51,000	
जारी किये गये नोट Total notes issued		6960,81,40,000	(ख) भारत के बाहर रखा हुआ (b) Held outside India .		
			विदेशी प्रतिभूतियां Foreign Securities . .	371,73,97,000	
			जोड़ Total . . .		554,26,48,000
			रुपये का सिक्का Rupee Coin . . .		11,11,20,000
			भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां Government of India Rupee Securities . . .		6395,43,72,000
			देशी विनिमय बिल और दूसरे वाणिज्य-पत्र Internal Bills of Exchange and other commercial paper .		..
कुल देयताएं Total Liabilities		6960,81,40,000	कुल आस्तियां Total Assets . .		6960,81,40,000

दिनांक 21 अप्रैल, 1976

के० आर० पुरी, गवर्नर
K.R. PURI, Governor
[No. F. 10/1/76—BO—I]

Dated : 21st April, 1976

C.W. MIRCHANDANI, Under Secy.

नई दिल्ली, 10 मई, 1976

का० आ० 1731.—जमा बीमा निगम अधिनियम, 1961 (1961 का 47) की धारा 6 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) के उपबन्धों के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा राजस्व और बैंकिंग विभाग (बैंकिंग पक्ष), नई दिल्ली के निदेशक श्री जे० सी० राय को श्री एल० डी० कटारिया के स्थान पर जमा बीमा निगम के निदेशक के रूप में नामांकित करती है।

[सं० एफ० 6/7/6-बी०ओ० 1]

च० व० मीरचन्दानी, अवर सचिव

New Delhi, the 10th May, 1976

S.O. 1731.—In pursuance of the provisions of clause (c) of sub-section (1) of section (6) of the Deposit Insurance Corporation Act, 1961 (47 of 1961), the Central Government hereby nominates Shri J. C. Roy, Director, Department of Revenue & Banking (Banking Wing), New Delhi as Director of the Deposit Insurance Corporation vice Shri L. D. Kataria.

[No. F. 6/6/76-BO. I]

C. W. MIRCHANDANI, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 मई, 1976

का० आ० 1732.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 के खण्ड 8 के उपखण्ड (1) के साथ पठित खण्ड 3 के उपखण्ड (क) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् श्री आर० सी० शाह को 1 मई 1976 से प्रारम्भ होने वाली और 30 अप्रैल, 1979 को समाप्त होने वाली अतिरिक्त अवधि के लिये, बैंक आफ बड़ौदा के प्रबन्ध निदेशक के रूप में पुन: नियुक्त करती है।

[सं० एफ० 9/3/76-बी० ओ०-1(1)]

New Delhi, the 12th May, 1976

S.O. 1732.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3, read with sub-clause (1) of clause 8, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby re-appoints Shri R. C. Shah as the Managing Director of Bank of Baroda for a further period commencing on 1st May, 1976 and ending with 30th April, 1979.

[No. F. 9/3/76-BO. I (1)]

का० आ० 1733.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबन्ध) स्कीम, 1970 के खण्ड 7 के साथ पठित खण्ड 5 उपखण्ड (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् श्री आर० सी० शाह को, जिन्हें 1 मई, 1976 से बैंक आफ बड़ौदा के प्रबन्ध निदेशक के रूप में पुन: नियुक्त किया गया है, उसी तारीख से बैंक आफ बड़ौदा के निदेशक-बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० एफ० 9/3/76-बी० ओ० 1-(2)]

S.O. 1733.—In pursuance of sub-clause (1) of clause 5, read with clause 7, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri R. C. Shah, who has been re-appointed as Managing Director of Bank of Baroda with effect from 1st May, 1976, to be the Chairman of the Board of Directors of Bank of Baroda with effect from the same date.

[No. F. 9/3/76-BO. I-(2)]

का० आ० 1734.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 के खण्ड 8 के उपखण्ड (1) के साथ पठित खण्ड 3 के उपखण्ड (क) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् श्री जी० लक्ष्मीनारायणन को 1 मई, 1976 से प्रारम्भ होने वाली और 31 मार्च, 1977 को समाप्त होने वाली अतिरिक्त अवधि के लिये, इण्डियन बैंक के प्रबंध निदेशक के रूप में पुन: नियुक्त करती है।

[सं० एफ० 9/3/76-बी० ओ०-1(3)]

S.O. 1734.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3, read with sub-clause (1) of clause 8, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby re-appoints Shri G. Lakshminarayanan as the Managing Director of Indian Bank for a further period commencing on 1st May, 1976 and ending with 31st March, 1977.

[No. F. 9/3/76-BO. I-(3)]

का० आ० 1735.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबन्ध) स्कीम, 1970 के खण्ड 7 के साथ पठित खण्ड 5 उपखण्ड (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् श्री जी० लक्ष्मीनारायणन को, जिन्हें 1 मई, 1976 से इण्डियन बैंक के प्रबन्ध निदेशक के रूप में पुन: नियुक्त किया गया है, उसी तारीख से इण्डियन बैंक के निदेशक-बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० एफ० 9/3/76-बी० ओ० 1(4)]

S.O. 1735.—In pursuance of sub-clause (1) of clause 5, read with clause 7, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri G. Lakshminarayanan, who has been re-appointed as Managing Director of Indian Bank with effect from 1st May, 1976, to be the Chairman of the Board of Directors of Indian Bank with effect from the same date.

[No. F. 9/3/76-BO. I(4)]

का० आ० 1736.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम 1970 खण्ड 8 के उपखण्ड (1) के साथ पठित खण्ड 3 के उपखण्ड (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् श्री ओ० के० गोपालन को 12 मई, 1976 से प्रारम्भ होने वाली और 30 मई, 1977 को समाप्त होने वाली अवधि के लिये यूनियन बैंक आफ इंडिया के प्रबन्ध निदेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० एफ० 9/3/76-बी० ओ० 1(5)]

S.O. 1736.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3, read with sub-clause (1) of clause 8, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India hereby appoints Shri O. K. Gopalan as the Managing Director of Union Bank of India for the period commencing on 12th May, 1976 and ending with 11th May, 1971.

[No. F. 9/3/76-BO. I(5)]

का० आ० 1737.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबन्ध) स्कीम, 1970 के खण्ड 7 के साथ पठित खण्ड 5 के उपखण्ड (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात्, श्री ओ० के० गोपालन को, जिन्हें 12 मई, 1976 से यूनियन

बैंक आफ इण्डिया के प्रबन्ध निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है, उसी तारीख से यूनियन बैंक आफ इण्डिया के निदेशक-बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती है ।

[सं० एफ० 9/3/76-बी० ओ० 1(6)]

निर्मलचन्द्र सेनगुप्ता, सचिव,

S.O. 1737.—In pursuance of sub-clause (1) of clause 5, read with clause 7, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri O. K. Gopalan who has been appointed as Managing Director of Union Bank of India with effect from 12th May, 1976 to be the Chairman of the Board of Directors of Union Bank of India with effect from the same date.

[No. F. 9/3/76-BO. I(6)]

N. C. SEN GUPTA, Secy.

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 15 मार्च, 1976

आय-कर

का० आ० 1738.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड आय का अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 126 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अपनी अधिसूचना का० नि० आ० 1214 (सं० 44 आयकर) तारीख 1 जुलाई, 1952 से उपाबद्ध अनुसूचि में से क्रम सं० 30 और उसके सामने की प्रविष्टियों का लोप करता है ।

[सं० 1257 (फा० सं० 187/1/76-आई टी (ए आई)]

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 15th March, 1976

INCOME TAX

S.O. 1738.—In exercise of the powers conferred by section 126 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby deletes Serial No. 30 and the entries there against from the Schedule annexed to its Notification S.R.O. 1214 (No. 44-Income-tax) dated the 1st July, 1962.

[No. 1257/F. No. 187/1/76-IT(AI)]

नई दिल्ली, 1 अप्रैल, 1976

का० आ० 1739.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 12 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड अपनी अधिसूचना सं० 944 [फा० सं० 187/2/74 आई टी (ए. आई.)] तारीख 23-6-75 में निम्नलिखित संशोधन करता है ।

आयकर आयुक्त, मेरठ के भारसाधन की बाबत क्रम संख्या 11ख के सामने स्तम्भ 3 में निम्नलिखित प्रविष्टियां जोड़ी जाएंगी :—

(14) मुजफ्फरनगर में शामली सर्किल ।

(15) रुड़की में, हरद्वारा सर्किल ।

यह अधिसूचना 1-4-76 से प्रभावी होगी ।

[सं० 1280/फा० सं० 187/2/74—आई० टी० (ए० आई)]

New Delhi, the 1st April, 1976

S.O. 1739.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1), of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments to the Notification No. 944 [F. No. 187/2/74-IT(AI)] dated 23-6-75.

The following entries shall be added in column 3 against Sl. No. 11B in respect of the Charge of Commissioner of Income-tax, Meerut :—

(14) Shamli Circle at Muzaffarnagar.

(15) Hardwar Circle at Roorkee.

This Notification shall have effect from 1-4-76.

[No. 1280/F. No. 187/2/74-IT(AI)]

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1976

शुद्धिपत्र

का० आ० 1740.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 126 के अधीन जारी की गई बोर्ड की अधिसूचना सं० 187/1/76 आई टी (ए 1) तारीख 15 मार्च, 1976 में निम्नलिखित जोड़ा जायेगा ।

यह अधिसूचना 15-4-76 से प्रभावी होगी ।

[सं० 1282/187/1/76-आई टी (ए 1)]

एम० शास्त्री, अवर सचिव।

New Delhi, the 5th April, 1976

CORRIGENDUM

S.O. 1740.—In the Board's Notification No. 1257 (F. No. 187/1/76-IT(AI) dated 15th March, 1976, issued under section 126 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the following shall be added.

'This notification shall take effect from 15-4-76'.

[No. 1282/1/1/76-IT(AI)]

M. SHASTRI, Under Secy.

(राजस्व और बैंकिंग विभाग)

नई दिल्ली, 21 मई, 1976

आदेश

क. आ. 1741.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उस शुल्क से छूट देती है, जो हरियाणा वित्तीय निगम चण्डीगढ़ द्वारा जारी किए गए, पचास लाख रुपए मूल्य के वचन पत्रों के रूप में बन्धपत्रों पर उक्त अधिनियम के अधीन प्रभार्य है ।

[सं. 25/76-स्टाम्प (फा. सं. 471/56/74-सीमा शुल्क-7]

डी. के. आचार्य, अवर सचिव.

(Department of Revenue and Banking)

New Delhi, the 21st May, 1976

ORDER

STAMPS

S.O. 1741.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the form of promossory Notes to the value of fifty lakhs of rupees, floated by the Haryana Financial Corporation Chandigarh, are chargeable under the said Act.

[No. 25/76-Stamps/F. No. 471/56/74-Cus. VII]

D. K. ACHARYYA, Under Secy.

गृह मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 7 मई, 1976

का० आ० 1742.—राष्ट्रपति, संघ राज्य क्षेत्र शासन अधिनियम, 1963 (1963 की 20) की धारा 27 की उपधारा (3) के खण्ड (क) के अनुसरण में, और भारत सरकार के गृह मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 248 तारीख 25 नवम्बर, 1971 का आंशिक उपान्तरण करते हुए, यह अवधारित करते हैं कि वित्तीय वर्ष 1976-77 के लिये, गोवा, दमण और दीव के प्रशासक के कार्यालय से संबंधित निम्नलिखित मदों पर व्यय की राशि 4.40 लाख रुपये से अधिक नहीं होगी, अर्थात्—

(i) प्रशासक का कर्मचारीवृन्द और घरेलू साज-सामान ;

(ii) प्रशासक की मोटर और अन्य गाड़ियां ;

(iii) प्रशासक के निवास-स्थान का मूल निर्माण और उसका अनुरक्षण

(iv) प्रशासक का लिपिकीय कर्मचारीवृन्द ;

[सं० यू०-11012/3/76-यू० टी० एल०]

एच० सी० बख्शी, अवर सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

ORDER

New Delhi, the 7th May, 1976

S.O. 1742.—In pursuance of clause (a) of sub-section (3) of section 27 of the Government of Union Territories Act, 1963 (20 of 1963), and in partial modification of the notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs No. S.O. 248 dated the 25th November, 1971, the President hereby determines that for the financial year 1976-77, the expenditure on the following items relating to the office of the Administrator of Goa, Daman and Diu shall be a sum not exceeding Rs. 4.40 lakhs, namely :—

(i) Staff and House-hold of the Administrator ;

(ii) Motor and other vehicles of the Administrator ;

(iii) Original works and maintenance of the residence of the Administrator ;

(iv) Secretarial staff of the Administrator.

[No. U-11012/3/76-UTL]

H. C. BAKSHI, Under Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 6 मई 1976

समुद्री उत्पाद उद्योग विकास नियंत्रण

का० आ० 1742.—समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण नियम, 1972, के नियम 3 तथा 4 के साथ पठित समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण अधिनियम 1972 (1972 का 13) की धारा 4 की उप-धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री टी० के० सारागन, नौवहन वरिष्ठ उप-महानिदेशक, बम्बई के स्थान पर श्री विनोद नायर, नौवहन उप महानिदेशक, नौवहन महानिदेशालय, बम्बई को भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना का० आ० सं० 5253 दिनांक 13 दिसम्बर, 1975 के अन्तर्गत गठित समुद्री उत्पाद विकास प्राधिकरण, कोचीन के एक सदस्य के रूप में एतद्द्वारा नियुक्त करती है ।

[सं० 5/14/75-ई० पी० (एग्री 2)]

वी० शेषन, अवर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 6th May, 1976

(Marine Products Industry Development Control)

(CONTROL)

S.O. 1743.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 4 of the Marine Products Export Development Authority Act, 1972 (13 of 1972) read with the rules 3 and 4 of the Marine Products Export Development Authority Rules, 1972, the Central Government hereby appoints Shri Vinod Nair, Deputy Director General of Shipping, Directorate General of Shipping, Bombay, as a Member of the Marine Products Export Development Authority, Cochin, constituted under the notification of the Govt. of India Ministry of Commerce, S. O. No. 5253 dated the 13th December, 1975, vice Shri T. K. Sarangan, Senior Deputy Director General of Shipping, Bombay.

[No. 5/14/75-EP(Agri.II)]

V. SESHAN, Under Secy.

वस्त्र विभाग

नई दिल्ली, 11 मई, 1976

शुद्धि-पत्र

का० आ० 1744.—भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) तारीख 14 फरवरी, 1975 में, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 95 (अ), तारीख 14 फरवरी, 1975 के साथ प्रकाशित, खादी तथा अन्य हथकरघा उद्योग विकास (रेयन तथा कृत्रिम रेशम के कपड़ों की कतिपय किस्मों पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क के संदाय से छूट) संशोधन नियम, 1975 में, प्रतिस्थापित नियम 2 के खण्ड (ख) में—

"90 सेंटीमीटर से अनधिक है" के स्थान पर "जहां कपड़े की चौड़ाई एक मीटर या उससे अधिक है और लम्बाई 65 सेंटीमीटर या उससे अधिक है किन्तु 135 सेंटीमीटर से अनधिक है, 90 सेंटीमीटर" पढ़ें ।

[फा० सं० 150/12/4/72-टी ई एक्स]

(Department of Textiles)

New Delhi, the 11th May, 1976

CORRIGENDUM

S.O. 1744.—In the Khadi and Other Handloom Industries Development (Exemption from payment of Additional Excise Duty on certain varieties of rayon and artificial silk fabrics) Amendment Rules, 1975, published with the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce,

No. S.O. 95(E), dated the 14th February, 1975, in Part II—Section 3—Sub-Section (ii) of the Gazette of India, Extraordinary, dated the 14th February, 1975, in clause (b) of the substituted rule 2, for "90 centimetres or more", read "90 centimetres where the width of the fabric is one metre or more, and of length 65 centimetres or more but not exceeding 135 centimetres"

[F. No. 15012/4/72-TEX. IV]

शुद्धि पत्र

का० आ० 1745 —भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) तारीख 14 फरवरी, 1975 में, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 94(अ), तारीख 14 फरवरी, 1975 के साथ प्रकाशित, खादी तथा अन्य हथकरघा उद्योग विकास (वस्त्र की कतिपय किस्मों पर अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क के संदाय से छूट) नियम, 1975 में, नियम 2 के खण्ड (i) में—

उपखण्ड (क) में "65 सेन्टीमीटर है के स्थान पर "65 सेन्टीमीटर या उससे अधिक है किन्तु 135 सेन्टीमीटर से अनधिक है" पढ़ें।

[फा० सं० 15012/4/72 टी ई एक्स]

दौलत राम, उप सचिव

CORRIGENDA

S.O. 1745.—In the Khadi and Other Handloom Industries Development (Exemption from payment of Additional Excise Duty on certain varieties of cloth) Rules, 1975, published with the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 94(E), dated the 14th February, 1975 in Part II—Section 3—Sub-section (ii) of the Gazette of India, Extraordinary, dated the 14th February, 1975, in clause (i) of rule 2.—

(i) in sub-clause (a), for "65 centimetres", read "65 centimetres or more but not exceeding 135 centimetres", and

(ii) in sub-clause (b) for "or length 45 centimetres", read "of length 45 centimetres".

[F. No. 15012/4/72-TEX. IV]

DAULAT RAM, Dy. Secy.

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

आदेश

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 1976

का० आ० 1746.—सर्वश्री हिन्दुस्तान शिपयार्ड गांधी ग्राम पोस्ट आफिस विशाखापतनम को 20,000 रुपये (बीस हजार रुपये मात्र) के लिये एक आयात लाइसेंस संख्या आई/ए/1060069/सी एक्स एक्स/47 एच/37-38, दिनांक 16-6-73 प्रदान किया गया था। उन्होंने कथित लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिये इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति खो गई/अस्थानस्थ हो गई है। आगे यह बताया गया है कि मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति विशाखापतनम सीमाशुल्क प्राधिकारियों के पास पंजीकृत थी।

उस प्रति का 7,868 रुपये तक प्रयोग किया गया था और उस पर 7 जनवरी, 1976 को 12,132 रुपये शेष उपलब्ध था।

2. इस तर्क के समर्थन में आवेदक ने नोटरी के एक प्रमाणपत्र के साथ एक शपथ पत्र दाखिल किया है।

तदनुसार मैं संतुष्ट हूं कि कथित लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति खो गई है। इसलिये यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की उपधारा 9 (सी सी) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर सर्वश्री हिन्दुस्तान शिपयार्ड लि० गांधी ग्राम पोस्ट आफिस विशाखापतनम को जारी किये गये आयात लाइसेंस संख्या आई/ए/1060069/सी/एक्स एक्स/17/एच/37-38 दिनांक 16-6-73 की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति को एतद् द्वारा रद्द किया जाता है।

3 लाइसेंसधारी को कथित लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति की एक अनुलिपि अलग से जारी की जा रही है।

[संख्या शिप/10/73-74/पी एल एस (ए)]

ओ० एन० आनन्द, उप-मुख्य नियंत्रक

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)

ORDER

New Delhi, the 30th April, 1976

S.O. 1746.—M/s. Hindustan Shipyard Limited., Gandhigram P.O. Visakhapatnam were granted an import licence No. I|A|1060069|C|XX|47|H|37-38 dated 16-6-73 for Rs. 20,000/- (Rupees Twenty thousand only). They have applied for the issue of a duplicate Customs Purposes Copy of said licence on the ground that the original Customs Purposes Copy has been lost/misplaced. It is further stated that the original Customs Purposes copy was registered with the Customs authorities at Visakhapatnam.

It was utilised for Rs. 7,868/- and the balance available on it was Rs. 12,132/- as on 7th January, 1976.

2. In support of this connection the applicant has filed an affidavit along with a certificate from Notory.

I am accordingly satisfied that the original Customs Purposes of the said licence has been lost. Therefore in exercise of the powers conferred under Sub-clause 9(cc) of the Imports (Control) order, 1955 dated 7-12-55 as amended the said original Customs Purposes Copy of licence No. I|A|1060069|C|XX|47|H|37-38 dated 16-6-73 issued to M/s. Hindustan Shipyard Limited, Gandhigram P.O. Visakhapatnam is hereby cancelled.

3. A duplicate Customs Purposes copy of the said licence is being issued separately to the licencee.

[No Ship/10/73-74/PLS(A)]

O. N. ANAND, Dy. Chief Controller.

आदेश

नई दिल्ली, 4 मई, 1976

का० आ० 1747.—सर्वश्री रेडियो एन्ड इलेक्ट्रीकल्स मैनुफैक्चरिंग कम्पनी लि० मैसूर रोड बंगलौर के इलेक्ट्रोनिक संघटक का निर्माण करने के लिये कच्चा माल तथा संघटकों का आयात करने के लिये यू० के० अन्तर्गत 1,00,000 रुपये का आयात लाइसेंस संख्या पी/डी/220/1955/आर/एम एल/56/एच/39-40/एम एल-1/रेडियो, दिनांक 29-8-75 प्रदान किया गया था।

2 फर्म ने उक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिये इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति उनसे खो गई है। लाइसेंसधारी ने आगे यह भी बताया है कि लाइसेंस उपयोग में नहीं लाया गया था। लाइसेंस किसी भी सीमाशुल्क सदन के पास पंजीकृत नहीं कराया गया था।

3 अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि लाइसेंस संख्या पी/डी/220 1955, दिनांक 29-8-75 की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति खो गई है तथा निदेश देता हूं कि आवेदक को उक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि जारी की जानी चाहिये । मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति रद्द कर दी गई है ।

4. लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि अलग से जारी की जा रही है ।

[संख्या रेडियो/13/4/74-75/आर एम 2]

राजेन्द्र सिंह, उप-मुख्य नियंत्रक
कृते मुख्य नियंत्रक,

ORDER

New Delhi, the 4th May, 1976

S.O. 1747.—M/s. Radio & Electricals Mfg. Co. Ltd., Mysore Road, Bangalore, were granted Import Licence No. P|D|2201955|R|ML|56|H|39-40|MLI|Radio. dt. 29-8-75 under U.K. for Rs. 100000 only for import of Raw material and Components for the manufacture of Electronic Components.

2. The firm have requested for the issue of duplicate Customs Purposes Copy of the above said licence on the ground that the original Customs Purposes Copy has been lost by them. It has been further reported by the licensee that the licence had not been utilized. The licence was also not registered with any Customs House.

3. In support of their contention, the applicants have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original Customs Purposes Copy of Import Licence No. P/D/2201955 dated 29-8-75 has been lost and directs that a Duplicate Customs Purposes copy of the said licence should be issued to the applicant. The original Customs Purposes Copy is cancelled.

4. The Duplicate Customs Purposes Copy of the licence is being issued separately.

[No. Radio/13/4/74-75/RM. II]

RAJINDER SINGH, Dy. Chief Controller
for Chief Controller.

आदेश

नई दिल्ली, 5 मई, 1976

का० आ० 1748.—दि चीफ इंजीनियर (एफ आई एन्ड टी) केन्द्रीय जल आयोग, भारत सरकार पश्चिमी खंड नं. 1 स्कन्ध नं० 4, ग्राउंड फ्लोर, आर के पुरम नई दिल्ली को 26,47,062 रुपये (छब्बीस लाख सैतालीस हजार बासठ रुपये मात्र) के लिये आयात लाइसेंस संख्या जी/सी/2070055/आर/एस डब्ल्यू/56/एच/41-42/सी जी-2, दिनांक 28-8-1975 प्रदान किया गया था । उन्होंने उक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिये इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति किसी भी सीमाशुल्क प्राधिकारी के पास बंजीकृत कराये बिना तथा उपयोग में लाए बिना ही खो गई है ।

2. इस तर्क के समर्थन में आवेदक ने नोटरी पब्लिक के समक्ष विधिवत् शपथ लेते हुए एक शपथ-पत्र दाखिल किया है । तदनुसार, मैं संतुष्ट हूं कि उक्त लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति खो गई है । अतः यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 की उपधारा 9 (सीसी) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर सर्वश्री वि चीफ इंजीनियर (एफ आई एन्ड टी) केन्द्रीय जल आयोग, भारत सरकार पश्चिमी ब्लाक संख्या-1, स्कन्ध नं० 4, निचली मंजिल, आर० के० पुरम, नई दिल्ली को जारी किये गये उक्त लाइसेंस संख्या जी/एस/20700-55/आर/एस/डब्ल्यू/56/एच/41-42/सी जी-2, दिनांक 28-8-1975 की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति एतद् द्वारा रद्द की जाती है ।

3. लाइसेंसधारी के आवेदन पर दि चीफ इंजीनियर चुखा हाइडल प्रोजेक्ट 'चिमाकोठी' भूटान को उक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि अलग से जारी की जा रही है ।

[संख्या सी जी 2/आई एन्ड पी/35 (5)/75-76/215]

टी० के० नारायण, उपमुख्य नियंत्रक

ORDER

New Delhi, the 5th May, 1976

S.O. 1748.—The Chief Engineer (FI&T) Central Water Commission, Govt. of India, West Block No. 1, Wing No. 4, Ground floor, R. K. Puram, New Delhi were granted an import licence No. G|C|2070055|R|SW|56|H|41-42|CGII dated 28-8-1975 for Rs. 26,47,062 (Rupees Twenty six lakhs forty seven thousand and sixty two only). They have applied for the issue of a duplicate Customs Purposes copy of the said licence on the ground that the original customs purposes copy has been lost without having been registered with any customs authority and utilised at all.

2. In support of this contention, the applicant has filed an affidavit duly sworn in before the Notary Public. I am accordingly satisfied that the original Customs Purposes copy of the said licence has been lost. Therefore, in exercise of the powers conferred under Sub-Clause 9 (CC) of the Imports (Control) order 1955 dated 7-12-1955 as amended, the said original Customs Purposes Copy of the licence No. G|C|2070055|R|SW|56|H|41-42|CGII dated 28-8-1975 issued to the Chief Engineer (FI&T) Central Water Commission, Govt. of India, West Block No. 1, Wing No. 4, Ground floor, R. K. Puram, New Delhi is hereby cancelled.

3. A duplicate Customs Purposes copy of the said licence is being issued separately to the Chief Engineer, Chukha Hydel Project, Chimakothi, Bhutan, on request of the licensee.

[No. CGII/I&P/35 (5)/75-76/215]

T. K. NARAIN, Dy. Chief Controller

आदेश

नई दिल्ली, 11 मई, 1976

का० आ० 1749.—सर्वश्री केशोराम इण्डस्ट्रीज एन्ड काटन मिल्स लि०, स्पन पाइप डिवीजन, 10 कामक स्ट्रीट, कलकत्ता को 2,11,270 रुपये मूल्य के अनुमेय फालतू पुर्जों के आयात के लिये एक आयात लाइसेंस संख्या पी/डी/2204113/आर/आई एम/58/एच/41-42 आर एम-1 दिनांक 7-1-76 प्रदान किया गया था ।

2. उन्होंने लाइसेंस की अनुलिपि जारी करने के लिये इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल लाइसेंस खो गया है या वह उन्हें प्राप्त नहीं हुआ है । लाइसेंसधारी ने आगे यह सूचना दी है कि लाइसेंस पर 2,11,270/रुपये का उपयोग करना बाकी था ।

3 अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि मूल लाइसेंस संख्या पी/डी/2204113/आर/आई एम/58/एच/41-42/आर एम-1 दिनांक 7-1-76 खो गया है या उन्हें प्राप्त नहीं हुआ है और निदेश देता है कि उक्त लाइसेंस की

अनुलिपि सीमाशुल्क निकासी और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रतियां दोनों, आवेदक को जारी की जानी चाहियें । मूल लाइसेंस रद्द किया जाता है ।

4. लाइसेंस की अनुलिपि अलग से जारी की जा रही है ।

[संख्या सी० आई० स्पन पाईपस/5-ए/स्पेयर्स/75-76/आर एम-1]

राजिन्द्र सिंह, उप-मुख्य नियंत्रक कृते मुख्य नियंत्रक

ORDER

New Delhi, the 11th May, 1976

S.O. 1749.—M/s. Kesoram Industries & Cotton Mills Limited, Spun Pipe Division, 10-Camac Street, Calcutta, were granted import licence No. P/D/2204113/R/IN/58/H41-42/RM.I. dated 7-1-1976 for import of Permissible spare parts valued at Rs. 2,11,270/-.

2. They have requested for the issue of duplicate licence on the ground that the original has been lost or original licence has not been received by them. It has been further reported by the licensee that the licence had an unutilised balance of Rs. 2,11,270/-.

3. In support of their contention, the applicant have filed an ffidavit. The undersigned a satisfied that the original import licence No. P/D/2204113/R/IN/58/H/41-42/RM.I dated 7-1-1976 has been lost or original licence has not been received by them and directs that a duplicate both customs purposes and exchange control copies of the said licence should be issued to the applicant. The original licence is cancelled.

4. The duplicate licence is being issued separately.

[F. No. C.I. Spun Pipes/5-A/Spares/75-76/RM.I.]

RAJINDER SINGH, Dy. Chief Controller
for Chief Controller

संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय (केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र)

आदेश

नई दिल्ली, 10, फरवरी 1976

का०आ० 1750.— सर्वश्री रवीन्द्र इन्डस्ट्रीज, भद्री नगर, पौण्टा साहिब (हि०प्र०) को यूनाइटिड किंग्डम से अप्रैल-मार्च, 74 की अवधि के लिये प्रालिप्रापिलीन का आयात करने के लिये 15999 रुपये मूल्य के लिये लाइसेंस संख्या जी/टी/2415239, दिनांक 6-6-74 प्रदान किया गया था ।

2. पार्टी ने सूचित किया है कि उक्त लाइसेंस की मुद्रा विनिमय प्रयोजन प्रति बिलकुल ही उपयोग में लाए बिना और किसी भी सीमा कार्यालय में पंजीकृत कराये बिना ही खो गई/अस्थानस्थ हो गई है और उसको रद्द करने के लिये अनुरोध किया है । पार्टी ने उसकी मुद्रा विनिमय प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रदान करने के लिये भी अनुरोध किया है । पार्टी ने आयात व्यापार नियंत्रण नियम और क्रिया विधि, पुस्तक 1975-76 के पैरा 320 के अनुसार एक अपेक्षित शपथ पत्र दाखिल किया है ।

3. आयात नियंत्रण आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 (सीसी) के अन्तर्गत मेरे लिये प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर, मैं उक्त लाइसेंस की मुद्रा विनिमय प्रयोजन प्रति को रद्द करने का आदेश देता हूं ।

4. आवेदक के लिये नियम और क्रियाविधि, पुस्तक, 1975-76 के पैरा 320(4) में दी गई व्यवस्थाओं के अनुसार यूनाइटिड किंग्डम के के लिये 15999 रुपये के लिये उक्त लाइसेंस की मुद्रा विनिमय प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रति अब जारी की जा रही है ।

[संख्या एम पी/आर-1 (एस)/ए एम-74/एयू-एचएच/सी एल ए]

के० एन० कपूर, उप-मुख्य नियंत्रक
कृते संयुक्त मुख्य नियंत्रक

(Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports)

(Central Licensing Area)

ORDER

New Delhi, the 10th February, 1976

S.O. 1750.—M/s. Ravindra Industries Badrinagar Paonta Sahib (MP) were granted licence No. G/T/2415239 dated 6-6-74 for Rs. 15999 on UK for import of Polypropylene for AM-74 period.

2. The party have intimated that the Exchange Control purposes copy of the above said licence has been lost/misplaced without having been utilised at all and without having been registered at any port and have requested for cancellation thereof. Party have also requested to issue duplicate Exchange control purposes copy of the same. The party have filed an affidavit in support of above statement as required vide para 320 of ITC Hand Book of Rules and Procedure, 1975-76.

3. In exercise of the power conferred on me under section 9 (CC) of Import Control Order 1955 dated 7th December, 1955, I order the cancellation of the aforesaid exchange control purposes copy of the licence.

4. The applicant is now being issued duplicate Exchange Control copy of the aforesaid licence for Rs. 15999 on UK in accordance with the provision of para 320(4) of the Hand Book of Rules and Procedure, 1975-76.

[No. NP/R-1(N)/AM-74/AU-HH/CLA]

K. N. KAPOOR, Dy. Chief Controller
For Jt. Chief Controller

(उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय)

आदेश

कानपुर, 26 सितम्बर, 1975

का० आ० 1751.—सर्वश्री अनन्त कृषि यन्त्र उद्योग, जी० टी० रोड, राम मनिहारान सहारनपुर की गर-निषेध गैर प्रतिबन्धित किस्मों के बाल बेयरिंग के आयात के लिये निम्नलिखित लाइसेंस जारी किये गये थे :

1. पी/एस/1760929 दि० 23-2-73 मूल्य 7345 रुपये के लिए
2. पी/एस/1760930 " 23-2-73 " 7345 "
3. पी/एस/1761262 " 13-3-73 " 5000 "
4. पी/एस/1761263 " 13-3-73 " 5000 "

2. उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं० बी० सी० आई० एंड ई०/ए०-30/ए० एम० 76/ईन्फ/एन० बी० एन० आर०/ए० यू/के० ए० एम/5316 दिनांक 15-1-75 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनको जारी किये गये उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर देने चाहियें कि वे भूल से जारी किये गये थे। उन्हें उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिये 30-1-75 का दिन भी दिया गया था।

3. उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर के लिये निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है। व्यक्तिगत सुनवाई के लिये निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर हम पहुंचे हैं कि उक्त सर्वश्री अनन्त कृषि यंत्र उद्योग

जी० टी० रोड एम० मनिहारान के कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिये नहीं दिया है क्योंकि उन के पास कोई तर्क बचाव के लिये नहीं है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किये गये थे।

5 पिछली कंडिकाओं में जो कुछ कहा गया है उस को ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी सन्तुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिये जाने चाहिये या अन्यथा अप्रभावी कर दिये जाने चाहियें। इसलिये, यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की धारा 9 उप-धारा (ए०) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुये उपर्युक्त लाइसेंस एतद्द्वारा रद्द किये जाते हैं।

[स० डी०सी० सी० आई० एंड ई०/ए०-30/ए० एम०-75/30 एन०एफ०/एन० बीएन० आर०/ए० यू०/कान]

Office of the Dy. Chief Controller

ORDER

Kanpur, the 26th September, 1975

S.O. 1751. The following licences for the Import of Ball Bearings etc. Non banned and non restricted type were issued to M/s. Anant Krishi Yantra Udyog, G. T. Road, Ram Maniharam, Saharanpur.

1. P/S/1760929 dated 23-2-73 for Rs. 7345/-
2. P/S/1760930 dated 23-2-73 for Rs. 7345/-
3. P/S/1761262 dated 13-3-73 for Rs. 5000/-
4. P/S/1761263 dated 13-3-73 for Rs. 5000/-

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/A-30/AM-76/ENF/NBNR/AU/KAN/5316 dated 15-1-75 was issued to them asking to Show Cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 30-1-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Anant Krishi Yantra Udyog, G. T. Road, Ram Maniharan, Saharanpur, have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5 Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (A) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/A-30/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का० आ० 1752 :—सर्वश्री अजय इण्डस्ट्रीज 42 आजाद नगर, जी० टी० रोड, कल्याणपुर कानपुर को गैर-निषेध गैर प्रतिबन्धित किस्मों के बाल बियरिंग के आयात के लिये निम्नलिखित लाइसेंस जारी किये गये थे :—

1. पी०/एस०/1760638 दि० 1-2-73 मूल्य 5000 रुपये के लिये
2. पी०/एस०/1760639 दि० 1-2-73 मूल्य 5000 रुपये के लिये।

2. उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी० सी० सी० आई० एंड ई०/ए०-31/ए० एम०-76 एफ/एन० बी० एन० आर०/ए० यू०/कान०/5317 दिनांक 15-1-75 उनको यह पूछते हुये जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बतायें कि उनको जारी किये गये उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर देने चाहिये कि वे भूल से जारी किये गये थे। उन्हें उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिये 30-1-75 का दिन भी दिया गया था।

उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर के लिये निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है। व्यक्तिगत सुनवाई के लिये निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नहीं हुआ है

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर हम पहुंचे हैं कि उक्त सर्वश्री अजय इण्डस्ट्रीज, 42, आजाद नगर, जी० टी० रोड कल्याणपुर कानपुर ने कारणनिर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिये नहीं दिया है क्योंकि उन के पास कोई उनके बचाव के लिये नहीं है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किये गये थे।

5. पिछली कंडिकाओं में जो कुछ कहा गया है उस को ध्यान में रखते हुये अधोहस्ताक्षरी सन्तुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिये जाने चाहिये या अन्यथा अप्रभावी कर दिये जाने चाहियें। इसलिये, यथा-संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की धारा 9 उपधारा (ए०) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुये उपर्युक्त लाइसेंस एतद् द्वारा रद्द किये जाते हैं।

[संख्या डी० सी० सी० आई० एंड ई०/ए०-31/ए० एम० 75/एन्फ/एन० बी० एन० आर०/ए० यू०/कान]

ORDER

S.O. 1752.—The following licences for the Import of Ball Bearings etc. Non banned and Non-Restricted type were issued to M/s. Ajay Industries, 42, Azad Nagar, G. T. Road, Kalyanpur, Kanpur.

1. P/S/1760638 dated 1-2-73 for Rs. 5000/-
2. P/S/1760639 dated 1-2-73 for Rs. 5000/-

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/A-31/AM-76/ENF/NBNR/AU/KAN/5317 dated 15-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 30-1-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Ajay Industries, 42 Azad Nagar, G. T. Road, Kalyanpur Kanpur have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter,

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested

in him under clause 9 sub-clause (A) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/A-31/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का० आ० 1753 :—सर्वश्री एटलस इंजीनियरिंग कं० जस्सीपुरा गाजियाबाद को गैर-निषेध गैर प्रतिबन्धित किस्मों के बाल बेयरिंग के आयात के लिये निम्नलिखित लाइसेंस जारी किये गये थे :—

1. पी०/एस०/1759694 दि० 15-11-72 मूल्य 29974 रुपये के लिये
2. पी०/एस०/1759695 " 15-11-72 " 14987 "
3. पी/एस०/1759696 " 15-11-72 " 14987 "
4. पी०/एस०/1762594 " 30-5-73 " 29974 "
5. पी०/एस०/1762595 " 30-5-73 " 14987 "
6. पी०/एस०/1762596 " 30-5-73 " 14987 "

2. उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी० सी० सी० आई० एंड ई०/ए० 23/ए०एम०-76 एन्फ/एन० बी० एन० आर०/ए० यू०/कान/7754 दिनांक 20-1-75 उनको यह पूछते हुये जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताये कि उनको जारी किये गये उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यो न कर देने चाहियें कि वे भूल से जारी किये गये थे। उन्हें उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिये 4-2-75 का दिन भी दिया गया था।

उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नही हुआ है और उत्तर के लिये निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है। व्यक्तिगत सुनवाई के लिये निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली-भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर हम पहुंचे है कि उक्त सर्वश्री एटलस इंजीनियरिंग कं० जस्सीपुरा गाजियाबाद, ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिये नही दिया है क्योंकि उन के पास कोई तर्क बचाव के लिये नहीं है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किये गये थे।

5. पिछली कंडिकाओं में जो कुछ कहा गया है उस को ध्यान में रखते हुये अधोहस्ताक्षरी सन्तुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिये जाने चाहियें या अन्यथा अप्रभावी कर दिये जाने चाहियें। इसलिये, यथा-संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की धारा 9 उप-धारा (ए०) द्वारा प्रदत्त अधिकारो का प्रयोग करते हुये उपर्युक्त लाइसेंस एतद् द्वारा रद्द किये जाते हैं।

[संख्या डी० सी० सी० आई० एंड ई०/ए० 23/ए० एम० 75/एन्फ/एन० बी० एन० आर०/ए० यू०/कान]

ORDER

S.O. 1753.—The following licences for the Import of Ball Bearings etc. Non Banned and Non-Restricted type were issued to M/s. Atlas Engineering Co., Jassipura, Ghaziabad.

1. P/S/1759694 dated 15-11-72 for Rs. 29974/-
2. P/S/1759695 dated 15-11-72 for Rs. 14987/-
3. P/S/1759696 dated 15-11-72 for Rs. 14987/-
4. P/S/1762594 dated 30-5-73 for Rs. 29974/-
5. P/S/1762595 dated 30-5-73 for Rs. 14987/-
6. P/S/1762596 dated 30-5-73 for Rs. 14987/-

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/A-23/AM-76/ENF/NBNR/AU/KAN/7754 dated 20-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 4-2-75 for personal hearing of their matter

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Atlas Engineering Co., Jassipura, Ghaziabad have not replied to the notice and have not turned for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered inffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (A) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/A-23/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का० आ० 1754 :—सर्वश्री अन्शुल केमिकल वर्क्स, 194, दिल्ली रोड, मेरठ को गैर-निषेध गैर प्रतिबन्धित किस्मों के सुगन्धित/प्राकृतिक/सुगन्ध तेलों के आयात के लिये निम्नलिखित लाइसेंस जारी किया गया था :—

1 पी० एम०/1762014 दिनांक 30-3-73 मूल्य 5000—

2. उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी० सी० सी० आई एंड ई०/ए० 18-ए० एम०-75/एन्फ/एन० बी० एन० आर०/ए० यू०/कान/5309 दिनाक 15-1-75 उनको यह पूछते हुये जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बतायें कि उनको जारी किये गये उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर देने चाहिये कि वे भूल से जारी किये गये थे। उन्हें उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिये 30-1-75 का दिन भी दिया गया था।

3. उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नही हुआ है और उत्तर के लिये निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है। व्यक्तिगत सुनवाई के लिये निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नही हुआ है।

4 अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर हम पहुंचे है कि उक्त सर्वश्री अन्शुल केमिकल वर्क्स, 194 दिल्ली रोड, मेरठ ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिये नहीं दिया है क्योंकि उन के पास कोई तर्क बचाव के लिये नहीं है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किये गये थे।

5. पिछली कडिकाओं में जो कुछ कहा गया है उस को ध्यान में रखते हुये अधोहस्ताक्षरी सन्तुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिया जाना चाहिये या अन्यथा अप्रभावी कर दिया जाना चाहिये। इसलिये, यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनाक 7-12-55 की धारा 9 उप-धारा (ए०) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुये उपर्युक्त लाइसेंस एतद्द्वारा रद्द किया जाता है।

[संख्या डी० सी० सी० आई० एंड ई०/ए०-18/ए० एम०-75/एन्फ/एन० बी० बी० एन० आर०/ए० यू०/कान०]

ORDER

S.O. 1754.—The following licence for the import of Aromatic/Natural Essential oils non banned and non restricted type was issued to M/s. Anshul Chemical Works, 194, Delhi Road, Meerut.

1. P/S/1762014 dated 30-3-1973 for Rs. 5,000/-.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/A-18/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/5309 dated 15-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licence in their favour should not be cancelled on the ground that the same was issued inadvertently. They were also given 30-1-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Anshul Chemical Works, 194 Delhi Road Meerut have not replied to the notice and have not turned up for personal hearing they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (A) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licence.

[No. DCCI&E/A-18/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का० आ० 1755 :—सर्वश्री कविता इंडस्ट्रीज, 14/18, कटरा स्ट्रीट, अलीगढ़ को गैर-निषेध गैर प्रतिबन्धित किस्मों के रसायनों/बाल बियरिंग के आयात के लिये निम्नलिखित लाइसेंस जारी किये गये थे :—

1. पी०/एस०/1760918	दिनांक 23-2-73	मूल्य 5000 रु०
2 पी०/एस०/1760919	—वही—	मूल्य 5000 रु०
3. पी०/एस०/1760920	—वही—	मूल्य 5000 रु०
4. पी०/एस०/1760921	—वही—	मूल्य 5000 रु०
5. पी०/एस०/1763103	1-8-73	मूल्य 7336 रु०
6 पी०/एस०/1763103	—वही—	मूल्य 7336 रु०

2. उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी० सी० सी० आई एंड ई०/के० 17/के० 12/ए० एम०-75/एन्फ/ए० बी० एन० आर० ए० यू०/कान/5338 दिनांक 16-1-75 उनको यह पूछते हुये जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बतायें कि उनको जारी किये गये उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर देने चाहिये कि वे भूल से जारी किये गये थे। उन्हें उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिये 30-1-75 का दिन भी दिया गया था।

3. उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर के लिये निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है। व्यक्तिगत सुनवाई के लिये निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली-भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर हम पहुंचे हैं कि उक्त सर्वश्री कविता इंडस्ट्रीज 14/18, कटरा स्ट्रीट अलीगढ़ ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिये नहीं दिया है क्योंकि उन के पास कोई तर्क बचाव के लिये नहीं है और यह की लाइसेंस भूल से जारी किये गये थे।

5. पिछली कंडिकाओं में जो कुछ कहा गया है उस को ध्यान में रखते हुये अधोहस्ताक्षरी सन्तुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिये जाने चाहिये या अन्यथा अप्रभावी कर दिये जाने चाहिये। इसलिये, उक्त संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की धारा 9 उप-धारा (ए०) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुये उपर्युक्त लाइसेंस एतद्द्वारा रद्द किये जाते हैं।

[संख्या डी० सी० सी० आई० एंड ई०/के० 17/के०-12/ए० एम०-75/एन्फ/एन० बी० एन० आर०/ए० यू०/कान]

ORDER

S.O. 1755.—The following licences for the import of Chemicals Ball bearing non banned non restricted were issued to M/s. Kavita Industries 14/18 Katra Street Aligarh.

(1) P/S/1760918 dt. 23-2-73 for Rs. 5000/-,

(2) P/S/1760919 dt. 23-2-73 for Rs. 5000/-,

(3) P/S/1760920 dt. 23-2-73 for Rs. 5000/-,

(4) P/S/1760921 dt. 23-2-73 for Rs. 5000/-,

(5) P/S/1763103 dt. 1-8-73 for Rs. 7336/-,

(6) P/S/1763104 dt. 1-8-73 for Rs. 7336/.

(2) Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/K. 17/K. 12/AM-75/Enf./NBNR/AU/KAN/5338 dated 16-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licence in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertantly. They were also given 30-1-75 for personal hearing of their matter.

(3) No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

(4) The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Kavita Industries 14/18 Katra Street Aligarh have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

(5) Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) Order 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/K. 17/K. 12/AM-75/KAN/NBNR/AU]

आदेश

कानपुर, 4 अक्तूबर, 1975

का० आ० 1756.—सर्वश्री आदर्श इण्डस्ट्रीज, मोहन चित्रलोक के पिछे, रमते राम रोड़ गाजियाबाद को गैर निषेध गैर-प्रतिबंधित किस्मों के बाल बियरिंग आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस जारी किए गए थे :—

1 पी/एस/1763651 दिनांक 13-9-73 मूल्य 49755/- रुपये

2. पी/एस/1763652 दिनांक 13-9-73 मूल्य 24887/- रुपये

3. पी/एस/1763653 दिनांक 13-9-73 मूल्य 24887/- रुपये

2. उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी सी सी आई एंड ई/ए-44/ए० एम-75/एन्फ/एन बी एन आर/कान/7748 दिनांक 20-1-75

उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनको जारी किए गए उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर देने चाहिएं कि वे भूल से जारी किए गए थे। उन्हें उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिए 4-2-75 का दिन भी दिया गया था।

3 उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर के लिए निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है। व्यक्तिगत सुनवाई के लिए निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली-भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर हम पहुंचे है कि उक्त सर्वश्री आदर्श इण्डस्ट्रीज, मोहन चित्रलोक के पिछे रमते राम रोड, गाजियाबाद ने कारण के निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिए नही दिया है क्योकि उनके पास कोई तर्क अभाव के लिए नही है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किए गए थे।

5. पिछली कंडिकाओं में जो कुछ कहा गया है उसको ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिए जाने चाहिए या अन्यथा अप्रभावी कर दिए जाने चाहिए। इसलिए, यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की उप-धारा 9 उप-धारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद्द्वारा रद्द किए जाते है।

सेवा में

[संख्या डी सी सी आई एंड ई/ए-44/ए एम-75/एन्फ/एन बी एन आर/एम्/कान]

ORDER

Kanpur, the 4th October, 1975

S.O. 1756.—The following licences for the import of ball bearings non banned and non restricted type were issued to M/s. Adarsh Industries, Behind Mohan Chitralok, Ramte Ram Road, Ghaziabad.

1. P/S/1763651 dated 13-9-73 for Rs. 49755/-

2. P/S/1763652 dated 13-9-73 for Rs. 24887/-

3. P/S/1763653 dated 13-9-73 for Rs. 24887/-

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/A-44/AM-75/Enf/NBNR/KAN/7748 dated 20-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 4-2-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expected. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Adarsh Industries, Behind Mohan Chitralok, Ramte Ram Road, Ghaziabad have not replied to the notice and have not turned up for personal hearing they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/A-44/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का०आ० 1757.—सर्वश्री एक्यूरेट इंडस्ट्रीज, 109/4, मोहनपुरी, मेरठ को गैर-निषेध गैर प्रतिबंधित किस्मो के बाल बियरिंग सी आर/डी रोलर को आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस जारी किए गए थे :—

1. पी/एस/1759392 दिनांक 11-10-72 मूल्य 5000/- रुपये
2. पी/एस/1759393 दिनांक 11-10-72 मूल्य 5000/- रुपये
3. पी/एस/1759394 दिनांक 11-10-72 मूल्य 10,000/- रुपये
4. पी/एस/1759395 दिनांक 11-10-72 मूल्य 10,000/- रुपये
5. पी/एस/1760695 दिनांक 7-2-73 मूल्य 24900/- रुपये
6. पी/एस/1760696 दिनांक 7-2-73 मूल्य 24900/- रुपये

2. उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस संख्या डी सी सी आई एंड ई/ए-24/ए एम-75/एन्फ/एन बी एन/आर/कान/7753 दिनांक 20-1-75 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनको जारी किए गए उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यो नहीं कर देने चाहिए कि वे भूल से जारी किए गए थे। उन्हें उनके मामले के व्यक्तिगत सुनवाई के लिए 4-2-75 का दिन भी दिया गया था।

उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर के लिए निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है। व्यक्तिगत सुनवाई के लिए निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थिति नहीं हुआ है।

4 अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली-भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर हम पहुंचे है कि उक्त सर्वश्री एक्यूरेट इंडस्ट्रीज, 109/4, मोहनपुरी, मेरठ ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिए नही दिया है क्योंकि उन के पास कोई तर्क अभाव के लिए नही है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किए गए थे।

5. पिछली कंडिकाओं में जो कुछ कहा गया है उस को ध्यान मे रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिए जाने चाहिए या अन्यथा अप्रभावी कर दिए जाने चाहिएं। इसलिए, यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की उपधारा 9 उपधारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद्वारा रद्द किए जाते है।

[संख्या—डी सी सी आई एंड ई/ए-24/ए एम-75/एन्फ/एन बी एन आर/एम्/कान]

ORDER

S.O. 1757.—The following licences for the import of Ball bearings non banned and non restricted C.R./T. Roller Bearings type were issued to M/s. Accurate Industries, 109/4, Mohanpuri, Meerut.

1. P/S/1759392 dated 11-10-72 for Rs. 5000/-
2. P/S/1759393 dated 11-10-72 for Rs. 5000/-
3. P/S/1759394 dated 11-10-72 for Rs. 10000/-
4. P/S/1759395 dated 11-10-72 for Rs. 10000/-
5. P/S/1760695 dated 7-2-73 for Rs. 24900/-
6. P/S/1760696 dated 7-2-73 for Rs. 24900/-

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/A-24 AM-75/ENF/NBNR/KAN/7753 dated 20-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 4-2-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Accurate Industries, 109/4, Mohanpuri, Meerut have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (A) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/A-24/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का०आ० 1758.—सर्वश्री एग्रीकलचर इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज, 478, सराय खैर नगर मेरठ, को गैर-निषेध गैर प्रतिबंधित किस्मों के बॉल बेयरिंग आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस जारी किए गए थे :—

1. पी/एस/1758603 दिनांक 10-8-72 मूल्य 49063/- रु०
2. पी/एस/1758604 दिनांक 10-8-72 मूल्य 24531/- रु०
3. पी/एस/1758605 दिनांक 10-8-72 मूल्य 24531/- रु०
4. पी/एस/1758606 दिनांक 10-8-72 मूल्य 49063/- रु०
5. पी/एस/1758607 दिनांक 10-8-72 मूल्य 24531/- रु०
6. पी/एस/1758608 दिनांक 10-8-72 मूल्य 24531/- रु०

2. उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी सी सी आई एंड ई/ए-28/ए एम–75/एन्फ/एन बी एन आर/कान/9832 दिनांक 23/24-1-75 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनको जारी किए गए उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर देने चाहिएं कि वे भूल से जारी किए गए थे। उन्हें उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिए 13-2-75 का दिन भी दिया गया था।

उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर के लिए निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है। व्यक्तिगत सुनवाई के लिए निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली-भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर हम पहुंचे हैं कि उक्त सर्वश्री एग्री० इंजी० इन्ड०, 478, सराय खैर नगर मेरठ, ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिए नहीं दिया है क्योंकि उन के पास कोई तर्क बचाव के लिए नहीं है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किए गए थे।

5 पिछली कंडिकाओं में जो कुछ कहा गया है उस को ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी सन्तुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिए जाने चाहिए या अन्यथा अप्रभावी कर दिए जाने चाहिए। इसलिए, यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की उपधारा 9 उपधारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद्द्वारा रद्द किए जाते हैं।

[संख्या डी सी सी आई एंड ई/ए-28/ए एम–75/एन्फ/एन बी एन आर/ए यू/कान]

ORDER

S.O. 1758.—The following licences for the import Ball bearings etc. non banned and non restricted type were issued to M/s. Agriculture Engineering Industries, 478, Sarai Khair Nagar, Meerut.

1. P/S/1758603 dated 10-8-72 for Rs. 49063/-
2. P/S/1758604 dated 10-8-72 for Rs. 24531/-
3. P/S/1758605 dated 10-8-72 for Rs. 24531/-
4. P/S/1758606 dated 10-8-72 for Rs. 49063/-
5. P/S/1758607 dated 10-8-72 for Rs. 24531/-
6. P/S/1758608 dated 10-8-72 for Rs. 24531/-

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/A-28/AM-75/ENF/NBNR/KAN/9832 dated 23/24-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 13-2-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Agriculture Engineering Industries, 478, Sarai Khair Nagar, Meerut have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (A) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No DCCI&E/A-28/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का०आ० 1759.—सर्वश्री अलंकार इंडस्ट्रियल कारपोरेशन, 184 आबू लेन मेरठ छावनी को गैर-निषेध गैर प्रतिबंधित किस्मों के बॉल बेयरिंग आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस जारी किए गए थे :—

1. पी/एस/1763978 दिनांक 22-10-73 मूल्य 49218/- रु०
2. पी/एस/1763979 दिनांक 22-10-73 मूल्य 24609/- रु०
3. पी/एस/1763980 दिनांक 22-10-73 मूल्य 24609/- रु०

4. पी/एस/1763981 दिनांक 22-10-73 मूल्य 37114/- रु०
5. पी/एस/1763982 दिनांक 22-10-73 मूल्य 18557/- रु०
6. पी/एस/1763983 दिनांक 22-10-73 मूल्य 18557/- रु०
7. पी/एस/1763984 दिनांक 22-10-73 मूल्य 49585/- रु०
8. पी/एस/1763985 दिनांक 22-10-73 मूल्य 24792/- रु०
9. पी/एस/1763986 दिनांक 22-10-73 मूल्य 24792/- रु०
10. पी/एस/1763987 दिनांक 22-10-73 मूल्य 44454/- रु०
11. पी/एस/1763988 दिनांक 22-10-73 मूल्य 22227/- रु०
12. पी/एस/1763989 दिनांक 22-10-73 मूल्य 22227/- रु०
13. पी/एस/1763990 दिनांक 22-10-73 मूल्य 44161/- रु०
14. पी/एस/1763991 दिनांक 22-10-73 मूल्य 22080/- रु०
15. पी/एस/1763992 दिनांक 22-10-73 मूल्य 22080/- रु०
16. पी/एस/1763993 दिनांक 22-10-73 मूल्य 48987/- रु०
17. पी/एस/1763994 दिनांक 22-10-73 मूल्य 24493/- रु०
18. पी/एस/1763995 दिनांक 22-10-73 मूल्य 24493/- रु०
19. पी/एस/1763996 दिनांक 22-10-73 मूल्य 49161/- रु०
20. पी/एस/1763997 दिनांक 22-10-73 मूल्य 24580/- रु०
21. पी/एस/1763998 दिनांक 22-10-73 मूल्य 24580/- रु०

2. उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी सी सी आई एंड ई/ए-45/ए एम-75/एन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान/7751 दिनांक 20-1-75 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनको जारी किए गए उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर देने चाहिएं कि वे भूल से जारी किए गए थे। उन्हें उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिए 4-2-75 का दिन भी दिया गया था।

3. उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर के लिए निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है। व्यक्तिगत सुनवाई के लिए निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भलीभांति विचार कर लिया है और उस निर्णय पर हम पहुंचे हैं कि उक्त सर्वश्री अलंकार इंडस्ट्रीज कार्पो०, 184, आबू लेन, मेरठ छावनी के कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिए नहीं दिया है क्योंकि उनके पास कोई तर्क बचाव के लिए नहीं है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किए गए थे।

5. पिछली कंडिकाओं में जो कुछ कहा गया है उसको ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिए जाने चाहिए या अन्यथा अप्रभावी कर दिए जाने चाहिए। इसलिए, यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की उप-धारा 9 की उप-धारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद्द्वारा रद्द किए जाते हैं।

[संख्या डी सी सी आई एंड ई/ए-45/ए एम-75/एन्फ/एन बी एन आर/ए यू/कान]

ORDER

S.O. 1759.—The following licences for the import of ball bearings etc. non banned and non restricted type were issued to M/s. Alankar Industrial Corporation, 184-Abu Lane, Meerut Cantt.

1. P/S/1763978 dt. 22-10-73 for Rs. 49218/-.
2. P/S/1763979 dt. 22-10-73 for Rs. 24609/.
3. P/S/1763980 dt. 22-10-73 for Rs. 24609/-.
4. P/S/1763981 dt. 22-10-73 for Rs. 37114/-.
5. P/S/1763982 dt. 22-10-73 for Rs. 18557/-.
6. P/S/1763983 dt. 22-10-73 for Rs. 18557/.
7. P/S/1763984 dt. 22-10-73 for Rs. 49585/-.
8. P/S/1763985 dt. 22-10-73 for Rs. 24792/-.
9. P/S/1763986 dt. 22-10-73 for Rs. 24792/-.
10. P/S/1763987 dt. 22-10-73 for Rs. 44454/-.
11. P/S/1763988 dt. 22-10-73 for Rs. 22227/-.
12. P/S/1763989 dt. 22-10-73 for Rs. 22227/-.
13. P/S/1763990 dt. 22-10-73 for Rs. 44161/-.
14. P/S/1763991 dt. 22-10-73 for Rs. 22080/-.
15. P/S/1763992 dt. 22-10-73 for Rs. 22080/-.
16. P/S/1763993 dt. 22-10-73 for Rs. 48987/-.
17 P/S/1763994 dt. 22-10-73 for Rs. 24493/-.
18. P/S/1763995 dt. 22-10-73 for Rs. 24493/-.
19. P/S/1763996 dt. 22-10-73 for Rs. 49161/-
20. P/S/1763997 dt. 22-10-73 for Rs. 24580/-.
21. P/S/1763998 dt. 22-10-73 for Rs. 24580/-.

2 Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/A-45/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/7751 dated 20-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 4-2-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Alankar Industrial Corporation, 184 Abu Lane, Meerut Cantt. have not replied to the notice and have not turned up for personal hearing they have no defence to urge in the matter.

5 Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/A-45/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का० आ० 1760.—सर्वश्री बाला अगरबत्ती इंण्डस्ट्रीज, मेरठ छावनी को गैर-निषेध गैर प्रतिबंधित किस्मों के प्राकृतिक सुगन्ध तेल, के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस जारी किए गए थे :—

1. पी/एस/1762023 दिनांक 31-3-75 मूल्य 5000/- रुपये

2. उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस संख्या डी सी सी आई एंड ई/बी-5/ए एम-75/एन्फ/एन बी एन आर/ए यू/कान 9836 दिनांक 24-1-75 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनको जारी किए गए उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों नहीं कर देने चाहिए कि वे भूल से जारी किए गए थे। उन्हें उनके मामले के व्यक्तिगत सुनवाई के लिए 13-2-75 का दिन भी दिया गया था।

3. बाला अगरबत्ती इंड० मेरठ छावनी यह उल्लेख किया है कि यह पिछले दो वर्षों से अधिक आर्थिक हानि होने के कारण बंद कर दी गई है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भलीभांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर हम पहुंचे है कि उक्त सर्वश्री बाला अगरबत्ती इंड० मेरठ छावनी ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिए नहीं दिया है क्योंकि उनके पास कोई तर्क बचाव के लिए नहीं है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किए गए थे।

5. पिछली कंडिकाओं में जो कुछ कहा गया है उसको ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिए जाने चाहिए या अन्यथा अप्रभावी कर दिए जाने चाहिएं। इसलिए, यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की उप-धारा 9 उप-धारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद्द्वारा रद्द किए जाते हैं।

[संख्या:—डी सी सी आई एंड ई/बी-5/ए एम-75/एन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 1760.—The following licences for the import of Natural Essential Oil non banned and non restricted type were issued to M/s. Bala Agarbatti Industries, Meerut cantt.

1. P/S/1762023 dated 31-3-75 for Rs. 5000/-.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/B-5/AM-75/Enf./NBNR/AU/Kan/9836 dated 24-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licence in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 13-2-1975 for personal hearing of their matter.

3. M/s. Bala Agarbatti Industries, Meerut Cantt. have stated that this unit has been closed due to heavy losses in finance since the last 2 years.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Bala Agarbatti Industries, Meerut Cantt. have avoided to return the above said licence etc. as they have no defence to urge and that the licence were issued inadvertently.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-55 as amended hereby cancels the above said licence.

[No. DCCI&E/B-5/AM-75/Enf/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का०आ० 1761.—सर्वश्री रूबी रबड़ इण्डस्ट्रीज, कानपुर को गैर-निषेध गैर प्रतिबंधित किस्मों के रसायनों के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस जारी किए गए थे :—

1. पी/एस/1762793 दिनांक 29-6-73 मूल्य 23400/- रुपये

2. पी/एस/1762794 दिनांक —वही— मूल्य 23400/- रुपये

2. उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी सी सी आई एंड ई/आर-6/ए एम -75/एन्फ/एन बी एन आर/ए यू/कान/1774 दिनांक 20-12-74 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनको जारी किए गए उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर देने चाहिएं कि वे भूल से जारी किए गए थे। उन्हें उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिए 4-1-75 का दिन भी दिया गया था।

3. उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर के लिए निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है। व्यक्तिगत सुनवाई के लिए निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली-भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर हम पहुंचे है कि उक्त सर्वश्री रूबी रबड़ इंडस्ट्रीज, कानपुर ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिए नहीं दिया है क्योंकि उन के पास कोई तर्क बचाव के लिए नही है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किए गए थे।

5. पिछली कंडिकाओं में जो कुछ कहा गया है उस को ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी सन्तुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिए जाने चाहिए या अन्यथा अप्रभावी कर दिए जाने चाहिएं। इसलिए, यथा-संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की उप-धारा 9 उपधारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद्द्वारा रद्द किये जाते है ।

[संख्या :—डी सी सी आई एंड ई/आर-6/ए एम-75/एन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान]

डी० एस० मोरक्रीमा, उप-मुख्य नियंत्रक

ORDER

S.O. 1761.—The following licences for the import of chemicals non banned non restricted were issued to M/s. Ruby Rubber Industries, Kanpur.

(1) P/S/	1762793	dated 29.6.73	for Rs. 23400/-
(2) P/S/	1762794	,, 29-6-73	for Rs. 23400/-

(2) Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/R-6/AM-75/Enf/NBNR/AU/REP/KAN/1774 dated 20-12-74 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 4-1-75 for personal hearing of their matter.

(3) No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

(4) The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Ruby Rubber Industries, Kanpur have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

(5) Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) Order 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/R-6/AM-75/Enf/NBNR/AU/KAN]

D. S. MORKRIMA, Dy. Chief Controller.

उद्योग तथा नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(उद्योगिक विकास विभाग)

भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1976

का०आ० 1762.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन 48 लाइसेंसों के ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिए गए है, लाइसेंसधारियों को मानक सम्बन्धी मुहर लगाने का अधिकार देते हुए सितम्बर 1974 में स्वीकृत किए गए हैं :—

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या (सीएम/एल-)	वैधता की अवधि से	तक	लाइसेंसधारियो का नाम और पता	लाइसेंसों के अधीन वस्तु/प्रक्रिया और तत्सम्बन्धी IS : पदनाम
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	सीएम/एल--3935 1974-09-02	1974-09-01	1975-08-31	श्री गुरु नानक स्टील रोलिंग मिल्स, लेडोवाली रोड, जलंधर शहर	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 226— 1969

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
2.	सीएम/एल-3936 1974-09-02	1974-09-01	1975-08-31	श्री गुरु नानक स्टील रोलिंग मिल्स लाडोवाली रोड, जलंधर शहर	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)—— IS : 1977—1969
3	सीएम/एल-3937 1974-09-02	1974-09-01	1975-08-31	आर सी गुप्ता एण्ड ब्रदर्स 221, ओखला इंडस्ट्रियल इस्टेट, नई दिल्ली-110020	कमानियों के लिए शीत बेल्लित इस्पात की पत्तियां IS : 2507—1965
4	सीएम/एल-3938 1974-09-02	1974-09-01	1975-08-31	कामधेनु पेस्टीसाइड्स 50 ए हेडाप्सर इंडस्ट्रियल इस्टेट पूना-13 (कार्यालय : कृषि भवन 1379, भवानीपेठ, पूना-2)	डीडीटी पायसनीय तेज द्रव—— IS : 633—1956
5.	सीएम/एल-3939 1974-09-02	1974-09-01	1975-08-31	"	एन्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव—— IS : 1310—1958
6.	सीएम/एल-3940 1974-09-02	1974-09-01	1975-08-31	रेलिस इंडिया लि० 20 हावड़ा रोड, मल्कियां हावडा	एल्ड्रिन धूलन पाउडर IS : 1308—1958
7.	सीएम/एल-3941 1974-09-02	1974-09-01	1975-08-31	अजंता आयरन एण्ड स्टील कं० लि० लोनी रोड, दिल्ली शाहदरा	संरचना इस्पात (मानक किस्म)—— IS 226—1969
8.	सीएम/एल-3942 1974-09-02	1974-09-01	1975-08-31	"	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)—— IS : 1977—1969
9	सीएम/एल-3943 1974-09-02	1974-09-16	1975-09-15	हिन्दुस्तान इंसेक्टीसाइड्स लि० इंडस्ट्रियल एरिया, रोहतक रोड, नई दिल्ली	डीडीटी तकनीकी IS : 563—1973
10.	सीएम/एल-3944 1974-09-02	1974-10-01	1975-09-30	हिन्दुस्तान इंसेटीसाइड्स लि० अल्वाय, उद्योगमंडल-683501 (केरल)	डीडीटी तकनीकी—— IS : 563—1963
11.	सीएम/एल-3946 1974-09-02	1974-09-01	1975-08-31	यू पी केबल कं० प्र० लि०, 4 डीएलएफ इंडस्ट्रियल एरिया, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली	पीवीसी रोधित और पीवीसी खोलदार तथा बिना खोल वाले केबल, ऐलुमिनियम और तांबे के चालकों वाले—— IS : 696 (भाग 1 और 2)—1964
12.	सीएम/एल-3946 1974-09-02	1974-09-01	1975-08-31	इंडियन टिम्बर इन्डस्ट्रियल अट्टातोड-पट्टा डाकघर चालकुड्डी, जिला त्रिचूर (केरल राज्य)	चाय की पेटियों के लिए पट्टियां—— IS : 10—1970
13.	सीएम/एल-3947 1974-09-09	1974-09-16	1975-09-15	वेस्टन कारपोरेशन एस-26 इंडस्ट्रियल एरिया, जलंधर	फुटबाल, वॉलीबाल, और बास्केटबाल बिना फीते वाले—— IS : 417—1969
14.	सीएम/एल-3948 1974-09-09	1974-09-16	1975-09-15	राजेन्द्र इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज प्रा० लि० प्लाट सं० 14, शाह इंडस्ट्रियल इस्टेट वीरा देसाई रोड, आम्बीव्ली अंधेरी (पश्चिम बम्बई-58 कार्यालय : 325 कालबादेवी रोड, बम्बई-2)	400/440 वोल्ट, चार पोल वाले निम्न रेटिंग के तीन फेजी प्रेरण मोटरो के लिए ज्वालासह खोल—— क्रम सं० फ्रेम समूह रेटिंग 1. के० आर० 100-2/4 II बी 2.2 किवा (3 हापा) 2. के० आर० 112/4 I, II बी 3 7 किवा (5 हापा) IS : 2148—1968
15.	सीएम/एल-3949 1974-09-09	1974-09-16	1975-09-15	मिकिर हिल सॉ एण्ड प्लाईवुड फैक्टरी, डाकघर डीपू मिकिर हिल्स (असम)	लकड़ी के समतल कपाट (ठोस मध्य भाग वाले) ऊपर प्लाईवुड के तख्ते लगे—— IS : 2202 (भाग 1)—1973

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
16.	सीएम/एल-3950 1974-09 09	1974-09-16	1975-09-15	सेंट्रल डनेस्टीनाइड्स एण्ड फर्टिलाइजर्स, साकी विहार रोड, साकी नाका, बम्बई-72 (एएस)	डाइमेथोएट पायसनीय तेज द्रव-- IS. 3903-1966
17.	सीएम/एल-3951 1974-09-09	1974-09-16	1975-09-15	न्यू केमि इंडस्ट्रीज प्रा० लि० अशोक नगर क्रास रोड, स० 1 कांदीवली, पूर्व बम्बई-400067 (कार्यालय. रोहित चेम्बर, दूसरी मंजिल, जोगास्ट्रीट, फोर्ट बम्बई-400001)	डीडीटी धूलन पाउडर;- IS: 594—1964
18.	सीएम/एल-3952 1974-09-16	1974-10-01	1975-09-30	मराठवाडा एलाय स्टील्स कं० लि० प्लाट सं० इ/36 एम आई डी जी इंडस्ट्रियल एरिया, चिकलथाना, औरंगाबाद (महाराष्ट्र राज्य)	संरचना इस्पात (मानक किस्म) के रूप में पुनः बेल्लन के लिए कार्बन इस्पात के बिलेट की सिल्लियां-- IS: 6914—1973
19.	सीएम/एल-3953 1974-09-16	1974-10-01	1975-09-30	हिन्दुस्तान इंसुलेटेड केबल कम्पनी पटेल मार्ग, गाजियाबाद	ऐलुमिनियम चालकों वाले ताप नम्य रोधित ऋतुसह केबल, पीवीसी खोल वाले 250/440 वोल्ट-- IS: 3035 (भाग 1)—1965
20.	सीएम/एल-3954 1974-09-18	1974-10-01	1975-09-30	विक्ट्री बैटन्स, III 283 पश्चिम चालकुड्डी (माल रोड निकट स्टेशन त्रिचूर जिला (केरल)	चाय की पेटियों के लिए पट्टियां-- IS: 10--1970
21.	सीएम/एल-3955 1974-09-18	1974-09-16	1975-09-15	भुवनेश्वरी इंडस्ट्रीज, 25 ए, डेवेलप्ड प्लाट, इंडस्ट्रियल स्टेट, गिंडी, मद्रास-18	ताम्र सल्फेट तकनीकी-- IS: 261—1966
22.	सीएम/एल-3956 1974-09-19	1974-09-16	1975-09-15	दि टुडियालूर कोआपरेटिव ऐग्रीकल्चरल सर्विस, लि०, मेट्टुपलयम रोड, कोयम्बतूर-641034	डीडीटी पायसनीय तेज द्रव-- IS: 633—1956
23	सीएम/एल-3957 1974-09-19	1974-10-01	1975-09-30	असम वैली प्लाईवुड प्राइवेट लि० माकम रोड, तिनसुखिया (असम)	सामान्य कार्यों के लिए प्लाईवुड, सभी ग्रेड IS: 303—1960
24	सीएम/एल-3958 1974-09-19	1974-09-16	1975-09-15	बी० डी० खेतान एण्ड कम्पनी, अश्रीति रोड, माया नगर पुलिस स्टेशन महेशतल्ला 24 परगना (प० बंगाल)	एन्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव-- IS: 1310—1958
25	सीएम/एल-3959 1974-09-23	1974-10-01	1975-09-30	यू० पी० केबल कम्पनी प्र० लि० 4 डीएलएफ इंडस्ट्रियल एरिया, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली 110015	पोलीइथाइलीन रोधित और पोलीइथाइलीन खोल वाले तापनम्य रोधित ऋतुसह केबल, 650/1100 वोल्ट, ऐलुमिनियम चालकों वाले-- IS. 3035 (भाग 3)—1967
26.	सीएम/एल-3960 1974-09-23	1974-10-01	1975-09-30	मोहमिन एंटरप्राइजेज, धोन डाकघर, कुर्नूल जिला (आ० प्र०)	बीएचसी धूलन पाउडर-- IS: 561—1972
27.	सीएम/एल-3961 1974-09-23	1974-10-01	1975-09-30	मोतीलाल पेस्टीसाइड्स (इंडिया), मसानी, दिल्ली रोड, मथुरा (उ० प्र०)	मालाथियोन पायसनीय तेज द्रव-- IS. 2567—1973
28	सीएम/एल-3962 1974-09-23	1974-10-01	1975-09-30	आंध्र रि-रोलिंग वर्क्स, मूसापेट, निकट सनतनगर हैदराबाद (कार्यालय: 3-336, रेजीडेन्सी रोड हैदराबाद-1)	संरचना इस्पात (मानक किस्म)-- IS 226—1969

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
29.	सीएम/एल-3963 1974-09-24	1974-10-01	1975-09-30	असम बेनियर एण्ड सॉ मिल्स, डाकघर लीडो, जिला डिबरुगढ़, असम (कार्यालय : 67/21 स्ट्रैंड रोड, कलकत्ता-6)	चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड के तख्ते— IS: 10—1970
30	सीएम/एल-3964 1974-09-24	1974-10-01	1975-09-30	सुदर्शन प्लाईवुड इंडस्ट्रीज, ए० आर० रोड मारघेरिटा जिला, डिबरुगढ़, असम	चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड के तख्ते— IS: 10—1970
31.	सीएम/एल-3965 1974-09-25	1974-10-01	1975-09-30	पम्प मैन्यु० कारपोरेशन 141/144 इंडस्ट्रियल एरिया, जयपुर पश्चिम, जयपुर-6	ढलवां लोहे के स्पृस वाल्व, श्रेणी I 100 मिमी तक— IS: 780—1969
32.	सीएम/एल-3966 1974-09-25	1974-10-01	1975-09-30	गोवन इंडस्ट्रियल कारपोरेशन 29 आर/2, इंडस्ट्रियल एरिया, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली	एलुमिनियम चालकों वाले पीवीसी रोधित बिना खोल वाले केबल इकहरी कोर, केवल 250/440 वोल्ट—
33.	सीएम/एल-3967 1974-09-25	1974-10-01	1975-09-30	लेखापानी बेनियर एण्ड सॉ मिल्स, डाकघर लेखापानी (बरास्ता लीडो) (असम)	चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड के तख्ते— IS: 10—1970
34.	सीएम/एल-3968 1974-09-25	1974-10-01	1975-09-30	असम बंगाल बेनियर इंडस्ट्रीज प्रा० लि० फैक्टरी संख्या 2, डाकघर ऊदलाबाड़ी जिला अलपाईगुड़ी (प० बंगाल) (कार्यालय : 9 क्लाइव रो कलकत्ता-1)	चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड की पट्टियां— IS: 10—1970
35.	सीएम/एल-3969 1974-09-30	1974-10-01	1975-09-30	टाटा केमिकल लिमिटेड मीठापुर, ओखा-मंडल गुजरात राज्य	ताम्र आक्सीक्लोराइड तकनीकी— IS: 1486—1969
36.	सीएम/एल-3970 1974-09-30	1974-10-01	1975-09-30	टाटा केमिकल लि०, मीठापुर, ओखामंडल गुजरात राज्य	रसायन उद्योगों के लिए साधारण नमक— IS: 797—1967
37.	सीएम/एल-3971 1974-09-30	1974-10-01	1975-09-30	बिहार स्टेट लेदर इंडस्ट्रीज डेवलेपमेंट कारपोरेशन प्रा० लि० इकाई फुट-वियर फैक्टरी इंडस्ट्रियल स्टेट, रांची	खनिकों के लिए चमड़े के बचाव बूट और जूते— IS: 1989—1967
38.	सीएम/एल-3972 1974-09-30	1974-10-01	1975-09-30	बिहार स्टेट लैदर इंडस्ट्रीज डेवलेपमेंट कारपोरेशन प्रा० लि०, दरभंगा (बिहार)	खनिको के लिए चमड़े के बचाव बूट और जूते— IS: 1989—1967
39.	सीएम/एल-3973 1974-09-30	1974-10-01	1975-09-30	टाटा केमिकल्स लि० मीठापुर ओखा-मंडल गुजरात राज्य	पिंडीकृत सोडा राख, तकनीकी— IS. 6135—1971
40.	सीएम/एल-3974 1974-09-30	1974-10-01	1975-09-30	,,	सोडा राख तकनीकी (घनी और हल्की)— IS: 251—1962
41.	सीएम/एल-3975 1974-09-30	1974-10-01	1975-09-30	,,	कास्टिक सोडा तकनीकी ठोस तथा घोल— IS. 252—1962
42.	सीएम/एल-3976 1974-09-30	1974-10-01	1975-09-30	,,	जस्ताक्लोराइड, समस्त तीन ग्रेड— IS: 701—1966
43.	सीएम/एल-3877 1974-09-30	1974-10-01	1975-09-30	टाटा केमिकल लि०, मीठापुर, ओखामंडल गुजरात राज्य	ब्रोमीन तकनीकी— IS: 2142—1962
44.	सीएम/एल-3978 1974-09-30	1974-10-01	1975-09-30	,,	पोटैशियम ब्रोमाइड, केवल ग्रेड 1— IS: 2797—1964

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
45.	सीएम/एल-3979 1974-09-30	1974-10-01	1975-09-30	टाटा केमिकल लि० मीठापुर, ओखा-मंडल गुजरात राज्य	सोडियम ब्रोमाइड, शुद्ध— IS: 2780—1964
46.	सीएम/एल-3980 1974-09-30	1974-10-01	1975-09-30	,,	अमोनियम ब्रोमाइड, शुद्ध— IS: 2723—1964
47.	सीएम/एल-3981 1974-09-30	1974-10-01	1975-09-30	,,	खाने का साधारण नमक— IS: 2523—1970
48.	सीएम/एल-3982 1974-09-30	1974-10-01	1975-09-30	जयश्री टेक्सटाइल्स और इंडस्ट्रीज लि०, रिषरा, जिला हुगली (प० बंगाल)	क्लिअरर कपड़ा— IS: 6054—1970

[सं० सी० एफ० डी०/13 : 11]

MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Industrial Development)

INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 15th April, 1976

S.O. 1762.— In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations 1955,as amended from time to time,the Indian Standard Institution hereby notifies that forty-eight licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been granted during the month of September1974 authorising the licences to use the Standard Marks :

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. (CM/L)	Period of Validity From	To	Name and Address of the Licence	Article/Process Covered by the Licences and the Relevant IS : Designation
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	CM/L-3935 1974-09-02	1974-09-01	1975-08-31	Shri Guru Nanak Steel Rolling Mills, Ladowali Road, Jullundur City	Structural steel (Standard quality) IS : 226-1969
2.	CM/L-3936 1974-09-02	1974-09-01	1975-08-31	Do.	Structural Steel (ordinary quality) IS : 1977-1969
3.	CM/L-3937 1974-09-02	1974-09-01	1975-08-31	R.C. Gupta & Bros, 221 Okhala Industrial Estate, New Delhi-110020	Cold rolled steel strips for springs IS : 2507-1965
4.	CM/L-3938 1974-09-02	1974-09-01	1975-08-31	Kamdhenu Pesticides 50A Hadapsar Industrial Estates, Poona-13 (office: Krishi Bhavan 1379, Bhavani Peth, Poona-2).	D.D.T. EC IS : 633-1956
5.	CM/L-3939 1974-09-02	1974-09-01	1975-08-31	Do.	Endrin EC- IS : 1310-1958
6.	CM/L-3940 1974-09-02	1974-09-01	1975-08-31	Rallis India Ltd., 20 Howrah Road, Salkia, Howrah	Aldrin Dusting Powders— IS : 1308-1958
7.	CM/L-3941 1974-09-02	1974-09-01	1975-08-31	Ajanta Iron and Steel Co. (Pvt.) Ltd., Loni Road, Delhi-Shahdara	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977-1969
8.	CM/L-3942 1974-09-02	1974-09-01	1975-08-31	Do.	Structural steel (standard quality)— IS : 226-1969
9.	CM/L-3943 1974-09-02	1974-09-16	1975-09-15	Hindustan Insecticides Ltd., Industrial Area, Rohtak Road, New Delhi.	DDT , Technical IS : 563-1973
10.	CM/L-3944 1974-09-02	1974-09-01	1975-09-30	Hindustan Insecticides Ltd., Alwaye, Udyogmandal-683501 (Kerala)	DDT Technical, IS : 563-1973

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
11.	CM/L-3945 1974-09-02	1974-09-01	1975-08-31	U.P. Cable Co. Pvt. Ltd., 4 DLF Industrial Area Najafgarh Road, New Delhi-15	PVC insulated & PVC sheated, unsheathed calbes with aluminium & Copper Conductor— IS : 696 (Pt I & II)—1964
12.	CM/L-3946 1974-09-02	1974-09-01	1975-08-31	Indian Timber Industrials Attathode-Patta P.O. Chala Kuddy Distt. Trichur, Kerala State	Tea-chest Battens— IS : 10-1970
13.	CM/L-3947 1974-09-09	1974-09-16	1975-09-15	Weston Corporation S-26 Industrial Area, Jullundur	Foot Ball, Basket ball and Volleyball, all laceless— IS : 417-1969
14.	CM/L-3948 1974-09-09	1974-09-16	1975-09-15	Rajendra Electrical Industries Pvt. Ltd, Plot No 14, Shah Industrial Estate, Veera Desai Road, Ambivali, Andheri (West), Bombay-58, (office : 325, Kalbadevi Road, Bombay-2).	Flame proof enclosures for :— Three-phase induction motors, 400/440 volts, four poles, ratings as given below : S. No. Frame — Group — Ratings 1. KR100-2/4 — IIB — 2 2 KW (3 HP) 2. KM112/4 — I, IIB — 3.7 KW (5HP) IS : 2148-1969
15.	CM/L-3949 1974-09-09	1974-09-16	1975-09-15	Mikir Hills Saw and Plywood Factory, P.O. Diphu, Mikir Hills (Assam).	Wooden flash door shutters (solid core type) with Plywood face panels— IS : 2202 (Pt I)1973
16.	CM/L-3950 1974-09-09	1974-09-16	1975-09-15	Central Insectidides and Fertilizers, Saki Vihar Road, Saki Naka, Bombay-72 (AS)	Dimethoate EC- IS : 3093-1966
17	CM/L-3951 1974-09-09	1974-09-16	1975-09-15	New Chemi Industries Pvt. Ltd, Ashok Nagar Cross Road, No. I Kandivlee, East, Bombay-400067 (office at Rohit Chambos 2nd Floor, Choga Street, Fort, Bombay-400001)	DDT DP— IS : 564-1964
18.	CM/L-3952 1974-09-16	1974-10-01	1975-09-30	Marathwada Alloy Steels Co. Ltd., Plot No. E/36 M.I.D.G. Industrial Area, Chikalthana Aurangabad (Maharashtra State)	Carbon Steel Cast Billet Ingots for rolling into Structural steel (standard quality)— IS : 6914-1973
19.	CM/L-3953 1974-09-16	1974-10-01	1975-09-30	Hindustan Insulated Cable Co. Patel Marg, Ghaziabad	Thermoplastic insulated weather proof cables PVC sheathed 250/440 Volts, and 650/1100 Volts aluminium conductor— IS : 3035(Pt I)—1965
20.	CM/L-3954 1974-09-18	1974-10-01	1975-09-30	Victory Battens, III/283, West Chalakudy, (Mall Road, Near Railway Station) Trichur District (Kerala)	Tea Chest Battens— IS : 10-1970
21.	CM/L-3955 1974-09-18	1974-09-16	1975-09-15	Bhuvaneswari Industries 25A, Developed Plot, Industrial Estate, Guindy, Madras-18.	Copper Sulphate Technical— IS : 261-1966
22.	CM/L-3956 1974-09-19	1974-09-16	1975-09-15	The Tudiyalur Co-operative Agricultural Serivce Ltd, Mettupalayam Road, Coimbatore-641034	DDT -EC- IS : 663-1956
23.	CM/L-3957 1974-09-19	1974-10-01	1975-09-30	Assam Valley Plywood Private Ltd., Makum Road, Tinsukia (Assam)	Plywood for General purposes, all grades— IS : 303-1960
24.	CM/L-3958 1974-09-19	1974-09-16	1975-09-15	B.D. Khaitan & Co. Ashriti Road, Mayanagar, P.S. Meheshtolla, 24 Parganas (W.B.)	Endrin Emulsifiable concentrates IS : 1310-1958
25.	CM/L-3959 1974-09-23	1974-10-01	1975-09-30	U P. Cables Company Pvt. Ltd., 4 DLF Industrial Area, Najafgarh Road, New Delhi-110015	Thermoplastic insulated weatherproof cable polyethylene insulated and polyethlene sheathed, 650/1100 volts with aluminium conductor— IS : 3035(Pt III)-1967
26.	CM/L-3960 1974-09-23	1974-10-01	1975-09-30	Mohsina Enterprises Dhone P.O. Kurnool Distt. (A.P.)	BHC Dusting Powder— IS : 561-1972

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
27.	CM/L-3961 1974-09-23	1974-10-01	1975-09-30	Motilal Pesticides (India) Masani, Delhi Road, Mathura (U.P.)	Malathion Emulsifiable concentrates IS : 2567-1973
28.	CM/L-3962 1974-09-23	1974-10-01	1975-09-30	Andhra Re-Rolling Works Moosapet, Near Sanatnagar Hyderabad-18 (office : 4-3-336, Residency Road Hyderabad-1).	Structural steel (standard quality)— IS : 226-1969
29.	CM/L-3963 1974-09-24	1974-10-01	1975-09-30	Assam Veneer & Saw Mills, P.O. Ledo, Distt. Dibrugarh, Assam (office : 67/21, Strand Road, Calcutta-6)	Tea chest plywood panels— IS : 10-1970
30.	CM/L-3964 1974-09-24	1974-10-01	1975-09-30	Sudershan Plywood Industries, A.R. Road, Margherita, Distt. Dibrugarh, Assam.	Tea-Chest Plywood panels— IS : 10-1970
31.	CM/L-3965 1974-09-25	1974-10-01	1975-09-30	Pump Manufacturing Corporation, 141/144 Industrial Area, Jaipur West, Jaipur-6.	Cast Iron Sluice Valves, Class I, up 100mm— IS : 7801969
32.	CM/L-3966 1974-09-25	1974-10-01	1975-09-30	Govan Industrial Corporation, 29 R/2, Industrial Area, New Rohtak Road, New Delhi.	PVC insulated unsheathed cable single core with aluminium conductor, 250/440 volts only— IS : 694(Pt II)—1964
33.	CM/L-3967 1974-09-25	1974-10-01	1975-09-30	Lekhapani Veneer & Saw Mills, P.O. Lekhapani (Via Ledo) Assam	Tea-chest Plywood Panels— IS : 10-1970
34.	CM/L-3968 1974-09-25	1974-10-01	1975-09-30	Assam Bengal Veneer Industries Pvt. Ltd., Factory No. 2 P.O. Manabari, Oodlabari Distt. Jalpaiguri (West Bengal) (Office : 9 Clive Road, Calcutta-1).	Tea-chest Battens— IS : 10-1970
35.	CM/L-3969 1974-09-30	1974-10-01	1975-09-30	Tata Chemical Limited, Mithapur, Okhmandal, Gujarat State.	COC Technical— IS : 1486-1969
36.	CM/L-3970 1974-09-30	1974-10-01	1975-09-30	Tata Chemical Limited, Mithapur, Okhmandal, Gujarat State	Common salt for chemical Industries— IS:797—1967
37.	CM/L-3971 1974-09-30	1974-10-01	1975-09-30	Bihar State Leather Industries Development Corpn. Pvt. Ltd. Unit-Footwear Factory, Industrial Estate, Ranchi.	Miners' Safety leather boots and shoes— IS:1989—1967
38.	CM/L-3972 1974-09-30	1974-10-01	1975-09-30	Bihar State leather Industries Development Corpn. Pvt. Ltd. Darbhanga (Bihar)	Miner's safety leather boots and shoes — IS:1989—1967
39.	CM/L-3937 1974-09-30	1974-10-01	1975-09-30	Tata Chemicals Limited Mithapur, Okhmandal, Gujarat State.	Soda Ash, Fused, Technical— IS:6135—1971.
40.	CM/L-3974 1974-09-30	1974-10-01	1975-09-30	Do.	Soda Ash, Technical (Dense and light)— IS:251—1962
41.	CM/L-3775 1974-09-30	1974-10-01	1975-09-30	Do.	Caustic Soda Technical, Solid and solution— IS:252-1962
42.	CM/L-3976 1974-09-30	1974-10-01	1975-09-30	Do.	Zinc Chloride, All the three grades— IS:701—1966
43.	CM/L-3972	1974-10-01	1975-09-30	Do.	Bromine : Technical— IS:2142—1962
44.	CM/L-3978 1974-09-30	1974-10-01	1975-09-30	Do.	Potassium Bromide, Grade I only— IS:2797—1964
45.	CM/L-3979 1974-09-30	1974-10-01	1975-09-30	Do.	Sodium Bromide, Pure— IS:2780—1964
46.	CM/L-3980 1974-09-30	1974-10-01	1975-09-30	Do.	Ammonium Bromide, Pure— IS:2723—1964
47.	CM/L-3981 1974-09-30	1974-10-01	1975-09-30	Do.	Edible Common Salt— IS:2523-1970
48.	CM/L-3982 1974-09-30	1974-10-01	1975-09-30	Jaya Shree Textiles and Industries Ltd. Rishra, Distt. Hooghly. (W.B.)	Clearner Cloth— IS:6054—1970

[No. CMD/13:II]

का० आ 1763.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन 42 लाइसेंसो के ब्यौरे नीचे अनुसूची मे दिए गए है, लाइसेंसधारियों को मानक सम्बन्धी मुहर लगाने का अधिकार देते हुए अक्टूबर 1974 में स्वीकृत किए गए है :—

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या (सी एम/एल)	वैधता की तिथि		लाइसेंसधारी का नाम और पता	लाइसेंसधारी के अधीन वस्तु प्रक्रिया और तत्सम्बन्धी IS : पदनाम
		से	तक		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	सी एम/एल-3983 1974-10-04	1974-10-16	1975-10-15	हिन्दुस्तान वेन्स प्रा० लि० 149 जी टी रोड डाकघर पसौदा, गाजियाबाद	बर्तनों के लिए वृत, ऐलुमिनियम के ग्रेड 'एस आई सी'— IS : 21—1959
2.	सी एम/एल-3984 1974-10-04	1974-10-16	1975-10-15	भारती मिनरल्स 15/7 मथुरा रोड फरीदाबाद (हरयाणा)	एण्ड्रोसल्फेन पायसनीय वेज द्रव— IS : 4323—1967
3.	सी एम/एल-3985 1974-10-04	1974-10-16	1975-10-15	दिल्ली आयरन एण्ड स्टील (प्रा०) लि० जी टी रोड, गाजियाबाद (उ० प्र०)	बकीट प्रबलन के लिए टेंडी मरोड़ी विकृत इस्पात की सरिया— IS : 1786—1966
4	सी एम/एल-3986 1974-10-04	1974-10-16	1975-10-15	भारत इलेक्ट्रिकल्स, 37 बी, कानपुर इंडस्ट्रियल डेवेलपमेंट कोआपरेटिव इस्टेट गोविंद नगर, कानपुर कार्यालय: 111/2ए-हर्षनगर कानपुर-200812	निम्नलिखित रेटिंग के खडे प्रकार के डीजल इंजन किया 3.67 (5 हा पा) चक्कर प्रति मिनट 1500 टाइप वीह-1 एक सिलेण्डर 4-स्ट्रोक जलशीत IS : 1601—1960
5.	सीएम/एल-3987 1974-10-04	1974-10-16	1975-10-15	वि नट्स मैन्यू० कम्पनी 100/ कासीपुर रोड कलकत्ता-700002 (कार्यालय 1/1 ए, नन्दा मालिक लेन कलकत्ता-700006)	परिशुद्धता और अर्धपरिशुद्धता वाले छह कोणी काजले—(6 से 39 मिमी तक व्यास वाले)— IS : 1364-1967 परिशुद्धता वाले छह कोणी काजले (1.6—5 मिमी तक व्यास वाले)— IS : 2389—1968
6.	सी एम/एल-3988 1974-10-04	1974-10-16	1975-10-15	पीवीएस इंडस्ट्रीज पी० बा० संख्या 33 अमरावती, होजपेट	पो डी टी धूलन पाउडर— IS : 564—1961
7.	सी एम/एल-3989 1974-10-14	1974-10-16	1975-10-15	कुमार धुबी इंजीनियरिंग वर्क्स लि० कुमारधुबी डाकघर कुमारधुबी, जिला धनबाद (बिहार)	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 226—1969
8.	सी एम/एल-3990 1974-10-14	1974-10-16	1975-10-15	,,	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS : 1977—1969
9.	सी एम/एल-3991 1974-10-14	1974-10-16	1975-10-15	,,	संरचना इस्पात के रूप में पुनः वेल्लन के लिये कार्बन इस्पात की ढलवां बिलेट सिल्लियां (मानक किस्म)— IS : 6914—1973
10.	सीएम/एल-3992 1974-10-14	1974-10-16	1975-10-15	,,	संरचना इस्पात के रूप में पुनः वेल्लन के लिये कार्बनइस्पात की ढलवां बिलेट सिल्लियां—(साधारण किस्म)— IS : 6915—1973

(1) (2)	(3)	(4)	(5)	(6)
11 सीएम/एल-3993 1974-10-21	1974-10-16	1975-10-15	उषा एल्वाएज स्टील्स लि० आदित्यपुर इंडस्ट्रियल एरिया पो० बा० संख्या 126 जमशेदपुर	संरचना इस्पात के रूप में वेल्डन के कार्बन इस्पात की ढलवां बिलेट सिल्लियां—(मानक किस्म)—6914—1973
12. सीएम/एल-3994 1974-10-21	1974-10-16	1975-10-15	उषा एल्वाएज स्टील्स लि० आदित्यपुर इंडस्ट्रियल एरिया पो० बा० संख्या 126 जमशेदपुर	संरचना इस्पात के रूप मे वेल्डन के लिये कार्बन इस्पात की ढलवां बिलेट की सिल्लियां (साधारण किस्म)— IS : 6915—1973
13. सीएम/एल-3995 1974-10-21	1974-10-01	1975-09-30	हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लि०, फ्यूएल्स रिफाइनरी, ट्राम्बे, बम्बई-74 कार्यालय: 17 जमशेदपुरजी टाटा रोड बम्बई-400020	हैक्सेन खाद्य ग्रेड— IS : 3470—1966
14 सीएम/एल-3996 1974-10-21	1974-11-01	1975-10-31	एशियन स्टील इंडस्ट्रीज लि० बी-24, इंडस्ट्रियल इस्टेट मौलाअली, हैदराबाद-500040 (आ० प्र०)	सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिये मृदु इस्पात के तार— IS : 280—1972
15. सीएम/एल-3997 1974-10-21	1974-11-01	1975-10-31	,,	जस्तीकृत टेक की लड़ें— IS : 2141—1968
16 सीएम/एल-3998 1974-10-21	1974-11-01	1974-10-31	पोचमपाद पेस्टीसाइड्स प्रा० लि० इंडस्ट्रियल इस्टेट, सिरीसिल्ला रोड करीमनगर (आ० प्र०)	एन्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव— IS : 1310—1958
17. सीएम/एल-3999 1974-10-21	1974-11-01	1975-10-31	ऐलन इंडस्ट्रीज, एल्लैतोट्टोम रोड पीला मेडु रोड कोयम्बतूर-641004	साफ ठंडे और ताजे पानी के लिये क्षैतीज अपकेन्द्री पम्प साइज 65×50 मिमी, टाइप 'एमपी 1'— IS : 1520—1972
18. सीएम/एल 3000 1974-10-21	1974-10-31	1975-10-31	वि विज्ञान इंडस्ट्रीज प्रा० हालीयूर बी एच रोड तारीकेरे डाकघर (कर्नाटक)	संरचना इस्पात के रूप में वेल्डन के लिये कार्बन इस्पात की ढलवां बिलेट सिल्लियां (मानक किस्म—) IS : 6914—1973
19. सीएम/एल-4001 1974-10-21	1974-11-01	1975-10-31	,,	संरचना इस्पात के रूप में वेल्डन के लिये कार्बन इस्पात की ढलवां बिलेट सिल्लियां (साधारण किस्म)— IS : 6915—1973
20. सीएम/एल-4002 1974-10-21	1974-11-01	1975-10-31	मेडीकेअर इक्विपमेंट कम्पनी वाघाईनाका, प्रतापनगर रोड बड़ोदरा-4	दाब वाले क्षैतीज बेलनाकार भाप चालित स्टेरीलाइजर— IS : 3829-1966
21. सीएम/एल-4003 1974-10-21	1974-11-01	1975-10-31	टेक्समो इंडस्ट्रीज एस एफ संख्या 12 टुडियालूर, कोयम्बतूर-641034 (कार्यालय: कैनानाम्हिके मिल्स डाकघर कोयम्बतूर-641029)	खेती के कार्यों में प्रयुक्त साफ, ठंडे और ताजे पानी के लिये क्षैतिज अपकेन्द्रीय पम्प साइज 75×65 मिमी टाइप टीपी[2]— IS : 6595—1972
22. सीएम/एल 4004 1974-10-28	1974-10-16	1975-10-15	बंगाल फेरो एल्वाय एण्ड स्टील लि० प्लाट संख्या 36, डी ब्लाक इंडस्ट्रियल इस्टेट, कल्याणी जिला नदिया (प० बंगाल) कार्यालय: 8 चितरंजन एवेन्यू कलकत्ता-700013)	संरचना इस्पात (मानक किस्म) के रूप में वेल्डन के लिये कार्बन इस्पात की ढलवां बिलेट की सिल्लियां— IS : 6914—1973
23. सीएम/एल-4005 1974-10-28	1974-10-16	1975-10-15	,,	संचरना इस्पात (साधारण किस्म) के रूप में वेल्डन के लिये ढलवां कार्बन सिल्लियां— IS : 6915—1973

1	2	3	4	5	6
24.	सीएम/एल-4006 1974-10-28	1974-11-01	1975-10-31	यूनाइटेड इंडस्ट्रियल प्लास्टिक्स प्लाट 5ए, फेज 2, वृयौसांद्र, इन्डस्ट्रियल एरिया महादेवपुरा, बंगलोर-48 (कार्यालय. 229, चिकपेट बंगलोर-53)	बिजली लगाने के लिये सख्त प्रधात्विक तार नालियां— IS : 2509-1973
25.	सीएम/एल-4007 1974-10-28	1974-11-01	1975-10-31	दि लक्ष्मी मिल्स कम्पनी लि० भ्रवनाशी रोड, पप्पानायकनपलयम् कोयम्बतूर-641037	खुदरंग सूती धागा— 38 नं० ताना, कंकित 40 नं० ताना, धुना हुआ 60 नं० ताना कंकित 60 नं० ताना कंकित 80 नं० ताना कंकित IS : 171-1973
26.	सीएम/एल-4008 1974-10-29	1974-11-01	1975-10-31	श्री कामाक्षिम्बिके मिल्स लि० पो० बा० सं० 2, सोमनार डाकघर जिला कोयम्बतूर (तमिलनाडु)	खुदरंग सूती धागा 40 नं० धुना हुआ ताना 60 नं० धुना हुआ ताना 60 नं० कुकित ताना— IS . 171-1973
27.	सीएम/एल-4009 1974-10-29	1974-11-01	1975-10-31	वेर्स्टन मिनिस्टिल लि०, लालबहादुर शास्त्री मार्ग मुलुंद, बम्बई-400080	गढ़ी वस्तुओं के लिये कार्बन इस्पात के बिलेट्— IS : 1875-1971
28.	सीएम/एल-4010 1974-10-29	1974-11-01	1975-10-31	हिन्दुस्तान इंसेक्टीसाइड्स लि०, उद्योग मंडल-683501 (केरल)	बीएचसी तकनीकी— IS : 560-1969
29.	सीएम/एल-4011 1974-10-29	1974-11-01	1975-10-31	भ्ररूण इंजीनि: इंयस्ट्रीज प्रा० लि० शांति-नगर कोआपरेटिव इंडस्ट्रियल इस्टेट, वोकला, सांताक्रूज पूर्व बम्बई-5 एएस	बिजली के उपकरणो के ज्वालासह खोल— IS : 2148-1968
30.	सीएम/एल-4012 1974-10-31	1974-11-01	1975-10-31	पी बी एस इंडस्ट्रीज क्रम संख्या 457ए भ्रमरावती गांव होजपेट, तालुक, कर्नाटक राज्य (कार्यालय: पो० ब० 33 भ्रमरावती होजपेट कर्नाटक राज्य)	मालाथियोन पायसनीय तेज द्रव— IS : 2567-1973
31.	सीएम/एल-4013 1974-10-31	1974-11-01	1975-10-31	पेस्टीसाइड्स इंडिया, उदयसागर रोड, उदयपुर	एण्डोसल्फेन पायसनीय तेज द्रव— IS : 4323-1967
32.	सीएम/एल-4014 1974-10-31	1974-11-01	1975-10-31	प्रताप स्टील रोलिंग मिल्स (भ्रमृतसर) प्रा० लि० प्रताप इस्टेट, छेहरट्टा (उत्तर रेलवे)	स्वचल गाड़ियों के निलम्बन के लिए शंकु नुमा कुण्डीदार और परतदार स्प्रिंगों के इस्पात ग्रेड 55 सिलि 2 मेग 90— IS . 3431-1965
33.	सीएम/एल-4015 1974-10-31	1974-11-01	1975-10-31	कनारा स्टील लि० बैकेम पक्की, दक्षिण कनारा, जिला कर्नाटक	संरचना इस्पात (मानक किस्म) के रूप में बेल्लन के लिए कार्बन इस्पात की बिलेट और सिल्लियां— IS: 6914-1973
34.	सीएम/एल-4016 1974-10-31	1974-11-01	1975-10-31	"	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) के रूप में बेल्लन के लिए कार्बन इस्पात की बिलेट सिल्लियां— IS : 6915-1973
35.	सीएम/एल-4017 1974-10-31	1974-11-01	1975-10-31	पेस्टीसाइड्स इंडिया उदयसागर, उदयपुर	मिथाइल पेराथियोन पायसनीय तेज द्रव— IS : 2865-1964

1	2	3	4	5	6
36.	सीएम/एल-4018 1974-10-31	1974-11-01	1975-10-31	बल्लभ पेस्टीसाइड्स मैन्यु० क०, बल्लभ विद्यानगर आनंद सोजित्रा रोड पो० बा० संख्या 30 जिला केरा, आनंद	मालाथियोन धूलन पाउडर— IS : 2568-1963
37	सीएम/एल-4019 1974-10-31	1974-11-01	1975-10-31	इंडस्ट्रियल केबल्स (इंडिया) लि० किला जफरगढ़, जिला जींद (हरयाणा)	पूर्ण ऐलुमिनियम चालक और इस्पात की कोर वाले ऐलुमिनियम चालक— IS : 398-1961
38.	सीएम/एल-4020 1974-10-31	1974-11-01	1975-10-31	एसोसियेटेड केबल्स प्रा० लि० बी-9/1, एम आई डी सी इंडस्ट्रियल एरिया तलोजा, जिला कोलाबा (महाराष्ट्र)	तांबे के चालकों वाले पी वी सी रोधित केबल खोल वाले, 250/440 वोल्ट और 650/1100 वोल्ट ग्रेड— IS : 694 (भाग 1)-1964
39.	सीएम/एल-4021 1974-10-31	1974-11-16	1975-11-15	वेस्टर्न मिनिस्टिल लि० लालबहादुर शास्त्री मार्ग मुलुंद, बम्बई-80	कठोरीकरण और टेम्पर देने के लिए इस्पात के बिलेट— IS : 5517-1969
40.	सीएम/एल-4022 1974-10-31	1974-08-16	1975-08-15	रोजिन एण्ड टरपेनटाइन फैक्टरी नाहन (मैसर्स हिमाचल प्रदेश स्टेट फोरेस्ट कारपोरेशन लि० की इकाई बिलो बैंक दि माल, शिमला	बरोजा (गोंद बरोजा) टाइप पीला, मध्यम और गहरा— IS : 553-1969
41.	सीएम/एल-4024 1974-10-31	1974-10-01	1975-09-30	.	टरपेनटाइन की गोंद ग्रेड 1 और 2— IS : 533-1954
42.	सीएम/एल-4024 1974-10-31	1974-10-16	1975-10-15	एलायन्स प्लास्टिक वर्क्स, 1, चितपुरघाट लेन, कलकत्ता-2	औद्योगिक बचाव टोप, मध्यम साइज— IS : 2925-1970

[सं० सी एम डी/13 : 11]

S. O. 1763.— In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that fortytwo licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been granted during the month of October, 1974 authorizing the licensees to use the Standard Marks:

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. (CM/L-)	Period of Validity From	To	Name and Address of the Licensee	Article/Process Covered by the Licences and the Relevant IS: Designation
1	2	3	4	5	6
1.	CM/L-3983 1974-10-04	1974-10-16	1975-10-15	Hindustan Chains Pvt Ltd., 149, G.T. Road, P.O. Pasaunda, Ghaziabad	Aluminium circles for utensils grade 'SIC'— IS: 21-1959
2.	CM/L-3984 1974-10-04	1974-10-16	1975-10-15	Artee Minerals, 15/7 Mathura Road, Faridabad (Haryana)	Endosulfan emulsifiable concentrates— IS: 4323-1967
3.	CM/L-3985 1974-10-04	1974-10-16	1975-10-15	Delhi Iron & Steel Co., (P) Ltd., G.T. Road, Ghaziabad (U.P.)	Cold twisted deformed steel bars for concret reinforcement— IS: 1786-1966
4.	CM/L-3986 1974-10-04	1974-10-16	1975-10-15	Bharat Electricals, 38B, Kanpur Industrial Development Co-operative Estate, Govind Nagar, Kanpur having their office at 111-2A Harsh Nagar, Kanpur-20812	Vertical diesel engines of the following rating : IS: 1601-1960 KW R.P.M. Type 3.67 (5HP) 1500 BE-1 SINGLE CYLINDER, 4-STROKE—WATER-COOLED

1	2	3	4	5	6
5.	CM/L-3987 1974-10-04	1974-10-16	1975-10-15	The Nuts Manufacturing Co., 100/1, Cossipore Road, Calcutta-700002 (Office : 1/1A, Nanda Mullick Lane, Calcutta-700006)	Precision and semi-precision hexagon nuts—(diameter range 6-39 mm)— IS: 1364-1967 Precision hexagon nuts (diameter range 1.6-5 mm) —IS: 23-89-1968
6.	CM/L-3988 1974-10-04	1974-10-16	1975-10-15	P.V.S. Industries, P.B. No. 33, Amaravathi, Hospet	DDT, DP— IS: 564-1961
7.	CM/L-3989 1974-10-14	1974-10-16	1975-10-15	Kumardhubi Engineering Works Ltd., Kumardhubi P.O., Kumardhubi, Distt. Dhanbad (Bihar)	Structural steel (Std Qty)— IS: 226-1969
8.	CM/L3990 1974-10-14	1974-10-16	1975-10-15	Do.	Structural steel (Ord. Qty)— IS: 1977-1969
9.	CM/L-3991 1974-10-14	1974-10-16	1975-10-15	Do.	Carbon steel cast billet ingots for rolling into structural steel (Std. Qty)— IS: 6914-1973
10.	CM/L-3992 1974-10-14	1974-10-16	1975-10-15	Do.	Carbon steel cast billet ingots for rolling into structural steel (Ord. Qty)— IS: 6915-1973
11.	CM/L-3993 1974-10-21	1974-10-16	1975-10-15	Usha Alloys Steels Ltd., Adityapur, Industrial Area, Post Box No. 126, Jamshedpur	Carbon steel cast billets ingots for rolling into structural steel (Std. Qty)— IS: 6914-1973
12.	CM/L-3994 1974-10-21	1974-10-16	1975-10-15	Usha Alloys Steels Ltd., Adityapur Industrial Area, Post Box No. 126, Jamshedpur	Carbon steel cast billet ingots for rolling into structural steel (Ord Qty) IS: 6915-1973
13.	CM/L-3995 1974-10-21	1974-10-01	1975-09-30	Hindustan Petroleum Corpn., Ltd., Fuels, Refinery, Trobmay, Bombay-74 (Office : 17 Jamshedji Tata Road, Bombay-400020)	Hexane Food Grade— IS: 3470-1966
14.	CM/L-3996 1974-10-21	1974-11-01	1075-10-31	Asian Steel Industries Ltd, B-24, Industrial Estate, Moula Ali, Hyderabad-500040 (A.P.)	Mild steel wire for general engineering purposes— IS: 280-1972
15.	CM/L-3997 1974-10-21	1974-11-01	1975-10-31	Do.	Galvanized stay strand— IS: 2141-1968
16.	CM/L-3998 1974-10-21	1975-11-01	1975-10-31	Pocuhampald Pesticides Pvt. Ltd., Industrial Estate, Siricilla Road, Karimnagar (A.P.)	Endrin EC— IS: 1310-1958
17.	CM/L-3999 1974-10-21	1974-11-01	1975-10-31	Ellen Industries, Ellaithottam Road, Peelamedu Road, Comibatore-641004	Horizontal centrifugal pumps for clear, cold, fresh water size 65 x 50 mm, Type 'MPI'— IS: 1520-1972
18.	CM/L-4000 1974-10-21	1974-11-01	1975-10-31	The Vignan Industries Ltd., Haliyur, B.H. Road, Tarikere Post, (Karnataka)	Carbon steel cast billet ingots for rolling into structural steel (Std. Qty)— IS: 6914-1973
19.	CM/L-4001 1974-10-21	1974-11-01	1975-10-31	Do.	Carbon steel cast billet ingots for rolling into structural steel (Ord. Qty)— IS: 6915-1973
20.	CM/L-4002 1974-10-21	1974-11-01	1975-10-31	Medicare Equipment Co., Dabhai Naka, Pratapnagar, Road, Baroda-4	Horizontal cylindrical steam sterilizers pressure type— IS: 3829-1966
21.	CM/L-4003 1974-10-21	1974-11-01	1975-10-31	Texmo Industries, S.F. No. 12, Tudiyalur, Coimbatore-641034, (Office : Cananamhikai Mills Post, Coimbatore-641029)	Horizontal centrifugal pumps for clear, cold, fresh water for agricultural purposes size 75 x 65 mm only, Type 'TP2' IS: 6595-1972
22.	CM/L-4004 1974-10-28	1974-10-16	1975-10-15	Bengal Ferro Alloy & Steel Ltd., Plot No. 36, 'D' Block, Industrial Estate, Kalyani, Dist Nadia (West Bengal) (Office : 8 Chittaranjan Avenue, Calcutta-700013)	Carbon steel cast billet ingots for rolling into structural steel (Std Qty)— IS: 6914-1973
23.	CM/L-4005 1974-10-28	1974-10-16	1975-10-15	Do.	Carbon steel cast billet ingots for rolling into structural steel (Ord. Qty)— IS: 6915-1973
24.	CM/L-4006 1974-10-28	1974-11-01	1975-10-31	United Industrial Plastics, Plot 5A, Phase-2, Dyavasandra, Industrial Area, Mahadevapura, Bangalore-48 (Office : 229 Chickpet, Bangalore-53)	Rigid non-metallic conduits for electrical installations— IS: 2509-1973

1	2	3	4	5	6
25.	CM/L-4007 1974-10-28	1974-11-01	1975-10-31	The Lakshmi Mills Company Limited, Avanshi Road, Pappanaikenpalayam, Coimbatore-641037	Grey cotton yarn— 38s warp combed 40s warp combed 60s warp caded 60s warp combed 80s weft combed IS: 171-1973
26.	CM/L-4008 1974-10-29	1974-11-01	1975-10-31	Sri Karunambikai Mills Ltd, Post Box No. 2, Somanar, P.O. Distt Coimbatore (Tamil Nadu)	Grey cotton yarn— 40s carded warp 60s carded warp 60s combed warp IS: 171-1973
27.	CM/L-4009 1974-10-29	1974-11-01	1975-10-31	Western Ministil Ltd. L.B. Shastri Marg, Muland, Bombay-400080	Carbon steel billets for forgings— IS: 1875-1971
28.	CM/L-4010 1974-10-29	1974-11-01	1975-10-31	Hindustan Insecticides Ltd, Udyogmandal, 683501 (Kerala)	BHC technical— IS: 560-1969
29.	CM/L-4011 1974-10-29	1974-11-01	1975-10-31	Arun Engineering Industries Pvt Ltd., Shantinagar, Co-operative Industrial Estate, Vokala, Santacruz, East, Bombay-55AS	Flameproof enclosures of electrical apparatus IS: 2148-1968
30.	CM/L-4012 1974-10-31	1974-11-01	1975-10-31	P. V.S. Industries, S. No. 457 A of Amaravathy Village, Hospet Tq, Karnataka State (Office : P. Box No. 33, Amaravathy, Hospet, Karnataka State)	Malathion EC— IS: 2567-1973
31.	CM/L-4013 1974-10-31	1974-11-01	1975-10-31	Pesticides India, Udaisagar Road, Udaipur	Endosulfan emulsifiable concentrates— IS: 4323-1967
32.	CM/L-4014 1974-10-31	1974-11-01	1975-10-31	Pratap Steel Rolling, Mills (Asr) Pvt Ltd., Pratap Estates, Chheharta (N. Rly)	Steel for volute, helical and laminated springs for automotive suspension— Grade 55 SI 2 Mn 90 IS: 3431-1965
33.	CM/L-4015 1974-10-31	1974-11-01	1975-10-31	Canara Steel Ltd., Balkampady, South Kanara, Distt (Karnataka)	Carbon steel billets ingots for rolling into structural steel—(Std. Qty)— IS: 69-14-1973
34.	CM/L-4016 1974-10-31	1974-11-01	1975-10-31	Do.	Carbon steel billets ingots for rolling into structural steel—(Ord. Qty)— IS: 6915-1973
35.	CM/L-4017 1974-10-31	1974-11-01	1975-10-31	Pesticides India, Udaisagar Road, Udaipur	Methyl parathion emulsifiable concentrates— IS: 2865-1964
36.	CM/L-4018 1974-10-31	1974-11-01	1975-10-31	Vallabh Pesticides Mfg. Co., Vallabh Vidyanagar, Anand-Sojitra Road, P.B. No. 30, Distt Kaira, Anand	Malathion DP— IS: 2658-1963
37.	CM/L-4019 1974-10-31	1974-11-01	1975-10-31	Industrial Cables; (India) Ltd, Kilazaffargarh, Distt Jind, (Haryana)	ACSR core wire— IS: 398-1961
38.	CM/L-4020 1974-10-31	1974-11-01	1975-10-31	Associated Cables Pvt. Ltd., B-9/1, M.I.D.C. Industrial Area, Taloja, Distt Kolaba (Maharashtra)	PVC insulated cables sheathed, 250/440 volts and 650/1100 volts grade with copper conductors IS: 694 (Pt.I)—1964
39.	CM/L-4021 1974-10-31	1974-11-16	1975-11-15	Western Ministil Ltd.; L.B. Shastri Marg, Mulund, Bombay-80	Steel billets for hardening and tempering— IS: 5517-1969
40.	CM/L-4022 1974-10-31	1974-08-16	1975-08-15	Rosin & Turpentine Factory, Nahan (A unit of M/s Himachal Pradesh State Forest Corpn., Ltd., Willow Bank, The Mall, Simla).	Rosin (gum rosin) types—pale, medium and dark— IS: 553-1969
41.	CM/L-4023 1974-10-31	1974-10-01	1975-09-30	Do.	Gum spirit of turpentine grades 1 and 2— IS: 533-1954
42.	CM/L-4024 1974-10-31	1974-10-16	1975-10-15	Alliance Plastic Works, 1, Chitpur Ghat Lane, Calcutta-2	Industrial safety helmets, medium size— IS: 2925-1970

[No. CMD/13:11]

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1976

का०आ० 1764.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 4 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि संस्था ने कुछ मानक चिह्न निर्धारित किये हैं जिनकी डिजाइनें शाब्दिक विवरणों और भारतीय मानकों के शीर्षक सहित नीचे अनुसूची में दी गई हैं :—

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम, 1952 और उनके अधीन बने नियमों के निमित्त ये मानक चिह्न उनके आगे दी गई तिथियों से लागू होंगे ।

अनुसूची

क्रम संख्या	मानक चिह्न की डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	मानक की डिजाइन का शाब्दिक विवरण	लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. IS : 507	IS:507	सामान्य कार्यों के लिये ग्रीज	IS : 507—1970 सामान्य कार्यों के लिये ग्रीज की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें ISI शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) मे दिखाई गई शैली और अनुपात मे तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या दी गई है ।	1976-03-01
2 IS : 508	IS:508	ग्रेफाइटयुक्त ग्रीज	IS : 508—1973 ग्रेफाइटयुक्त ग्रीज की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें ISI शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या दी गई है।	1976-03-01

[सं० सी एम डी/13 : 9]

New Delhi, the 23rd April, 1976

S.O. 1764.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution hereby notifies that the Standard Mark (s), design(s) of which together with the verbal description of the design(s) and the title(s) of the relevant Indian Standards) are given in the Schedule hereto annexed, have been specified.

These Standard Mark(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from the dates shown against each:

SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark	Date of Effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. IS: 507	IS:507	General purpose grease	IS: 507-1970 Specification for general purpose grease (first revision)	The monogram of the Indian Standards Institution consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1976-03-01
2. IS: 508	IS:508	Grease, graphited	IS: 508-1973 Specification for grease, graphited (second revision)	The monogram of the Indian Standards Institution consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1976-03-01

[No. CMD/13:9]

का०आ० 1765.— भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 4 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि संस्था ने एक मानक चिह्न निर्धारित किया है जिसकी डिजाइन शाब्दिक विवरण और भारतीय मानक के शीर्षक सहित नीचे अनुसूची में दी गई है :—

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम, 1952 और उसके अधीन बने नियमों के निमित यह मानक चिह्न 1976-01-16 से लागू होगा ।

अनुसूची

क्रम संख्या	मानक चिह्न की डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्संबंधी भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	मानक की डिजाइन का शाब्दिक विवरण
1.	IS : 5846	हड्डी की कीलें (स्मिथ पीटरसन और वाटसन-जोन्स नमूने की)	IS : 5846—1970 हड्डी की कीलो (स्मिथ पीटरसन और वाटसन जोन्स नमूने की) की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें ISI शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या दी गई है।

[सं. सी एम डी/13 : 9]

S.O. 1765.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution hereby notifies that the Standard Mark, design of which together with the verbal description of the design and the title of the relevant Indian Standard is given in the Schedule hereto annexed, has been specified.

This Standard Mark for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1976-01-16.

SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark
1.	IS: 5846	Nails, bone (Smith Peterson and Watson Jones patterns)	IS: 5846-1970 Specification for nails, bone (Smith Peterson and Watson Jones patterns)	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.

[No. CMD/13:9]

का०आ० 1766 भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विभिन्न उत्पादों की प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस अनुसूची में दिये गये ब्यौरो के अनुसार निर्धारित की गई है और प्रत्येक के आगे दी गई तिथियों से लागू होगी :-

अनुसूची

क्रम संख्या	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्संबंधी भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस	लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	सामान्य कार्यों के लिये ग्रीज	IS : 507—1970 सामान्य कार्य की ग्रीज की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एक मीटरी टन	रु० 2.00	1976-03-01
2.	ग्रेफाइटयुक्त ग्रीज	IS 508-1973 ग्रेफाइटयुक्त ग्रीज की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एक मीटरी टन	रु० 2.00	1976-03-01

[सं० सी एम० डी/13:10]

S.O. 1766.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the marking fee(s) per unit for various products details of which are given in the Schedule hereto annexed have been determined and the fee(s) shall come into force with effect from the dates shown against each :

SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Product	No. and Title of Relevent Indian Standard	Unit	Marking fee per Unit	Date of Effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	General purpose grease	IS: 507-1970 Specification for general purpose grease (first revision)	One Tonne	Rs. 2.00	1976-03-01
2.	Grease, graphited	IS: 508-1973 Specification for grease, graphited (second revision)	One Tonne	Rs. 2 00	1976-03-01

[No. CMD/13:10]

का० आ० 1767.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि हड्डी की कीलों (स्मिथ पीटरसन और वाटसन जोन्स नमूने) की प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस अनुसूची में दिये गये ब्यौरों के अनुसार निर्धारित की गई है और यह फीस 1976-01-16 से लागू होगी :—

अनुसूची

क्रम संख्या	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्संबंधी भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	हड्डी की कीलें (स्मिथ पीटरसन और वाटसन जोन्स नमूने की)	IS : 5846—1970 हड्डी की कीलों (स्मिथ पीटरसन और वाटसन जोन्स नमूने) की विशिष्टि ।	एक नग	50 पैसे

[सं० सी एम डी/13 : 10]

S. O. 1767.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standard Insitution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the marking fee per unit for nails, bone (Smith Peterson and Watson Jones patterns) details of which are given in the Schedule hereto annexed, has been determined and the fee shall come into force with effect from 1976-01-16

SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Products	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee Per Unit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	Nails, bone (Smith Peterson and Watson Jones patterns)	IS: 5846-1970 Specification for nails, bone (Smith peterson and Watson Jones patterns)	One Piece	50 Paise

[No. CMD/13:10]

नई दिल्ली, 29 अप्रैल, 1976

का०आ० 1768.—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 4 के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि उक्त विनियम के उपविनियम (1) के अनुसार प्राप्त अधिकारों के अधीन यहां अनुसूची में दिये भारतीय मानकों के संशोधन जारी किये गये हैं :

अनुसूची

क्रम संख्या	संशोधित भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	जिस राजपत्र में भारतीय मानक के तैयार होने की सूचना छपी थी उसकी संख्या और शीर्षक	संशोधित मानक की संख्या	संशोधन का संक्षिप्त विवरण	संशोधन लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	IS: 325--1970 तीन फेजी प्रेरण मोटरों की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	एस ओ 1107 दिनांक 1971-03-20	संख्या 2 सितम्बर 1974	(1) खण्ड 3.3 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है । (2) (पृष्ठ 25, सारणी 1)-- सारणी के शीर्षक के नीचे वर्तमान खण्ड के स्थान पर निम्न सबभों को कर लीजिये (खण्ड 3.3, 11.3.1, 11.3.2.1, 11.3.2.2, 11.3.2.3., 11.3.2.7 11.3.2.8)-- (3) (पृष्ठ 30, खण्ड 14.1, पंक्ति 2)-- शब्द 'Power Factor' के स्थान पर 'load' कर लीजिए। (4) सारणी 4 और खण्ड 19.3.2 मद (डी) का संशोधन किया गया है।	1974-09-01
			संख्या 3 मार्च 1976	यह संशोधन मानक में तीन फेजी प्रेरण मोटरो के कुछ कार्यप्रदता लक्षणों सम्बन्धी मान सम्मिलित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है ।	1975-03-01
	IS : 325--1970 तीन फेजी प्रेरण मोटरों की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	एस ओ 1107 दिनांक 1971-03-20	संख्या 4 जून 1975	आजकल तीन फेजी प्रेरण मोटरों के निर्माण मे 'ई' श्रेणी अथवा उससे ऊंचे रोधन का उपयोग करने का अधिक रिवाज है, सामग्री की बचत के लिये इस मानक से 'ए' श्रेणी के रोधन से बनी मोटरों को हटा देने का निश्चय किया गया है और उसी के लिये यह संशोधन जारी किया गया है ।	1975-06-01
	IS: 325--1970 तीन फेजी प्रेरण मोटरों की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	एस ओ 1107 दिनांक 1971-03-20	संख्या 5 जनवरी 1976	(संशोधन संख्या 4 की प्रस्तावना) प्रस्तावना के अन्त में निम्नलिखित जोड़ दीजिए :-- 'ए' श्रेणी के रोधन वाले मोटरों को 31 दिसम्बर 1976 के बाद मानक मोटर स्वीकार नही किया जायेगा ।	1976-01-01
2.	IS : 335--1972 ट्रांसफार्मरों और स्विचगियर के लिये नये रोधन तेलों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एस ओ 3256 दिनांक 1973-11-24	संख्या 1 मार्च 1976	(1) पृष्ठ 7, सारणी 1, क्रम संख्या 11, स्तम्भ (5) "देखिए नोट 2" के स्थान पर "देखिए नोट 1 और 2' कर लीजिए । (2) सारणी 1 के नोट 2 का संशोधन किया गया है ।	1976-03-31
3.	IS : 996--1964 एक फेजी छोटे ए सी और युनिवर्सल बिजली के मोटरों की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	एस ओ 469 दिनांक 1967-02-11	संख्या 9 जनवरी 1976	(संशोधन संख्या 8 की प्रस्तावना)-- प्रस्तावना के बाद निम्नलिखित जोड़ लीजिए-- 'ए' श्रेणी के रोधन वाले मोटरों को 31 दिसम्बर 1976 के बाद मानक मोटर स्वीकार नही किया जायेगा ।	1976-01-31

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
4.	IS : 1231—1974 तीन फेजी पांखवान वाले प्रेरण मोटरों के माप (तीसरा पुनरीक्षण)	—	संख्या 2 जनवरी 1976	खण्ड 0.7 का संशोधन किया गया है।	1976-01-31
5.	IS : 1822—1967 1000 वोल्ट से अनधिक वोल्टता वाले ए सी मोटर स्टार्टर की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस ओ 2036 दिनांक 1968-06-08	संख्या 5 फरवरी 1976	(1) (पृष्ठ 37, खण्ड बी-4 4)— इस खण्ड को हटा दीजिए और बाद के खण्ड की क्रम संख्या ठीक कर लीजिए (2) खण्ड बी-4.3 के बाद एक टिप्पणी जोड़ी गई है।	1976-02-29
6.	IS : 2596—1964 खनिजों की टोपी लैम्पों के बल्बों की विशिष्टि	एस ओ 1840 दिनांक 1964-05-30	संख्या 6 जनवरी 1976	(1) सारणी 2 का संशोधन किया गया है। (2) आकृति 2 के स्थान पर नई आकृति दी गई है।	1976-01-31
7.	IS : 2607—1967 1000 वोल्ट से अनधिक वोल्टता के लिये एयर ब्रेक आइसोलेटर की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	—	संख्या 1 फरवरी 1976	(1) (पृष्ठ 14, खण्ड बी-4.4)— इस खण्ड को हटा दीजिए और बाद के खण्ड की क्रम संख्या ठीक कर लीजिए (2) खण्ड बी-4.3 के बाद एक टिप्पणी जोड़ी गई है।	1976-02-29
8.	IS : 3107—1974 सुवाह्य अन्तर्देशीय प्रत्यक्ष कार्यकारी बिजली के सूचक उपकरणों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	—	संख्या 1 मार्च 1976	(1) खण्ड 2.2 और 11.1.3 का संशोधन किया गया है। (2) खण्ड 11.1.5 में दी गई टिप्पणी के बाद नया खण्ड 11.1.6 जोड़ा गया है।	1976-03-31
9.	IS : 4047—1967 1000-वोल्ट से अनधिक वोल्टता के लिये भारी काम वाले एयर ब्रेक स्विचों और एयर ब्रेक स्विचों तथा फ्यूजों की मिश्र इकाइयों की विशिष्टि	एस ओ 3673 दिनांक 1967-10-14	संख्या 5 फरवरी 1976	(1) [पृष्ठ 22 (दूसरे रिप्रिंट का पृष्ठ 23) खण्ड सी-4.4]—इस खण्ड को हटा दीजिए और बाद के खण्ड की क्रम संख्या ठीक कर लीजिए। (2) खण्ड सी-4.3 के बाद एक टिप्पणी जोड़ी गई है।	1976-02-29
10.	IS : 4064—1967 1000-वोल्ट से अनधिक वोल्टता के लिये सामान्य काम वाले एयरब्रेक स्विचों और एयर ब्रेक स्विचों तथा फ्यूजो की मिश्र इकाइयों की विशिष्टि	एस ओ 3673 दिनांक 1967-10-14	संख्या 5 फरवरी 1976	(1)[पृष्ठ 21 (दूसरे रिप्रिंट का पृष्ठ 23)— खण्ड सी-4.4]—इस खण्ड को हटा दीजिए और बाद के खण्डों की क्रम संख्या ठीक कर लीजिये। (2) खण्ड सी-4.3 के बाद एक टिप्पणी जोड़ी गई है।	1976-02-29
11.	IS : 4722—1968 घूर्णक बिजली की मशीनों की विशिष्टि	एस ओ 3929 दिनांक 1969-09-27	संख्या 4 जनवरी 1976	आजकल बिजली की घूर्णक मशीनो के निर्माण में 'ई' श्रेणी अथवा उससे ऊंचे रोधन का उपयोग करने का अधिक रिवाज है। सामग्री की बचत के लिये इस मानक से 'ए' श्रेणी के रोधन से संबंधी बिजली की घूर्णक मशीनों को हटा देने का निश्चय किया गया है और उसी के लिये यह संशोधन जारी किया गया।	1976-01-31
12.	IS : 4722—1968 घूर्णक बिजली की मशीनों की विशिष्टि	एस ओ 3929 दिनांक 1969-09-27	संख्या 5 जनवरी 1976	(संशोधन संख्या 4 की प्रस्तावना)— प्रस्तावना के अन्त में निम्नलिखित जोड़ लीजिए :— 'ए' श्रेणी के रोधन वाले मोटरों को 31 दिसम्बर 1976 के बाद मानक मोटर स्वीकार नही किया जायेगा।'	1976-01-31

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
13.	IS : 6429—1972 हेप्टाक्लोर धूलन पाउडर की विशिष्टि	एस ओ 1265 दिनांक 1974-05-25	संख्या 1 फरवरी 1976	(1) सारणी 1 और खण्ड 3.2(एफ) का संशोधन किया गया है, (2) परिशिष्ट 'ए' के शीर्षक को बदल दिया गया है ।	1976-02-29

इन संशोधनों की प्रतियां भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, 9 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 और इसके शाखा कार्यालयों, अहमदाबाद, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, हैदराबाद, कानपुर, मद्रास, पटना और तिरुवेन्द्रम् से ली जा सकती है ।

[सं० सी एम डी/13 : 5]

New Delhi, the 29th April, 1976

S. O. 1768.—In pursuance of regulation 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that amendment(s) to the Indian Standard(s) given in the schedule hereto annexed have been issued under the powers conferred by the sub-regulation(1) of Regulation 3 of the said Regulations.

SCHEDULE

Sl. No.	No. and title of the Indian Standard amended	No. and Date of Gazette Notification in which the establishment of the Indian Standard was notified	No. and Date of the Amendment	Brief particulars of the Amendment	Date from which the amendment shall have effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	IS:325-1970 Specification for three-phase induction motors (third revision)	S.O. 1107 dated 1971-03-20	No. 2 Sep 1974	(i) Clause 3 3 has been substituted by a new one (ii) (Page 25, Table 1) —Substitute the following clauses references for existing under the caption of the table: (Clauses 3.3, 11.3.1, 11.3.2.1, 11.3.2.2, 11.3.2.3, 11.3.2.7, and 11.3.2.8 (iii) (Page 30, clause 14.1, line 2)—Substitute word 'load' for the words 'power factory'. (iv) Table 4 and clause 19.3.2 item (d) have been amended.	1974-09-01
	IS: 325-1970 Specification for three-phase induction motors (third revision)	S.O. 1107 dated 1971-03-20	No. 3 Mar 1976	This amendment has been prepared to incorporate the values of some of the performance characteristics of the three-phase induction motors	1975-03-01
			No. 4 Jun 1975	As the present trend in the manufacture of three-phase induction motors has been towards greater use of Class E or higher insulation and in order to conserve materials, it has been decided to delete motors having windings with Class A insulation from this standard. Hence this amendment.	1975-06-01
			No. 5 Jan 1976	(Foreword to Amendment No. 4)—Add the following at the end of the foreword:—'Class A insulated motors shall not be considered as standard motors after 31, December 1976.	1976-01-01
2.	IS: 335-1972 Specification for new insulating oils for transformers and switchgear (second revision)	S.O. 3256 dated 1973-11-24	No. 1 Mar 1976	(i) (Page 7, Table 1, Sl. No. 11, Col. 5) Substitute 'See Notes 1 & 2' for 'See No Note 2'. (ii) Note 2 of table 1 has been amended.	1976-03-31
3.	IS: 996-1964 Specification for single-phase small ac and universal electric motors (revised)	S.O. 469 dated 1967-02-11	No. 9 Jan 1976	(Foreword to Amendment No. 8)—Add the following at the end of the foreword: 'Class A insulated motors shall not be considered as standard motors after 31 December 1976.'	1976-01-31

(1)	(2)	(3)	(4)	(4)	(6)
4.	IS: 1231-1974 Dimensions of three-phase foot-mounted induction motors (third revision)	——	No. 2 Jan 1976	Clause 0.7 has been amended	1976-01-31
5.	IS: 1822-1967 Specification for ac motor starters of voltage not exceeding 1000 volts (first revision)	S.O. 2036 dated 1968-06-08	No. 5 Feb 1976	(i) (Page 37, clause B-4.4)—Delete this clause and re-number the subsequent clause. (ii) A note has been added after clause B-4.3	1976-02-29
6.	IS: 2596-1964 Specification for bulbs (lamps) for miners' caplamps	S.O 1840 dated 1964-05-30)	No. 6 Jan 1976	(i) Table II has been amended (ii) Fig. 2 has been substituted by a new one	1976-01-31
7.	IS: 2607-1967 Specification for air-break isolators for voltage not exceeding 1000 volts (first revision)	——	No.1 Feb 1976	(i) (Page 14, clause B-4.4)—Delete this clause and re-number the subsequent clause (ii) A note has been added after clause B-4.3	1976-02-29
8.	IS: 3107-1974 Specification for portable multipurpose direct acting electrical indicating instruments (first revision)	——	No. 1 Mar 1976	(i) Clauses 2 2 and 11.1.3 have been amended (ii) Clause 11.1.6 has been added after note given in clause 11.1.5	1976-03-31
9.	IS: 4047-1967 Specification for heavy duty air-break switches and composite units break switches and fuses for voltages not exceeding 1000 volts	S.O. 3673 dated 1967-10-14	No. 5 Feb 1976	(i) [Page 22 (page 23 of the second reprint), Clause C-4.4] —Delete this clause and re-number the subsequent Clause. (ii) A note has been added after clause C-4.3	1976-02-29
10.	IS: 4064-1967 Specification for normal duty air-break switches and composite units of air-break switches and fuses for voltages not exceeding 1 000 volts	S.O. 3673 dated 1967-10-14	No. 5 Feb 1976	(i) [Page 21 (page 23 of the second reprint) clause C-4 4]—Delete this clause and re-number the subsequent clause. (ii) A note has been added after clause C-4.3	1976-02-29
11.	IS: 4722-1968 Specification for rotating electrical machines	S.O. 3929 dated 1969-09-27	No. 4 Jan 1976	As the present trend in the manufacture of rotating electrical machines has been towards greater use of class E or higher insulation, and in order to conserve materials, it has been decided to delete rotating electrical machines having windings with class A insulation from this standard. Hence this amendment.	1976-01-31
	IS: 4722-1969 Specification for rotating electrical machines	S.O. 3928 dated 1969-09-27	No. 5 Jan 1976	(Foreword to Amendment No. 4)—Add the *following at the end of the forword:* 'Class A insulated machines shall not be considered as standard machines after 31 December 1976.	1976-01-31
12.	IS: 6429-1972 Specification for Heptachlor dusting powders	S.O. 1265 dated 1974-05-25	No. 1 Feb 1976	(i) Table 1 and clause 312 (f) have been amended; (ii) Title of Appendix A has been substituted.	1976-02-29

Copies of these amendments are available with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also its branch office at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Kanpur, Madras, Patna and Trivandrum.

[No. CMD/13:5]

का० आ० 1769—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 4 के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम (3) के उपविनियम (1) के अनुसार प्राप्त अधिकारों के अधीन यहां अनुसूची में दिये भारतीय मानक का संशोधन जारी किया गया है :—

अनुसूची

क्रम संख्या	संशोधित भारतीय मानक की संख्या पत्रसंख्या और शीर्षक	जिस राजपत्र में भारतीय मानक के तैयार होने की सूचना छपी थी उसकी संख्या और तिथि	संशोधन की संख्या और दिनांक	संशोधन का संक्षिप्त विवरण	संशोधन लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	IS : 2552—1970 इस्पात के ड्रमों (अस्तीकृत और अजस्तीकृत) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस ओ 1107 दिनांक 1971-03-20	*संख्या 1 अप्रैल 1976	(1) (पृष्ठ 6, खण्ड 4.3.2.1)—वर्तमान खण्ड इस प्रकार परिवर्तित कर दिया गया है : "4.3.2.1 चद्दर की सांकेतिक मोटाई पर बेल्लन छूटें IS: 513-1973† की सारणी 3 के अनुसार अनुमत होगी।" (2) (पृष्ठ 6, सारणी 2)—स्तम्भ 3 में दिये गये शब्द 'Min' को हटा दीजिए। (3) (पृष्ठ 6, पाद-टिप्पणी पंक्ति 2)—इसका पाठ निम्नलिखित कर दीजिए :— "†शीत वेल्लित कार्बन इस्पात की चद्दरों की विशिष्टि" (दूसरा पुनरीक्षण)	1976-04-30

*भा मा संस्था (प्रमाणन चिह्न) योजना कार्यों के लिये यह संशोधन तुरन्त लागू हो जायेगा।

[सं० सी एम डी/13 : 5]
ए०बी०राव, उपमहानिदेशक

S. O. 1769.—In pursuance of regulation 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that amendment to the Indian Standard given in the schedule hereto annexed has been issued under the powers conferred by the sub-regulation (1) of Regulation 3 of the said Regulations.

SCHEDULE

Sl. No.	No. and title of the Indian Standard amended	No. and Date of Gazette Notification in which the establishment of the Indian Standard was notified	No. and Date of the Amendment	Brief particulars of the Amendment	Date from which the amendment shall have effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	IS: 2552-1970 Specification for steeldrums (galvanized and ungalvanized) (first revision)	S.O. 1107 dated 1971-03-20	*No. 1 April 1976	(i) (Page 6, Clause 4.3.2.1)—The existing cluase should read as under: 4 3.2.1 Rolling tolerances as specified in Table 3 of IS: 513-1973 shall be permitted on the nominal thickness of the sheet,. (ii) (Page 6, Table 2)--Delete the word 'Min' appearing in col. 3. (iii) (Page 6, Foot-note, line 2)—To read as under: †Specification for cold rolled cabron steel sheets (second revision)'.	†1976-04-30

*For purposes of ISI Certification Marks Scheme this amendment shall come into force with immediate effect.

[No. CMD/13:5]
[A. B. RAO, Director General

नौवहन एवं परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 मई, 1976

का० आ० 1770.—नाविक भविष्य निधि योजना, 1966 के पैरा 44 के साथ पठित नाविक भविष्य निधि अधिनियम, 1966 (1966 का 4) की धारा 4 की उपधारा (3) के अनुकरण में और भारत सरकार, नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना सं० सा०आ० 2680 दिनांक 28 जुलाई, 1975 के अतिक्रमण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निर्देश देती है कि भविष्य निधि अंशदान, ब्याज तथा अन्य प्राप्तियों के अनिवार्य व्यय घटाकर हुई हो, से हुए संचयन का निम्नलिखित ढंग से निवेश किया जायेगा:—

(1) केन्द्रीय सरकार द्वारा सृजित और निर्गत सरकारी ऋण अधिनियम, 1944 (1944 का 18) की धारा 2 के खंड (2) में यथा परिभाषित सरकारी जमानतें . .	25% से कम नहीं
(2) किसी राज्य सरकार द्वारा सृजित और निर्गत सरकारी ऋण अधिनियम, 1944 (1944 का 18) की धारा 2 के खंड (2) में यथा परिभाषित सरकारी जमानतें	25% से कम नहीं
(3) कोई अन्य विनियम जमानतें अथवा बंध पत्र, जिसका मूलधन और उस पर ब्याज की बिना शर्त केन्द्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार द्वारा पूरी तरह गारन्टी शुदा हो	
(4) 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाण-पत्र (दूसरा और तीसरा निर्गमन) अथवा डाकघर सावधिक जमा . . .	30% से अधिक नहीं
(5) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (अर्थ कार्य विभाग) की अधिसूचना सं० एफ-16(1) पी०डी०/75 दिनांक 30-6-1975 द्वारा शुरू की गई विशेष जमा योजना . .	20% से अधिक नहीं

उपरोक्त पद्धति 1-4-76 से 30-4-1976 तक की अवधि के लिए लागू होगी ।

2. भविष्य निधि संचयन का सभी पुनर्निवेश भी उपरोक्त पैरा 1 में उल्लिखित पद्धति के अनुसार किया जायेगा ।

[एम एस डब्ल्यू(18)/76-एम०टी०]

दीवान चन्द अहीर, अवर सचिव

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th May, 1976.

S.O.1770—In pursuance of sub-section (3) of section 4 of the Seamen's Provident Fund Act, 1966 (4 of 1966), read with paragraph 44 of the Seamen's Provident Fund Scheme, 1966, and in supersession of the notification of the Government of India, in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. S.O. 2680 dated the 28th July, 1975, the Central Government hereby directs that accumulations out of provident fund contributions, interest and other receipts as reduced by obligatory outgoings, shall be invested in accordance with the following pattern, namely :—

(i) Government securities as defined in Clause (2) of Section 2 of the Public Debt Act, 1944 (18 of 1944) created and issued by the Central Government . . .	Not less than 25%.
(ii) Government securities as defined in clause (2) of section 2 of the Public Debt Act, 1944 (18 of 1944) created and issued by any State Government.	Not less than 25%.
(iii) Any other negotiable securities or bonds, the principal whereof and interest whereon is fully and unconditionally guaranteed by the Central Government or any State Government . . .	Not less than 25%
(iv) 7-Year National Saving Certificates (Second Issue and Third Issue) or Post Office Time Deposits . .	Not exceeding 30%.
(v) Special Deposit Scheme introduced by the notification of the Govt. of India in the Ministry of Finance (Deptt. of Economic Affairs) No. F. 16(1)-PD/75, dated 30-6-1975 .	Not exceeding 20%.

The above pattern will be in force for the period from the 1st April, 1976 to 30th April, 1976.

2. All re-investment of provident fund accumulations shall also be made according to the pattern mentioned in paragraph 1 above.

[No. MWS (18)/76-MT]

D. C. AHIR, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 11 मई, 1976

का०आ० 1771 :—यत: भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उप-धारा (1) के खंड (क) का अनुसरण करते हुए और राजस्थान सरकार से परामर्श करते हुए केन्द्रीय सरकार ने एस०एम०एस० मेडिकल कालेज में स्त्री रोग और प्रसूति के प्राध्यापक तथा जनाना अस्पताल, जयपुर के अधीक्षक डा० सी० सक्सेना को डा० पी० डी० माथुर, जिन्होंने त्याग-पत्र दे दिया है, के स्थान पर भारतीय चिकित्सा परिषद् का सदस्य मनोनीत किया है ।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (1) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 5-13/59-एम 1, दिनांक 9 जनवरी 1960 में आगे और निम्नलिखित संशोधन करती है:—

उक्त अधिसूचना में "धारा 3 की उप-धारा (1) के खंड (क) के अधीन मनोनीत" शीर्षक के अन्तर्गत क्रमांक 4 की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रख ली जाए—

"डा० सी० सक्सेना, प्राध्यापक, स्त्री रोग और प्रसूति, एस०एम०एस० मेडिकल कालेज तथा अधीक्षक, जनाना अस्पताल, जयपुर ।"

[स० वी० 11013/1/74-एम०पी०टी]

एस० श्रीनिवासन, उप सचिव

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY PLANNING

(Department of Health)

NOTIFICATION

New Delhi, the 11th May, 1976

S.O.. 1771.—Whereas the Central Government has, in pursuance of clause (a) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), and in consultation with the Government of Rajasthan, nominated Dr. (Miss) Chandrawati Saxena, Professor of Gynaecology and Obstetrics, S.M.S. Medical College, and Superintendent, Zenana Hospital, Jaipur, to be a member of the Medical Council of India, vice Dr. P. D. Mathur resigned with effect from the 12th March, 1975;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the

Government of India, Ministry of Health and Family Planning (Department of Health) No. 5-13/59-MI, dated the 9th January, 1960, namely :—

In the said notification, under the heading "Nominated under clause (a) of sub-section (1) of section 3", for the entry against serial No. 4, the following entry shall be substituted, namely :—

"Dr. (Miss) Chandrawati Saxena,
Professor of Gynaecology and Obstetrics,
S.M.S. Medical College and
Superintendent,
Zenana Hospital, Jaipur.".

[No. V. 11013/1/74-MPT]
S. SRINIVASAN, Dy. Secy.

स्वास्थ्य विभाग

औषधियां और एम एस अनुभाग

आदेश

नई दिल्ली, 11 मई, 1976

का. आ. 1772.—केन्द्रीय सरकार, खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 20 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मन्त्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 956 तारीख 19 जुलाई, 1975 को अधिक्रान्त करते हुए डा. के. भास्करन उपमहानिदेशक, स्वास्थ्य सेवा नई दिल्ली को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए प्राधिकृत करती है।

[संख्या पी. 15016/2/75-पी. एच. (डी एण्ड एम एस)]
रमेश बहादुर, अवर सचिव (डी)

Medicines and M. S. Section

ORDER

New Delhi, the 11th May, 1976

S.O. 1772.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 20 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), and in supersession of the Order of the Government of India, Ministry of Health and Family Planning (Department of Health), No. G.S.R. 956, dated the 19th July, 1975, the Central Government hereby authorises Dr. K. Bhaskaran, Deputy Director General of Health Services, New Delhi, for the purposes of the said sub-section.

[No. P-15016/2/75-PH (D&MS)]
RAMESH BAHADUR, Under Secy.

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(कृषि विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 1976

का० आ० 1773.—राष्ट्रपति केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1965 के नियम 24 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देते है कि—

(क) कृषि विभाग में साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' पदों,

(ख) कृषि विभाग के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों में वहां के सिवाय जहां कार्यालय का प्रधान विभाग के प्रधान अधिकारी का अधीनस्थ हो, साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' पदो,

(ग) कृषि विभाग के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयो मे वहां के सिवाय जहा कार्यालय का प्रधान विभाग के प्रधान अधिकारी का अधीनस्थ हो, साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ख' पदो और

(घ) कृषि विभाग के संलग्न/अधीनस्थ कार्यालयों में जहां कार्यालय का वहां के सिवाय जहा कार्यालय का प्रधान विभाग के प्रधान अधिकारी का अधीनस्थ हो, परन्तु विभाग के प्रधान अधिकारी ने अनुशासनिक प्राधिकारी की हैसियत से कार्य किया हो, साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' और समूह 'घ' पदो,

के संबन्ध में उक्त नियमों मे उपाबद्ध अनुसूची के भाग 3 की मद 4(1) और 4(2) और भाग 4 की मद 1(2) स्तम्भ 6 मे विहित उपबन्धों के आधार पर अपील प्राधिकारी की हैसियत से कृषि विभाग के सचिव द्वारा प्रयोग की जा रही शक्तियो का प्रयोग इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से निम्नलिखित कार्यालयो अर्थात्—

(1) दिल्ली दुग्ध योजना,

(2) कृषि मूल्य आयोग,

(3) वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

को छोड़कर, कृषि विभाग में प्रशासन के कार्यकारी संयुक्त सचिव द्वारा किया जाएगा।

[सं० 50-56/73-का० स्था०-3]
रा० सुब्रह्मण्यम, अवर सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(Department of Agriculture)

ORDER

New Delhi, the 26th April, 1976

S.O. 1773.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 24 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, the President hereby directs that in respect of—

(a) General Central Service, Group 'C' posts, in the Department of Agriculture,

(b) General Central Service, Group 'C' posts, in Attached and Subordinate Offices of the Department of Agriculture, except where the Head of Office is subordinate to a Head of Department,

(c) General Central Service, Group 'D' posts, in Attached and Subordinate Offices of the Department of Agriculture, except where the Head of Office is Subordinate to a Head of Department, and

(d) General Central Service, Group 'C' and Group 'D' posts in Attached/Subordinate Offices of the Department of Agriculture where the Head of Office is subordinate to a Head of Department but the Head of Department has acted as disciplinary authority,

the powers exercised by the Secretary, Department of Agriculture, as the Appellate Authority by virtue of the provisions contained in column 6 of Items 4(i) and (ii) of Part III, and Item 1(ii) of Part IV, of the Schedule to the said rules shall be exercised by the Joint Secretary incharge of Administration in the Department of Agriculture with effect from the date of publication of this notification, except in the case of the following offices namely :—

(1) Delhi Milk Scheme,
(2) Agricultural Prices Commission,
(3) Forest Research Institute & Colleges.

[No. 50-56/73-EE. III]
R. SUBRAHMANIAM, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 अप्रैल, 1976

का०आ० 1774.—केन्द्रीय सरकार, बीज अधिनियम, 1966 (1966 का 54) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय बीज समिति के परामर्श के पश्चात्, नीचे की सारणी के स्तम्भ (1) में

विनिर्दिष्ट किस्मों को, जो भारत सरकार के भूतपूर्व खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय (कृषि विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 4045, तारीख 24 सितम्बर, 1969 के अनुसार ऐसी किस्मो के रूप में अधिसूचित की गई थी, उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में की तत्संबन्धी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट क्षेत्रों की बाबत अनधिसूचित करती है, अर्थात्:--

सारणी

किस्म (1)	क्षेत्र जिनके लिए अनधिसूचित किया गया (2)
धान	
आई आर-8	उड़ीसा
झोना-351	हरियाणा
बासमती-217	हरियाणा
गेहूं	
शरबती सोनारा	उड़ीसा
मक्का	
संकर मक्का गंगा-101	उड़ीसा
संकर मक्का गंगा-3	हरियाणा
ज्वार	
संकर ज्वार सी एस एस-1	उड़ीसा
बाजरा	
संकर बाजरा सं० 1	हरियाणा
संकर बाजरा-4	हरियाणा

इसके अतिरिक्त, उपरोक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:--

उक्त अधिसूचना की सारणी मे,--

(क) "धान" किस्म के नीचे,--

(1) प्रविष्टि सं० 3, के सामने, "गुजरात को छोड़कर" शब्दो के स्थान पर "गुजरात और उड़ीसा को छोड़कर" शब्द रखे जाएंगे;

(2) प्रविष्टि सं० 9 और 10 का लोप किया जाएगा,

(ख) "गेहूं" किस्म के नीचे प्रविष्टि सं० 1 के सामने, "उड़ीसा" शब्द का लोप किया जाएगा;

(ग) "मक्का" किस्म के नीचे,—

(1) प्रविष्टि सं० 2 के सामने, "उड़ीसा" शब्द का लोप किया जाएगा;

(2) प्रविष्टि सं० 4 के सामने, "हरियाणा" शब्द का लोप किया जाएगा;

(घ) "ज्वार" किस्म के नीचे, प्रविष्टि सं० 1 के सामने, "उड़ीसा" शब्द का लोप किया जाएगा;

(ङ) "बाजरा" किस्म के नीचे, प्रविष्टि सं० 1 और 4 के सामने, "हरियाणा" शब्द का लोप किया जाएगा।

[सं० 7-6/75-एस०डी०]

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th April, 1976.

S.O. **1774**—In exercise of the powers conferred by section 5 of the Seeds Act, 1966 (54 of 1966), the Central Government, after consultation with the Central Seeds Committee, hereby denotifies the varieties specified in column (1) of the Table below, which were notified as such varieties vide notification of the Government of India in the late Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Department of Agriculture) No. S.O. 4045, dated the 24th Sept., 1969, in respect of the areas specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table, namely :—

TABLE

Variety (1)	Area for which denotified (2)
Paddy	
IR-8	Orissa
Jhona-351	Haryana
Basmati-217	Haryana
Wheat	
Sharbati Sonora	Orissa
Maize	
Hybrid Maize Ganga-101	Orissa
Hybrid Maize Ganga-3	Haryana
Jowar	
Hybrid Jowar CSH-1	Orissa
Bajra	
Hybrid Bajra No. 1	Haryana
Hybrid Bajra No. 4	Haryana

Further, in exercise of the powers aforesaid, the Central Government hereby makes the following amendments in the said notification, namely :—

In the Table of the said notification,—

(a) under the variety "Paddy",—

(i) against entry No. 3, for the words "Except Gujarat" the words "except Gujarat and Orissa" shall be substituted;

(ii) entries No. 9 and 10 shall be omitted;

(b) under the variety "Wheat", against entry No. 1, the word "Orissa", shall be omitted;

(c) under the variety "Maize",—

(i) against entry No. 2, the word "Orissa" shall be omitted;

(ii) against entry No. 4, the word "Haryana", shall be omitted;

(d) under the variety "Jowar", against entry No. 1, the word "Orissa" shall be omitted;

(e) under the variety "Bajra", against entries No. 1 and 4, the word "Haryana", shall be omitted.

[No. 7-6/75-SD]

अधिसूचना

का०आ० 1775:—केन्द्रीय सरकार, बीज अधिनियम, 1956 (1956 का 54) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय बीज समिति से परामर्श के पश्चात्, नीचे की सारणी के स्तम्भ (1) मे विनिर्दिष्ट किस्म को जो भारत सरकार के भूतपूर्व खाद्य कृषि, सामुदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय (कृषि, विभाग) की अधिसूचना स० का०आ० 716 तारीख 20 फरवरी 1970 के अनसार ऐसी किस्म के रूप में अधिसूचित की गई थी उक्त सारणी के स्तम्भ (2) मे तत्संबन्धी प्रविष्टि मे विनिर्दिष्ट क्षेत्र की यावत अधिसूचित करती है अर्थात्:--

सारणी

किस्म	वह क्षेत्र जिसके लिए अनधिसूचित किया गया है
धान	
झोना-20	हरियाणा

इसके अतिरिक्त पूर्वोक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना की सारणी में, "धान" किस्म के अधीन प्रविष्टि सं० 1 का लोप किया जाएगा ।

[7-6/75-एस०डी०]
टी० बालारमन, उप-सचिव

NOTIFICATION

S.O. 1775.—In exercise of the powers conferred by section 5 of the Seeds Act, 1966 (54 of 1966), the Central Government after consultation with the Central Seeds Committee, hereby denotifies the variety specified in column (1) of the Table below, which was notified as such variety vide notification of the Government of India in the later Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Department of Agriculture) No. S.O. 716, dated the 20th February, 1970 in respect of the area specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table, namely :—

TABLE

Variety (1)	Area for which denotified (2)
Paddy	
Jhona-20	Haryana

Further, in exercise of the powers aforesaid, the Central Government hereby makes the following amendment in the said notification, namely :—

In the Table of the said notification,
under the variety "Paddy" entry No. 1 shall be omitted.

[No. 7-6/75-SD]
T. BALARAMAN, Dy. Secy.

(ग्राम विकास विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 मई, 1976

का०आ० 1776.—केन्द्रीय सरकार, आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मांस खाद्य उत्पाद आदेश, 1973 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात्:—

1. (1) इस आदेश का नाम मांस खाद्य उत्पाद (संशोधन) आदेश, 1976 है ।

(2) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा ।

2. मांस खाद्य उत्पाद आदेश, 1973 में, खंड 14 के उपखंड (1) में, मद (घ) में "उनका संदाय करके" शब्दों के स्थान पर" अनुज्ञप्ति धारी से, निःशुल्क उचित रसीद देकर या किसी अन्य व्यक्ति से, उनका संदाय करके कर सकेगा" शब्द रखे जाएंगे ।

[सं० 16-26/73 ए० एम०]
शिव राज सिंह, उप-सचिव

(Department of Rural Development)

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th May, 1976

S.O. 1776.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order to amend the Meat Food Products Order, 1973, namely :—

1. (1) This Order may be called the Meat Food Products (Amendment) Order, 1976.

(2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2. In the Meat Food Products Order, 1973 in clause 14, in sub-clause (1), in item (d), for the words "on payment", the words "from the licensee, free of charge, on giving a proper receipt, or collect from any other person, on payment" shall be substituted.

[No 16-26/73-AM]
SHIVRAJ SINGH, Dy. Secy

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली, 6 मई, 1976

का०आ० 1777.—जैसा कि केन्द्रीय सरकार को यह बताया गया है कि श्री इब्राहीम सालमिन ने पुरावशेष और बहुमूल्य कलाकृति अधिनियम, 1972 की धारा-25 और अन्य विधियों के अन्तर्गत दंडनीय अपराध किया है ।

और चूंकि उस शिकायत को छोड़कर, जो सरकार द्वारा अपने पक्ष में सामान्य या विशेषरूप से प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिखित रूप में की गयी हो, कोई भी अदालत पुरावशेष और बहुमूल्य कलाकृति अधिनियम 1972 के अन्तर्गत दंडनीय अपराध की सुनवाई नहीं कर सकती ।

अतः अब केन्द्रीय सरकार श्री डी० बी० भाप्पु, सहायक समाहर्ता, सीमाकर, छानबीन और गुप्तचर विभाग न्यू कस्टम हाउस, बेलार्ड पियर, बम्बई-100038, को प्राधिकार देती है कि वे श्री इब्राहीम सालमिन के विरुद्ध उक्त मामले में पुरावशेष और बहुमूल्य कलाकृति अधिनियम, 1972 के अन्तर्गत सक्षम न्यायक्षेत्र की अदालत में शिकायत दायर करें ।

[स० एफ० 12/1/76-पुरा०]
भारत के राष्ट्रपति के नाम से आदेश द्वारा
एम० एन० देशपांडे, महानिदेशक,
पदेन संयुक्त सचिव

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi, the 6th May, 1976

S.O. 1777.—Whereas it has been made to appear to the Central Government that Mr. Ibrahim Salmin has committed offence punishable under Section 25 of the Antiquities and Art Treasures Act, 1972 and other laws.

And whereas no Court can take cognizance of an offence punishable under the Antiquities and Art Treasures Act, 1972 except upon a complaint made in writing by an officer generally or specially authorised in this behalf by the Government.

Now, therefore, The Central Government is pleased to authorise Shri D B. Bhappu, Assistant Collector of Customs, Rummaging & Intelligence, New Customs House, Ballard Pier, Bombay-400038 to file a complaint against Mr Ibrahim Salmin under the Antiquities and Art Treasures Act, 1972 before a court of competent jurisdiction in the aforesaid case.

[No. F. 12/1/76-Ant.]
By order and in the name of the President of India.
M. N. DESHPANDE, Director General for Jt. Secy.

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 मई, 1976

का०आ०1778.—अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण अधिनियम, 1971 (1971 का 43) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा एयर इंडिया के प्रबन्ध निदेशक, श्री के० के० उन्नी तथा पर्यटन विभाग में पर्यटन के अपर महानिदेशक, श्री बी० एस० गिडवानी को क्रमश: 14-2-1976 से तथा 31-3-1976 से तीन वर्ष की और आगे अवधि के लिए भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण के अंशकालिक सदस्य नियुक्त करती है।

[ए०वी०-24012/1/75-एए]

सी० एल० धींगरा, उप-सचिव

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

New Delhi, the 12th May, 1976

S.O. 1778.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the International Airports Authority Act, 1971 (43 of 1971), the Central Government hereby appoints Shri K. K. Unni, Managing Director, Air-India and Shri B. S. Gidwani, Additional Director General of Tourism Department of Tourism, as part-time members of the International Airports Authority of India for another term of three years with effect from 14-2-1976 and 31-3-1976 respectively.

[AV-24012/1/75-AA]

C. L. DHINGRA, Dy. Secy.

निर्माण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 1976

का०आ०1779.—राष्ट्रपति, मूल नियमों के नियम 45 के उपबन्धों के अनुसरण में, "नासिक, कोयम्बटूर, कोरटी, अलीगढ़, नीलोखेड़ी, सन्तरागाछी (हावड़ा), रिंग रोड, नई दिल्ली, फरीदाबाद और गंगटोक में स्थित भारत सरकार मुद्रणालय, में नियोजित अधिकारियों को सरकारी निवासों का आबंटन नियम, 1972" के उपबन्ध, भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली से संलग्न मुद्रणालय पूल में निवासों के आबंटन को, तत्काल विस्तारित करते हैं।

[फा० सं० 1/23/68-पी०II (जिल्द-II)]

धन राज, अवर सचिव

MINISTRY OF WORKS & HOUSING

New Delhi, the 30th April, 1976

S.O. 1779.—In pursuance of the provisions of rule 45 of the Fundamental Rules, the President hereby extends the provisions of "Allotment of Government Residences to officers employed in the Government of India Press, located at Nasik, Coimbatore, Koratty, Aligarh Nilokheri, Santragachi (Howrah), Ring Road, New Delhi, Faridabad and Gangtok Rules 1972" to the allotment of residences in the Press Pool attached to the Government of India Press, Minto Road, New Delhi, with immediate effect.

[F. No. 1/23/68-PII(Vol II)]

DHAN RAJ, Under Secy.

श्रम मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 11 मार्च, 1976

का०आ०1780.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में भारतीय स्टेट बैंक से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अत, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री टी० नरसिंह राव होंगे, जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या भारतीय स्टेट बैंक हैदराबाद के प्रबन्धतंत्र द्वारा 9 अगस्त, 1975 से श्री एस० अन्जी रेड्डी, संदेश वाहक की सेवाएं समाप्त करना न्यायोचित है? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

[संख्या एल०12012/190/75-डी०II(ए)]

MINISTRY OF LABOUR

ORDER

New Delhi, the 11th March, 1976

S.O. 1780.—Whereas the Central Government of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the State Bank of India and their workman In respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Dispute Act 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri T. Narsing Rao shall be the Presiding Officer, with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the termination of services with effect from the 9th August 1975 of Shri S. Anji Reddy, Messenger by the management of the State Bank of India, Hyderabad, is justified? If not, to what relief is the said workman entitled?

[No. L. 12012/190/75/DII(A)]

आदेश

नई दिल्ली, 24 मार्च, 1976

का०आ०1781.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में स्टेट बैंक आफ इंडिया के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण दिल्ली का न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करता है ।

अनुसूची

क्या भारतीय स्टेट बैंक क्षेत्र 2, नई दिल्ली के प्रबंधतन्त्र की, उक्त बैंक की मिलरगंज स्थित लुधियाना शाखा के लिपिक श्री आर० एल० चोपड़ा पर चेतावनी का दण्ड अधिरोपित करने की कार्रवाई न्यायोचित है ? यदि नहीं तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?

[स० एल०-12012/146/75-डी०2ए]

आर० कुंजीतपादम् अवर सचिव ।

ORDER

New Delhi, the 24th March, 1976

S.O. 1781.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the State Bank of India and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Delhi, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the action of the management of the State Bank of India, Region II, New Delhi, is justified in imposing the punishment of warning on Shri R. L. Chopra, clerk, Miller Ganj, Ludhiana Branch of the said Bank? If not to what relief is the said workman entitled?

[No. L. 12012/146/75/DII(A)]

R. KUNJITHAPADAM, Under Secy.

नई दिल्ली, 27 अप्रैल, 1976

का० आ० 1782.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स चतुर्वेदी सर्विस लिमिटेड, 60, बेंटीनेक स्ट्रीट, कलकत्ता 1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1974 के जून के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[स० एस-35017(2)/75-पी० एफ० 2(i)]

New Delhi, the 27th April, 1976

S.O. 1782.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Chaturvedi Service Limited, 60, Bentinck Street, Calcutta-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

New, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of June, 1974.

[No. S. 35017(2)/75-PF. II (i)]

का०आ० 1783—कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952(1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् मैसर्स चतुर्वेदी सर्विस लिमिटेड, 60, बेंटीनेक स्ट्रीट, कलकत्ता-1 नामक स्थापन को 1 जून, 1974 के उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है ।

[स० एम-35017(2)/75-पी० एफ०2(ii)]

S.O. 1783.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st day of June, 1974 the establishment known as Messrs Chaturvedi Service Limited, 60- Bentinck Street, Calcutta-1 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35017(2)/75-PF. II(ii)]

का०आ० 1784—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स त्रिवणी टिस्सूज कोआपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड, चन्द्राहाटी पोस्ट आफिस त्रिवेणी, जिला हुगली, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952(1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1974 के दिसम्बर के इक्कीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[स० एम-35017(7)/75-पी०एफ०2(i)]

S.O. 1784.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Tribeni Tissues Cooperative Credit Society Limited, Chandrahati, P.O Tribeni District Hoogly, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1974.

[No. S. 35017(7)/75-PF. II(i)]

का०आ० 1785.—कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् 31 दिसम्बर, 1974 से मैसर्स त्रिवेणी टिस्सूज कोआपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लि० चन्द्राहाटी, पोस्ट आफिस त्रिवेणी जिला हुगली नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस-35017(7)/75-पी०एफ०2(ii)]

S.O. 1785.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirty first day of December, 1974, the establishment known as Messrs Tribeni Tissues Co-operative Credit Society Limited, Chaudrhati, P.O. Tribeni Distret Hoogly, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35017(7)/75-PF. II(ii)]

का०आ० 1786.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इंडियन स्ट्रक्चरल कन्सट्रक्शन कम्पनी उदयराजपुर, मध्यम ग्राम, 24 परगना नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952(1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 मई, 1973 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35017(10)/75-पी०एफ०-2]

S.O. 1786.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. India Structural Construction Company, Udyrajpur, Madhyamgram, 24, Parganas have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952(19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of May, 1973.

[No. S. 35017(10)/75-PF. II]

का०आ० 1787.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सेन्ट्रल कलकत्ता बाइन्डिंग वर्क्स, 8/1 लाल बाजार स्ट्रीट, कलकत्ता नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 के मार्च के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35017(12)/75-पी०एफ० 2]

S.O. 1787.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Central Calcutta Binding Works, 8/1, Lall Bazar Street, Calcutta-I, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1975.

[No. S. 35017(12)/75-PF. II]

का०आ० 1788.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स यूनियन एन्टरप्राईज (मुद्रण स्याही प्रभाग) 83, चौरंगी रोड, कलकत्ता-20 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 सितम्बर, 1974 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[संख्या एस-35017(1)/76-पी०एफ०-2]

S.O. 1788.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Union Enterprise (Printing Ink Division) 83, Chowringhee Road, Calcutta-20, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1974.

[No. S. 35017(1)/76-PF. II]

का०आ० 1789.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स विवेकानन्द वस्त्रालय, 167-बी, रासबिहारी एवेन्यू, कलकत्ता-19 नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर

सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952(1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 फरवरी, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स० एस-35017(2)/76-पीएफ-2]

S.O. 1789.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Vivekananda Bastralaya, 167-D, Rash Behari Avenue, Calcutta-19, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of February, 1975.

[No. S. 35017(2)/76-PF. II]

का०आ० 1790 केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स महाराष्ट्र ऐक्सट्रैक्शन प्राइवेट, लिमिटेड, धुलिया नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के नवम्बर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[स० एस 35018(43)/75-पी०एफ० 2(i)]

S.O. 1790.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Maharashtra Extractions Private Limited, Dhulia, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1973.

[No. S. 35018(43)/75-PF. II (i)]

का०आ० 1791.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि, अधिनियम, 1952(1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 नवम्बर, 1973 से मैसर्स महाराष्ट्र ऐक्ट्रक्शन्स प्राइवेट लिमिटेड, धुलिया नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस-35018(43)/75-पी०एफ० 2(ii)]

S.O. 1791.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of November, 1973, the establishment known as Messrs Maharashtra Extractions Private Limited, Dhulia, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018(43)/75-PF. II (ii)]

का०आ० 1792.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सीता इलैक्ट्रिकल्स, 222, वडाला उद्योग भवन, वडाला मुम्बई-31 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952(1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 के मार्च के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स० एस० 35018(48)/75-पी०एफ० 2(i)]

S.O. 1792.—Whereas it appears to the Central Government that the Employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Cita Electricals, 222, Wadala Udyog Bhavan, Wadala, Bombay-31, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of March, 1974.

[No. S. 35018(48)/75-PF. II (i)]

का०आ० 1793.—कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952(1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् मैसर्स सीता इलैक्ट्रिकल्स, 222, वडाला उद्योग भवन, वडाला, मुम्बई-31 नामक स्थापन को 31 मार्च, 1974 से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[स० एस-35018(48)/75-पी०एफ० 2(ii)]

S.O 1793.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirty first day of March, 1974, the establishment known as Messrs Cita Electricals, 222, Wadala Udyog Bhavan, Wadala, Bombay-31, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018(48)/75. PF. II (ii)]

नई दिल्ली 30 अप्रैल 1976

का०आ० 1794 कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952(1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारत सरकार

के भूतपूर्व श्रम और रोजगार मंत्रालय की अधिसूचना सं० का०आ० 1832 तारीख 25-5-1957 को, जहां तक उसका सम्बन्ध श्री एस० मोहम्मद से है, विखण्डित करती है।

[स० ए० 12016(15)/75-पी०एफ० 1]

New Delhi, the 30th April, 1976

S.O. 1794.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby rescinds the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Employment No. S.R.O. 1832 dated 25th May, 1957 in so far as it relates to Shri S. Mohamad.

[No. A-12016(15)/75-PF. I]

नई दिल्ली, 14 मई, 1976

का०आ० 1795. कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा 30 मई, 1976 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम, के अध्याय 4 (धारा 44 और 45 के अतिरिक्त जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) और अध्याय 5 और 6 (धारा 76 की उपधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के अतिरिक्त जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध पाण्डिचेरी संघ शासित क्षेत्र के निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:—

"पाण्डिचेरी संघ शासित क्षेत्र के कारायकल तालुक का क्षेत्र।"

[सं० एस-38013/17/75-एच०आई०]
एस०एस० सहस्रानामन, उप सचिव

New Delhi, the 14th May, 1976

S.O. 1795.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 30th May, 1976 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI [except sub-section) (1) of section 76 and sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force] of the said Act shall come into force in the following areas in the Union territory of Pondicherry, namely :—

"Area of the Karaikal Taluk of the Union territory of Pondicherry."

[No. S.-38013/8/76-HI]
S. S. SAHASRANAMAN
Dy. Secy.

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 1976

का० आ० 1796—केन्द्रीय सरकार, अभ्रक खान श्रम कल्याण निधि अधिनियम, 1946 (1946 का 22) की धारा 3 की उपधारा (4) के अनुसरण में, 31 मार्च, 1975 को समाप्त होने वाले वर्ष के दौरान अभ्रक खान श्रम कल्याण निधि से वित्तपोषित क्रियाकलापों की निम्नलिखित रिपोर्ट उस वर्ष के लेखा-विवरण और उक्तनिधि के 1975-76 वर्ष की प्राप्तियों और व्ययों के प्राक्कलन सहित प्रकाशित करती है।

भाग 1

1 साधारण:—अभ्रक खान श्रम कल्याण निधि का गठन अभ्रक खान श्रम कल्याण निधि अधिनियम, 1946 (1946 का 22) के अधीन अभ्रक खनन उद्योगों में नियोजित श्रमिकों के कल्याण से सबंधित स्कीमों के वित्तपोषण के लिये किया गया है।

2. अधिनियम में, निर्यात की गई सभी अभ्रक पर मूल्यानुसार 6½ प्रतिशत की अधिकतम दर पर सीमाशुल्क के उद्ग्रहण के लिये उपबन्ध किया गया है। उपकर की दर, जो कि पहले मूल्यानुसार 2½ प्रतिशत थी, 15 जुलाई, 1974 से 3½ प्रतिशत तक बढ़ा दी गई है। संग्रहणों का आवंटन विभिन्न अभ्रक उत्पादन क्षेत्रों में उनके औसत उत्पादन के अनुपात में कल्याणकारी उपायों से संबंधित व्यय के लिये किया जाता है।

भाग 2—सुविधाओं की व्यवस्था

(क) चिकित्सकीय :

अभ्रक खान श्रमिक कल्याण संगठन द्वारा अभ्रक कर्मकारों और उनके आश्रितों के लिये उचित रूप से व्यापक चिकित्सकीय सुविधाओं की व्यवस्था मुहैया की गई है। उनके अन्तर्गत अस्पतालों, प्रसूति और शिशुकल्याण केन्द्रों की व्यवस्था और उनका बनाये रखना, गृहोपचार सहित क्षयरोग के उपचार की सुविधायें, आयुर्वेदिक औषधालयों सहित औषधालय सेवायें और अन्य सुविधायें आदि भी है। रिपोर्ट से संबंधित वर्ष के दौरान अभ्रक खानिकों और उनके आश्रितों के उपचार के लिये कल्याण संगठन द्वारा निम्नलिखित केन्द्रीय और प्रादेशिक अस्पताल पोषित किये जाते रहे:—

क्रम सं०	अस्पताल का नाम	शैय्या की संख्या
1	केन्द्रीय अस्पताल करमा (बिहार)	100
2.	केन्द्रीय अस्पताल, गंगापुर (राजस्थान)	30*
3	केन्द्रीय अस्पताल, कालीचेड़ (आन्ध्र प्रदेश)	30
4.	प्रादेशिक अस्पताल, तिसरी (बिहार)	30
5.	प्रादेशिक अस्पताल, तालुपुर (आन्ध्र प्रदेश)	10
6.	क्षयरोग अस्पताल, करमा (बिहार)	50
7.	केन्द्रीय अस्पताल, कालीचेड़ से सलग्न क्षयरोग वार्ड (आन्ध्र प्रदेश)	20
8	आमली, बगौर और माधोराजपुरा (राजस्थान) के अचल औषधालयों में अन्तरंग वार्ड	5 प्रत्येक में

*क्षय रोग के रोगियों के लिए इन शैय्याएं आरक्षित हैं।

इसके अतिरिक्त, निम्नलिखित अन्य चिकित्सकीय संस्थायें भी अभ्रक उत्पादित करने वाले तीन राज्यों में कार्य करती रहीं:—

चिकित्सकीय संस्थायें	आन्ध्र प्रदेश	बिहार	राजस्थान	कुल
आयुर्वेदिक औषधालय	3	8	15	26
ऐलोपैथिक औषधालय	2	5	2	9
चल-चिकित्सा यूनिटें	1	3	3	7
प्रसूति और शिशु-कल्याण केन्द्र	4	3	3	10
लघु सामुदायिक केन्द्र	5	..	..	5

कल्याण संगठन, खनिकों के उपचार के लिये पर्याप्त सुविधाओं की व्यवस्था करने का प्रयास करता रहा है। क्षयरोग अस्पताल और क्लिनिक स्थापित करने के अलावा सरकारी क्षयरोग और छाती रोग अस्पताल, नैलोर में छह शैय्यायें पूर्णतया अभ्रक खनिकों और उनके कुटुम्ब के उपयोग के लिये आरक्षित रहीं। राजस्थान प्रदेश में 4 शैय्यायें क्षयरोग आरोग्य निवास मदार (अजमेर) में आरक्षित की गई है। सईदापुरम (आ० प्र०) के एक अचल औषधालय को एक अनाहारी क्षयरोग अस्पताल में परिवर्तित किये जाने का आदेश किया जा चुका है। उन अभ्रक खनिकों, के, जिनका उपचार कल्याण संगठन द्वारा स्थापित क्षयरोग अस्पतालों में हो, आश्रितों को, ऐसे मामलों में जहां कुटुम्ब में कोई उपार्जक सदस्य न हो, छह मास की अवधि के लिये या उस समय तक जबकि खनक पुनः रोजगार प्राप्त करता है, जो भी पूर्वतर हो, 50 रुपये प्रतिमास निर्वाह-भत्ता दिया जाता है।

अन्य विविध चिकित्सकीय सुविधायें

तेतुलमारी कुष्टरोग अस्पताल में बिहार के उन अभ्रक खनिकों के, जो कुष्ठ से पीड़ित हैं, उपचार की व्यवस्था जारी रखी गई। कैंसर से पीड़ित अभ्रक खनिकों के उपचार के लिये कला-अस्पताल, आसनसोल में और मानसिक रोगों के लिये मानसिक रोग अस्पताल, रांची में व्यवस्था जारी रखी गई। एक विद्यालय स्वास्थ्य कार्यक्रम जो भवन और उसके परिवेश के निरीक्षण और आन्ध्र प्रदेश में कल्याण संगठन द्वारा चलाये जा रहे विद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों की स्वास्थ्य परीक्षा के लिये उपबन्ध करता है, आरम्भ किया गया है।

(ख) शैक्षिक और आमोद-प्रमोद सम्बन्धी सुविधायें.

कल्याण संगठन अभ्रक कर्मकारों और उनके आश्रितों के लिये शैक्षिक और आमोद प्रमोद सम्बन्धी सुविधाओं की व्यवस्था करने के लिये बहु-उद्देश्यीय संस्थान, जिनमें प्रत्येक में एक प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र और एक नारी कल्याण केन्द्र है चला रहा है। प्रौढ़ शिक्षा सम्बन्धी क्रियाकलापों के प्रसार के लिये कल्याण संगठन के पोषक और प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र भी खोले हैं। इन सुविधाओं की व्यवस्था करने वाली संस्थाओं की संख्या निम्नानुसार हैं --

संस्थायें		आन्ध्र प्रदेश	बिहार	राजस्थान	कुल
1	2	3	4	5	6
(क)	बहुउद्देश्यीय सम्स्थान (प्रौढ शिक्षा केन्द्र और नारी कल्याण केन्द्र सहित)		9*		9
(ख)	सामुदायिक केन्द्र	1	6		7
(ग)	नारी निकेतन	2		5	7
(घ)	प्राथमिक/प्रारम्भिक विद्यालय	6	3		9
(ङ)	पोषक केन्द्र		1		1
(च)	मिडिल/उच्च विद्यालय	2	4		6
(छ)	प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र		9	17	26
(ज)	खनिकों के बच्चों के लिये बोर्डिंग हाउस/छात्रवास	2	4	1	7
(झ)	चल-सिनेमा यूनिटें	1	3	1	5
(ञ)	अभ्रक खनन-क्षेत्रों में लगाये गये रेडियो सैट	39	16	24	79
(ट)	आमोद प्रमोद सम्बन्धी क्लब	12		13	25
(ठ)	भजन मण्डलियां	9		13	22
(ड)	पुस्तकालय और वाचनालय			14	14

*बहुउद्देश्यीय संस्थानों और सामुदायिक केन्द्रों से संलग्न। एम० ई० विद्यालय, कस्मा के सिवाय बिहार प्रदेश के सभी विद्यालय राज्य सरकार को सौंप दिये जायेंगे।

(i) अभ्रक खनिकों को दी गई कल्याण सम्बन्धी सुविधाओं का स्वरूप एक जैसा नहीं है। बिहार के बहुउद्देश्यीय संस्थानों में, जिनमें प्रत्येक में एक प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र और एक नारी कल्याण केन्द्र है, कर्मकारों को शैक्षिक और आमोद प्रमोद सम्बन्धी सुविधायें दी जाती हैं। इन केन्द्रों में आने वाली महिलाओं को सिलाई और बुनाई जैसी दस्तकारी में प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रत्येक संस्था प्रशिक्षण एवं उत्पादन केन्द्र के रूप में काम करती है। नारी कल्याण केन्द्रों में महिला कर्मकार दर्जीगिरि और सिलाई, कढ़ाई और-लेस कार्य आदि का काम सीखती हैं।

बिहार में, मण्डलों के मुख्यालयों के कल्याण सम्बन्धी क्रियाकलापों के अन्तर्गत निम्नलिखित आते हैं --

(1) खनिकों के बच्चों को नहलाना।

(2) प्रौढ़ शिक्षा (पुरुष और महिला दोनों के लिये)

(3) गृहशिक्षकीय कक्षायें।

(4) अन्तरंग खेलकूद जैसे कैरम बोर्ड शतरंज, लूडो, आदि।

(5) बहिरंग खेलकूद जैसे, वालीबाल, कबड्डी, रस्साकशी आदि।

(6) समाचार-पत्र, पत्रिकायें, पुस्तकालय-पुस्तक, आदि से युक्त अध्ययन कक्ष।

उपकेन्द्रों के कल्याण सम्बन्धी क्रियाकलाप निम्नलिखित हैं --

(1) प्रौढ़ शिक्षा (केवल पुरुषों के लिये)

(2) गृहशिक्षकीय कक्षायें (केवल बालकों के लिये)

(3) शतरंज खेलकूद

(4) समाचारपत्र आदि

आन्ध्र प्रदेश में, कल्याण संगठन, महिला सामुदायिक केन्द्रों, आमोद-प्रमोद क्लबों, आदि की सुविधाओं की व्यवस्था करता है। सामुदायिक केन्द्रों में महिलाओं को दर्जीगिरी/कशीदाकारी लेस सम्बन्धी कार्य आदि सिखलाया जाता है। इन केन्द्रों के काम का पर्यवेक्षण क्रमश, सहायक श्रम निरीक्षण और कनिष्ठ सहायक श्रम कल्याण निरीक्षक द्वारा किया जाता है।

(ii) आन्ध्र प्रदेश में इस निधि से चलाये जा रहे सभी विद्यालयों में बच्चों को मुफ्त मध्याह्न भोजन, दूध, पुस्तकें, स्लेट, थैले, चप्पलें और वर्दी दी जाती है। बिहार में बहुउद्देश्यीय संस्थानों और सामुदायिक केन्द्रों में जाने वाले खनिकों के बच्चों के लिये दूध और टिफिन (पकाये गये भोजन से भिन्न) की व्यवस्था है। राजस्थान में अभ्रक खनिकों के स्कूल जाने वाले बच्चों को मध्याह्न भोजन, पुस्तकें और स्लेटें तथा अन्य लेखन सामग्री दी जाती है।

(iii) अभ्रक कर्मकारों के अपने निवास स्थान से दूर उच्च विद्यालयों में अध्ययन करने वाले बच्चों के फायदे के लिये कल्याण संगठन ने बोर्डिंग हाउस छात्रावास स्थापित किये हैं।

(iv) अभ्रक खनिको के विद्यालयों और महाविद्यालयो में अध्ययन करने वाले बच्चों को उनकी साधारण तथा तकनीकी शिक्षा पूरी करने के लिये 10 00 रु० से 75 00 रु० प्रतिमास तक की छात्रवृत्तियां दी जाती है। बिहार मे अभ्रक खनिको के विद्यालय जाने वाले बच्चो को पढ़ाई फीस भी दी जाती है।

(v) कल्याण संगठन की चल सिनेमा यूनिटो द्वारा अभ्रक खनन क्षेत्रों मे पूरे वर्ष सिनेमा शो दिखाये जाते है। ये हर स्थान पर भड़ी भीड़ आकृष्ट करते हैं और अभ्रक कर्मकारो में बहुत लोकप्रिय है।

(vi) प्रत्येक वर्ष सभी अभ्रक क्षेत्रो मे क्रीड़ा और खेलकूद का आयोजन किया जाता है और विजेताओ को इनाम दिये जाते है।

(vii) भ्रमण-एव अध्ययन दौरो के लिये सुविधायें भी दी जाती है। राजस्थान प्रदेश के खनिको के लिये रिपोर्ट के अधीन आने वाली अवधि के दौरान एक भारत दर्शन पर्यटन की व्यवस्था की गई।

(viii) एक केन्द्र से दूसरे केन्द्र पर जाने तथा कर्मकारो का मनोरजन करने के लिये कीर्तन और भजन मण्डलियो का प्रबन्ध किया जाता है।

(ix) इस निधि से चलाये जा रहे सभी बहुउद्देश्यीय सस्थानो/कल्याण केन्द्रों पर खनिको और उनके कुटुम्ब के आमोद प्रमोद के लिये रेडियो सेटों की व्यवस्था की गई है।

(ग) पेयजल की सुविधायें

अभ्रक खनन क्षेत्रो में पेयजल और अन्य प्रयोजनो के लिये पर्याप्त जल प्रदाय का अभाव एक पुरानी समस्या है। खान प्रबन्धतन्त्रो को लागत के 75 प्रतिशत तक वित्तीय सहायता, इनमें से जो भी कम हो, लेकर जल प्रदाय स्कीम शुरू करने के लिये सहमत किया गया है।

राजस्थान प्रदेश में पुनर्विलोकन की अवधि के दौरान कोई नया कुआ खुदवाया/नवीकृत नही किया गया क्योंकि कुओ में, भारी वर्षा के कारण, जल स्तर पर्याप्त था। बिहार प्रदेश में, अभ्रक खान कल्याण निधि संगठन ने डोराकोला में फुटलैया नदी पर बांध बनाने का कार्य जिम्मे लिया, किन्तु यह स्कीम छोड़ देनी पड़ी क्योंकि उस क्षेत्र की विशेष दशाओ और बांध में प्रत्याशित बालू के जमावो के कारण यह सफल प्रमाणित न हो सकी। बिहार मे 74 कुंये खुदवाये गये जिनकी लागत निधि के 7,40,000 रुपये पड़ी। निधि द्वारा, पिछले ग्रीष्म के दौरान "न लाभ न हानि" आधार पर विभागीय ट्रक में पेय जल के प्रदाय की व्यवस्था की गई थी। कालीचेडू ग्राम में जल समस्या को हल करने के लिये 1.426 लाख रुपये की प्राक्कलित लागत पर एक स्थाई जल प्रदाय स्कीम मंजूर की गई। परियोजना का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। एक और कुआ पिल्लैरवागु में खुदवाया गया है। पिल्लैरवागु कुयें से पाइप लाइनें बिछाई गई है। पिल्लैरवागु कुयें पर एक पम्प घर का भी निर्माण किया गया था। एक वैद्युत पम्प सैट भी अधिस्थापित किया गया है और निधि पोषित सरथओ और श्रमिक कालोनियो में पानी पम्प किया जा रहा है। पिल्लैरवागु के द्वितीय कुयें पर एक डीजल इंजन अधिस्थापित किया गया जिससे आवश्यकता के समय द्वितीय कुयें से प्रथम कुयें में पानी पम्प किया जा सके।

(घ) आवासन

अभ्रक खनन कर्मकारो की आवश्यकता को पूरा करने के लिये, अभ्रक खान श्रम कल्याण संगठन, बिहार ने, जहां इस प्रयोजनार्थ उपयुक्त भूमि उपलब्ध थी और जहां यह प्रत्याशित था कि आस-पास के खनन कर्मकार इन मकानों को, 15 वर्ष की अवधि के लिये प्रतिमास प्रति मकान 4 रुपये अनुज्ञप्ति फीस के नाममात्र के प्रदाय पर, अधिभोग में ले लेंगे, लघु विभागीय आवासन का कालोनियो के निर्माण का जिम्मा लिया है। इस स्कीम के अधीन संगठन अब तक कुल 110 मकानो का विनिर्माण कर सकी है (50 जोरामियार में, 48 डोमायाच मे और 12 धरवे में)। धरवे के सिवाय, विभागीय आवासन स्कीम चल न सकी और स्थगित कर देनी पड़ी। वे प्रबन्धतन्त्र, जिन्होंने अपने कर्मकारो के लिये इन मकानो का उपयोग करने के लिये उत्सुकता दिखाई थी, अब इन मकानो का उपयोग करने के लिये अनिच्छुक है और अब तक कई किराया नही दिया है। मकानो के केवल 12 एककों का, मैसर्स गोइन्का अभ्रक कम्पनी, गिरिडी को धरवे खान में उचित तौर पर उपयोग किया जा रहा है और करार में परिनिश्चित किराये का सदाय नियमित रूप से किया जा रहा है।

संगठन की अन्य आवासन स्कीमें है (i) साहाय्यप्राप्त आवासन स्कीम (ii) कम लागत वाली आवासन स्कीम, (iii) अपना मकान स्वय बनाये स्कीम।

कम लागत वाली आवासन स्कीम बारको को अभी खान प्रबन्धतन्त्रो द्वारा संरक्षण दिया जाता है। अपना मकान स्वयं बनाओ स्कीम के अधीन, अभ्रक खानो मे 5 वर्ष सेवा वाले प्रत्येक कर्मकार को नये मकान का निर्माण करने या अपने विद्यमान मकानो मे परिवर्तन/संवृद्धि करने के लिये 400 रुपये की सहायता अनुज्ञात है। 1974-75 के दौरान, इस स्कीम के अधीन केवल 6 कर्मकारों को सहायता मंजूर की गई थी। केवल 6 कर्मकार की सहायता के लिये पात्र थे। आन्ध्रप्रदेश मे, कम लागत वाली आवासन स्कीम के अधीन 70 मकान मजूर किये गये जिनमें से 36 मकान पूरे हो गये हैं और सम्बद्ध खान प्रबन्धतन्त्रो द्वारा 20 छोड़ दिये गये है, 8 मकान निर्माणाधीन है और शेष छह मकानो का कार्य सम्बद्ध खान प्रबन्धतन्त्रों द्वारा किया जायेगा। अपना मकान स्वय बनाओ स्कीम के अधीन, 11 मकान पूरे हो गये हैं और 15 मकानो का कार्य चल रहा है, 3 और मकान मंजूर किये गये है और उनका निर्माण अभी आरम्भ किया जाना है। तालुपुर में 30 मकानो वाली विभागीय कालोनी के लिये पुनरीक्षित मजूरी आदेश जारी किया गया था। मईदापुरम में विभागीय कालोनी के लिये मंजूर किये गये 40 मकानो में से, 10 मकानों का निर्माण पूरा हो चुका है।

(ङ) प्राणांतक दुर्घटनाओ की दशा में वित्तीय सहायता

उन अभ्रक खनिकों की, जो दुर्घटनाओं के परिणामस्वरूप मर जाते है, विधवाओं और बच्चो को इस संगठन से वित्तीय सहायता के अनुदान से सबधित स्कीम जारी रखी गई।

(च) उपभोक्ता सहकारी भण्डार

बिहार में करमा मे, कर्मकारो को उचित दरो पर उनकी दैनिक आवश्यकता की वस्तुयें उपलब्ध कराने के लिये एक केन्द्रीय उपभोक्ता सहकारी भण्डार चल रहा है। आन्ध्र प्रदेश क्षेत्र मे चार प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भण्डार खनन सम्बन्धी व्यक्तियो की जरूरतें पूरी करते रहे।

महत्वपूर्ण क्रियाकलाप 1974–75

(i) पेयजल प्रदाय सुविधायें

कालीचेडू के लिये 1426 लाख रुपये से अनधिक प्राक्कलित लागत वाले स्थाई जल प्रदाय पर काम आरम्भ हो चुका है। कार्य चालू है। इस स्कीम के पूर्ण हो जाने पर कालीचेडू के खनन क्षेत्र मे जल की कमी बिलकुल नही रहेगी।

कठोरतम ग्रीष्म के दौरान भी कालीचेडू कालोनियो के लिये जल प्रदाय मे वृद्धि के लिये, पिल्लैरवागु में 17,3000/ रुपये की 18'–8" व्यास के एक दूसरे कुयें के निर्माण की मंजूरी दी गई थी। कार्य पूरा हो चुका है।

भाग 2

वर्ष 1974-75 का लेखा-विवरण

प्राप्तियां	रु०
1 अप्रैल, 1974 को प्रारम्भिक प्रतिशेष . .	68,13,894 (वित्त लेखा 1973-74 के अनुसार)
1974-75 वर्ष के दौरान प्राप्तियां . .	62,39,986 (1974-75 के लगभग लेखा के अनुसार)
कुल	13,05,38,80
व्यय :	
1974-75 वर्ष के दौरान व्यय . . .	55,75,619 (1974-75 के लगभग लेखे के अनुसार)
31 मार्च, 1975 को अन्तिम प्रातिशेष .	74,78,261

भाग 3

1975-76 वर्ष के लिये प्राक्कलित प्राप्तियां और व्यय

	रु०
प्राप्तियां	50,00,000 (1975-76 की प्राप्तियों के अनुसार)
व्यय	60,45,000

[फा० सं० जेड 16016/1/75-एम० 3]

सी० आर० निम, अवर सचिव

New Delhi, the 30th April, 1976

S.O. **1796**.—In pursuance of sub-section(4) of section 3 of the Mica Mines Labour Welfare Fund Act, 1946, (22 of 1946) the Central Government hereby publishes the following report of the activities financed from the Mica Mines Labour Welfare Fund during the year ended on 31st March 1975 together with a statement of accounts for that year and an estimate of receipts and expenditure of the said Fund for the year 1975-76.

PART—I

1. General—The Mica Mines Labour Welfare Fund has been constituted under the Mica Mines Labour Welfare Fund Act, 1946 (22 of 1946) for financing schemes relating to the welfare of labour employed in the mica mining industry

2. The Act provides for the levy of a duty of customs, on all mica exported, upto a miximum rate of 6¼ per cent ad valorem. The rate of cess which was 2½ per cent ad valorem previously, has been increased to 3½ per cent with effect from the 15th July, 1974. The collections are allocated for expenditure on welfare measures among the various mica producing areas in proportion to their average production.

PART—II

Facilities Provided

A. Medical

Fairly extensive medical facilities for mica workers and their dependents are provided free of cost by the Mica Mines Labour Welfare Organisation. These include provision and maintenance of hospitals, maternity and child welfare centres, facilities for treatment of T.B. including domicillary treatment, dispensary services including Ayurvedic dispensaries and other facilities etc. The following central and regional hospitals continued to be maintained by the Welfare Organisation for the treatment of mica miners and their dependents during the year under report :—

Sl. No.	Name of the Hospital	Bed Strength
1.	Central Hospital, Karma (Bihar) . . .	100
2.	Central Hospital, Gangapur (Rajasthan) . .	30
3.	Central Hospital, Kalichedu (Andhra Pradesh) .	30
4.	Regional Hospital, Tisri (Bihar) . . .	30
5.	Regional Hospital, Talupur (Andhra Pradesh) .	10
6.	T.B. Hospital, Karma (Bihar)	50
7.	T.B. Ward attached to Central Hospital, Kalichedu (Andhra Pradesh)	20
8.	Indoor Wards at Static Dispensaries at Amli Bagore and Madhorajpura (Rajasthan). . .	5 each

In addition, the following other medical institutions also continued to function in the three mica producing States :—

Medical Institutions	Andhra Pradesh	Bihar	Rajasthan	Total
Ayurvedic Dispensaries .	3	8	15	26
Allopathic Dispensaries .	2	5	2	9
Mobile Medical Units .	1	3	3	7
Maternity and Child Welfare Centres . . .	4	3	3	10
Small Community Centres	—	5	—	5

The Welfare Organisation has been endeavouring to provide adequate facilities for treatment of the miners. Apart from setting up of T.B. Hospitals and clinics, six beds in the Government T.B. and Chest Diseases Hospital, Nellore continued to be reserved for the exclusive use of mica miners and their families. In the Rajasthan Region 4 beds have been reserved in T.B. Sanatorium, Madar (Ajmer). One of the Static Dispensaries at Sydapuram (Andhra Pradesh) has been ordered to be converted into a non-dietary T.B. Hospital.

A subsistance allowance of Rs. 50 per month is granted to the dependents of mica miners who receive treatment in the T.B. Hospitals set up by the Welfare Organisation for a period of six months or till the miner gets re-employment whichever is earlier, in cases where there are no earning members in the Family.

Miscellaneous Medical Facilities

Arrangements continued for the treatment of mica miners of Bihar suffering from Leprosy at the Tetulmari Leprosy Hospital. For the treatment of mica miners suffering from cancer arrangements continued at the Kalla Hospital, Asansol and for mental diseases at the Hospital for Mental diseases at Ranchi. A school Health Programme which provides for the inspection of building and their surroundings and medical examination of the students studying in the school run by the Welfare Organisation in Andhra Pradesh, has been introduced.

B. EDUCATIONAL AND RECREATIONAL FACILITIES

For providing education and recreational facilities to mica workers and their dependents, Multi-purpose Institutes in each comprising of an Adult Education Centre and Women's Welfare

Centre are run by the Welfare Organisation. In order to expand the Adult Education activities, feeder and Adult Education Centres have also been opened by the Welfare Organisation. The number of institutions providing these facilities are as under:—

Institutions	Andhra Pradesh	Bihar	Rajasthan	Total
(a) Multipurpose Institutes (with an Adult Education Centre and Women's Welfare Centre)	—	9*	—	9
(b) Community Centres .	1	6	—	7
(c) Centres for Women .	2	—	5	7
(d) Primary and Elementary Schools . .	6	3	—	9
(e) Feeder Centre . .	—	1	—	1
(f) Middle/High School .	2	4	—	6
(g) Adult Education Centres	—	9	17	26
(h) Boarding Houses/Hostels for Miners, Children	2	4	1	7
(i) Mobile Cinema Units	1	3	1	5
(j) Radio sets installed in Mica Mining areas .	39	16	24	79
(k) Recreational clubs .	12	—	13	25
(l) Bhajan Mandalies	9	—	13	22
(m) Library and reading rooms . . .	—	—	14	14

*Attached to Multi-purpose Institute & Community Centres. All the schools of Bihar region except M.E. School, Karma, are to be handed over to the State Government.

(i) The pattern of welfare facilities provided to mica miners is not uniform. In Bihar, Multipurpose Institutes, each with an adult education centre and a women's welfare centre, provide educational and recreational facilities to workers. Training in handicrafts like sewing and knitting is given to women attending these Centres. Every institution serves as a training-Cum-production centre. Women workers learn tailoring, stitching, embroidery and lace work etc. in women welfare centres.

In Bihar, the Welfare activities at Zonal headquarters include the following :—

(1) Bath to children of miners.

(2) Adult education (both men and Women)

(3) Tutorial classes.

(4) Indoor games like carrom board, chess, ludo etc.

(5) Outdoor games like volley ball, kabaddi, rope drawing etc.

(6) Reading room with newspapers, magazines, library books etc.

The Welfare activities at sub-centres are:—

(1) Adult Education (only men).

(2) Tutorial classes (only boys).

(3) Indoor games.

(4) Newspapers etc.

In Andhra Pradesh, the Welfare Organisation provides facilities like Community Centres for women, recreational club, etc. In Community Centres tailoring/embroidery, lace work etc. is taught to the women. The work of these Centres is supervised by the Assistant Labour Welfare Inspector and the Junior Assistant Labour Welfare Inspector respectively.

(ii) In all the schools run by the Fund in Andhra Pradesh, the children are provided with free-mid-day meals, milk, books slates, bags, chappels and dresses. Milk and tiffin (other than cooked food) are privded to the miners children attending the multipurposes Institutes and Community Centres in Bihar. Mid-day meals, books and slates and other stationery articles are supplied to the school going children of mica miners in Rajasthan.

(iii) For the benefit of the children of mica mine workers, studying in High Schools far away from their places of residence, boarding Houses/Hostels have been set up by the Welfare Organisation.

(iv) Scholarships, ranging from Rs. 10 to Rs. 75/- per month are granted to the children of mica miners studying in schools and colleges for prosecution of their general and technical studies. Tuition fee is also granted to school going children of mica miners in Bihar.

(v) Cinema shows are exhibited throughout the year in the mica mining areas by the Mobile Cinema Units of the Welfare Organisation. The attract large numbers everywhere and are very popular among the mica workers.

(vi) Games and sports are held every year in all the mica regions and prizes are awarded to the winners.

(vii) Facilities for excursion-cum-study tours are also provided. A Bharat Darshan Tour was arranged during the period under report for miners of Rajasthan region.

(viii) Kirtan and Bhajan Parties are arranged to go from Centre to Centre to entertain the workers.

(ix) Radio sets have been provided for the recreation of miners and their families at all the Multipurposes Institutes/Welfare Centres run by the Fund.

C. DRINKING WATER FACILITIES

Scarcity of water for drinking and other purposes is a chronic problem in the mica mining areas. The mine managements are persuaded to take up Water Supply Scheme with financial assistance upto Rs. 7,500/- or 75% of the cost of this well, whichever is less.

In Rajasthan region no new well was sunk/renovated during the period of review, as there was enough water level in the wells due to heavy rains. In the Bihar region, Mica Mines Labour Welfare Fund Organisation, took up construction of a Dam at the Futlaiya River in the Dhorakola, but the Scheme had to be abandoned because it could not prove to be a success due to typical conditions of the area and heavy sand deposits in the dam than expected. In Bihar 74 wells costing in all Rs. 7,40,000 approximately to the Fund have so far been sunk. Supply of drinking water on departmental truck on 'No profit No Loss' basis was arranged by the Fund during the last summer. With a view to resolve the water scarcity in Kalichedu village, a permanent Water Supply Scheme has been sanctioned at an estimated cost of Rs. 1,426 lakhs. The work of the project is almost complete. One more well has been sunk in Pinneruvagu. Pipe lines have been laid from Pinneruvagu well. A pump house at Pinneruvagu well was also constructed. An electrical pump set has also been installed and water is being pumped to Fund's institutions and labour colonies. A diesel engine has been installed at the second well in Pinneruvagu for pumping water from the second well to the first well in time of need.

HOUSING

To meet the needs of the Mica Mine Workers, the Mica Mines Labour Welfare Organisation, Bihar took up construction of small departmental housing colonies where suitable land was available for the purpose and where it was expected that the neighbouring mine workers would occupy these houses on nominal payment of licence fee of Rs. 4/- per house per month for a period of 15 years. Under this Scheme the Organisation could construct a total of 110 houses (50 at Jorasimar, 48 at Domcharch and 12 at Dharbey)up till now, except at Dharbey the Departmental Housing Scheme could not work well and had to be postponed. The managements that had shown eagerness to use these houses for their workers are now reluctant in using these and not paying any rent so far. Only 12 units of houses at Dharbey mine of Messrs Goenka Mica Company, Giridih, are being properly used and the rent is being paid by them regularly as defined in the agreement.

The other Housing Schemes of the Organisation are (i) Subsidised Housing Scheme (ii) Low Cost Housing Scheme, (iii) Build Your Own House Scheme.

Low Cost Housing Scheme. Barracks are yet to be patronised by mine managements. Under Build Your Own House Scheme each worker with service of 5 years in the mica mines is allowed, the subsidy of Rs. 400/- for construction of new houses or carrying out alteration/addition in their existing houses. During 1974-75 only 6 workers were granted subsidy under this scheme. Only 6 workers were eligible for the subsidy. In Andhra Pradesh, 70 houses were sanctioned under Low Cost Housing Scheme out of which 36 houses have been completed and 20 have been abandoned by the concerned mine managements. 8 houses are under construction and the work of the ramaining six houses is to be taken up by the concerned mine managements. Under Build Your Own House Scheme, 11 houses have been completed and construction of 15 houses is in progress, 3 more houses have been sanctioned and are yet to be taken up for construction. Revised sanction order for constrction of departmental colony with 30 houses at Talpur had been issued. Out of 40 houses sanctioned for the departmental colony at Sydapurma, construction of 10 houses has been completed.

E. FINANCIAL HELP IN CASE OF FATEL ACCIDENTS.

The Scheme relating to the grant of financial assistance from the Organisation to the widows and children of mica miners who die as a result of accidents was continued.

F. CONSUMERS CO-OPERATIVE STORES.

A central Consumers' Cooperative Stores at Karma in Bihar has been functioning to provide the workers their daily necessities at reasonable rates. In the Andhra Pradesh region, 4 Primary Consumers' Cooperative stores continued to serve the needs of mining population.

IMPORTANT ACTIVITIES 1974-75

(i) Drinking Water Supply Facilities

The execution of a Permanent Water Supply to Kalichedu at an estimated cost not exceeding Rs. 1.426 lakhs has been commenced. The work is in progress. On completion of this Scheme, there will not be any water scarcity in the mining area of Kalichedu.

The construction of a second well of 18'—8" diameter in Pinneruvagu was sanctioned for Rs. 17,300/- to augment the water supply to Kalichedu colonies even during severest summer. The Work has since been completed.

PART II

Statement of Accounts for the year 1974-75

Receipts:		
Opening balance as on Ist April, 1974. . .		68,13,894
Receipts during the year 1974-75 . .		62,39,896
	Total	1,30,53,880
Expenditure :		
Expenditure during in year 1974-75 . . .		55,75,619
Closing balance as on 31st March, 1975 . .		74,78,261

PART III

Estimated Receipts and Expenditure for year 1975-76

Receipts	50,00,000
Expenditure	60,45,000

[File No. Z-16016/1/75-M-III]
C. R. Nim, Under Secy.

नई दिल्ली, 1 मई, 1976

का०आ० 1797.—तत्कालीन श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय, (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1239 तारीख 18 अप्रैल, 1966 द्वारा गठित श्रम न्यायालय, धनबाद के पीठासीन अधिकारी के कार्यालय में एक रिक्ति हुई है,

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 8 के उपबन्धों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार श्री के०बी० श्रीवास्तव को 19-4-1976 से उक्त श्रम न्यायालय के पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० एस-11025/8/76-डीआईए (i)]

New Delhi, the 1st May, 1976

S.O. 1797.—Whereas a vacancy has occurred in the office of the Presiding Officer of the Labour Court, Dhanbad, constituted by the notification of the then Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S. O. 1239, dated the 18th April, 1966;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shri K. B. Srivastava as the Presiding Officer of the said Labour Court, with effect from the 19th April, 1976.

[No. S-11025/8/76/DIA (i)]

का० आ० 1798.—भारत सरकार के तत्कालीन श्रम और रोजगार मंत्रालय की अधिसूचना सं० का आ० 103, तारीख 11 जनवरी, 1960 द्वारा गठित औद्योगिक अधिकरण सं० 1, धनबाद के पीठासीन अधिकारी के कार्यालय में एक रिक्ति हुई है।

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 4 के उपबन्धों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार श्री के० बी० श्री वास्तव को 19-4-1976 से उक्त औद्योगिक न्यायाधिकरण के पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० एस-11025/8/76-डी आई ए (ii)]
एल० के० नारायणन, अनुभाग अधिकारी (वि०)

S.O. 1798.—Whereas a vacancy has occurred in the office of the Presiding Officer of the Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad, constituted by the notification of the Government of India in the then Ministry of Labour and Employment No. S. O. 103, dated the 11th January, 1960.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of Section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shri K. B. Srivastava, as the Presiding Officer of the said Industrial Tribunal, with effect from the 19-4-1976.

[No. S-11025/8/76/DIA (ii)]
L. K. NARAYANAN, Section Officer (Spl.)

नई दिल्ली, 1 मई, 1976

का० आ० 1799.—लौह अयस्क खान श्रम कल्याण उप-कर नियम 1963 के नियम 31 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय, सरकार भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 581(अ), तारीख 1-10-1974 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

"उक्त अधिसूचना में, "निदेशक (कल्याण)" शब्दों और कोष्ठकों के स्थान पर "श्रम कल्याण के महानिदेशक" शब्द और कोष्ठक रखे जाएंगे।"

[फा० सं० एस/23013/2/74-एम 4]
पी० के० सेन, अवर सचिव

New Delhi, the 1st May, 1976

S.O. 1799.—In exercise of the powers conferred by rule 31 of the Iron Ore Mines Labour Welfare Cess Rules, 1963, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S. O. 581(E) dated 1-10-1974 namely :—

"In the said notification, for the words and bracket "Director (Welfare)", the words and bracket "Director General of Labour Welfare" shall be substituted".

[F. No. S/23013/2/74-M-IV]
P. K. SEN, Under Secy.

New Delhi, the 5th May, 1976

S.O. 1800.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Mosaboni Mines of Indian Copper Complex of Messrs Hindustan Copper Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 4th May, 1976.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (No. 2) AT DHANBAD

Reference No. 102 of 1975

In the matter of an industrial dispute under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

(Ministry's order No. L-29011/58/74-LR-IV/D-IV(B) dated 12th August, 1975).

PARTIES

Empolyers in relation to the management of Mosaboni Mines of Indian Copper Complex of M/s. Hindustan Copper Limited

AND

Their workmen.

APPEARANCES

On behalf of the employers : Shri A. K. Sarkar, Advocate.
On behalf of the workmen : None

State : Bihar. Industry : Copper

Dhanbad 29th April, 1976/9th VAISAKHA, 1898 Saka

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour sent the above reference to this Tribunal for adjudication of the industrial dispute involved with the following issues framed:

SCHDULE

"Whether the action of the management of Mosaboni Mines of Indian Copper Complex of Messrs Hindustan Copper Limited in dismissing Shri M. C. Ghosal Blaster with effect from 22-7-1974 was jusfied , If not, to what relief is the said workmen entitled."

On receipt of the above reference notices were issued and served on both sides. On 9-12-75 when the case was fixed none of the parties were present nor they took any steps. On 29-12-75 the General Secretary of the Mosaboni Mines Labour Union representing the workmen was present along with two other persons. The employers filed the written statement. The case was adjourned to 15-1-76 for the written statement of the workmen. On 15-1-76 none appeared for the workmen nor any step was taken from the side of the workmen. For the ends of justice the workmen were given another chance and the case was adjourned to 19-2-76 for the written statement of the workmen and they were alerted that in case of their default on the next date fixed the case would proceed according to law. On 19-2-76 none appeared for the workmen nor any step was taken by them. The case proceeded along its course and as I fixed the case on 11-3-76 for evidence and argument. The workmen were also given a chance to file their written statement in the meantime. Then came 11-3-76 when I took up the case. This time also none was present for the workmen nor any step was taken by them. There was no sufficient cause shown to me for the non-appearance of the workmen and for non-taking of any steps by them. Shri A. K. Sarkar, Advocate representing the employers submits that since the dispute was raised by the workmen, the employers are only in the position of defendents to the demand of the workmen. It is further submitted that when the workmen are not coming and taking any interest in the case the employers are not also interested to prosecute their case and they don't have any industrial dispute any more. From the above facts it will appear that the workmen were absent as many as five times during the pendency of this case and at no time sufficient was shown for their default. There is also nothing to show that the workmen will be appearing and prosecuting their case before this Tribunal. I am therefore inclined to believe that the workmen are no longer interested in the case as they don't have any industrial dispute subsisting at the present moment. I have therefore no other option than to pass a 'No dispute' award in this case.

In the circumstances I make a 'No dispute' award in respect of the Industrial dispute involved in this reference and the workmen are entitled to no relief.

This is my award.

[No. L-29011/58/74-LR-IV/D-IV (B)]
K. K. SARKAR, Presiding Officer
BHUPENDRA NATH, Section Officer (Spl).

New Delhi, the 6th May, 1976

S.O. 1801.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay in the Industrial dispute between the employers in relation to the Telecom Factory Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 3rd May, 1976.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, BOMBAY.

Reference No. CGIT-18 of 1975

Parties :
Employers in relation to Telecom Factory, Bombay

AND

Their Workmen.

Appearances :
For the employers :—Shri P. R. Namjoshi, Advocate.
For the workmen :—Shri D. V. Gangal, Advocate.
State :—Maharashtra.

Industry :—Telecommunications.

Bombay dated the 12th March, 1976.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, have in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the I.D. Act, 1947, referred to this Industrial Tribunal for adjudication an industrial dispute existing between the employers in relation to the Telecom Factory, Bombay and their workmen by their Order No. L. 40011/1/74/LR. III/D. 2(B) dated 8th April, 1975. as per Schedule shown below :—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Telecom Factory, Bombay in removing Shri A.M.A Qureshi, Motor Driver from service is justified ? If not, to what relief is he entitled?".

2. After the receipt of the reference, notices were issued to the parties for filing respective statements and the Telephone Workers' Union representing the workman filed its statement of claim in which it has submitted that Shri A.M.A. Qureshi was a workman of the Telecom Factory and was also a member of this Union; that he was appointed as motor driver with effect from 8-1-1969 and was in service till 2-5-1973 when he was removed from service on disciplinary grounds. It is submitted that by the removal of Shri A.M.A. Qureshi from service the management of the Telecomunications Factory has committed a great injustice to the workman concerned as the punishment meted out to him is illegal and it is prayed that the workman should be reinstated with full claim for his back wages with past service, leave, increments, allowances and other benefits.

3. The Manager, Telecom Factory has by his written statement submitted that the facts briefly are that on or about 25-11-1971 at about 18.15 p.m. Shri Qureshi the driver was driving a bus No. MRA 2123. On the said date and time the workman was deputed to take the above bus for dropping the employees of the factory at Western Railway, Dadar. At about the same time one bus driver Shri Arya was also carrying the employees of the Telecom. Factory who were to be dropped at Dadar Central Railway Station. Shri Arya was driving bus No. MRA-2119 ahead of bus No. MRA-2123 driven by the workman. There was a distance of between 20/25 ft between the two buses. It is stated that Shri Arya had to stop his bus after the Sindhi Society crossing at Chembur due to trafficium but it is alleged that the workman who was driving bus No. 2123 was not attentive and did not apply his brakes with the result and this bus dashed against the department's bus No. 2119. on account of which heavy damage was caused to the bus and some employers in the said bus had received injuries. After this incident the matter was referred to the higher authorities and a preliminary report was called for and after considering them and recording the statements of certain witnesses made on 26-11-1971 the workman was suspended from 27-11-1971 by an order passed by the Assistant Engineer, (Transport) Telecom Factory, Bombay. Thereafter, the department decided to hold an enquiry against the workman on the allegation that while he was driving the departmental bus he caused a serious accident whereby damage was caused to the departmental bus and also injuries to some of the occupants of the departmental bus. It was further alleged that the said workman did not maintain devotion to duty as the accident was caused by rash and negligent driving which resulted in injury to the occupants and loss to the Government and thereby violated rule 3 of Central Civil Services Conduct Rules 1964. There was further allegation that he was inattentive while driving the bus and caused the accident and also tampered with oil pipe whereby oil was emptied presumably with a view to how that the collision occurred due to failure of brakes and due to reasons beyond his control. The workman denied the charge and filed his statement on 15-12-71.

4. After the workman's statement was received, an order dated 15-12-1971 appointing Shri A.N. Krishnan, Assistant Manager, Telecom. Factory was issued to hold an inquiry in respect of the allegations and imputations made against the workman. The enquiry was proposed to be held on 5-1-1972 but as no one attended, it was postponed to 28-1-1972. In the meantime, however, Shri Krishnan was transferred and another enquiry officer Shri Pradhan was appointed who issued notice to hold the enquiry on 7-4-1972. The workman was asked to submit his defence and to appoint another employee of the factory to represent him before the enquiry officer. Accordingly, the workman appointed Shri R. M. Oke to assist him and copies of the enquiry proceedings and statements of witnesses recorded by the different officials of the department were handed over to the representatives of the workman on 20-5-1972. It is stated that the enquiry officer held an enquiry, recorded the evidence and depositions of the witnesses and allowed the workman and his representative to cross-examine all the witnesses and accordingly all the witnesses who were produced in the enquiry proceedings were cross-examined by the workman or his representative. The enquiry officer submitted his report dated 26-6-1972 to the disciplinary authority wherein he held the workman guilty of the article of charge of not maintaining devotion to duty by causing accident due to negligent driving the bus MR/2123 resulting injuries to the commuters and damaging Government property and thus violating rule 3(i) (ii) of CCS Conduct Rules 1964. It is submitted that during the course of the enquiry it transpired that there was puncture in the oil pipe of the bus which was got examined by an expert who gave his opinion that the said puncture could not take place in the normal running of the bus and that somebody had tampered with the said pipe with nail like substance. On the basis of the expert's opinion a new charge was framed against the workman and a further enquiry was held in respect of the said allegations. The witnesses were recalled and they were cross-examined by the workman and after holding an enquiry and considering the evidence oral and documentary the enquiry officer submitted his further report on 22-9-1972 wherein he held the workman quilty of the charge of deliberate tampering with the hydraulic brake system of the bus by piercing a hole in the pipe running from the master cylinder to the rear axle to cover up the lapse of not applying the brakes in time. Then the Senior Engineer (Development) was appointed as the disciplinary authority by the President of India by order dated 28-2-1973. After due consideration the disciplinary authority agree with the findings of the enquiry officer and held that the charges held against the workmen were proved and that penalty of removal from service was proposed to be imposed on the workman and accordingly a show-cause notice dated 8-3-1973 was served on the workman. The workman submitted his representation in reply to the show-cause notice on 30-3-1973. The disciplinary authority after due consideration of every matter including the representation of the workman held that the charges were proved against the workman and ultimately an order of removal from service was passed against the workman by his order dated 2-12-1973. The order of removal was served upon the workman and he was informed that he has a right to appeal against the penalty imposed upon him under the rule and if he so desired he could file an appeal against the punishment to the Manager, Telecom. Factory, Bombay, which the workman did. The appellate authority however rejected the appeal of the workman and confirmed the order of the disciplinary Authority. Thus it is submitted that the enquiry was fair and proper; that the workman was given full opportunity to meet the charges leveled against him; he was allowed to be represented by a co-workman of the factory and full liberty and reasonable opportunity was given to the workman to disprove the charges levelled against him. It is further submitted that the enquiry officer recorded the evidence of the witnesses in the presence of the workman and his representative and full opportunity was given to the workman, and his conduct was liable to be punished in accordance with the rules framed in that behalf by the Government. Finally, it is submitted that the action of the management of the Telecom. Factory in removing the workman was fully justified; that the penalty imposed was neither harsh nor expressive and was commensurate with the misconduct committed by the workman and the reference should be dismissed with costs.

5. In a rejoinder to this written statement by the union it is submitted that two articles of charge were framed against the workman which did not give anything specific about the accident and therefore the contention of the employer that the charges were communicated to the workman for the accident caused by him on or about 25-11-1971 are baseless. It is further submitted that the memorandum enclosing the said charge-sheet has been signed by a senior class I officer of the Telecom. Factory and as such the excuse pleaded by the management stating that it "inadvertently quoted in charge as C.C.S. C.C.A. Rules 1965" is an after thought and should be overruled. The union has stated that it is not known how the enquiry Officer submitted his report that the workman was guilty of violation of Rule 3 (i) (ii) of C.C.S. Conduct Rules 1964 when originally the charges levelled against the workman were in violation of Rule 3 of Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rule, 1965 and also did not specify any particular date of accident. It is the case of the union that the contention of the employer that rule 3(i)(ii) of the C.C.S. Conduct Rules 1964 has been violated has not been established. Referring to the management's statement that the workman was removed from service by order dated 2-12-1973 it is stated that the workman has not received any such communication dated 2-12-1973 from the disciplinary authority and it is also submitted that the employer has not made any payment to the workman till 2-12-1973 i.e. date of removal from service as stated by the employer. It is further submitted by the union that no enquiry was conducted in respect of the article of charges said to have been issued vide Memo No. Es-14-4/E-384 dated 6-12-72. No. opportunity was given to the workman for defending the charges

alleged to have been levelled against him in terms of the above memo. In view of the above it is submitted that the workman should be reinstated with back wages and all other benefits.

6. On 11-2-1976 a further rejoinder was filed by the union on behalf of the workman making the following points :

The suspension was made by an officer who is not competent to suspend the workman as per the provisions of Rule 10 of the C.C.S. (CGA) Rules 1965 which is to the effect that the appointing authority or any authority to which he is subordinate or the disciplinary authority or any other authority empowered in that behalf by the President by general or special order may place a Government servant under suspension; that in this case the workman was suspended by the Assistant Engineer; Transport Section who is neither the appointing authority nor the authority empowered by the President of India by special or general order. The disciplinary authority having been appointed by the President only in the month of February 1973 it means that the suspension of the workman was irregular.

It is submitted that the charge-sheet received by the workman would mean that he was causing accident every day from 8-12-1969 till the date of the memorandum i.e. 10-12-1971 but it is contended that he was under suspension from 27-11-1971. It is stated that the enquiry officer was appointed by an officer other than the disciplinary authority as the disciplinary authority was decided later. It is submitted that the enquiry officer conducted the enquiry with a prejudiced view as he was to enquire into the charge framed against the workman in the original charge-sheet. It is the case of the workman that as per the provisions of Rule 14 of C.C.S. (CCA) Rules 1965 the enquiry officer has to enquire into the substance of imputation of misconduct or misbehaviour ot the workman that the workman caused an accident due to negligent driving thereby violating Rule 3 of C.C S. (Conduct) Rules, 1964, which does not find any place or relevance to the original charge-sheet. Further in accordance with sub-rule 6 of Rule 14 4of C.C.S. (CCA) Rules, 1965 the disciplinary authority ought to have supplied the enquiry officer with all the necessary documents and requirements including the intimation of appointment of the presenting officer. The enquiry officer himself having acted as the presenting officer. And conducted the enquiry for the articles of charge other than specified in the original charge-sheet it can be concluded that he had a prejudiced mind and was not impartial. It is stated that it appears that the disciplinary authority has been appointed under the provisions of the CCS(CCA) Rules, 1965 and a such the orders of the disciplinary authority under rule 14 of CCS(CCA) Rules, 1965, has no relevance the disciplinary authority has no locus standi in this case. Further it is submitted that the article of charge should be definite and distinct in the charge-sheet only; that Article 311 of the Constitution of India also provided that the person should be heard in respect of those charges only which are included in the charge-sheet issued to him. For all these reasons it is submitted that proper opportunity was not given to the workman and there is a series of technical and fundamental errors from the original charge-sheet to the final order and as such the workman should be reinstated with full past service including wages etc.

Very elaborate and extensive arguments were addressed by the learned Counsel for the workman challenging the dismissal of the workman by the management. It is first of all very vehemently canvassed at the Bar by the learned Councel for the workman that the charges framed in this case are very vague. It is contended that Article I of the charge states that during the period from 8-12-1969 to 26-11-71 he did not maintain devotion to duty inasmuch as he caused accident by negligent driving which resulted in injuries to commuters. No specific charge was framed against the delinquent relating to the incident dated 25-11-1971 wherein the workman is said to have negligently driven bus No. MRA-2123 and dashed against another bus of the management MRA-2119, which resulted in heavy damage to both the buses.

8. The learned Counsel further contends that the list of witnesses who were to be examined by the enquiry officer mentions about what the witnesses would depose during the enquiry in order to sustain the charge against the delinquent, which clearly indicates that the witnesses were tutored to give false evidence. It is then contended that the charge was not read over and explained to the workman during the enquiry; that the enquiry is not held by a competent authority and it is only the General Manager who should have conducted the enquiry. It is then contended that the appointing authority in relation to a Government servant means that authority empowered to make appointments to the service of which the government servant is for the time being a member or to the grade of the service in which the Government servant is for the time being included. It is also contended that the enquiry officer was not the appointing authority of the workman and therefore he is not competent to conduct the enquiry. It is maintained that it is only after the enquiry was completed in February, 1973 that the President appointed the senior Engineer (Development) as the disciplinary authority which clearly leads to the inference that the senior Engineer (Development) who was not the disciplinary authority had appointed the enquiry officer and he was not competent to do so.

9. It is then debated that the enquiry officer was a judge and prosecutor at the same time and there was flagrant violation of Article 14(4)(c) as no presenting officer was appointed. It is contended that the word "may" should be read as "shall" and it is incumbent on the disciplinary authority to appoint a presenting officer. It is further contended that it is borne out by the evidence that the footbrakes were weak and he had reported the matter to Shri Jaiswal before he took the bus on duty that the footbrakes were not in working order. This is clear from the statement and also from the evidence of Shri Arya driver who had also spoken about it and also the statement of Jaisi who has spoken about the conversation between Shri Jaiswal and the workman. It is then contended that there was no negligent driving on the part of the workman which led to the accident and it was due to faulty brakes of the bus which he was forced to drive. It is argud that these infirmities which are to be found in the enquiry entitle the workman to be reinstated.

10. On the other hand it is contended by the learned Counsel for the management that the enquiry of the applicant was conducted in a fair and proper manner. Every opportunity was afforded to the workman to defend himself. His evidence clearly bears out that the applicant was grossly negligent in driving the vehicle. It is further pointed out by the learned Counsel for the respondent that the appointing authority and the workman nowhere during the course of the enquiry revealed that he was misled by the charge and no proper opportunity was given to defend himself.

11. Before proceeding to deal with the merits of the case, it will be pertinent to point out the scope and jurisdiction of this Tribunal in enquiries and subsequent punishment by way of dismissal or termination from service. It should be remembered that when an oreder of punishment by way of dismissal or termination of service is effected by the management the issue that is referred is whether the management was justified in discharging or terminating the service of the workman concerned and whether the workman is entitled to any relief. There may be cases where an enquiry has been held preceding the order of termination or where may have been no enquiry at all. But the dispute that will be referred is not whether the domestic enquiry has been conducted properly or not by the management but the larger question whether the order of termination, dismissal or the order imposing punishment on the workman concerned is justified. Under those circumstances it is the right of the workman concerned to plead all infirmities in the domestic enquiry if one has been held and also to attack the order on all grounds available to him on law and on facts. Similarly the management has also a right to defend the action taken by it the ground that a proper domestic enquiry has been held by it on the basis of which the order impugned has been passed. It is also open to the management to justify on facts that the order passed by it was proper. But the point to be noted is that the enquiry that is conducted by the Tribunal is a composit enquiry regarding the order which is under challenge. If the management defends its action solely on the basis that the domestic enquiry held by it is proper and valid and if the Tribunal holds against the management on that point the management will fail. On the other hand if the management relies not only on the validity of the domestic enquiry, but also adduces evidence before the Tribunal justifying its action it is open to the Tribunal to accept the evidence adduced by the management and hold in its favour even if its finding is against the management regarding the validity of the domestic enquiry. It is essentially a matter for the management to decide about the stand that

it proposes to take before the Tribunal. It may be emphasised that it is the right of the management to sustain its order by adducing also independent evidence before the Tribunal It is a right given to the management and it is for the management to avail itself of the said opportunity.

12. The adjudicator on the basis of the "material on record" before him has to be satisfied as to whether the order of discharge or dismissal passed by the employer against a delinquent workman is justified or not. For this purpose apart from the order of reference and the pleadings of the parties the adjudicators have been empowered to examine the charge-sheet, explanation of the workman, the enquiry proceedings (including the oral and documentary evidence of the witnesses and the order-sheet of the enquiry officer) the reasons of the enquiry officers given in the enquiry report and the final order inflicting the punishment which are brought on record before them by way of evidence in the course of the adjudicatory proceedings for being satisfied with respect to the justification of the discharge or dismissal. I am fortified in my view by the observations made by the Supreme Court in Delhi Cloth and General Mills Co. Ltd. v. Ludh Budh Singh (1972 I LLJ 180.)

13. Bearing these cautions in mind I now approach to adjudicate the dispute as to whether the action of the management of the Telecom. Factory in removing the workman from service was justified.

14. Before proceeding to dilate and discuss the evidence on record I purpose to deal with certain legal contentions advanced by the leanred Counsel for the workman. I must say that Article 1 of the charge under which the workman was punished is hopelessly vague that the workman while functioning as motor driver in transport section of Telecom. Factory during the period from 8-12-1969 'to this day" did not maintain devotion to duty inasmuch as he caused accident by negligent driving which resulted in injuries to commuters and loss to Government but at the same time it cannot be said that any prejudice was caused to the workman on this account for annexure II given to the workman contains a detailed statement of misconduct or misbehaviour and it clearly mentions that it has been reported by SETM Telecom. Factory, Bombay than an accident took place on 25-11-1971 somewhere after 6 p.m. between two departmental buses. Shri Abdul Majid Quereshi who was driving the Bus No. MRA-2123 knocked from behind another departmental bus No. MRA-2119 which was stationary at the time of the accident. It was further stated that the two departmental buses viz; MRA-2119 driven by Shri V. B. Arya and No. MRA-2123 driven by Shri Abdul Majid Quereshi were started from Telecom. Factory at 6 p.m. bound towards Central and Western Railway respectively. Just after the Sindhi Society road crossing the Bus No. MRA-2119 stopped as one vehicle in front came to halt due to traffic jam. This vehicle could be stopped with normal brake without giving any jerk to the commuters of this bus. Just after a few seconds the second bus which was following this bus came and dashed against this stationary bus resulting in heavy damage to both the buses viz; MRA-2119 and MRA-2123. Therefore, on account of the vagueness of charge in article 1 it cannot be said that any serious prejudice was caused to the workman in putting forward his defence.

15. The charge was communicated to the workman and the rules do not provide that the charge should be read over to the workman. Rule 14(9) of the CCS (CCA) rules merely stipulates that if the Government servant who has not admitted any of the articles of charge in his written statement of defence or has not submitted any written statement of defence appears before the inquiring authority, such authority shall ask him whether he is guilty or has any defence to make and if he pleads guilty to any of the articles of charge, the inquiring authority shall record the plea, sign the record and obtain the signature of the Government servant thereon. No complaint of any sort was made to the enquiry officer by the workman that he has not understood the charge and does not know the nature of the charge. There is not a whisper in the defence statement of the workman dated 15-12-1971 or 6-6-1972 that he had not understood the charge and the charge was not read over to him. There is absolutely no substance in the contention of the learned Counsel for the workman that the enquiry officer was not competent to conduct the enquiry. The appointing authority under rule 2 of the CCS (CCA) Rules in relation to a Government servant means the authority empowered to make appointments to the service of which the Government servant is for the time being a member or to the grade of the service in which the Government servant is for the time being included or the authority empowered to make appointments to the post which the Government servant for the time being holds, or the authority which appointed the Government servant to such service, grade or post as the case may be, or where the government servant having been a permanent member of any other service or having substantively held any other permanent post has been in continuous employment of the Government, the authority which appointed him to that service or to any grade in that service or to that post whichever authority is the highest authority.

16. Rule 8 of the rules provides that all appointments to Central Civil Services Class I and Central Civil Posts Class I shall be made by the President. Rule 9 is to the effect that all appointments to the Central Civil Services (other than the General Central Service) Class II, Class III and Class IV shall be made by the authorities specified in this behalf in the schedule. Part VI of the schedule to the Posts and Telegraphs. Manual Vol. III relating to the office of Managers Telegraphs/Telephones Workshops mentions the appointing authority and authority as officers of General Service Class I in senior time scale. The senior Engineer T. & M. was an officer of the General Central Service Class I in senior time scale and was the appointing authority of the workman. It is true that subsequently the President after the close of the enquiry by order dated February, 1973 apprehending that the Senior Engineer (T. & M.) who is the appointing authority in respect of the official holding the posts held by Shri A. M. Qureshi and also the prescribed disciplinary authority is likely to be a material witness and will not be in position to exercise the powers of the disciplinary authority competent to impose the penalities mentioned in Rule 11 of the CCS (CCA) Rule 1965 appointed the Senior Engineer (Dev) to function as Disciplinary authority. It is only for the purpose of imposing penalty that the Senior Engineer (Dev) was appointed as the disciplinary authority. But the order of the President dated February, 1973 does not render the Senior Engineer. (T. & M.) functus officio and not competent to be the disciplinary authority. An apprehension having been felt that the Senior Engineer (T. & M.) may be liable to figure as a witness, for the purpose of imposing the penalty the Senior Engineer (Dev) was appointed as disciplinary authority for the purpose of imposing penalty specified by rule 11. I, therefore, reject the argument of the learned Counsel for the workman that the Senior Engineer (T. & M.) was not the competent authority to be the disciplinary authority for the purpose of initiating the enquiry against the workman and for the purpose of appointing the enquiry officer in conducting the enquiry. The argument of the learned Counsel for the workman that in view of the express provisions contained in the CCS (CCA) Rules, 1965 it was incumbent on the disciplinary authority to have appointed a government servant or a legal practitioner to be known as presenting officer cannot be given any weight. Clause (c) of sub-rule (5) of rule 14 clearly mentions that where the disciplinary authority itself enquires into any article of charge or appoints an inquiring authority for holding any inquiry into such charge it may, by order, appoint a Government servant or a legal practioner to be known as the "presenting officer" to present on its behalf the case in support of the articles of charge, and under sub-rule 6(v) the disciplinary authority shall forward a copy of the order appointing the "Presenting Officer." Merely because the word "shall" is used in sub-rule (6) for forwading a copy of the order appointing the Presenting Officer it cannot be urged that it was incumbent on the disciplinary authority to appoint a presenting officer. The use of the word "may" in sub-clause (c) categorically indicates that the rule making authority left it to the discretion of the disciplinary authority to appoint or not to appoint a presenting officer. No grievance can, therefore, be legitimately made by the learned Counsel for the workman that the non-appointment of a presenting officer has made the enquiry officer to be a judge and prosecutor at the same time.

17. Now that takes me to the question whether the workman was negligent in driving Bus No. 2123 which dashed against bus No. MRA-2119. Now negligence has been defined as an omission to do something which a reasonable man guided upon those considerations which ordinarily regulate the conduct of human affairs would do or doing something which a prudent and reasonable man would not do. In other

words it has to be seen whether the accident would have been avoided if due care and circumspection had been exercised by the workman.

18. It is the main plea of the workman that the footbrake was weak and the handbrake was also weak. It is stated by the workman before the enquiry officer that when he came for duty on 25-11-1971 he too checked the vehicle at 3.30 p.m. for engine oil. Conductor, battery and destilled water have wave were in good condition. Brake level was also O.K. Then he had examined around the vehicle for body and tyres etc. These also were found O.K. The starter was in good condition and the indicator was also in good condition. After checking the handbrake was also weak and he reported to Shri N. C. Jaiswal at 3.45 p.m. and told him that the brake was too weak and it was very difficult to drive and he requested the T.A. to check the vehicle. Shri Jaiswal told him to first perform 4 p.m. trip duty which he did. He has stated that again he reported at about 4.45 p.m. about the weakness of the brake and to check the vehicle but Jaiswal told him to make a trip of 5 p.m. of Kurla and then he would check the vehicle. Once again he requested at about 5 45 p.m at Main Gate and he was told that there were no spare vehicles. In spite of his report to T.A. on duty again he was allotted the same vehicle for 6 p.m. trip also and he told him that he was not taking responsibility about the vehicle. Shri Jaiswal told him that it would be seen if any trouble came and at the same time as no spare vehicles were available he was asked to drive the same or go home and he drove the vehicle at the 6 p.m. trip also. In other words it was the main defence of the workman that the accident happened due to defective footbrake which was in a weak condition and he reported the condition of the brakes to Shri Jaiswal even before the commencement of the trip and the accident happened due to the failure of the footbrake. When the workman was confronted with his previous statement on 26-11-1971 where he had stated that he had detected this fault on 24-11-1971 and he was questioned as to which statement was correct he stated that the statement he had given before the enquiry officer was correct. Before the enquiry officer it was stated by him that the handbrake of the bus was weak but when he was confronted with his statement of 26-11-1971 he stated that it had not been recorded. This does not appear to be correct for in the statement recorded on 26-11-1971 the workman had stated that he did not check the handbrake but it was alright. According to him the speed of the vehicle was 15 to 20 Kms per hour. According to Shri Arya the driver of bus No. MRA-2119 the distance between his bus and that of MRA-2123 was 20 ft. and he was driving the vehicle at a speed of 20 to 25 Kms. According to the workman he had slowed down the vehicle near Chembur Garden and stopped near Society petrol pump but according to Shri Arya the bus was not stopped at society crossing. Shri Rahim, driver T.F.B. has stated that he had driven both the buses and he says that the engine was alright, hydraulic brake was weak, handbrake was alright and left side oil seal was not perfect. and the peddle brakes required two strokes to stop the vehicle, and he says that the maximum pressure for effective operation of brake was 5 to 5½ Kg./Cms.2

19. Shri V. A. Naik who was travelling in the bus stated that it was running at a speed of 20 to 25 Kms and he was sitting in the third row of the first seat and according to him it was merely an accident because the distance between both the bases was 20 ft. right from the starting point. He says that he had seen that the Western bus had dashed against the C.R. Bus and the front position of W.R. bus was damaged. He also noticed that the water was leaking through the radiator and he had not seen any leakage of oil. Shri Haldaonekar I SG also says that the speed of the bus was 20 miles per hour and he was travelling by Dadar (Central) bus at about 6 p.m. Shri Bhattacharya who was travelling by the Dadar (Central) bus on 25-11-1971 says that the bus suddenly stopped at Sindhi Society crossing. Shri N.H. Jalvi says that he does not remember whether the bus stopped near Sindhi Society crossing and the speed of the bus was 35 Kms. Smt. N. D'Souza who was travelling by the bus stated that the speed of the bus was 40 Kms and the distance between the buses was 10 feet and she was looking towards the circus. Shri Lallu Devji was travelling in the bus MRA-2123. He says he was sitting in the last row and he says he knows nothing about the vehicle having been stopped on the way before the accident. He says that bus MRA-2123 collided with the Telecom Factory bus driven by Shri Arya and the speed of the bus MRA-2123 was 25 Kms. and the accident happened near the petrol pump. He has deposed that the vehicle was running at 25 Kms per hour and the vehicle ahead stopped. He says that it is merely guess work about the handbrake not working.

20. It is the case of the workman that he had reported about the weakness of the brakes to Shri Jaiswal. T.A. on duty on the same day 25-11-1971 when he took the bus at 6 p.m but no heed was paid to his representation by Shri Jaiswal. It was at his behest that he was forced to drive the bus on the day of the accident. Shri Jaiswal refutes this allegation. Shri Arya the driver of MRA-2119 says that the workman complained to Shri Jaiswal to give another bus as MRA-2123 was out of order and hearing this Shri Jaiswal said that there was no other bus and he had to drive the same bus or otherwise he may go home. Not a word of this is said by Shri Arya in his statement recorded on 26-11-1971. Shri Jaisi the motor driver says that he heard a part of the conversation between Shri Qureshi the motor driver and the Technical Assistant, Transport Section on 25-9-1971 at 6 p.m. at the vehicle gate. They were talking inside the gate at a distance of about 10 ft. and Shri Qureshi was not on the steering when the conversation took place and the vehicle was inside the gate. But according to Shri Qureshi he was not standing on the ground and he was talking from the steering only and says that at 5 p.m he was talking from the bus and Shri Jaiswal told him to park the vehicle outside and come inside to talk. Thus there is contradictory evidence relating to the conversation between Shri Jaiswal and the workman before the bus left the premises of the management. Even assuming for a moment that the brakes were in defective condition and Shri Jaiswal insisted on the bus being taken out by him with defective brakes. In the natural course of things the workman should have reported the matter to the higher authorities but he says that he was not allowed to meet the higher authorities. But no such attempt appears to have been made by the workman to report about the weakness of the footbrake to the higher authorities. In his statement before the enquiry officer he had stated that he had changed the second gear to make the vehicle slow and after that he had applied the footbrake with double paddling and the braking action was feeble. But in such a condition it was his duty to have stopped the bus and according to him he did not have the chance to take the vehicle to any small galli towards the Sindhi Society. It is difficult to appreciate that with defective brakes the workman could not have stopped from further proceeding. Any competent driver with a vehicle with defective brakes would have stopped the bus at Chembur Naka and would not have proceeded further. The bus could have been taken towards the galli and stopped there. It may be a place prohibited from parking but in an emergency no grievance could have been legitimately made by any authority although it is not permitted to take the bus to any other galli except the prescribed route as stated by Shri Oureshi. It is clear from the statement of Shri Qureshi that the handbrake was in perfect condition but he says in his statement that he did not apply the handbrake anticipating serious injuries to the commuters and damage to the body of the bus. Shri Lallu Devil driver tries to support the workman by stating that if the handbrake is applied nothing will happen to the axle but anything may happen to the other parts but in what way the other parts will be damaged is not stated by Shri Lallu Devji.

22. There is no satisfactory explanation to be found as to why the workman did not apply the handbrake in time which would have avoided the accident.

23. After a cautions survey of the entire evidence I am firmly convinced that the workman was grossly negligent in driving the bus which caused the accident on 25th November, 1971. No flaw or infirmity can be found in the manner in which the enquiry was held and the conclusions arrived at by the enquiry officer on the evidence before him was justified and proper. I therefore hold that the management of the Telecom Factory was justified in removing Shri A.M.A. Qureshi, motor driver from service and he is entitled to no relief. The reference is answered accordingly and in the circumstances of the case I make no order as to costs.

Before parting with this case however I feel that the applicant's removal from service is likely to cause hardship to him and I would recommend that Government might sympathetically consider his case and absorb him in some other post if available especially as his order of removal from service does not debar him from further employment in Govt. elsewhere. It will be hazardous whomsoever to entrust him with driving a vehicle as the safety of the commuter is involved. This would alleviate his suffering.

[No. L. 40011/1/74/LR III/D. II(B)]

B. RAMLAL KISHEN, Presiding Officer.

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th May, 1976

S.O. 1802.—In pursuance of the section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of the Employees' State Insurance Corporation and their workmen, which was received by the Central Government on the 6th May, 1976.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 63 of 1975

(Ministry's Order No. L-15012(1)/74-LR. III/D. 2(B) dt. 13-6-75)

PARTIES :

Employers in relation to the management of the Employees' State Insurance Corporation, Patna.

AND

Their workmen.

PRESENT :

Shri K. K. Sarkar, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers.—Shri S. C. Garg, Manager.

For the Workmen.—Shri B. N. Das, General Secretary.

STATE : Bihar. INDUSTRY : Insurance.

Dhanbad, the 1st May, 1976

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour sent the above reference to this Tribunal for adjudication of the industrial dispute involved with the following issues framed :—

"(1) Whether the action of the management of the Employees' State Insurance Corporation, Patna, in not extending the validity of the merit list drawn on the basis of the test held on 28-6-1970 for promotion of Lower Division Clerks as Upper Division Clerks beyond 30-4-1972, it justified ?

(2) If not, to what relief are the workmen entitled ?"

The short case of the workmen is that 50 per cent of the vacancies in the cadre of Upper Division Clerk are filled up by promotion on the basis of seniority and the remaining 50 per cent of the vacancies are filled up by promotion on merits judged on the basis of Departmental Competitive Examination. Thereafter a merit list is drawn from which the vacancies in the cadre of Upper Division Clerks are filled as and when they arise. As per instructions issued by the Head Quarters of the Employees' State Insurance Corporation, New Delhi dated 1-3-62. The validity of the merit list was for one year i.e. upto 30th April of the year following that in which the test was held. Subsequently, the life of the merit list was enlarged to two years i.e. upto 30th April of the year following the year next to the year in which the test was held, by instructions of the Head Quarters dated 5-2-1964. Then the Corporation by its instructions dated 6-11-1971 superseded all the previous instructions in this regard and provided that in future the merit list once prepared shall continue till it is exhausted. The test was held regionwise. In the Bihar Region a merit list was drawn on the basis of the test which was held on 28-6-70. So in view of the revised instructions dated 6-11-71, the merit list drawn in Bihar Region, on the basis of test which was held on 28-6-70. So in view of the revised instructions dated 6-11-71, the merit list drawn in Bihar Region, on the basis of test which was held on 28-6-70 should remain operative till it is exhausted, particularly because the said merit list was current on the date of issue of the revised instructions dated 6-11-71. Thereafter the Head Quarters issued another instruction dated 14-4-72 making the revised instructions contained in the Head Quarters' memo dated 6-11-71 applicable to the merit list drawn on the basis of 1971 test and later test. The Head Quarters' instructions contained in their Memo dated 14-4-72 is clearly an afterthought. According to the union the instructions contained in the Head Quarters' letter dated 6-11-71 only holds good and the subsequent instruction contained in the Head Quarters' Memo dated 14-4-72 deserves to be quashed. The Corporation has trued down the demand of the workmen that the merit list drawn on the basis of test held in 1970 in Bihar Region should be kept alive till it is exhausted.

The short case of the State Insurance Corporation is that the Corporation revised the instructons in regard to the validity of the merit list by their Memo dated 6-11-71 and 14-4-72. According to these instructions the life of merit list drawn on the basis of departmental test would in future extend till it is exhausted, and these instructions apply to the case of merit list drawn on the basis of test held in 1971 and tests held in years subsequent to that. So the revised instructions of the Head Quarters regarding the life long validity of the merit list cannot be applied in the case of test held in 1970. Moreover, the Regional Director, Bihar Region is not the competent authority to decide about the validity of the merit list. It is further submitted that there were six qualified candidates available on the merit list drawn on the basis of test held in June, 1970. In April, 1971, the annual review of the staff was done on the basis of workload in different offices and 8 posts of Upper Division Clerks were declared surplus in Bihar Region by the Headquarters' Memo dated 13-4-71. As 6 candidates were already available on the merit list on the basis of test held in June, 1970 and 8 posts of Upper Division Clerks were declared surplus, no test was held in 1971 in Bihar Region in accordance with the Headquarters' instructions dated 5-2-64. The further point taken by the Corporation is that the seniority upto the Cadre of Upper Division Clerk has been decentralised and is prepared regionwise but the next promotion from the post of Upper Division Clerk to the post of Head Clerk/Assistant is done centrally by the Headquarters Office. For promotion to the post of Head Clerk/Assistant, the Headquarters prepares a combined seniority list merging the seniority of candidates of all the regions. In case the seniority list of one region is changed for some reason or other, it would affect the all India Seniority of Upper Division Clerks in different regions who are eligible for promotion to the post of Head Clerk/Assistant. So it is contended that the extension of the validity of the merit list of Bihar region as prayed for would affect the employees who are promoted on the basis of the subsequent test held in 1971, 1972, 1973, 1974 and 1975 all over India. It is further contended that there are 41 Lower Division Clerks who were on the merit list prepared on the basis of test held in 1970 and who could not be promoted during the validity of that merit list for want of vacancies in West Bengal, Uttar Pradesh and Maharashtra Region. If the demand of the workmen for extending the validity of the merit list prepared in 1970 till it is exhausted, is acceded to, it would give rise to industrial disputes regarding the seniority on account of promotion of candidates who have been promoted in 1971, 1972, 1973, 1974 and 1975.

The question involved in this reference is whether the validity of the merit list drawn on the basis of the test held on 28-6-70 in Bihar Region for promotion as Upper Division Clerks can be enlarged beyond 30-4-1972. Admittedly, previously the validity of the merit list was for one year i.e. upto 30th April of the year following that in which the test was held. Admittedly, subsequently the life on merit list was enlarged to two years i.e. upto 30th April of the year following the year next to the year in which the test was held (Ext. W. 8). In this particular case the merit list in the Bihar Region was drawn on the basis of test held on 28-6-70 and according to the rule the then obtaining, the validity of this merit list would extend upto 30-4-72. On 6th November, 1971, the E.S.I., Headquarters Office New Delhi superseded all previous instruction regarding the term of validity of such merit list and issued first instruction that the merit lists drawn on the basis of competitive examination for promotion to the post of Upper Division Clerk for a particular

region/Office will in future remain operative till it is exhausted (Ex. W. 7). On 19th April 1972 the E.S.I. Headquarters office issued another memorandum (Ext. W. 9) in continuation of their previous Office memorandum dated 6th November, 1971 (Ext. W. 7) and clarified that the instruction contained in the earlier memo (W. 7) will apply in respect of merit list drawn on the basis of test held on 27-6-71 and subsequent years. The case of the workmen is that as the merit list of Bihar Region prepared in 1970 was current when the revised instructions were issued, these revised instructions regarding the life long validity of merit list should also apply to the merit list of 1970, in the light of instructions contained in the Headquarters memo dated 6-11-71. It appears that Ext. W. 7 simply says that the merit list drawn will in future remain operative till it is exhausted. Does it mean, that the existing merit list already drawn in 1970 will extend till it is exhausted. The subsequent instructions in Ext. W. 7 may throw some light. It goes on to say that the test will be held depending upon the number of vacancies to be filled by promotion which are likely to arise in a year or two; the merit list drawn on the basis of test will include only such number of qualified candidates who can be promoted against the vacancies likely to arise in a Region/Office in the next year or two. In other words the instruction of 6-11-71 put some restriction on the number of qualified candidates to be taken in the merit list so that the list may be exhausted in a year or two. The idea behind would appear to be that as the life long validity of merit has been given, the merit list should be small, so that it may not drag on year after year. These above instructions in Ext. W. 7 go to indicate that they speak about only future merit lists yet to be drawn and not merit lists that are existing from before 6-11-71, inasmuch as if it applied to already drawn up merit list, there would have been no provision in Ext. W. 7 for putting restriction on the merit list yet to be drawn. If Ext. W. 7 applied to existing merit list which in some cases may be larger enough, it may take quite a few years to exhaust and there could have been no question of giving life long validity to such merit list. The very consideration behind giving life long validity to merit list is froustrated if life long vallidty to an existing large merit list is given. Ext. W. 7 nowhere says that it applies to the existing merit list of previous year or years. Even then, if it creates some confusion in some regional offices, the Headquarters office clarified their intention by their letter dated 14-4-72 Ext. W. 9 that the instruction in Ext. W. 7 would apply from the year which it appears, coincides with the year of issue of Ext. W. 7. Whatever may be the merit of instructions contained in Ext. W. 7 I am persuaded to the conclusion that these instructions on the face of it do not apply to merit list prepared in 1970. The case of the Union is that the Headquarters memo dated 14-4-72 (Ext. W. 9) is an after thought and it should be quashed. From my disclassions above I cannot find that Ext. W. 9 is an after thought but it is in tune with Ext. W. 7 to all intents and purposes. The E.S.I. Corporation is a body corporate and it has not been shown before me by anything that the Corporation is not within their powers to issue such instructions. On the other hand it appears that it had in the past issued such instructions touching upon the period of validity of merit lists and which do not appear to have been called in question by the workmen, therefore, if we go by the interpretation of instructions contained in Ext. W. 7 and Ext. 9 my view is that there is nothing wrong in them. The Union has taken the point that even if it is accepted that the Corporation meant to apply the instructions dated 6-11-71 to merit list of 1971 and afterwards, the Corporation is legally and morally bound to extend the validity of the merit list of 1970 for the following reasons.

That no test was held in 1971 and it is the practice of the Corporation that whenever the test is not held in a particular region, the corporation extends the validity of the earlier test. Accodingly the merit list of 1970 should be extended. It appears that by Ext. W. 11 the corporation extended the validity of a merit list from 30-4-63 to 31-10-63 i.e. only a few months and Ext. W. 12 shows that the validity of the merit list of 1964 which was to expire on 30-4-65 was extended by one year upto 30-4-67 in those regions where no test was held in 1965. Now the instant case is bit different. The impugned merit list expired on 30-4-72 in the ordinary course The reference is dated 13-6-75 Much water has flowed down the Ganga in the meantime No useful purpose will be served if the merit list of 1972 is extended by one or two years in 1976 because in that event also the merit list of 1970 would have expired in 1973 or 1974 and the reference is after that i.e. of 1975. There has been a remarkable change of circumstances from 1971-72 till 1975-76. Moreover it is not the case of the Union before me that the life of the merit list of 1970 should be extended by one or two years but it is their positive claim in the written statement that it should be given a life time extension. The case of the Corporation appears to be that there were 6 qualified candidates available on the basis of test held in June 1970 in Bihar region. In April, 1971 annual review of the staff was done on the basis of work-load in different offices and 8 posts of U.D.Cs were declared surplus in Bihar Region Because of this reason, the post of U.D.Cs was not available for promotion and so the question of holding a test in 1971 does not arise Ext M. 2 clarifies the position. W.W. 1 Sri B. N. Das examined from the side of workmen says that the post of 8 U.D.Cs, were surrendered. The post of 4 Head Clerks were created. The case of the employer is that the post of Head Clerks is All India post which is required to be filled on All India basis out of U.D.Cs. Regular promotion to the Head Clerks cannot be made from out of the U.D.Cs in Bihar region. There is nothing cogent before me in contradiction. Therefore the reason for not holding test in 1971 is not ill-founded. The test for merit list is based on the advice of the Head Quarters Office. Another point in justification of extension of merit list of 1970 till it is exhausted as taken by the Union is that the Corporation has been extending the validity of merit lists at the request of the Unions/Federation and in respect of the present case the annual convention of the Federation held from 9-2-73 to 11-2-73 passed a resolution that the merit list of Bihar Region drawn in 1970 should be extended till it is exhausted. It is well and good that the corporation had been honouring the request of the Federation and thereby contributing to a good cause. But it all depends on the facts and circumstances of each case I have not been shown how far the request of the federation is always obligatory on the corporation. So this point does not carry us much. The E.S.I. Corporation has raised another point. According to them there are 41 Lower Divlsion Clerks who were on the merit list prepared on the basis of test held in 1970 in different regions and they could not be promoted as Upper Division Clerk during the validity of the merit list for want of vacancies in West Bengal, Uttar Pradesh and Maharashtra regions. In case the demand of the E.S.I. Employees Union Bihar alone is acceded to for extending the validity of the merit list held on 28th June, 1970 till it is exhausted, it would give rise to industrial disputes affecting of seniority on account of promotion of 518 candidates who had already been promoted in 1971, 1972, 1973, 1974 and 1975 on the basis of test held in other regions and seniority fixed accordingly. As they say promotion to the post of U.D. Clerks is a regional function but promotion to the post of Head Clerks is the Central function and the seniority of U.D.C. for the purpose of promotion to the post of Head Clerks is fixed and maintained by the Head Quarters Office. The case of the Union is that the Unions of other regions are not claiming that merit list prepared on the basis of test held in 1970 in those regions should also be extended. It may be that uptill now the Unions of other regions are not claiming the extension of merit list in their respective regions. But it should not be lost sight of that the decision regarding extension of merit list is a Central function, and once the Central body takes a decision regarding a policy matter like this it does not remain confined to one particular region alone but it assumes the character of an universal policy decision covering all the regions under the Head Quarters office of the E.S.I. In the meantime merit lists have been prepared in many regions on the basis of test held in 1971, 1972, 1973, 1974 and 1975 in some other regions and as per the case of the E.S.I. Corporation promotions have already been effected to some extent on the basis of merit lists from 1971 to 1975 in some regions and many more panelled candidates could not be promoted in some regions for want of vacancies out of the merit list of 1970. So if the merit list of 1970 of Bihar region is extended, it must necessarily be that 1970 merit list of other regions have to be extended, and this may create a crisis which cannot but have an All India repercussion.

In their written statement the Union has stated in one place that the Corporation is morally bound to extend the validity of merit list prepared on the basis of test held in 1970 till it is exhausted. I do not go so far as to determine the moral obligation of the corporation. But if it is actually a fact that only 2 or 3 qualified candidates on the basis of merit list prepared in 1970 could not be promoted for want

of vacancies in Bihar region, the Corporation may see to it if something can be done for them on considerations out side the legal squabbles before us.

In the result, the action of the management of the Employees' State Insurance Corporation, Patna, in not extending the validity of the merit list drawn on the basis of the test held on 28-6-1970 for promotion of Lower Division Clerks as Upper Division Clerks beyond 30-4-1972, is justified. The workmen are, therefore, entitled to no relief.

This is my Award.

[No. L-15012(1)/74-LR. III/D. II(B)]

K. K. SARKAR, Presiding Officer.

HARBANS BAHADUR, Section Officer (Spl.)

New Delhi, the 11th May, 1976

S.O. 1803.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Goernment Industrial Tribunal, Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Samla Dalurband Colliery, Samla Group, Samla Kendra Colliery and their workmen, which was received by the Central Government on the 4th May, 1976.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Rference No. 58 of 1975

PARTIES :

Employers in relation to the management of Samla Dalurband Colliery, Samla Group, Samla Kendra Colliery,

AND

Their workmen

APPEARANCE :

On behalf of Employers :

Sri N. Das, Advocate, with

Sri B. N. Lala, Asstt. Chief Personnel Officer and

Sri S. K. Chandra, Sr. Personnel Officer.

On behalf of Workmen :

Sri Benarshi Singh Azad, General Secretary, Khan Shramik Congress.

STATE : West Bengal INDUSTRY : Coal Mines

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by its Order No. L-19012/16/75/DIIIA, dated 23rd August, 1975, referred an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of Samla Dalurband Colliery, Samla Group, Samla Kendra Colliery, P. O. Pandevashwar and their workmen, to this Tribunal for adjudication The reference reads as :

"Whether the action of the management (Coal Mines Authority Limited) of Samla Dalurband Colliery, Post Office Pandaveshwar, District Burdwan by terminating the services of Shri S. C. Singh, Assistant Labour Welfare Officer, N. Banarjee. Despatch Clerk. A Ghosh. Assistant Store Keeper and A. Sinha, Assistant Bill Clerk, with effect from 7th March, 1973 was justified ? If not, to what relief are the said workmen entitled?"

2. This reference relates to the alleged termination of service of four workmen, Svs. S. C. Singh, N. Banerjee, A Ghosh and A. Sinha, with effect from 7th March, 1973 while they were regular workmen of one Samla Dalurband Colliery, P.O. Pandaveshwar, District Burdwan.

3. The aforesaid colliery was taken over by the Coal Mines Authority Limited with effect from 1-5-1973 after the Coal Mine industry was nationalised. The case of the workmen is set out in the written statement filed by the union on their behalf. There it is alleged that they joined the colliery in November/December, 1972; that they continued to work upto 7th March, 1973; while so it is alleged, their services were terminated without any notice or reason. The Coal Mines Authority in their written statement contended that these four workmen have never been attached to the erstwhile colliery and that they were never their workmen and as such it is alleged that they are not bound to entertain the workmen and reinstate them in service.

4. When the reference came up for hearing to-day, the General Secretary of the Union filed an application for adjournment. No valid reason is set out in the application for adjournment. The Secretary himself does not know as to the reason why the concerned workmen did not turn up. The application for adjournment was therefore dismissed and the workman were declared ex-parte.

5 On behalf of the management one Sri Ramawtar Soni, who was a workman of the erstwhile colliery was examined. He proved the case against the workmen. It is relevant in this regard to point out that three of the workmen except Sri S. C. Singh, had filed applications before the Tribunal alleging that they had no claim whatsoever on the management and therefore a 'no dispute' award may be passed in the case. The correctness of these applications is not disputed. So, the case against three of the concerned workmen does not arise for consideration.

6. The case of Sri S. C. Singh was that he joined the service of the colliery in November/December, 1972. In this regard the management has produced Ext. M-1, Attendance Register of the colliery for the year 1972. Item 14 in the first page of Ext. M-1 was alleged to be the name of Sri S. C. Singh, described as a workman in the attendance register. The evidence is that the names of Sri S. C. Singh and other workmen were written in fresh ink and that they never figured as workmen during the period. It is also clear from the entries made for the month of December in Ext. M-1. Against Item 13 to Item 15 in Ext. M-1 for the month of December, 1972 the names of Sri S. C. Singh and others appear as workmen. These entries were also found to be written in fresh ink. The evidence was that the brother of Sri S. C. Singh was the Manager of the colliery during the period and he had illegally inserted his name in the register as workman. Their right as workmen of the colliery has also been disputed by a large section of other workmen of the colliery by sending a petition, Ext. M-2, to the management. The evidence of the management's witness has to be accepted. He was not cross-examined though the General Secretary of the union was present before the Tribunal during his examination. Having accepted the evidence, the only conclusion possible is that Sri S. C. Singh was not a workman of the erstwhile colliery and that the termination of his service with effect from 7th March, 1973 was justified.

7. In the result, a 'no dispute' award is passed ex-parte against the four workmen in the reference holding that they are not entitled to be reinstated or to be paid any wages for the period of their alleged unemployment.

[No. L. 19012/16/75/D.III(B)]

E. K. MOIDU, Presiding Officer.

Dated, Calcutta,
The 28th April, 1976.

आदेश

नई दिल्ली, 17 मार्च, 1976

का०आ० 1804.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स टाटा आयरन एण्ड स्टील कम्पनी लिमिटेड, खान प्रभाग, नोआमुन्डी को डोड्कन्या मैंगनीज खान के प्रबन्धतन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947(1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री जी० एस० भगवत् होंगे, जिनका मुख्यालय बंगलौर में होगा, और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या मैसर्स टाटा आयरन एण्ड स्टील कम्पनी लिमिटेड, खान प्रभाग, नोआमुंडी की डोडकन्या मैगनेसाइट खान के प्रबन्धतंत्र की श्री अब्दुल रहीम, चालक को 6-11-74 से पदच्युत करने की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?

[संख्या एल-29011/3/76-डी-3(बी)]

ORDER

New Delhi, the 17th March, 1976

S.O. 1804.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Doddkanya Magnesite Mine of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited, Mines Division, Noamundi, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri G. S. Bhagwat shall be the Presiding Officer, with headquarters at Bangalore and refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal at Bangalore.

SCHEDULE

Whether the action of the management of Doddkanya Magnesite Mine of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited, Mine Division, Noamundy, in dismissing Shri Abdul Rahim, Driver, from service with effect from 6-11-1974 is justified ? If not, to what relief is the said workman entitled ?

[No. L-29011/3/76-DIII(B)]

आदेश

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1976

का० आ० 1805.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में ईस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड की श्रीपुर कोलियरी, निन्धा उपक्षेत्र, डाकघर कालीपहाड़ी, जिला बर्दवान के प्रबंधतन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है,

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

क्या निधा कोलियरी मजदूर यूनियन, मुख्य कार्यालय कालूराम ओंकारमल्ल (शिखर तल) डाकघर आसनसोल, जिला बर्दवान की, कोयला खनन उद्योग संबंधी केन्द्रीय मजदूरी बोर्ड की सिफारिश के अनुसार, सर्वश्री रामासीस सिंह और देबीदास बनर्जी को जो ईस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड की श्रीपुर कोलियरी, डाकघर काली पहाड़ी, जिला बर्दवान के ज्येष्ठ ओवरमैन हैं, 31-1-75 से ग्रेड-ख (हैड ओवरमैन) में श्रेणीकरण संबंधी मांग न्यायोचित है ? यदि हां, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं और किस तारीख से ?

[सं० एल-19012/37/75-डी० 3(बी)]

ORDER

New Delhi, the 20th March, 1976

S.O. 1805.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Sripur Colliery, Njhgha Sub-Area, of Eastern Coal fields Limited, Post Office Kalipahari, District Burdwan and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the demand of the Ningha Colliery Mazdoor Union, Head Office Kaluram Onkarmall (Top floor), Post Office Asansol, District Burdwan, for the placement of Sarva Shri Ramasis Singh and Debidas Banerjee, Senior Overmen of Sripur Colliery of the Eastern Coalfield Limited, Post Office Kalipahari, District Burdwan, in Grade-B (Head Overman) as recommended by the Central Wage Board for the Coal Mining Industry with effect from 31-1-1975 is justified ? If so, to what relief are the said workmen entitled and from what date?

[No. L-19012/37/75-D. III(B)]

आदेश

नई दिल्ली, 24 मार्च, 1976

का० आ० 1806.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की अमलाई कोलियरी, डाकघर धनपुरी, जिला शाहडोल के प्रबन्धतंत्र से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7 क और धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एस० सी० भार्गव होंगे, जिनका मुख्यालय इन्दौर में होगा, और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

क्या वेस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड, की अमलाई कोलियरी, डाकघर-धनपुरी, जिला शाहडोल के प्रबंधतंत्र की अमलाई कोलियरी के स्थायी लोडर श्री रोशन पुत्र श्री बंशी की सेवाएं 26-7-75 से समाप्त करने की कार्रवाई वैध और न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?

[संख्या एल-22012/30/75/डी० 3(डी)]
एस० एच० एस० अय्यर, अनुभाग अधिकारी (विशेष)

ORDER

New Delhi, the 24th March, 1976

S.O. 1806.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Amlai Colliery of Western Coal fields Limited, Post Office Dhanpudi, District Shahdol and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed ;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri S. P. Bhargava shall be the Presiding Officer, with headquarters at Indore and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the management of Amlai Colliery of Western Coal fields Limited, Post Office Dhanpuri, District Shahdol in terminating the services of Sri Resan son of Shri Banshi, permanent loader of Amlai Colliery with effect from 26-7-1975 is legal and justified ? If not, to what relief is the said workman entitled ?

[No. L. 22012/30/75/DIII(B)]
S. H. S. IYER, Section Officer (Spl.)

नई दिल्ली, 12 मई, 1976

का० आ० 1807.—न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 (1948 का 11) की धारा 19 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का०आ० 3433 तारीख 25 अगस्त, 1972 और अधिसूचना सं० का०आ० 2312 तारीख 10 जुलाई, 1975 को अधिक्रांत करते हुए, केन्द्रीय सरकार, नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में वर्णित अधिकारियों को, उनके सामने उसके स्तंभ (3) में विनिर्दिष्ट क्षेत्रों में उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए निरीक्षक नियुक्त करती है, अर्थात् :—

सारणी

क्रम सं०	अधिकारी	क्षेत्र
(1)	(2)	(3)
I (1)	मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय), नई दिल्ली।	सम्पूर्ण भारत
(2)	उपमुख्य श्रम आयुक्त, (केन्द्रीय) नई दिल्ली।	
(3)	मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) का कल्याण सलाहकार नई दिल्ली।	
(4)	सहायक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय), नई दिल्ली।	
(5)	श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय), नई दिल्ली।	
II (1)	अजमेर क्षेत्र में के सभी सहायक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय)	राजस्थान और गुजरात राज्य
(2)	अजमेर क्षेत्र में के सभी सहायक श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय)	
III (1)	आसनसोल क्षेत्र में के सभी श्रम आयुक्त (केन्द्रीय)	पश्चिमी बंगाल राज्य में के बर्दवान, वीरभूम, बांकुड़ा और पुरुलिया के सिविल जिले)
(2)	आसनसोल क्षेत्र में के सभी श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय)	
IV (1)	भुवनेश्वर क्षेत्र में के सभी सहायक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय)	उड़ीसा राज्य
(2)	भुवनेश्वर क्षेत्र में के सभी श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय)	
V (1)	मुम्बई क्षेत्र में के सभी सहायक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय)	महाराष्ट्र राज्य और दादरा और नागर हवेली तथा गोवा दमण और दीव के संघ राज्य क्षेत्र।
(2)	मुम्बई क्षेत्र में के सभी श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय)	
VI (1)	कलकत्ता क्षेत्र में के सभी सहायक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय)	पश्चिमी बंगाल राज्य (बर्दवान वीरभूम, बांकुड़ा और पुरुलिया के सिविल जिले छोड़कर), आसाम, मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा, नागालैंड और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के संघ राज्यक्षेत्र, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम।
(2)	कलकत्ता में के सभी श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय)	
VII (1)	धनबाद क्षेत्र में के सभी सहायक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय)	बिहार राज्य
(2)	धनबाद क्षेत्र में के सभी श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय)	
(3)	धनबाद क्षेत्र में के सभी कनिष्ठ श्रम निरीक्षक (केन्द्रीय)	
VIII (1)	हैदराबाद क्षेत्र में के सभी सहायक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय)	कर्नाटक राज्य (बंगलौर/कोलूर/मैसूर/मडिया/टुमकुर/कुर्ग/साउथ कनारा/हसन/चिकमगालुर/चित्रदुर्ग के सिविल जिला को छोड़कर) और आंध्र प्रदेश (चित्तौड़ के सिविल जिले को छोड़कर)
(2)	हैदराबाद क्षेत्र में के सभी श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय)	
IX (1)	जबलपुर क्षेत्र में के सभी सहायक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय)	मध्य प्रदेश राज्य
(2)	जबलपुर क्षेत्र में के सभी श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय)	
(3)	श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय) झांसी	

(1)	(2)	(3)
X	(1) कानपुर क्षेत्र में के सभी सहायक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) (2) कानपुर क्षेत्र में के सभी श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय)	उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, राज्य तथा दिल्ली और चण्डीगढ़ के संघ राज्यक्षेत्र
XI	(1) मद्रास क्षेत्र में के सभी सहायक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) (2) मद्रास क्षेत्र में के सभी श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय)	तमिलनाडु और केरल राज्य तथा पाण्डिचेरी और लक्षद्वीप के संघ राज्य क्षेत्र और बंगलौर/कोलर/मैसूर/मांडेया/टुमकुर/कुर्ग/साउथ कनारा/हसन/चिकमगालूर शिमोगा के सिविल जिले) कर्नाटक राज्य में चित्तदुर्ग और आंध्र प्रदेश राज्य में चित्तौड़।

[सं० एस 32013(1)/75-डब्ल्यू सी (एम डब्ल्यू)]

New Delhi, the 12th May 1976

S.O. **1807**.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 19 of the Minimum Wages Act, 1948, (11 of 1948) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour & Rehabilitation (Department of Labour & Employment) S.O. No. 2433 dated the 25th August, 1972 and Notification No. S.O. 2312 dated 10th July, 1975, the Central Government hereby appoints the officers mentioned in column (2) of the Table below to be Inspectors for the purposes of the said Act in the areas specified against them in column (3) thereof, namely :—

TABLE

S. No.	Officer	Area
(1)	(2)	(3)
I.	(1) Chief Labour Commissioner (Central) New Delhi. (2) Deputy Chief Labour Commissioners (Central), New Delhi. (3) Welfare Adviser to the Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi. (4) Assistant Labour Commissioners (Central), New Delhi. (5) Labour Enforcement Officer (Central) New Delhi.	Whole of India
II.	(1) All Assistant Labour Commissioners (Central) in the Ajmer Region. (2) All Labour Enforcement Officers (Central) in the Ajmer Region.	The States of Rajasthan and Gujarat.
III.	(1) All Assistant Labour Commissioners (Central), in the Asansol Region. (2) All Labour Enforcement Officers (Central), in the Asansol Region.	The Civil Districts of Burdwan, Birbhum, Bankura and Purulia in the State of West Bengal.
IV.	(1) All Assistant Labour Commissioners (Central) in the Bhubaneswar Region. (2) All Labour Enforcement Officers (Central) in the Bhubaneswar Region.	The State of Orissa
V.	(1) All Assistant Labour Commissioners (Central) in the Bombay Region. (2) All Labour Enforcement Officers (Central) in the Bombay Region.	The State of Maharashtra and the Union Territory of Dadra & Nagar Haveli and Goa, Daman & Diu.
VI.	(1) All Assistant Labour Commissioners (Central) in the Calcutta Region. (2) All Labour Enforcement Officers (Central) in the Calcutta Region.	The States of West Bengal (excluding the Civil Districts of Burdwan, Birbhum, Bankura and Purulia), Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland and the Union Territories of Andaman and Nicobar Islands, Arunachal Pradesh and Mizoram
VII.	(1) All Assistant Labour Commissioners (Central) in the Dhanbad Region. (2) All Labour Enforcement Officers (Central) in the Dhanbad Region. (3) All Junior Labour Inspectors (Central) in the Dhanbad Region.	The State of Bihar.
VIII.	(1) All Assistant Labour Commissioners (Central) in the Hyderabad Region. (2) All Labour Enforcement Officers (Central) in the Hyderabad Region.	The States of Karnataka (excluding Civil Districts of Bangalore/Kolar/Mysore/Mandya/Tumkur/Coorg/South Kanara/Hasan/Chikmagalur/Shimoga/Chitradurg and Andhra Pradesh (excluding the Civil District of Chittoor.
IX.	(1) All the Assistant Labour Commissioners (Central) in the Jabalpur Region. (2) All Labour Enforcement Officers (Central) in the Jabalpur Region. (3) Labour Enforcement Officer (Central) Jhansi.	The State of Madhya Pradesh
X.	(1) All Assistant Labour Commissioners (Central) in the Kanpur Region. (2) All Labour Enforcement Officers (Central) in the Kanpur Region.	The States of Uttar Pradesh, Punjab, Haryana, Himachal Pradesh, Jammu and Kashmir and the Union Territories of Delhi and Chandigarh.
XI.	(1) All Assistant Labour Commissioners (Central) in the Madras Region. (2) All Labour Enforcement Officers (Central) in the Madras Region.	The States of Tamil Nadu and Kerala and the Union Territories of Pondicherry and Lakshadweep and the Civil, Districts of Bangalore/Kolar/Mysore/Mandya/Tukur/Coorg/South Kanara/Hasan/Chikmagalur, Shimoga, Chitradurg in the State of Karnataka and Chittoor in the State of Andhra Pradesh.

[No. S-32013(1)/75-WC(MW)]

का०आ० 1708 केन्द्रीय सरकार, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 (1948 का 11) की धारा 20 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 2115, तारीख 16 जून, 1967 को अधिक्रांत करते हुए, नीचे की सारणी के स्तंभ (2) में वर्णित अधिकारियों को, ऐसे अनुसूचित नियोजनों में, जिनके संबंध में केन्द्रीय सरकार उनके सामने उसके स्तंभ (3) में विनिर्दिष्ट क्षेत्रों में समुचित सरकार है, नियोजित और लगे हुए कर्मचारियों को मजदूरी की न्यूनतम दरों से कम के संदाय से या विश्राम दिनों के लिए पारिश्रमिक के संदाय की बाबत या धारा 13 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) या खण्ड (ग) के अधीन ऐसे दिनों में किए गए कार्य के लिए या धारा 14 के अधीन अतिकाल की दर पर मजदूरियों से उत्पन्न होने वाली सभी बातों को सुनने और उनका विनिश्चय करने के लिए प्राधिकरण नियुक्त करती है, अर्थात् :—

सारणी

श्रम सं०	अधिकारी	क्षेत्र
1	2	3
1	प्रादेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) नई दिल्ली	सम्पूर्ण भारत
2.	प्रादेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) अजमेर	गुजरात और राजस्थान राज्य
3.	प्रादेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) आसनसोल	पश्चिमी बंगाल राज्य में बर्दवान, बीरभूम, बांकुड़ा और पुरुलिया के सिविल जिले ।
4.	प्रादेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) भुवनेश्वर	उड़ीसा राज्य
5.	प्रादेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) मुम्बई	महाराष्ट्र राज्य और दादरा और नागर हवेली तथा गोवा, दमण और दीव के संघ राज्यक्षेत्र
6.	प्रादेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) कलकत्ता	पश्चिम बंगाल राज्य (बर्दवान, बीरभूम, बांकुड़ा और पुरुलिया के सिविल जिलों को छोड़कर) आसाम, मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा, नागालैंड तथा अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह संघ राज्य क्षेत्र, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम ।
7.	प्रादेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) धनबाद	बिहार राज्य
8.	प्रादेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) हैदराबाद	कर्नाटक राज्य (बंगलौर/कोलर/मैसूर/माडेया/टुमकुर/कुर्ग/साउथ कनारा / हसन/चिकमगालुर/शिमोगा/चित्रदुर्ग के सिविल जिलों को छोड़कर) और आंध्रप्रदेश (चित्तौड के सिविल जिले को छोड़कर)
9.	प्रादेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) जबलपुर	मध्यप्रदेश राज्य
10.	प्रादेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) कानपुर	उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर राज्य तथा दिल्ली और चण्डीगढ़ के संघ राज्य क्षेत्र ।
11.	प्रादेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) मद्रास	तमिलनाडु और केरल राज्य तथा पाण्डिचेरी और लक्षद्वीप के संघ राज्यक्षेत्र और बंगलौर/कोलर/मैसूर/माडेया/टुमकुर / कुर्ग / साउथ कनारा / हसन/चिकमगालुर/शिमोगा के सिविल जिले कर्नाटक राज्य में चित्रदुर्ग और आंध्रप्रदेश राज्य में चित्तौड़ ।

[एस० 32013(1)/75-डब्ल्यू० सी (एम डब्ल्यू)]

हंसराज छाबड़ा, उप सचिव

S.O. 1808 In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 20 of the Minimum Wages Act, 1948 (11 of 1948) and in supersession of the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) S.O. No. 2115 dated 16th June, 1967, the Central Government hereby appoints the officers mentioned in column (2) of the Table below to be the authority to hear and decide all claims arising out of payment of less than the minimum rates of wages or in respect of the payment of remuneration for days of rest or for work done on such days under clause (b) or clause (c) of sub-section (1) of Section 13 or of wages at the overtime rate under Section 14, to the employees employed and engaged in the Scheduled employments in relation to which the Central Government is the appropriate Government in the areas specified against them in column (3) thereof namely :—

TABLE

S. No.	Officer	Area
1	2	3
1.	Regional Labour Commissioner (Central) New Delhi.	Whole of India.
2.	Regional Labour Commissioner (Central) Ajmer.	States of Gujarat & Rajasthan.
3.	Regional Labour Commissioner (Central) Asansol.	The Civil Districts of Burdwan, Birbhum, Bankura & Purulia in the State of West Bengal.
4.	Regional Labour Commissioner (Central) Bhubaneswar.	The State of Orissa.
5.	Regional Labour Commissioner (Central) Bombay	The State of Maharashtra and the Union Territory of Dadra & Nagar Haveli and Goa, Daman & Diu.

1	2	3
.	Regional Labour (Central) Calcutta.	Commissioner The States of West Bengal (excluding civil districts of Bardwan, Birbhum, Bankura & Purulia) Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland & the Union Territories of Andaman & Nicobar Islands, Arunachal Padesh and Mizoram.
7.	Regional Labour (Central) Dhanbad.	Commissioner The State of Bihar.
8.	Regional Labour (Central) Hyderabad	Commissioner The States of Karnataka (excluding Civil Districts of Bangalore/Kolar/ Mysore Mandya / Tumkur/ Coorg/South Kanara/Hasan/Chikmagalur/Shimoga/ Chitradurg) and Andhra Pradesh (excluding the Civil District of Chittoor).
9.	Regional Labour (Central) Jabalpur.	Commissioner The State of Madhya Pradesh.
10.	Regional Labour (Central) Kanpur.	Commissioner The States of Uttar Pradesh, Punjab, Haryana, Himachal Pradesh, Jammu & Kashmir & the Union Territories of Delhi & Chandigarh.
11.	Regional Labour (Central) Madras.	Commissioner The States of Tamil Nadu and Kerala and the Union Territories of Pondicherry and Lakshadweep and the Civil Districts of Bangalore/Kolar/Mysore/ Mandya / Tumkur Coorg/South Kanara/Hasan / Chikmagalur, Shimoga, Chitradurg in the State of Karnataka and Chittoor in the State of Andhra Pradesh.

[S-32013(1)/75-WC(MW)]

HANS RAJ CHHABRA, Deputy Secy.

New Delhi, the 17th May, 1976

S.O. 1809.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal Jaipur in the industrial dispute between the employers in relation to the Allahabad Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 10th May, 1976.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,

RAJASTHAN, JAIPUR

PRESENT

Shri Updesh Narain Mathur

Presiding Officer

Case No. CIT-2 of 1975

Ref :—Government of India, Ministry of Labour/Shram Mantralaya, New Delhi Order No. L. 12012/2 74/LRIII dated 22nd January, 1975.

In the Matter of an Industrial Dispute

BETWEEN

The Allahabad Bank, Head Office Calcutta-1

AND

Thier Workmen represented by the Rajasthan Bank Employees Union, Jaipur

APPEARENCES

For the Management—Shri H. R. Suri

For the Union—Shri R. L. Khandelwal

Date of Award—14-4-76

AWARD

The central Government have made the following reference to this Tribunal for adjudication :—

"Whether Shri Jogindra Mohan Goswami, Cashier, Allahabad Bank, Jaipur branch is entitled to annual increments from the 2nd December, 1972 ? If so, the amount thereof ?"

The Statement of claim has been filed on behalf of the Rajasthan Bank Employees Union. The facts are short and simple. Shri Jogindra Mohan Goswami was appointed as Cashier in the Allahabad Bank, Jaipur with effect from 2-12-71. It is admitted that he was appointed temporarily and worked as such upto 1-5-73 and which effect from 2nd May, 1973 he was appointed on probation. The claim of this workman is that he should be granted annual increment with effect from 2-12-72 when he completed one year's service. In the same way second increment fell due on 2-12-73 and another on 2-12-74. It is alleged that bank allowed first increment to this workman with effect from 2-5-74 when he had completed one year's service after his appointment as probationer. The workman has, therefore, claimed three increments with effect from 2-12-72.

In reply to this statement it is contended on behalf of the bank that the workman is entitled to annual increment only when he has been confirmed on the post. Since the workman was appointed temporarily on 2-12-71, he could not be given annual increment on 2-12-72, 2-12-73 and 2-12-74 because during this period he was not confirmed. It is also admitted on behalf of the bank that after serving the bank from 2-12-71 to 2-5-73, the workman was appointed on probation and when he completed one year's service, he was granted annual increment with effect from 2-5-74.

Since the facts were not denied no evidence was led from either side. Arguments were heard. The simple point for consideration is whether the workman is entitled to annual increment after putting in one year's service, though he may be a temporary employee. In support of this contention on behalf of the workman Shri Khandelwal has referred to Bypartite settlement dated 12th October, 1970. He has submitted that at page 2 para 5 of the uniform pay scales granted refers to all full time workman other than those belonging to the subordinate staff. Similarly in para 7 the uniform pay scales revised apply to all full time workman who are members of the subordinate staff. That shows that the words all full time workmen include temporary workmen also. If this settlement intended to exclude temporary workmen then the words "all full time workmen" would not have been used. Then Shri Khendelwal has referred to para 9 at page 4 wherein graduated increments have been allowed, even to part-time workmen. When annual increments and graduated increments are allowed to part-time workmen, then temporary workmen cannot be excluded from the annual increments. Therefore, the contention raised on behalf of the bank that annual increments are not allowed to temporary employees cannot be accepted. In this connection Shri Khandelwal has referred to para 508 of the Shastri Award of 1953 in which temporary employees have also been classified under employees. Later on this award was amended by the Desai Award in 1962 wherein at para 16.11 it has been laid down that "Wherever any provision of the award is not intended to be applicable to them, the same has been specified at the proper place."

That means that temporary workmen or employees have not been excluded from the application of the award. Subsequent to this award the first Bi-partite settlement of 1966 came into force wherein also the words "full time workmen" have been used which mean to include temporary workmen also. In he first Bi-partite settlement also graduated increments have been granted to part-time workmen also. All these awards show that annual increment was permissible to temporary employees also.

It is further argued on behalf of the management that annual increment was premissible to confirmed workmen only and in this connection reference is invited to a letter from the Ministry of Labour dated 24th January, 1975 in which the demands of the worker for confirmation six months after the orignal date of appointment and conferring of other benefits with retrospective effect were held to be unjustified. But in my opinion the demand of annual increment with effect from the date when he completed one year of service is not covered by this letter. The very fact that the demand was recommended for the adjudication shows that the Government had not rejected this demand of the workmen. The bank has granted annual increment after the workman has completed one year's service with effect from the date of appointment as probationer, although the workman had been working as temporary employee with effect from 2-12-71. There seems to be no justification in refusing annual increment to this temporary workmen with effect from the date when he had completed one year's service on 2-12-72. As has been observed above, the intention of the two awards and two Bi-partite settlements also appear to be the same. I, therefore, hold that Shri Jogindra Mohan Goswami is entitled to annual increment @Rs. 10/- from 2nd Decemeber, 1972. The reference is answered accordingly. It be sent to the Central Government for publication.

[No. L. 12012/2/74-LRIII]

U. N. MATHUR, Presiding Officer.

S.O. 1810.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal Jaipur in the industrial dispute between the employers in relation to the Punjab National Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 10th May, 1976.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, RAJASTHAN, JAIPUR

PRESENT

Shri Updesh Narain Mathur

Presiding Officer

Case No. CIT-5 of 1972

Ref.—Government of India, Ministry of Labour, Emplopment & Rehabilitation, Department of Labour & Employment, New Delhi Order No. 23|38|70|LRIII dated 29th August, 1970.

In the Matter of an Industrial Dispute.

BETWEEN

The Punjab National Bank.

AND

Their workmen.

APPERANCES

For the Bank : Shri M K. Jain.

For the workman : Shri B. K. Gupta in person.

For the Union : Shri Bansal.

Date of Award : 6-4-1976

AWARD

The Central Government have made the following reference to this Tribunal adjudication :—

"Whether the action of Punjab National Bank, Central Office, Indore in terminating the services of Shri B.K. Gupta, Cashier Incharge, in their Bhawanimandi Pay Office with effect from the 3rd April, 1969 was justified? If not, to what relief is he entitled ?".

The statement of claim on behalf of the workman was filed by the All India Punjab Employees Association. The reply on behalf of the bank management was filed on 15-12-1970 and a rejoinder on behalf of the Union was filed on 19-2-71. The case was fixed for the evidence of the Union but before it could be recorded, a prayer was made on behalf of the management that it wanted, to lead fresh evidence to prove the charge against the workman. The request was accepted and the management was allowed to lead fresh evidence. Before the evidence of the management could be completed the parties sought adjournment for settling the matter outside the Tribunal. Today when the case was fixed for further evidence of the management, the parties filed a settlement deed arrived at between them. The claim of the workman Shri B. K. Gupta was whether the action of the Punjab National Bank, Central Office, Indore in terminating the services of Shri Gupta with effect from 3rd April, 1969 was justified. The parties have now settled the dispute finally by agreeing to pay a lumpsum of Rs. 10,000 to Shri B. K. Gupta in full and final settlement of his claim, in addition to the three months' salary and allowance in lieu of notice which he was to receive at the time of termination of his service. The bank has also agreed to pay bonus for the period from 1st January, 1968 to 4th June, 1968 as declared by the bank as per the Staff Department Circular dated 11-7-68. The payment of these amounts shall be made available to Shri B. K. Gupta by the end of April, 1976. During the pendency of this reference Shri Gupta attained the age of superannuation on 15-9-1970 and he would have normally retired with effect from that date. Therefore the question of his reinstatement does not arise now. He cannot now claim for being reinstated in service even if the reference had been answered in his favour. In view of these circumstances I consider that the terms of the settlement are just and proper and I make an award in the terms of the settlement between the parties. The settlement shall form part of this award.

U. N. MATHUR, Presiding Officer,

Central Government Industrial Tribunal, Rajasthan, Jaipur.

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL, RAJASTHAN, JAIPUR.

CIT No. 8/70-5/72

Shri BK Gupta
Ex. Cashier Incharge
Punjab National Bank,
PO Bhawanimandi.

Represented by
All India Punjab National Bank Employees Association
898, Nai Sarak, Chandni Chowk, Delhi-6.

V/s.

Punjab National Bank,
Head Office,
Parliament Street,
New Delhi.

The parties in the aforementioned dispute beg to state as under :—

1. That the following industrial dispute is pending adjudication before this Hon'ble Tribunal :

"Whether the action of Punjab National Bank, Central Office Indore in terminating the services of Shri BK Gupta, Cashier Incharge in their Bhawanimandi Pay Office with effect from the 3rd April, 1969 was justified, If not, to what relief is he entitled ?

2 That the dispute referred to in para 1 has been mutually compromised on the following terms :—

(a) The Punjab National Bank will pay a sum of Rs. 10,000/- (Rupees ten thousand only) to Shri BK Gupta, Ex. Cashier Incharge in full and final settlement of his claim

(b) Shri B. K. Gupta will further be paid 3 months' salary and allowances in lieu of notice which he was in receipt of at the time of termination of his services on 3rd April, 1969 (if not already received by him by now).

(c) Shri BK Gupta will also be paid bonus for the period from 1st Jan 68 to 4th June 68, as declared by the Bank as per Staff Deptt. Circular No. 728 dated 11-7-68.

(d) That no other claim of Shri BK Gupta in any shape or form will be entertained by the Bank.

(e) The payment referred to in para 2,a, b & c will be made to Shri BK Gupta by the end of April, 1976.

3. The parties therefore pray that an award may kindly be passed in terms of the above settlement.

For All India PNB.
Employees Association
(B. K. Gupta).

Sd.
Ex. Member

All India PNB Employees Ass.
Delhi.

Sd/-
For Punjab National Bank
[No. 23/38/70/LRIII]
R. KUNJITHAPADAM, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व और बैंककारी विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 29 मई, 1976

का० आ० 1811—केन्द्रीय सरकार, विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार के निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् श्री बी०बी० गुजराल, संयुक्त सचिव, भारत सरकार को उक्त धारा के प्रयोजनार्थ विशेष रूप से सशक्त करती है ।

[फा० सं० 671/2/74-सी० शु० 8]

ए० के० पाण्डे, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

Department of Revenue and Banking

ORDER

New Delhi, the 29th May, 1976

S.O. 1811—In exercise of powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974), the Central Government hereby specially empowers the following officer of the Central Government, namely, Shri B. B. Gujral, Joint Secretary to the Government of India, for the purpose of the said section.

[No. F. 671/2/74-Cus. VIII]

A. K. PANDE, Under Secy.

धनकर आयुक्त का कार्यालय

पूना, 17 मई, 1976

का०आ० 1812—धनकर अधिनियम 1957 की धारा 42ए का अनुसरण करते हुए और लोकहित की दृष्टि से, उन निर्धारितियों जिनका कर निर्धारण वित्तीय वर्ष 1975-76 के दौरान धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के अधीन रु० 10 लाख (दस लाख) से अधिक शुद्ध धन के लिए किया गया है, के नाम तथा नीचे दिये अनुसार अन्य संबंधित विवरण प्रकाशित करना आवश्यक एवं समीचीन मानते हुए केन्द्र सरकार, एतद्द्वारा उन्हें प्रकाशित करती है :—

'(1)' हैसियत के लिए—'व्यक्ति' या 'हि०अ०प०' के लिए '(2)' निर्धारण वर्ष के लिए '(3)' विवरणित शुद्ध धन के लिए '(4)' निर्धारित शुद्ध धन कर के लिए '(5)' देय कर के लिए '(6)' अदा किये गये कर के लिए

1. श्री एफ०के० इरानी, 2422, ईस्ट स्ट्रीट, पुणे :
(1) व्यक्ति (2) 1975-76 (3) रु० 11,14 300 (4) रु० 10,98,500 (5) रु० 23,942 (6) रु० 23,942

2 श्री राजीव गोविन्द साबले (नाबालिग) सरक्षक जी०आर० साबले, 105 भवानी पेठ पुणे :
(1) व्यक्ति (2) 1974-75 (3) रु० 13,42,038 (4) रु० 13,39,400 (5) रु० 25,127 (6) रु० 25,127 (2) 1975-76 (3) रु० 9,90,600 (4) रु० 10,47,000 (5) रु० 21,833 (6) रु० 19,150

3. श्री एन०जी० साबले, 105 भवानी पेठ, पुण :
(1) व्यक्ति (2) 1975-76 (3) रु० 11,47,800 (4) रु० 11,22,900 (5) रु० 24,876 (6) रु० 24,876

4. श्री सहिजराम मोतीराम, 25 कोरगांव पार्क, पुण :
(1) व्यक्ति (2) 1975-76 (3) रु० 10,05,900 (4) रु० 10,05,900 (5) रु० 20,235 (6) रु० 20,235

5. डा०सी०सी० बक्ष, 1941 डा० सायधन रोड, पूना–1
(1) व्यक्ति (2) 1975-76 (3) रु० 10,07,007 (4) रु० 10,07,007 (5) रु० 20,280 (6) रु० 20,280

6 श्री जयरामभाई दयाभाई चौहान, नासिक रोड
(1) व्यक्ति (2) 1975-76 (3) रु० 9,67,250 (4) रु० 10,12,500 (5) रु० 27,967 (6) रु० 27,967.

7. फ्लाइट लेफ्टीनेंट एच०एच० श्रीमंत वाय०एम० मुकने, जवाहर के० महाराजा
(1) व्यक्ति (2) 1964-65 (3) रु० 17,12,104 (4) रु० 16,92,940 (5)रु० 16,814 (6) रु० 18,814 (2) 1965-66 (3) रु० 16,78,200 (4) रु० 16,63,330 (5) रु० 16,604 (6) रु० 16,604.

[सं० पी० एन० टी०/प्रकाशन/135/74-75]

सी० एन० वैष्णव, धनकर आयुक्त

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF WEALTH TAX

(POONA I)

Pune, the 17th May, 1976

S O. 1812.—In pursuance of Section 42A of the Wealth Tax Act 1957, the Central Government being of the opinion that it is necessary and expedient in the public interest to publish the names and other particulars mentioned below relating to assessee who have been assessed under the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957) on net wealth exceeding Rs. 10 lakhs (Rs. ten lakhs) during the financial year 1975-76 the same are hereby published as under :—

"(i)" stands for status—'I' for individual, 'H' for H.U.F. "(ii)" for assessment year "(iii)" for net wealth returned "(vi)" for net wealth assessed "v" for tax-payable and "(vi" for tax paid.

1. Shri F. K. Irani, 2422 East Street, Pune.

(i) I (ii) 1975-76 (iii) 11,14,300 (iv) Rs. 10,98,500 (v) Rs. 23,942 (vi) Rs. 23,942.

2. Shri Rajiv Govind Sable (Minor) Guardian—G.R. Stable, 105, Bhawani Peth, Pune.

(i) I (ii) 1974-75 (iii) Rs. 13,42,038 (iv) Rs. 13,39,400 (v) Rs. 25,127 (vi) Rs. 25,127. (ii) 1975-76 (iii) Rs. 9,90,600 (iv) Rs. 10,47,000 (v) Rs. 21,833 (vi) Rs. 19,150.

3. Shri N. G. Sable, 105, Bhawani Peth, Pune.

(i) I (ii) 1975-76 (iii) Rs. 11,47,800 (iv) Rs. 11,22,900 (v) Rs. 24,876 (vi) Rs. 24,876.

4. Shri Sahijram Motiram, 25, Koregaon Park, Pune.

(i) I (ii) 1975-76 (iii) Rs. 10,05,900 (iv) Rs. 10,05,900 (v) Rs. 20,235 (vi) Rs. 20,235.

5. Dr. C. C. Vaz, 1941 Dr. Saidhana Road, Pune-1.

(i) I (ii) 1975-76 (iii) Rs. 10,07,007 (iv) Rs. 10,07,007 (v) Rs. 20,280 (vi) 20,280.

6. Shri Jairambhai Dayabhai Chauhan, Nasik Road.

(i) I (ii) 1975-76 (iii) Rs. 9,67,250 (iv) Rs. 10,12,500 (v) Rs. 27,967 (vi) Rs. 27,967.

7. F/Lt. H. H. Shrimant Y. M. Mukane Maharaja of Jawishar.

(i) I (ii) 1964-65 (iii) Rs. 17,12,104 (iv) Rs. 16,92,940 (v) Rs. 18,814 (vi) Rs. 18,814 (ii) 1965-66 (iii) Rs. 16,78,700 (iv) Rs. 16,63,330 (v) Rs. 16,604 (vi) Rs. 16,604.

Poona :

Dated 17-5-1976

[No. PNT/Pub/135/74-75]

C. N. VAISHNAV, Commissioner.

धनकर आयुक्त, पूना II, पूना का कार्यालय

पूना, 17 मई, 1976

का.आ. 1813.—धनकर अधिनियम 1957 की धारा 42ए का अनुसरण करते हुए और लोकहित की दृष्टि से उन निर्धारितियों जिनका कर-निर्धारण वित्तीय वर्ष 1975-76 के दौरान धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के अधीन रु० 10 लाख (रु० दस लाख) से अधिक शुद्ध धन के लिए किया गया है, के नाम तथा नीचे दिये अनुसार अन्य संबंधित विवरण प्रकाशित करना आवश्यक एवं समीचीन मानते हुए केन्द्रसरकार, एतद्द्वारा उन्हें प्रकाशित करती है :—

(1) हैसियत के लिए—'व्यक्ति' क्या 'हि०अ०प०' के लिए (2) निर्धारण वर्ष के लिए (3) विवरणित शुद्ध धन के लिए (4) निर्धारित शुद्ध धन के लिए (5) देय कर के लिए और (6) अदा किये गये कर के लिए ।

1. श्री नारायण जगन्नाथ राठी, 5 बंडगार्डन रोड, पूना-1.

(1) व्यक्ति (2) 1975-76 (3) रु० 12,39,700 (4) रु० 12,12,260 (5) रु० 28,490 (6) रु० 28,490

2. श्री गौरी शंकर नीलकंठ कल्याणी, 240 एफ० शनिवार पेठ, कराड़

(1) व्यक्ति (2) 1975-76 (3) रु० 11,22,400 (4) रु० 11,35,800 (5) रु० 25,432 (6) रु० 25,432

3. श्रीमती सुलोचना नीलकंठ कल्याणी, 240 एफ० शनिवार पेठ, कराड

(1) व्यक्ति (2) 1975-76 (3) रु० 11,44,000 (4) रु० 11,44,800 (5) रु० 25,952 (6) रु० 25,952.

4. श्री हरीभाऊ मारूती वाघिरें, कार्यालय-105 भवानी पेठ, पूना-2 निवासस्थान 1196, शुक्रवार पेठ, पूना-30.

(1) व्यक्ति (2) 1974-75 (3) रु० 13,26,700 (4) रु० 13,21,600 (5) रु० 24,648 (6) रु० 24,648.

(2) 1975-76 (3) रु० 14,07,900 (4) रु० 13,73,000 (5) रु० 34,920 (6) रु० 34,920.

5. श्री उदय एन० बोरावके, 'सखूनदन्न' डेक्कन जिमखाना, पूना-4.

(1) व्यक्ति (2) 1970-71 (3) रु० 14,91,151 (4) रु० 15,21,411 (5) रु० 23,535 (6) रु० 23,535.

(2) 1971-72 (3) रु० 12,88,150 (4) रु० 13,019,68 (5) रु० 25,559 (6) रु० 25,559.

6. श्री आर०एन० बोरावके, 'सखूनंदन' डेक्कनजिमखाना, पूना-4.

(1) हि०अ०प० (2) 1970-71 (3) रु० 8,44,098 (4) रु० 10,48,500 (5) रु० 7,712, (6) रु० 7,712.

7. श्रीमती एम०जे० भोसले, अक्कलकोट की रामीसाहेबा

(1) हि०अ०प० (2) 1970-71 (3) रु० 12,34,290 (4) रु० 12,24,620 (5) रु० 12,115 (6) रु० 12,115

(2) 1971-72 (3) रु० 12,60,960 (4) रु० 12,57,200 (5) रु० 20,566 (6) रु० 20,566.

[सं० पी एन० टी/प्रकाशन/135/74-75]

डी० जी० प्रधान, धनकर आयुक्त

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF WEALTH-TAX, POONA-II, POONA

S.O. 1813.—In pursuance of section 42A of the wealth-tax Act,1957, the Central Government being of the opinion that it is necessary and expedient in the public interest to publish the names and other particulars mentioned below relating to assessees who have been assessed under the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) on net wealth exceeding Rs. 10 lakhs (Rs. Ten lakhs) during the Financial year 1975-76 the same are hereby published as under :—

"(i)" Stand for status—"I" for Individual "H" for HUF "(ii)" for assessment year "(iii)" for net wealth returned "(iv)" for net wealth assessed "(v)" for tax payable and "(vi) for tax paid.

(1) Shri Narayandas Jagannath Rathi, 5 Bund garden Road, Poona-1.

(i) I (ii) 1975-76 (iii) Rs. 12,39,700 (iv) Rs. 12,12,260. (v) Rs. 28,490/- (vi) Rs. 28490.

(2) Shri Gaurishankar Neelkanath Kalyani, 240-F. Shaniwar Peth, Karad.

(i) I (ii) 1975-76 (iii) Rs. 11,22,400 (iv) Rs. 11,35,800 (v) 25,432 (vi) 25,432.

(3) Mrs. Sulochana Neelkanth Kalyani, 240F. Shaniwar Peth, Karad.

(i) I (ii) 1975-76 (iii) Rs. 11,44,000 (iv) Rs. 11,48,800 (v) Rs. 25,952. (vi) Rs. 25,952.

(4) Shri Haribhau Maruti Waghire, Office 105 Bhavani Peth Poona-2, Resi. 1196, Shukrawar Peth, Poona-30.

(i) I (ii) 1974-75 (iii) Rs. 13,21,700 (iv) Rs. 13,21,600 (v) Rs. 26,648 (vi) Rs. 24,648.

(ii) 1975-76 (iii) Rs. 14,07,900. (iv) Rs. 13,73,000. (v) Rs. 34,920/-. (vi) Rs. 34,920.

(5) Shri Uday N. Borawake, 'Sakhunandan' Deccan Gymkhana, Poona-4.

(i) I (ii) 1970-71 (iii) Rs. 14,91,151 (iv) Rs. 15,21,411 (v) Rs. 23,535 (vi) Rs. 23,535.

(ii) 1971-72 (iii) Rs. 12,88,150 (iv) Rs. 13,01,968

(v) Rs. 25,559 (vi) Rs. 25,559.

(6) Shri R. N. Borawake, Sakhunandan, Deccan Gymkhana, Poona-4.

(i) HUF (ii) 1970-71 (iii) Rs. 8,44,098 (iv) Rs. 10,48,500 (v) Rs. 7,712 (vi) Rs. 7,712.

(7) Smt. M. J. Bhosale, Ranisaheb of Akkalkot.

(i) HUF (ii) 1970-71 (iii) Rs. 12,34,290 (iv) Rs. 12,24,620 (v) Rs. 12,115 (vi) Rs. 12,115

(ii) 1971-72 (iii) Rs. 12,60,960. (iv) Rs. 12,52,200 (v) Rs. 20,566 (vi) Rs. 20,566.

[No. PNT/Pub/135/74-75]

D. G. PRADHAN, Commissioner of Wealth

वाणिज्य मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 29 मई, 1976.

का०आ० 1814.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है कि चीनी-मिट्टी के कतिपय उपकरणों का निर्यात से पूर्व निरीक्षण किया जाए ।

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव बनाए हैं और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम II के उप-नियम (2) के अपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद् को भेज दिया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त उप-नियम के अनुसरण में उक्त प्रस्तावों को उन लोगों की जानकारी के लिए, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित करती है ।

2. सूचना दी जाती है कि यदि कोई व्यक्ति उक्त प्रस्तावों के बारे में कोई आक्षेप या सुझाव देना चाहे, तो वह उन्हें इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीस दिनों के भीतर, निर्यात निरीक्षण परिषद्, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, 14/1-बी, एजरा स्ट्रीट (आठवीं मंजिल), कलकत्ता-1 को भेज सकेगा ।

प्रस्ताव

(1) यह अधिसूचित करना कि चीनी-मिट्टी के स्वच्छता उपकरणों का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण किया जाएगा;

(2) इसके उपाबंध में दिए गए चीनी-मिट्टी के स्वच्छता उपकरणों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1976 के प्रारूप के अनुसार क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार को क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के उप प्रकार के रूप में विनिर्दिष्ट करना जो निर्यात से पूर्व ऐसे चीनी-मिट्टी के स्वच्छता उपकरणों पर लागू किया जाएगा;

(3) स्वीकृत संविदा के विनिर्देशों को उन विनिर्देशों के रूप में मान्यता देना जो क्रेता तथा विक्रेता द्वारा तय पाए गए हों ।

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के दौरान, ऐसे चीनी-मिट्टी के स्वच्छता उपकरणों के निर्यात को तब तक प्रतिषिद्ध करना, जब तक कि उसका प्रत्येक परेषण के साथ निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित अभिकरणों में से किसी एक अभिकरण द्वारा दिया गया इस आशय का प्रमाण-पत्र न हो कि चीनी-मिट्टी के स्वच्छता उपकरणों को परेषण क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण की शर्तों को पूरा करता है और वह निर्यात-योग्य है ।

3. इस आदेश की कोई भी बात, चीनी-मिट्टी के स्वच्छता उपकरणों के थल, समुद्र या वायु मार्गों से भावी क्रेताओं को किए गए निर्यात को लागू नहीं होगी ।

4. इस आदेश में चीनी-मिट्टी के स्वच्छता उपकरणों से—

(1) चमकदार मिट्टी के बने स्वच्छता उपकरण, तथा

(2) काचसम स्वच्छता उपकरण

अभिप्रेत है ।

उपाबंध—1

[निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 के अधीन बनाए जाने के लिए प्रस्तावित नियमों का प्रारूप]

1. संक्षिप्त नाम:—इन नियमों का नाम चीनी-मिट्टी के स्वच्छता उपकरणों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1976 है ।

2. परिभाषाएं:—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(क) 'अधिनियम' से निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिप्रेत है;

(ख) 'अभिकरण' से अधिनियम की धारा 7 के अधीन कोचीन, मद्रास, कलकत्ता, मुम्बई तथा दिल्ली में स्थापित अभिकरणों में से कोई एक अभिकरण अभिप्रेत है;

(ग) 'चीनी-मिट्टी के स्वच्छता उपकरणों' से चीनी-मिट्टी के निम्न लिखित स्वच्छता उपकरण अभिप्रेत है, अर्थात्—

(i) चमकदार मिट्टी के बने स्वच्छता उपकरण,

(ii) काचसम स्वच्छता उपकरण;

(घ) 'अनुसूची' से इस आदेश से अनुबद्ध अनुसूची अभिप्रेत है ।

3 क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण:—(1) चीनी-मिट्टी के स्वच्छता उपकरणों का क्वालिटी नियंत्रण, विनिर्माता द्वारा उत्पाद के विनिर्माण, परिरक्षण एवं पैकिंग के विभिन्न प्रक्रमों पर निम्नलिखित नियंत्रणों का प्रयोग करके सुनिश्चित किया जाएगा, अर्थात् :—

(i) क्रय तथा कच्चा माल नियंत्रण :

(क) प्रयुक्त की जाने वाले कच्चे माल के गुणधर्मों को सम्मिलित करते हुए, विनिर्माता द्वारा क्रम विनिर्देश अधिकथित किए जाएंगे ।

(ख) स्वीकृत परेषण या तो क्रय विनिर्देशों को अपेक्षाओं को संपुष्ट करने वाले प्रदायकर्ता के परीक्षण तथा निरीक्षण प्रमाण-पत्र के साथ होंगे, उस दशा में क्रेता द्वारा 10 परेषणों में से कम से कम एक बार यदा-कदा होने वाली जांच-पड़ताल विशिष्ट

प्रदाय-कर्ता के लिए पूर्वोक्त परीक्षण या निरीक्षण प्रमाण-पत्रों की शुद्धता को सत्यापित करने के लिए की जाएगी या क्रय किए गए माल का या तो कारखाने के भीतर प्रयोगशाला में या बाह्य प्रयोगशाला परीक्षण गृह में नियमित रूप से परीक्षण और निरीक्षण किया जाएगा ।

(ग) किए जाने वाले निरीक्षण या परीक्षण के लिए नमूने का लेना अभिलिखित अन्वेषण पर आधारित होगा ।

(घ) निरीक्षण या परीक्षण किए जाने के पश्चात्, स्वीकृत और अस्वीकृत किए गए माल को पृथक करने में तथा अस्वीकृत माल के व्ययन के लिए व्यवस्थित पद्धतियां अपनाई जाएंगी ।

(ङ) विनिर्माता द्वारा ऊपर वर्णित नियंत्रणों के बारे में पर्याप्त अभिलेख नियमित रूप से और व्यवस्थित रूप से रखे जाएंगे ।

(ii) प्रक्रिया नियंत्रण—

(क) विनिर्माण की विभिन्न प्रक्रियाओं के लिए विनिर्माता द्वारा ब्यौरेवार प्रक्रिया विनिर्देश अधिकथित किए जाएंगे ।

(ख) प्रक्रिया विनिर्देशों में यथा अधिकथित प्रक्रियाओं को नियंत्रित करने के लिए उपस्कर एवं साधनों की पर्याप्त सुविधाएं होंगी ।

(ग) विनिर्माता द्वारा विनिर्माण की प्रक्रिया के दौरान किए गए नियंत्रणों के सत्यापन की संभावना सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त अभिलेख रखे जाएंगे ।

(iii) उत्पाद नियंत्रण—

(क) यह जांच-पड़ताल करने के लिए कि क्या उत्पाद अधिनियम की धारा 6 के अधीन मान्य विनिर्देशों के अनुसार हैं, विनिर्माता को पास परीक्षण करने के लिए सुविधाएं होंगी या किसी अन्य स्थान पर विद्यमान ऐसी परीक्षण सुविधाएं उसे मिल जाएंगी ।

(ख) परीक्षण तथा निरीक्षण के लिए नमूनों का लेना किसी अभिलिखित अन्वेषण पर आधारित होगा ।

(ग) नमूने लेने और किए गए परीक्षण के बारे में पर्याप्त अभिलेख नियमित रूप से और व्यवस्थित रूप से रखे जाएंगे ।

(घ) उत्पादों की जांच करने के लिए नियंत्रण के न्यूनतम स्तरमान वे होंगे जो अनुसूची-I में विनिर्दिष्ट है ।

(iv) परिरक्षण नियंत्रण—

भंडारकरण और अभिवहन, दोनों के दौरान, उत्पाद अच्छी तरह से परिरक्षित किया जाएगा ।

(v) पैकिंग नियंत्रण—

उत्पादों की पैकिंग के लिए अनुसूची-II में वर्णित नियंत्रणों को पूरा करने की दृष्टि से पैकिंग विनिर्देश अधिकथित किए जाएंगे ।

(2) निर्यात के लिए आशयित चीनी-मिट्टी के स्वच्छ उपकरणों का निरीक्षण यह सुनिश्चित करने की दृष्टि से किया जाएगा कि उप-नियम (1) के अनुसार क्वालिटी नियंत्रण सुसंगत स्तरों पर समाधानप्रद रूप से किया गया है तथा चीनी-मिट्टी के स्वच्छता उपकरण इस प्रयोजन के लिए मान्य विनिर्देशों के अनुरूप है ।

4. निरीक्षण की प्रक्रिया.—(1) चीनी-मिट्टी के स्वच्छता उपकरणों का निर्यात करने का इच्छुक निर्यात-कर्ता, अपने ऐसा करने के आशय की सूचना लिखित रूप में अभिकरण को देगा और ऐसी सूचना के साथ एक ऐसी घोषणा देगा कि चीनी-मिट्टी के स्वच्छता उपकरणों का परेषण, नियम 3 में अधिकथित क्वालिटी नियंत्रण उपायों को प्रयुक्त करके विनिर्मित किया गया है या किया जा रहा है और परेषण इस प्रयोजन के लिए मान्य विनिर्देशों की अपेक्षाओं के अनुरूप है ।

(2) निर्यात-कर्ता अभिकरण को परेषण पर लगाए गए पहचान चिन्ह भी देगा ।

(3) उप-नियम (1) के अधीन प्रत्येक सूचना और घोषणा को, विनिर्माता के यहां से परेषण के भेजे जाने के कम से कम सात दिन पहले अभिकरण के कार्यालय में पहुंचना होगा ।

4. उप-नियम (1) के अधीन सूचना और घोषणा प्राप्त होने पर, अभिकरण, अपना इस प्रकार का समाधान कर लेने पर कि विनिर्माण की प्रक्रिया के दौरान, नियम 3 में की गई व्यवस्था अनुसार पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रण का प्रयोग किया गया है, निर्यात निरीक्षण परिषद् द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों के अनुसार परेषण का निरीक्षण करेगा ।

(5) निरीक्षण की समाप्ति के पश्चात्, यदि अभिकरण की समाधान हो जाए कि निर्यात किए जाने वाला चीनी-मिट्टी के स्वच्छता उपकरणों का परेषण नियम 3 की अपेक्षाओं के अनुरूप है, तो वह उप नियम (4) के अधीन सूचना और घोषणा प्राप्त होने के सात दिन के भीतर, परेषण को निर्यात योग्य घोषित करते हुए, निर्यात-कर्ता को प्रमाण-पत्र दे देगा; परन्तु जहां अभिकरण ने अपना इस प्रकार का समाधान नहीं किया है, वहां वह उक्त सात दिनों की अवधि के भीतर, ऐसा प्रमाण-पत्र देने से इंकार कर देगा तथा ऐसे इंकार की संसूचना उसके कारणों सहित निर्यात-कर्ता को देगा ।

5. निरीक्षण का स्थान.—इन नियमों के अधीन प्रत्येक निरीक्षण या तो—

(क) ऐसे उत्पादों के विनिर्माता के परिसर पर किया, जाएगा या

(ख) उस परिसर पर किया जाएगा, जहां निर्यात-कर्ता द्वारा माल प्रस्तुत किया जाए, परन्तु यह तब जब कि वहीं निरीक्षण करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं विद्यमान हों ।

6. निरीक्षण फीस.—प्रत्येक परेषण के लिए बीस रुपए की न्यूनतम राशि की सीमा में रहते हुए ऐसे प्रत्येक परेषण के पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के प्रत्येक एक सौ रुपए के लिए तीस पैसे की दर से फीस, निरीक्षण फीस के रूप में निर्यात-कर्ता द्वारा अभिकरण को दी जाएगी ।

7. अपील—(1) नियम 4 के उप-नियम (5) के अधीन अभिकरण के द्वारा प्रमाण-पत्र देने से इंकार किए जाने से व्यथित कोई व्यक्ति ऐसे इंकार की सूचना प्राप्त होने के दस दिनों के भीतर केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए नियुक्त विशेषज्ञों के ऐसे पैनल को अपील कर सकेगा जिसमें कम से कम तीन किन्तु सात से अनधिक विशेषज्ञ होंगे ।

(2) ऐसे पैनल में विशेषज्ञों के पैनल की कुल सदस्य संख्या के कम से कम दो-तिहाई सदस्य गैर-सरकारी होंगे ।

(3) पैनल की गणपूर्ति तीन सदस्यों की होगी ।

(4) अपील को उसे प्राप्त होने के पन्द्रह दिनों के भीतर निपटा दिया जाएगा ।

अनुसूची-I

[नियम 3, उप-नियम (i) (iii) (ष) देखें]

उत्पादो के लिए नियंत्रण स्तर

क्रम सं०	अपेक्षाए	सदर्भ	नमूनो की संख्या	आवृत्ति	टिप्पणी
1	(क) अनुमेय दाग व कमियों के लिए फिनिश	—	सभी नग	प्रति बैच	—
	(ख) चमकाना	—	सभी नग	प्रति बैच	—
2.	मोटाई तथा अन्य माप	—	कम से कम दो नग	प्रति बैच	—
3.	लेप चटकना	—	एक	प्रति बैच	—
4.	जल शोषण	—	एक नग	प्रति बैच	—
5.	रसायनिक प्रतिरोध के लिए निरीक्षण	—	एक नग	प्रति बैच	—
6.	विवारण मापांक	—	नमूने के दो नग	प्रति बैच	—
7.	ऊष्मीय प्रधात परीक्षण	—	एक नमूना	प्रति बैच	जहां कही लागू हो
8.	विकुंचता	—	दो नमूने	प्रति बैच	जहां कही लागू हो
9.	सम्प्रवाहन परीक्षण	—	दो नग	प्रति बैच	जहा कही लागू हो

अनुसूची-II

[नियम 3, उप-नियम (v) देखें]

पैकिंग के लिए नियंत्रणस्तर

1. पैकिंग देखने में सुन्दर होंगे और ये अभिवहन के दौरान उठाई-धराई सहन करने योग्य होगे ।

2. पैकजों में स्वच्छता संबंधी वस्तु को उपकरणों को इस प्रकार पैक किया जाएगा जिससे उनका आपस में टकराव न हो ।

3. प्रत्येक पैकेज पर निम्नलिखित जानकारी दी जाएगी, अर्थात् :—

(क) सामग्री का नाम ।

(ख) विनिर्माता का नाम तथा व्यापार चिह्न, यदि कोई हो ।

(ग) माल की मात्रा ।

[सं० (15)/75-नि० नि० तथा नि० सं०]

MINISTRY OF COMMERCE

ORDER

New Delhi, the 29th May, 1976

S.O. 1814.—Whereas, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do for the development of the export trade of India that certain ceramic sanitary appliances shall be subject to Quality control and inspection prior to export;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council, as required by Sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within thirty days of the date of publication of this order in the official Gazette to the Export Inspection Council, World Trade Centre, 14/1B, Ezra Street (7th floor), Calcutta-1.

PROPOSALS

(1) to notify that ceramic sanitary applicances shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) to specify the type of quality control and inspection in accordance with the draft Export of Ceramic Sanitary Appliances (Quality Control and Inspection) Rules, 1976 set out in the Annexure hereto as the type of quality control and inspection which shall be applied to such ceramic sanitary appliances prior to export;

(3) to recognise the specifications of the contract as agreed upon between the buyer and the seller;

(4) to prohibit the export, in the course of internationl trade, of such ceramic sanitary appliances, unless every consignment thereof is accompanied by a certificate issued by any of the Agencies established under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) to the effect that consignment of ceramic sanitary appliances satisfies the conditions relating to quality control and inspection and is export-worthy.

3. Nothing in this order shall apply to the export by land, sea or air, of samples of ceramic sanitary appliances to prospective buyers.

4. In this Order, 'Ceramic sanitary appliances' shall mean—

(1) Glazed earthenware sanitary applicances.

(2) Vitreous sanitary appliances.

ANNEXURE I

[Draft rules proposed to be made under section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963)]

1. Short title.—These rules may be called the Export of Ceramic Sanitary Appliances (Quality Control and Inspection) Rules, 1976.

2. Definition.—In these rules, unless the context otherwise requires,

(a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);

(b) "Agency" means any one of the agencies, established under section 7 of the Act at Cochin, Madras Calcutta, Bombay and Delhi;

(c) "Ceramic Sanitary Appliances" means the following ceramic sanitary appliances, namely :—

(1) Glazed earthenware sanitary applicances

(2) Vitreous sanitary appliances;

(d) "Schedule" means the Schedule appended to these rules.

3. Quality Control and Inspection.—(1) The quality control of ceramic sanitary appliances shall be ensured by the manufacturer by effecting the following controls at different

stages of manufacture, preservation and packing of the product, namely :—

(i) Purchase and raw material control :—

(a) Purchase specifications shall be laid down by the manufacturer incorporating the properties of raw materials to be used.

(b) Either the accepted consignments shall be accompanied by a supplier's test and inspection certificate corroborating the requirements of the purchases specifications, in which case occasional checks shall be conducted at least once in 10 consignments by the purchaser for a particular supplier to verify the correctness of the aforesaid test or inspection certificates or the purchased material shall be regularly tested and inspected either in the laboratory within the factory or in an outside laboratory of test house.

(c) The sampling for inspection or test to be carried out shall be based on the recorded investigations.

(d) After the inspection or test is carried out, systematic methods shall be adopted in segregating the accepted and rejected materials and for disposal of the rejected materials.

(e) Adequate records in respect of the aforesaid controls shall be regularly and systematically maintained by the manufacturer.

(ii) Process control :—

(a) Detailed process specification shall be laid down by the manufacturer for different processes of manufacture.

(b) Equipment and instrumentation facilities shall be adequate to control the processes as laid down in the process specification.

(c) Adequate records shall be maintained by the manufacturer to ensure the possibility of verifying the controls exercised during the process of manufacture.

(iii) Product control :—

(a) The manufacturer shall have either his own testing facilities or shall have access to such testing facilities existing elsewhere to check up whether the product conforms to specifications recognised under section 6 of the Act.

(b) Sampling for test and inspection to be carried out shall be based on the recorded investigation.

(c) Adequate records in respect of sampling and test carried out shall be regularly and sytematically maintained.

(d) The minimum levels of conrtol to check the products shall be as specified in Schedule I.

(iv) Preservation Control :—

The product shall be well preserved both during the storage and the transit.

(v) Packing control :—

Packing specifications shall be laid down with a view to satisfying controls mentioned in Schedule II for packing of the products.

(2) The inspection of ceramic sanitary appliances intended for export shall be carried out with a view to ensuring that the quality control in accordance with sub. rule (1) has been exercised at the relevant levels satisfactorily and the ceramic sanitary appliances conform to the specifications recognised for the purpose.

4. Procedure of inspection.—(1) The exporter intending to export a consignment of ceramic sanitary appliances shall give intimation in writing of his intention to do so to the agency and submit along with such intimation, a declaration that the consignment of ceramic sanitary appliances has been or is being manufactuered by exercising quality control measures laid down in rule 3 and that the consignment conforms to the requirements of the specifications recognised for the purpose.

(2) The exporter shall also furnish to the agency, the identification marks applied on the consignment.

(3) Every intimation and declaration under sub-rule (1) shall reach the office of the agency not less than seven days prior to the despatch of the consignment from the manufacturer.

(4) On receipt of the intimation and declaration under sub-rule (1) the agency, after satisfying itself that during the process of manufacture, adequate quality control as provided in rule 3, has been exercised, shall carry out the inspection of the consignment in accordance with the instructions issued by the Export Inspection Council from time to time.

(5) If after inspection the agency is satisfied that the consignment of ceramic sanitary appliances to be exported complies with the requirements of Rule 3, it shall within seven days of the receipt of intimation and declaration under sub-rule (4), issue a certificate to the exporter declaring the consignment as exportworthy: provided that where the agency is not so satisfied, it shall within the said period of seven days refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter along with the reasons therefor.

5. Place of inspection.—Every inspection under these rules shall be carried out either :—

(a) at the premises of the manufacturer of such products, or

(b) at the premises at which the goods are offered by the exporter provided adequate facilitate for inspection exist therein.

6. Inspection fee.—Subject to a minimum of rupees twenty for each consignment, a fee, at the rate of thirty paise for every hundred rupees of f.o.b. value of each such consignment, shall be paid by the exporter to the Agency as inspection fee.

7. Appeal.—(1) Any person aggrieved by the refusal of the agency to issue a certificate under sub-rule (5) of rule 4, may within ten days of the receipt of the communication of such refusal by him, prefer an appeal to a panel of experts consisting of not less than three but not more than seven persons, appointed for the purpose by the Central Government.

(2) The panel shall consist of at least two-thirds of non-officials of the total membership of the penal of experts.

(3) The quorum for the panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed of within fifteen days of its receipt.

SCHEDULE I

[See rule 3, Sub-rule (1) (iii) (d)]

Levels of Control for Products

Sl. No.	Requirement	Reference	Number of samples	Frequency	Remarks
1.	Finish for	—	All pieces	Per batch	—
	(a) Permissible blemishes & defects				
	(b) Glazing	—	All pieces	Per batch	—
2.	Thickness and other measurement	—	Atleast 2 pieces	Per batch	—
3.	Crazing	—	1 piece	Per batch	—
4.	Water absorption	—	1 piece	Per batch	—
5.	Test for Chemical resistance	—	1 piece	Per batch	—
6.	Modulous of rupture	—	2 sample pieces	Per batch	—
7.	Thermal shock test	—	1 sample	Per batch	whenever applicable
8.	Warpage	—	2 samples	Per batch	whenever applicable
9.	Flushing test	—	2 pieces	Per batch	whenever applicable

SCHEDULE II

[See rule 2, sub-rule (v)]

Levels of control for Packing

1. The packages shall have a good presentability and a sufficient strength to stand handling during transit.

2. The senitaryware appliances within the packages shall be so packed as to avoid collisions amongst them.

3. The following information shall be given on each package, namely :—

(a) Name of the material.

(b) Manufacturers' name and trade mark, if any.

(c) Quantity of the material.

[No. 6(15)/75-EI&FP.]

आदेश

का०आ० 1815.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए, भारत सरकार के भूतपूर्व विदेश व्यापार एवं संभरण मंत्रालय की अधिसूचना सं० का०आ० 2333, ता० 12 जून, 1969 में निम्नलिखित रूप में संशोधन करना आवश्यक तथा समीचीन है;

और केन्द्रीय सरकार ने इसके लिए प्रस्तावों को, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और परीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उप-नियम (2) की अपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद् को भेज दिया है;

अब, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त उप-नियम के अनुसरण में जनता की, जानकारी के लिए उक्त प्रस्तावों को प्रकाशित करती है जिसकी उससे प्रभावित होने की संभावना है;

2. सूचना दी जाती है कि उक्त प्रस्तावों के बारे में कोई आक्षेप या सुझाव देने का इच्छुक कोई व्यक्ति उन्हें इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीस दिन के भीतर, निर्यात निरीक्षण परिषद, वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर, (आठवीं मंजिल), 14/1-बी, एजरा स्ट्रीट, कलकत्ता को भेज सकेगा ।

प्रस्ताव

भारत सरकार के विदेश व्यापार तथा संभरण मंत्रालय (विदेश व्यापार विभाग) के आदेश सं० का० आ० 2333, तारीख 12 जून, 1969 में—

(1) उपाबंध-i में, मद संख्या 2 तथा उससे संबंधित प्रविष्टियों का लोप किया जाएगा ।

(2) उपाबंध ii में, क्रम सं० 2 से लेकर 5 तथा स्तम्भ (2) एवं (3) में तत्संबंधी प्रविष्टियों का लोप किया जाएगा ।

[सं० 6(15)/75-नि०नि० तथा श० सं०]

के० वी० बालसुब्रह्मणियम, उप-निदेशक ।

ORDER

S.O. 1815.—Whereas the Central Government is of opinion that in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), it is necessary and expedient to amend the notification of the Government of India in the late Ministry of Foreign Trade and Supply No. S. O. 2333 dated the 12th June, 1969, in the manner specified below for the development of the export trade of India;

And whereas the Central Government has forwarded the proposal in that behalf to the Export Inspection Council, as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule the Central Government hereby publishes the said proposal for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposal may forward the same within thirty days from the date of publication of this order in the Official Gazette to the Export Inspection Council, 'World Trade Centre' (8th floor), 14/1B, Ezra Street, Calcutta-1.

PROPOSAL

In the order of the Government of India in the late Ministry of Foreign Trade and Supply (Department of Foreign Trade) No. S. O. 2333 dated the 12th June, 1969,—

(i) in Annexure I, item 2 and the entry relating thereto shall be omitted;

(ii) in Annexure II, Sl. Nos. 2 to 5 and the entries relating thereto in columns (2) and (3) shall be omitted.

[No. 6(15)/75/FI&EP]

K. V. BALASUBRAMANIAM, Dy. Director.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110027
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110006, 1976.